THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 164 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) अश्विन कृ.2 2082 मंगलवार, 9 सितंबर-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

मुठभेड़ में 2 आतंकी मारे गए, 3-4 अब भी छिपे-2 जवान घायल

कुलगाम, 8 सितंबर (एजेंसियां)। सेना ने कश्मीर के कुलगाम में मुठभेड़ के दौरान 2 आतंकियों को मार गिराया है। सोमवार सुबह गुड्डर के जंगलों में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ शुरू हुई। सेना ने इसे ऑपरेशन गुड्डर नाम दिया है। इस दौरान एक जेसीओ समेत 2 जवान घायल हुए हैं। मारे गए एक आतंकी की पहचान शोपियां के रहने वाले आमिर अहमद डार के रूप में हुई है। वह लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा था और सितंबर 2023 से एक्टिव था। पहलगाम हमले के बाद सुरक्षा एजेंसियों की तरफ से जारी 14 आतंकवादियों की लिस्ट में यह भी शामिल था।

नेपाल हिंसा में 20 की मौत, 250 घायल

गृहमंत्री का इस्तीफा

काठमांडू, 8 सितंबर (एजेंसियां)। नेपाल सरकार द्वारा सोशल मीडिया मंचों पर प्रतिबंध लगाए जाने के विरोध में सोमवार को युवाओं के नेतृत्व में यहां हिंसक प्रदर्शन हुए, जिसमें 20 लोगों की मौत हो गई और 250 से अधिक लोग घायल हो गए। हालात को नियंत्रित करने के लिए अधिकारियों को सेना को तैनात करना पड़ा। काठमांडू में संसद भवन के सामने 'जेन जी' के बैनर तले स्कूली छात्रों समेत हजारों युवाओं की दंगा-रोधी पुलिस के साथ झड़प हुई। नेपाल में बढते विरोध के बीच गृहमंत्री रमेश लेखक ने पद से इस्तीफा दे दिया।

काठमांडू में कर्फ्यू, देखते ही गोली मारने का आदेश। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कुछ आंदोलनकारी संसद परिसर में घुस गए, इसके बाद पुलिस को भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठियां चलानी पड़ी, आंसू गैस के गोले और रबर की गोलियों का सहारा लेना पड़ा। सराकर ने भुटवल, भैरवाह और पोखरा समेत कई शहरों में कर्फ्यू लगा दिया गया है।

काठमांडू में कर्फ्यू, देखते ही गोली मारने का आदेश

वहीं नेपाल में चल रहे इस विरोध प्रदर्शन को देखते हुए भारतीय सुरक्षाबलों ने सीमा पर निगरानी कड़ी कर दी है। नेपाल पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि सुरक्षाकर्मियों समेत 250 से अधिक लोग घायल हुए हैं और उनका काठमांडू के सिविल अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, हिंसा में 20 लोग मारे गए। हालांकि पुलिस ने मृतकों की संख्या के बारे में कोई पुष्टि नहीं की है। सैन्य अधिकारियों ने बताया कि स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सेना को तैनात किया गया है। काठमांडू जिला प्रशासन ने संसद भवन के आसपास के क्षेत्रों में अशांति को रोकने के लिए अपराह्न 12:30 बजे से रात 10:00 बजे तक निषेधाज्ञा लागू की। मुख्य जिला अधिकारी छवि लाल रिजाल ने एक नोटिस में कहा, प्रतिबंधित क्षेत्र में लोगों के आवागमन, प्रदर्शन, बैठक, सभा या धरना-प्रदर्शन की अनुमति नहीं होगी। स्थानीय प्रशासन ने बाद में ये प्रतिबंधात्मक आदेश राष्ट्रपति भवन, उपराष्ट्रपति आवास और प्रधानमंत्री कार्यालय के आसपास के विभिन्न क्षेत्रों में भी लागू कर दिए। नेपाल सरकार ने अनिवार्य पंजीकरण प्रक्रिया का पालन नहीं करने पर चार सितंबर को फेसबुक, व्हाट्सएप और एक्स सहित 26 सोशल मीडिया मंचों पर प्रतिबंध लगा दिया था।

सरकार ने अपना रुख स्पष्ट किया है कि सोशल मीडिया मंचों पर प्रतिबंध उन्हें विनियमित करने के लिए लगाया गया है, लेकिन आम जनता में धारणा यह है कि इससे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला होगा और सेंसरशिप की नौबत आ सकती है। न्यू बानेश्वर में हिंसक झड़पों के दौरान गोली लगने से घायल हुए प्रदर्शनकारी ने सिविल अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

उपराष्ट्रपति चुनाव में बीआरएस-बीजेडी का बड़ा एलान

मतदान में हिस्सा नहीं लेंगे दोनों दल

नई दिल्ली, 8 सितंबर (एजेंसियां)। कल देश के नए उपराष्ट्रपति के नाम का एलान हो जाएगा। इस बार उपराष्ट्रपति चुनाव में एनडीए प्रत्याशी सी.पी. राधाकृष्णन और विपक्ष के बी सुदर्शन रेड्डी के बीच सीधा मुकाबला है।

इस बीच, दो राजनैतिक दलों ने कल होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव से दूर रहने का एलान किया है। इन दलों में बीआरएस और बीजू जनता दल शामिल हैं। बता दें कि जगदीप धनखड़ के अचानक स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए 21 जुलाई को इस्तीफा दे दिया था, जिस कारण रिक्त हुए उपराष्ट्रपति पद के लिए मध्यावधि चुनाव कराया जा रहा है।

अब कल यानी नौ सितंबर को यह प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। उपराष्ट्रपति पद के चुनाव से ठीक एक दिन पहले बीआरएस और बीजू जनता दल ने चौंकाने वाला एलान किया है। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामाराव ने कहा कि उनकी पार्टी उपराष्ट्रपति चुनाव से दूर रहेगी। इसी तरह बीजद ने भी ऐसी ही घोषणा की है। बीजद के नेता सस्मित पात्रा ने कहा कि बीजू जनता दल मंगलवार को होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव से दूर रहेगा। उपराष्ट्रपति चुनाव की तैयारियों के बीच सत्तारूढ़ एनडीए और विपक्ष के इंडिया गठबंधन दोनों के बीच कड़ी टक्कर चल रही है। यह एनडीए और इंडिया गठबंधन के बीच एक तरह से शक्ति प्रदर्शन माना जा रहा है। बीजद और बीआरएस के चुनाव से हटने के बाद भी अभी तक अकाली दल, जेडपीएम और वीओटीटीपी के एक-एक सांसद और तीन निर्दलीय सांसदों ने अभी तक अपनी पसंद का स्पष्ट संकेत नहीं दिया है।

सुप्रीम कोर्ट बोला-नेता को मोटी चमड़ी वाला होना चाहिए

> कोर्ट ने खारिज की सीएम रेवंत के खिलाफ भाजपा की याचिका

नई दिल्ली, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा- नेताओं को मोटी चमड़ी का होना चाहिए। राजनीतिक लड़ाइयों के लिए सुप्रीम कोर्ट का उपयोग नहीं करना चाहिए।

कोर्ट ने ये टिप्पणी भाजपा नेता द्वारा तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी के खिलाफ लगाई गई याचिका की सुनवाई के दौरान कही। 2024 लोकसभा चुनाव के प्रचार के दौरान सीएम रेड्डी ने कहा था- अगर बीजेपी 400 सीट जीती तो आरक्षण समाप्त कर देगी। तेलंगाना भाजपा के महासचिव वेंकटेश्वरलू ने दावा किया था कि इससे पार्टी को नुकसान हुआ और उसने रेड्डी के खिलाफ मानहानि की याचिका दायर की गई थी। तेलंगाना हाईकोर्ट ने याचिका को खारिज कर दिया था, जिसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट में सीजेआई बीआर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन, अतुल एस चंदुरकर की पीठ ने भी याचिका खारिज कर दी। हैदराबाद ट्रायल कोर्ट ने पिछले साल अगस्त में कहा था कि रेड्डी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता के तहत मानहानि के अपराध और जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 125 के तहत केस बनता है। अधिनियम की धारा 125 चुनाव से जुड़े वर्गों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने से संबंधित थी।

रेड्डी ने ट्रायल कोर्ट के आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी, जिसमें दावा किया गया कि शिकायत में लगाए गए आरोपों से उनके खिलाफ केस नहीं बनाते।

मेहुल चोकसी को ऑर्थर जेल में साफ टॉयलेट, पानी मिलेगा

> केंद्र ने बेल्जियम को 14 सुविधाओं की लिस्ट सौंपी

नई दिल्ली, 8 सितंबर (एजेंसियां)। पंजाब नेशनल बैंक के 13,850 करोड़ के फ्रॉड के आरोपी और भगोड़ा बिजनेसमैन को बेल्जियम से भारत लाने की कोशिश जारी हैं। केंद्र ने बेल्जियम सरकार को एक लेटर में बताया कि चोकसी को मुंबई के आर्थर रोड जेल के बैरक नंबर-12 में रखा जाएगा। वहां एक कोठरी में 6 लोगों के रहने की क्षमता है।

लेटर में कहा गया कि अगर चोकसी को बेल्जियम से भारत लाए जाता है, तो उसके साथ मानवीय व्यवहार किया जाएगा। उसे 14 से ज्यादा सुविधाएं देने का भरोसा दिया है। हालांकि, केंद्र ने चोकसी के प्रत्यर्पण के लिए यह पत्र कब लिखा इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। भारतीय जांच एजेंसियों के प्रत्यर्पण की अपील पर, चोकसी को 12 अप्रैल को बेल्जियम में गिरफ्तार किया गया था। वह और उसका भतीजा नीरव मोदी, पीएनबी धोखाधड़ी मामले में मुख्य आरोपी हैं। भगोड़ा नीरव लंदन में है। उसके प्रत्यर्पण के लिए भी कोशिशें जारी हैं। दोनों ने 2018 में भारत छोड़ दिया था। गृह मंत्रालय ने बताया कि लेटर भेजे जाने तक आर्थर जेल में बैरक नंबर-12 की 2 कोठरियां खाली थीं। कोठरियों में ग्रिल वाली खिड़कियां, वेंटिलेटर और सीलिंग फैन लगे हैं। मुंबई का मौसम आमतौर पर साल भर सुहावना रहता है और ज्यादा गर्मी नहीं होती। इसलिए, कोठरियों में एयर कंडीशनिंग की सुविधा नहीं है। आमतौर पर इसकी जरूरत भी नहीं होती।

मुंबई जेल की कोठरियों में रोजाना झाड़ू-पोंछा लगाया जाता है और साफ-सफाई का पूरा ध्यान रखा जाता है। नियमित सफाई, पेस्ट कंट्रोल और नगरपालिका की तरफ से पानी सप्लाई किया जाता है। लिविंग एरिया से हटकर एक अटैच्ड टॉयलेट और बाथरूम है।

'कोई भी दस्तावेज जारी हो सकता है'

* आधार कार्ड स्वीकार करने के निर्देश

सुप्रीम कोर्ट ने किया साफ

नई दिल्ली, 8 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण मामले में सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया है कि आधार, मतदाता सूची के लिए वैध पहचान पत्र है, लेकिन इसे नागरिकता का सबूत नहीं माना जा सकता।

सोमवार को बिहार मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण मामले पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को निर्देश दिया कि वे आधार कार्ड को 12वां दस्तावेज मानें ताकि मतदाता वोटर लिस्ट में नाम शामिल कराने के लिए आधार कार्ड को भी पेश कर सकें। चुनाव आयोग पहले ही 11 दस्तावेजों की सूची जारी कर चुका है, जिन्हें दिखाकर मतदाता, वोटर लिस्ट में अपना नाम शामिल कर सकते हैं। पहले इन दस्तावेजों में आधार कार्ड शामिल नहीं था, लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट ने आधार कार्ड को बतौर 12वां दस्तावेज मानने का निर्देश जारी किया है। शीर्ष अदालत ने चुनाव आयोग से अपने सभी अधिकारियों को निर्देश जारी करने को कहा है ताकि आधार कार्ड को स्वीकार किया जा सके। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया कि आधार कार्ड को नागरिकता का सबूत नहीं माना जा सकता। चुनाव आयोग को बड़ी राहत देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि चुनाव आयोग को आधार कार्ड की वैधता जांचने का पूरा अधिकार होगा। राजद और अन्य याचिकाकर्ताओं ने मांग की थी कि आधार कार्ड दिखाने पर लोगों को मतदाता सूची में शामिल किया जाए। इन याचिकाओं पर जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने आदेश जारी किया। राजद की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने दावा किया कि पूर्व में सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बावजूद बूथ लेवल अधिकारी आधार कार्ड को स्वीकार नहीं कर रहे थे।

अपने इलाकों में शांति बनाए रखें : पीएम मोदी

> मणिपुर दौरे से पहले विधायकों को दी गई महत्वपूर्ण जानकारी

नई दिल्ली, 8 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उत्तर पूर्व राज्य मणिपुर जा सकते हैं। उनकी ये यात्रा काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है, क्योंकि मई 2023 से राज्य में शुरू हुआ जातीय संघर्ष अब भी जारी है। इस घटना के शुरू होने के बाद पीएम मोदी की ये पहली यात्रा होगी। पीएम मोदी की इस यात्रा को ध्यान में रखते हुए वहां के राज्यपाल अजय भल्ला ने प्रदेश के बीजेपी और सहयोगी दलों के विधायकों को यात्रा से पहले राज्य में तनाव को कम करने के लिए अपने निर्वाचन क्षेत्रों के लोगों से बात करने को कहा है।

ये जानकारी हमारे सहयोगी संस्थान इंडियन एक्सप्रेस को पता चली है। हालांकि प्रधानमंत्री की यात्रा के बारे में अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन राज्यपाल भल्ला ने बीते रविवार को मणिपुर राजभवन में बीजेपी और उसके सहयोगी दलों के विधायकों की एक बैठक बुलाई। जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह और विधानसभा अध्यक्ष सत्यव्रत सिंह के साथ-साथ मणिपुर भाजपा प्रमुख ए शारदा देवी सहित 20 से अधिक विधायकों ने भाग लिया। इस बैठक को लेकर मिली जानकारी के अनुसार आगामी 13 सितंबर को मिजोरम में पीएम मोदी के संभावित यात्रा कार्यक्रम के विधायकों को बताया गया है।

तीन दिवसीय संयुक्त कमांडर सम्मेलन का शुभारंभ करेंगे पीएम मोदी

कोलकाता, 8 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 सितंबर को कोलकाता में तीन दिन चलने वाले संयुक्त कमांडर सम्मेलन का शुभारंभ करेंगे। एक रक्षा अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। एक आधिकारिक बयान में बताया गया है कि यह सम्मेलन 15 से 17 सितंबर तक चलेगा और इसमें सुधार, बदलाव और संचालन की तैयारी पर फोकस किया जाएगा। बयान में बताया गया कि इस साल के सम्मेलन का विषय 'सुधारों का वर्ष-भविष्य के लिए बदलाव' है। बयान में कहा गया है कि इस सम्मेलन का फोकस सशस्त्र बलों के अंदर सुधार लाने, उनकी एकता बढ़ाने और नई तकनीक अपनाने पर होगा। साथ ही, यह सुनिश्चित करना है कि सेना हर तरह के हालात में पूरी तैयारी के साथ काम कर सके।

'पूरी परीक्षा प्रणाली को बर्बाद कर रहे आप लोग, मुन्ना भाई अंदर रहना चाहिए'

कोर्ट ने आरोपी को लगाई फटकार

नई दिल्ली, 8 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक आरोपी से कहा कि वह पूरी सार्वजनिक परीक्षा प्रणाली को बर्बाद कर रहा है। व्यक्ति पर आरोप है कि उसने उत्तर प्रदेश में दिसंबर 2024 में हुई सीटीईटी (सीटीईटी) परीक्षा में अपने स्थान पर किसी और को बैठाया। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने सुनवाई के दौरान कहा, 'मुन्ना भाई अंदर रहना चाहिए।'

यह टिप्पणी 2003 की बॉलीवुड फिल्म 'मुन्ना भाई एमबीबीएस' की ओर इशारा करती है, जिसमें अभिनेता संजय दत्त ने मुन्ना भाई का किरदार निभाया था और परीक्षा में अपने स्थान पर किसी और को बैठाया था। पीठ ने कहा, आप पूरी सार्वजनिक परीक्षा प्रणाली को बर्बाद कर रहे हैं। ऐसे लोगों की वजह से कई असली अभ्यर्थियों को नुकसान होता है।

याचिकाकर्ता के वकील की दलील

याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि इस मामले में तीन लोगों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया गया था और उनमें से दो को जमानत मिल चुकी है।उन्होंने यह भी कहा कि उस व्यक्ति को भी जमानत मिल चुकी है, जो दूसरे की जगह अभ्यर्थी बनकर परीक्षा देने बैठा था।

यूपी सरकार को नोटिस

कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार को नोटिस जारी किया और इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश पर जवाब मांगा, जिसमें याचिकाकर्ता को जमानत देने से इनकार किया गया था। मामले की अगली सुनवाई चार हफ्ते बाद होगी।

दुस्साहस को असंवेदनशीलता से आगे बढ़ाया जा रहा

> निकोबार प्रोजेक्ट को लेकर सरकार पर सोनिया हमलावर

नई दिल्ली, 8 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने केंद्र सरकार के ग्रेट निकोबार मेगा इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट को 'योजनाबद्ध विनाश' करार देते हुए सोमवार को कहा कि यह योजना निकोबार द्वीप के आदिवासी समुदायों के अस्तित्व के लिए गंभीर खतरा है और इसे संवेदनहीनता के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने इसे देश के कानूनों और संवैधानिक प्रक्रियाओं का मजाक बताया। एक अखबार में प्रकाशित अपने लेख 'द मेकिंग ऑफ एन इकोलॉजिकल डिजास्टर इन द निकोबार' में सोनिया ने लिखा कि इस परियोजना से शोमपेन और निकोबारी जनजातियों के जीवन पर सीधा खतरा मंडरा रहा है। उन्होंने कहा, जब इन समुदायों के अस्तित्व पर संकट हो, तब समाज का सामूहिक विवेक चुप नहीं रह सकता।

जंगल और जीवन पूरी तरह नष्ट हो जाएगा :

सोनिया गांधी ने बताया कि 72,000 करोड़ रुपये की इस परियोजना के तहत एक ट्रांसशिपमेंट पोर्ट, अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, पावर प्लांट और टाउनशिप का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए 160 वर्ग किलोमीटर से ज्यादा क्षेत्र को कवर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से निकोबारी जनजाति अपने पुश्तैनी गांवों से हमेशा के लिए विस्थापित हो जाएगी। ये गांव पहले ही 2004 की सुनामी के दौरान खाली कराए गए थे। वहीं, शोमपेन जनजाति का जंगल और जीवन पूरी तरह नष्ट हो जाएगा। सोनिया ने आरोप लगाया कि सरकार ने इस प्रक्रिया में आदिवासी अधिकारों की रक्षा के लिए बने राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग और स्थानीय ट्राइबल काउंसिल की सलाह नहीं ली। यहां तक कि सामाजिक प्रभाव आकलन रिपोर्ट में भी इन समुदायों का जिक्र नहीं किया गया।

पुराने जंगलों का विकल्प नहीं :

परियोजना से पर्यावरण को भी भारी नुकसान होगा। सोनिया ने बताया कि पर्यावरण मंत्रालय के अनुसार 8.5 लाख पेड़ काटे जाएंगे, जबकि स्वतंत्र आकलन के मुताबिक यह संख्या 32 से 58 लाख तक हो सकती है। उन्होंने कहा कि सरकार का 'प्रतिपूरक वनीकरण' का वादा प्राकृतिक और पुराने जंगलों का विकल्प नहीं हो सकता। सोनिया ने चेताया कि यह क्षेत्र भूकंप प्रवण है, ऐसे में इतना बड़ा प्रोजेक्ट लोगों, निवेश और पर्यावरण-तीनों के लिए जोखिमपूर्ण होगा।

अमेरिका के दोस्त ने की भारत से डील

नई दिल्ली, 8 सितंबर (एजेंसियां)। भारत और अमेरिका के बीच टैरिफ को लेकर विवाद के बीच अमेरिका के मित्र राष्ट्र इजराइल ने भारत के साथ अहम आर्थिक समझौता किया है। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय निवेश संधि यानी बीआईटी पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसका मकसद निवेश को बढ़ावा देना है। इजराइल के वित्त मंत्री भारत के दौरे पर हैं। इस डील को लेकर वित्त मंत्रालय ने एक्स पर एक पोस्ट किया और समझौते की जानकारी दी। दूसरी ओर इजराइली मंत्री ने बेजेलेल स्मोट्रिच ने कहा कि भारत और इजराइल दोनों ही इस्लामिक आतंकवाद का सामना कर रहे हैं। दरअसल, वित्त मंत्रालय की तरफ से पोस्ट में कहा, "भारत और इजराइल सरकार ने आज नई दिल्ली में द्विपक्षीय निवेश समझौते बीआईटी पर हस्ताक्षर किए हैं।'

दूसरी ओर इजराइली वित्त मंत्री ने कहा, आज मैंने भारतीय वित्त मंत्री के साथ जिस द्विपक्षीय निवेश समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, वह निजी कंपनियों को एक-दूसरे की अर्थव्यवस्थाओं में निवेश करने के लिए एक मज़बूत आधार प्रदान करता है। इज़राइल के वित्त मंत्री बेज़ेलेल स्मोट्रिच ने कहा, भारतीय कंपनियां इज़राइल में निवेश करके पूरी तरह सुरक्षित महसूस कर सकती हैं और इज़राइली कंपनियां भारत में निवेश करके सुरक्षित महसूस कर सकती हैं। उन्होंने यह भी कहा, इज़राइल और भारत में अतीत और वर्तमान दोनों में बहुत कुछ समान है। दोनों देशों को इस्लामी आतंकवाद के घातक हमलों का सामना करना पड़ता है। वित्त मंत्री बेजेलल स्मोट्रिच ने कहा, इज़राइल और भारत की संयुक्त आर्थिक क्षमता अपार है। यह लोकतंत्र, धार्मिक स्वतंत्रता, मानवीय गरिमा और लोकतंत्र के इन्हीं मूल्यों पर आधारित है। हमारी दोनों सरकारें इन निवेशों को अत्यधिक प्रोत्साहित करती हैं और एक ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र बनाती हैं जो आने वाले वर्षों में इन निवेशों को सुरक्षा और बीमा प्रदान करेगी।

अग्रिम जमानत के लिए केरल हाईकोर्ट की प्रथा पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

14 अक्टूबर को होगी सुनवाई

नई दिल्ली, 8 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक अहम कानूनी सवाल पर विचार करने का फैसला लिया है। अदालत यह तय करेगी कि अग्रिम जमानत यानि एंटिसिपेट्री बेल के लिए आरोपी या याचिकाकर्ता को पहले सत्र न्यायालय का दरवाजा खटखटाना अनिवार्य है या फिर वह सीधे हाईकोर्ट जा सकता है।

यह सवाल विशेष रूप से केरल हाईकोर्ट की उस प्रथा को देखते हुए उठा है, जिसमें वहां सीधे हाईकोर्ट अग्रिम जमानत की अर्जी स्वीकार करता है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि केरल हाईकोर्ट में नियमित रूप से बिना सत्र न्यायालय गए सीधे अग्रिम जमानत की अर्जी सुनी जाती है। जबकि अन्य राज्यों में ऐसा नहीं होता। सुप्रीम कोर्ट ने पूछा कि आखिर इस तरह की प्रथा सिर्फ केरल हाईकोर्ट में ही क्यों है। पीठ ने कहा कि पुराने आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और नए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 में स्पष्ट न्यायिक संरचना तय है। अग्रिम जमानत से संबंधित प्रावधान धारा 482 में दर्ज हैं। अदालत का मानना है कि यदि सेशंस कोर्ट को दरकिनार कर सीधे हाईकोर्ट में याचिका लगाई जाती है तो कई अहम तथ्य सामने आने से छूट सकते हैं। यह टिप्पणी उस समय आई जब सुप्रीम कोर्ट दो याचिकाकर्ताओं की अर्जी पर सुनवाई कर रहा था। इन याचिकाकर्ताओं की अग्रिम जमानत की मांग को केरल हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया था। उन्होंने सीधे हाईकोर्ट का रुख किया था, जबकि सेशंस कोर्ट में याचिका दाखिल नहीं की गई थी।

ऑनलाइन गेमिंग बिल पर लंबित सभी मामलों की सुनवाई अब शीर्ष कोर्ट में, केंद्र की याचिका पर फैसला

नई दिल्ली, 8 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने ऑनलाइन गेमिंग अधिनियम, 2025 को लेकर केंद्र की एक बड़ी मांग मान ली है। जिसके बाद अब ऑनलाइन गेमिंग अधिनियम, 2025 को लेकर देश के अलग-अलग उच्च न्यायालयों में लंबित मामलों की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में होगी। गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने इस अधिनियम को लेकर हाइकोर्ट्स में लंबित मामलों को सुप्रीम कोर्ट में स्थानांतरित करने के लिए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था।

असाधारण
भाग-II - खंड 3 – उप-खंड (ii)

रेल मंत्रालय
(दक्षिण मध्य रेलवे)

PUB/1091

अधिसूचना

सिकंदराबाद, 26 अगस्त, 2025

का.आ. 3936 (अ) - रेलवे अधिनियम 1989 (1989 का 24), की धारा 20ए की उप-धारा (I) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए (इसके बाद उक्त अधिनियम के रूप में संदर्भित), केंद्र सरकार इस बात से संतुष्ट होने के बाद कि सार्वजनिक उद्देश्य के लिए भूमि, जिसका संक्षिप्त विवरण इसके साथ संलग्न अनुसूची में दिया गया है, विशेष रेलवे परियोजना, तेलंगाना राज्य के जोगुलांबा गद्वाल जिले में महबूबनगर - डोन रेलपथ दोहरीकरण के निष्पादन के लिए आवश्यक है, एतद्द्वारा ऐसी भूमि का अधिग्रहण करने की अपनी इच्छा की घोषणा करता है.

उक्त भूमि में हितबद्ध कोई भी व्यक्ति उक्त अधिनियम की धारा 20डी की उप-धार (I) के अंतर्गत उपर्युक्त उद्देश्य के लिए ऐसी भूमि के अधिग्रहण और उपयोग के संबंध में सरकारी राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से तीस दिनों की अवधी के भीतर भू-अर्जन में अपनी आपत्ति दर्ज करा सकता है.

ऐसी प्रत्येक आपत्ति, सक्षम प्राधिकारी, अर्थात् विशेष उप कलेक्टर (एलए), जेएलआईपी, गद्वाल, जोगुलांबा गद्वाल जिला, तेलंगाना राज्य, को लिखित रूप में दी जाएगी और उसके आधारों को निर्धारित की जाएगी तथा सक्षम प्राधिकारी विशेष उप कलेक्टर (एलए), जेएलआईपी, गद्वाल, जोगुलांबा गद्वाल जिला आपत्तिकर्ता को व्यक्तिगत रूप से या कानूनी व्यवसायी द्वारा सुनवाई का अवसर देगा और ऐसी सभी आपत्तियों को सुनने के बाद तथा आगे ऐसी जांच करने के बाद, यदि सक्षम प्राधिकारी यह आवश्यक समझता है तो वह किसी आदेश द्वारा आपत्तियों को स्वीकार या अस्वीकार कर सकता है.

उक्त अधिनियम की धारा 20(डी) की उप-धारा (II) के अंतर्गत सक्षम प्राधिकारी का कोई भी आदेश अंतिम होगा.

इस अधिसूचना के अंतर्गत शामिल की गई भूमि की भू-योजनाएं और अन्य विवरण उपर्युक्त सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में उपलब्ध हैं तथा इच्छुक व्यक्ति द्वारा इनका निरीक्षण किया जा सकता है.

अनुसूची

तेलंगाना राज्य में जोगुलांबा गद्वाल जिला क्षेत्राधिकार के सीमा के भीतर यात्री और माल सुविधा के लिए महबूबनगर और डोन सेक्शन के बीच रेलपथ दोहरीकरण.

1 | गांव : मुलकलपल्ली | मंडल : गद्वाल | जिला : जोगुलांबा गद्वाल

क्रम सं.	भूमिधारक का नाम	सर्वेक्षण सं.	एकड़ गुंटा के अनुसार भूमि अधिग्रहण क्षेत्र	मामले का विवरण
1	नंदिमल्ला सवरन्ना सुपुत्र नागन्ना आंजनेयुलु	360/2/1		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
2	नंदिमल्ला सुजाता पत्नी नंदिमल्ला आंजनेयुलु	360/2/2		
3	नंदिमल्ला पद्मम्मा पत्नी वेंकटन्ना	360/1		
4	संध्या पत्नी श्रीनिवासुलु	361/1ए		
5	वरलक्ष्मी पत्नी अंजनी कुमार	361/1/1/1		
6	गुडिकाडि नागान्ना सुपुत्र बीसन्ना	361/2/2		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
7	तेलुगु उषान्ना सुपुत्र बीसन्ना	361/2/3		
8	टी.रामेश्वरी पत्नी टी.श्रीनिवासुलु	361/1/1/2		
9	पी.पर्वतम्मा पत्नी पुलिपाटि चिन्ना नागान्ना	361/1/2		
10	जी.सतीश सुपुत्र जम्मन्ना उर्फ गुडिकाडि जम्मन्ना	361/2/1		
11	शांतम्मा पत्नी सीतारामुलु	331/ग1		
12	शांतम्मा पत्नी सीतारामुलु	331/क		
13	शिवन्ना सुपुत्र सुंकन्ना	331/ग		
15	शिवन्ना सुपुत्र सुंकन्ना	331/ख1		
16	ईश्वरय्या पुत्र कर्नूल सुंकन्ना	331/क1		
17	ईश्वरय्या पुत्र कर्नूल सुंकन्ना	331/ख		
18	तेलुगु आंजनेयुलु सुपुत्र नरसन्ना	331/घ/1		
19	मुनि रंगास्वामी सुपुत्र कर्नूल रामन्ना	331/घ/1/2		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
20	मुनि रंगास्वामी सुपुत्र कर्नूल रामन्ना	331/घ2/1		
21	मुनि रंगास्वामी सुपुत्र कर्नूल रामन्ना	331/घ/2/2		
22	मुनि रंगास्वामी सुपुत्र कर्नूल रामन्ना	331/घ1/1		
23	सिंचाई परियोजना	331/घ/2		
24	डौलन्ना सुपुत्र चिन्ना धरेन्ना	332/घ2		
25	सायन्ना सुपुत्र चिन्ना धरेन्ना	332/घ2		
26	कर्नूल नल्लन्ना सुपुत्र रामन्ना	332/क		
27	चिन्ना मल्दकल सुपुत्र शांतन्ना	332/ग1/11/1		
28	तेलुगु सोमेश्वरम्मा पत्नी जयन्ना	332/ग1		
29	तेलुगु सावरन्ना सुपुत्र पेद्दा धरेन्ना	332/घ4		
30	तेलुगु सावरन्ना सुपुत्र पेद्दा धरेन्ना	332/घ		
31	पेद्दा मल्दकल सुपुत्र शांतन्ना	332/ख/1		
32	जयन्ना सुपुत्र सुंकन्ना	332/क1		
33	मुनि रंगास्वामी सुपुत्र कर्नूल रामन्ना	332/ख/2		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
34	मुनि रंगास्वामी सुपुत्र कर्नूल रामन्ना	332/ग1/1/2		
35	टी.एम.मल्लिकार्जुन सुपुत्र मोगाधम वेंकटन्ना	332/ख1		
36	एन.पद्मा सुपुत्र बी.श्रीनिवासुलु	332/ग/1		
37	तेलुगु पद्मावती पत्नी तेलुगु शिवा	332/ग/2		
38	कर्नूल नल्लन्ना पुत्र रमन्ना	328/क		
39	चिन्ना मल्दकल सुपुत्र शांतन्ना	328/ग		
40	पेद्दा मल्दकल सुपुत्र शांतन्ना	328घ		
41	जयन्ना सुपुत्र सुंकन्ना	328/क1		
42	जयन्ना सुपुत्र सुंकन्ना	328/ख/2		
43	टी.वेंकटन्ना सुपुत्र नागन्ना	328/ख1		
44	कर्नूल सुवर्णम्मा पत्नी कर्नूल मुनीस्वामी	328/ख/1		
45	सरकारी भूमि	327		
46	तिम्मा रेड्डी सुपुत्र राम रेड्डी	286/ख		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
47	पार्वतम्मा पत्नी भरतय्या	286/घ		
48	रामुलम्मा पत्नी शेषाद्रि	386/घ/1		
49	जी.प्रकाश सुपुत्र नरसिम्हुलु	286/ग/2		
50	जी.जयम्मा पत्नी बाबु	286/ग/3		
51	जी.चिन्ना रेड्डी सुपुत्र जी.सवरन्ना	386/ग/4		
52	जी.सत्यन्ना सुपुत्र जी.सवरन्ना	286/ग/5		
53	जी.रामुलु सुपुत्र जी.सवरन्ना	286/ग/6		
54	जी.चेन्नय्या सुपुत्र जी.सवरन्ना	286/ग/7		
55	सरकारी भूमि	286/क		
	कुल क्षेत्र		एकड़ 5.31गुंटा	

2 | गांव : वेंकमपेट | मंडल : गद्वाल | जिला : जोगुलांबा गद्वाल

क्रम सं.	भूमिधारक का नाम	सर्वेक्षण सं.	एकड़ गुंटा के अनुसार भूमि अधिग्रहण क्षेत्र	मामले का विवरण
1	तेलुगु परुशरमुडु सुपुत्र पेद्दा तिम्मन्ना	43/क3		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
2	तेलुगु वेंकटन्ना सुपुत्र पेद्दा तिम्मन्ना	43/क1		
3	नक्का चिन्ना आंजनेयुलु सुपुत्र चिन्ना तिमन्ना	43ख		
4	एन.सुवर्णा पत्नी एन.आंजनेयुलु	43/क2		
5	कृष्णावेणी मृत्यु कार्मिक संघ के अद्यक्ष टी.आंजनेयुलु सुपुत्र पापन्ना	44/ख1		
6	कृष्णावेणी मृत्यु कर्मिक संघ के सचिव बी.तिम्मन्ना सुपुत्र तिमन्ना	44/ख2		
7	तेलुगु परुशरमुडु सुपुत्र पेद्दा तिम्मन्ना	44/क3		
8	तेलुगु वेंकटन्ना पुत्र पेद्दा तिमन्ना	44/क1		
9	एन.सुवर्णा सुपुत्र एन.आंजनेयुलु	44/क2		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
10	कृष्णावेणी मृत्यु कार्मिक संघ के अद्यक्ष टी.आंजनेयुलु सुपुत्र पापन्ना	46		
11	कृष्णावेणी मृत्यु कर्मिक संघ के सचिव बी.तिम्मन्ना सुपुत्र तिमन्ना	46/क		
12	वेंकटाचार्युलु पुत्र गोपय्या	82		
13	महेश्वर रेड्डी सुपुत्र सर्वा रेड्डी	86/2		
14	रामेश्वर रेड्डी सुपुत्र सर्वा रेड्डी	86/3		
15	जी.ओमेश्वर रेड्डी सुपुत्र सर्वा रेड्डी	86/4		
16	बोजेंधर रेड्डी सुपुत्र सर्व रेड्डी	86/1		
17	बोजेंधर रेड्डी सुपुत्र सर्व रेड्डी	86/5		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
18	तिरुमल रेड्डी सुपुत्र सर्वा रेड्डी	86/6		
19	भास्कर रेड्डी सुपुत्र सर्वा रेड्डी	86/7		
20	नायकी नारायणम्मा पत्नी वेंकट रेड्डी	88/ख		
21	कृष्णय्या सुपुत्र हनुमंतु	88क1/3		
22	कृष्णय्या सुपुत्र हनुमंतु	88क2		
23	कृष्णय्या सुपुत्र हनुमंतु	88घ2		
24	जयन्ना सुपुत्र हनुमंतु	88/2/1		
25	जयन्ना सुपुत्र हनुमंतु	88/2		
26	जयन्ना सुपुत्र हनुमंतु	88ग1		
27	वेंकट रेड्डी सुपुत्र संजन्ना	88/ख1/2		
28	नायकी नागेश्वर राव पत्नी वेंकट रेड्डी	88/ख1		
29	एन.गोवर्धन सुपुत्र वेंकट्रामुलु	88/क3/2		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
30	एस.गोवर्धन सुपुत्र वेंकट्रामुलु	88/ग		
31	नायकि पद्मा पत्नी नायकि वेंकटेश	88क		
32	नायकि पद्मा पत्नी नायकि वेंकटेश	88क1/2		
33	के.कृष्णवेणी पत्नी एन.वेंकटेश्वर्लु	88क3/1		
34	एम.पार्वतम्मा पत्नी एम.चंद्रा रेड्डी	88क1/4		
35	चिन्ना रामुडु सुपुत्र बालन्ना	102/ख		
36	चिन्ना रामुडु सुपुत्र बालन्ना	102/क1		
37	कुर्वा जयन्ना सुपुत्र बालन्ना	102/क2		
38	के.नगेश सुपुत्र के.पेद्दा रामुडु	102क/1		
39	के.नगेश सुपुत्र के.पेद्दा रामुडु	102ख/1		
40	के.परधमुडु सुपुत्र के.पेद्दा रामुडु	102ख/2		
41	के.परधमुडु सुपुत्र के.पेद्दा रामुडु	102क/2		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
42	के.शिवरामुडु सुपुत्र के.पेद्दा रामुडु	102ख/3		
43	के.शिवरामुडु सुपुत्र के.पेद्दा रामुडु	102क/3		
44	शंकरम्मा पत्नी चिन्नय्या	103ख2/1		
45	चिन्ना नागराजु सुपुत्र तिप्पन्ना	103ख/2/1		
46	चिन्ना नागराजु सुपुत्र तिप्पन्ना	103ख2/3		
47	कुम्मरि वेंकट्रामुलु सुपुत्र तिप्पन्ना	103ख1/1		
48	कुम्मरि रमेश सुपुत्र चिन्नय्या	103ख2/2		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
49	कुर्वा गोविंदम्मा पत्नी चिन्ना रामुडु	103ख1/3		
50	कंकुला रामन्ना सुपुत्र गुंटेन्ना	103/क/1		
51	कंकुला रामन्ना सुपुत्र गुंटेन्ना	103/ख1		
52	कंकुला रामन्ना सुपुत्र गुंटेन्ना	103/ख1/1		
53	कुर्वा गोकरम्मा पत्नी कुंकला पेद्दा रमन्ना	103ख2/3/1		
54	गोविंदम्मा पत्नी चिन्ना रामुडु	103ख/2		
55	गोविंदम्मा पत्नी चिन्ना रामुडु	103/क/2		
56	गोविंदम्मा पत्नी चिन्ना रामुडु	103/ख1/3/1		
57	सिंचाई परियोजनाएँ	103/2		
58	सिंचाई परियोजनाएँ	103/ख1/3/2		
	कुल		एकड़ 4.25गुंटा	

3 | गांव : गद्वाल | मंडल : गद्वाल | जिला : जोगुलांबा गद्वाल

क्रम सं.	भूमिधारक का नाम	सर्वेक्षण सं.	एकड़ गुंटा के अनुसार भूमि अधिग्रहण क्षेत्र	मामले का विवरण
1	नूने अनंतरामुलु पुत्र अम्मन्ना	714/आ		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
2	नरसिम्हुलु सुपुत्र अम्पन्ना	714/इ		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
3	नूने भीमन्ना सुपुत्र अम्पन्ना	714/अ		
4	पी. सुब्बा रेड्डी सुपुत्र गोविंदु रेड्डी	715		
5	ईदम्मा पत्नी मल्लेशप्पा	720/ऊ		
6	अमरनाथ सुपुत्र मल्लेशप्पा	720/ई		
7	चंद्र शेखर सुपुत्र गंगन्ना	720/अ		
8	जगन्नाथ सुपुत्र मल्लेशप्पा	720/उ		
9	एस.जी.नागभूषण सुपुत्र गंगन्ना	720/आ		
10	शिव कुमार सुपुत्र गंगन्ना	720/इ		
11	बसन्ना सुपुत्र कावलि नरसप्पा	721/अ/1		
12	पेद्दा सवरन्ना सुपुत्र गुब्बाला हनुमन्ना	721/ए/1		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
13	चिन्ना सवरन्ना सुपुत्र गुब्बाला हनुमन्ना	721/ए		
14	कावलि यंकन्ना सुपुत्र नरसन्ना	721/उ/1		
15	कावलि यंकन्ना सुपुत्र नरसन्ना	721/ओ/1		
16	गुर्राला तिम्मक्का पत्नी गुर्राला तिम्मक्का	721/इ/1		
17	जी.नरसिम्हुलु सुपुत्र तिक्कन्ना	721/औ/2		
18	जी.नरसिम्हुलु सुपुत्र तिक्कन्ना	721/ओ/2		
19	जी.नरसिम्हुलु सुपुत्र तिक्कन्ना	721/ओ/2		
20	जी.नरसिम्हुलु सुपुत्र तिक्कन्ना	721/ऐ/2		
21	जी.नरसिम्हुलु सुपुत्र तिक्कन्ना	721/अ/2		
22	जी.नरसिम्हुलु सुपुत्र तिक्कन्ना	721/ऊ/2		
23	जी.नरसिम्हुलु सुपुत्र तिक्कन्ना	721/उ/2		
24	जी.नरसिम्हुलु सुपुत्र तिक्कन्ना	721/इ/2		
25	जी.नरसिम्हुलु सुपुत्र तिक्कन्ना	721/आ/2		
26	जी.नरसिम्हुलु सुपुत्र तिक्कन्ना	721/अ/2		
27	कावलि चिन्ना सवरन्ना सुपुत्र सायन्ना	721/ओ/1		
28	पेरुगु रंगम्मा पत्नी पेरुगु रंगम्मा	721/आ/1		
29	कावलि तिप्पम्मा पत्नी कावलि तिप्पम्मा	721/ई		
30	तायम्मा पत्नी सोमन्ना	721/ऊ/1		
31	कावलि पेद्दा सवरन्ना सुपुत्र सयन्ना	721/ऐ/1		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
32	कावलि नरसम्मा पत्नी तिक्कन्ना	721/औ/1		
33	बसन्ना पुत्र कावलि नरसप्पा	722/ए		
34	पेद्दा सवरन्ना सुपुत्र गुब्बाला हनुमन्ना	722/ऊ		
35	चिन्ना सवरन्ना सुपुत्र गुब्बाला हनुमन्ना	721/ए		
36	कावलि यंकन्ना सुपुत्र नरसन्ना	722/उ		
37	कावलि यंकन्ना सुपुत्र नरसन्ना	722/ख		
38	गुर्राला तिम्मक्का पत्नी गुर्राला तिम्मक्का	722/इ		
39	जी.नरसिम्हुलु सुपुत्र तिक्कन्ना	722/2		
40	कावलि चिन्ना सवरन्ना सुपुत्र सायन्ना	722/ऐ		
41	कावलि चिन्ना सवरन्ना सुपुत्र सायन्ना	722/ग		
42	पेरुगु रंगम्मा पत्नी पेरुगु रंगम्मा	722/आ		
43	कावलि तिप्पम्मा पत्नी कावलि तिप्पम्मा	722/ई		
44	कावलि पेद्दा सवरन्ना सुपुत्र सयन्ना	722/आ		
45	कावलि नरसम्मा पत्नी थिक्कन्ना	722/ख		
46	पेद्दा सवरन्ना सुपुत्र पेद्दा सवरन्ना	722/घ		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
47	घर / नली स्थल	722/1		
48	बसन्ना सपुत्र कावली नरसप्पा	723/आ		
49	पेद्दा सवरन्ना सुपुत्र गुब्बाला हनुमन्ना	723/ए		
50	चिन्न सवरन्ना सुपुत्र गुब्बाला हनुमन्ना	723/आ		
51	कावली यंकन्ना सुपुत्र नरसन्ना	723/उ		
52	कावली यंकन्ना सुपुत्र नरसन्ना	723/ख		
53	गुर्राला तिम्मक्का सुपुत्र गुर्राला तिम्मक्का	723/इ		
54	कावली चिन्ना सवरन्ना सुपुत्र सयन्ना	723/क		
55	पेरुगु रंगम्मा पत्नी पेरुगु रंगम्मा	723/ए		
56	कावली तिप्पम्मा पत्नी कावली तिप्पम्मा	723/ई		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
57	कावली पेद्दा सवरन्ना सुपुत्र सवरन्ना	723/ऐ		
58	कावली तायम्मा पत्नी कावली तायम्मा	723/ऊ		
59	नरसम्मा	723/ग		
60	घर / घर के साइट	723/घ1		
61	वेंकट नरसिम्हुलु सुपुत्र वेंकटस्वामी	724/आ1		
62	वेंकट नरसिम्हुलु सुपुत्र वेंकटस्वामी	724/आ2		
63	वड्डे नरसिम्हुलु सुपुत्र पापन्ना	724/अ1		
64	वड्डे हनुमंतु सुपुत्र दासु	724/अ2		
65	सरकारी भूमि	724		
66	वेंकट नरसिम्हुलु सुपुत्र वेंकटस्वामी	727/आ		
67	देन्ने येल्लम्मा डब्ल्यू/ओडी. थिप्पा रेड्डी	727/1/अ		
68	वड्डे हनुमंतु सुपुत्र नरसप्पा	727/आ		
69	वड्डे वेंकटन्ना सुपुत्र दासु	727/आ2		
70	कुर्वा पेद्दा वेंकटस्वामी सुपुत्र कुर्वा नारायण	772/ए1/1		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
71	चिन्ना साई रेड्डी सुपुत्र बाला कृष्ण रेड्डी	772/ए2/9		
72	पी. सुब्बा रेड्डी सुपुत्र गोविन्दु रेड्डी	772/ए1/2/1		
73	जी सुधाकर रेड्डी सुपुत्र नारायण रेड्डी	772/ए2/10		
74	येद्दुला श्रीराम रेड्डी सुपुत्र राधा कृष्ण रेड्डी	772/ए2/2		
75	साई बाबु सुपुत्र नरहरि श्रीरामुलु	772/ए2/4		
76	वेंकटेश्वर्लु सुपुत्र नरहरि श्रीरामुलु	772/ए2/5		
77	सुदर्शन सुपुत्र नरहरि श्रीरामुलु	772/ए2/6		
78	प्रकाश सुपुत्र नरहरि श्रीरामुलु	772/ए2/7		
79	शशिकुमार रेड्डी सुपुत्र रामचन्द्र रेड्डी	772/ए2/3		
80	एन.भास्कर सुपुत्र नरहरि श्रीरामुलु	772/ए2/8		
81	येद्दुला वेंकटरामि रेड्डी सुपुत्र राधाकृष्ण रेड्डी	772/ए2/1		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
82	प्रबंध निदेशक टी.एस. डीडीसीएल, हैदराबाद	772/ए1/2/2		
83	घर के साइट	773		
84	देन्ने येल्लम्मा पत्नी डी.तिप्पा रेड्डी	728/ए		
85	विष्णु वर्धन रेड्डी सुपुत्र गंगि रेड्डी	728/सी		
86	एम.पद्मादेवी पत्नी भीम रेड्डी	728/बी		
87	बोया हनुमंतु सुपुत्र सायन्ना	732/1/2		
88	चिन्नय्या सुपुत्र सयान्ना	732/1/3		
89	जक्कुला रामुलु सुपुत्र सुंकन्ना	732/1		
90	पी.रामुलम्मा पत्नी पी.तिम्मप्पा	733/1		
91	पी. पद्मावतम्मा पत्नी पी.वेंकटरामुलु	733/2		
92	पी.वेंकटनरसप्पा सुपुत्र पी.नरसप्पा	733/3		
93	पी.शेषाद्रि सुपुत्र पी.नरसप्पा	733/4		
94	चिन्ना साई रेड्डी सुपुत्र बाला कृष्ण रेड्डी	771/ई1		
95	जी.सुधाकर रेड्डी सुपुत्र नारायण रेड्डी	721/ई3		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
96	येद्दुला श्रीराम रेड्डी सुपुत्र राधा कृष्ण रेड्डी	771/ए2		
97	वेंकटेश्वर्लु सुपुत्र नरहरि श्रीरामुलु	771/ई2		
98	येद्दुला वेंकटरामी रेड्डी सुपुत्र राधा कृष्ण रेड्डी	771/ए1		
99	साईबाबा सुपुत्र श्रीरामुलु	771/इ1		
100	सुदर्शन सुपुत्र नरहरि श्रीरामुलु	771/इ3		
101	प्रकाश सुपुत्र नरहरि श्रीरामुलु	771/इ4		
102	भास्कर सुपुत्र श्रीरामुलु	771/इ5		
103	आर.वेंकटरामि रेड्डी	771/ई2		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
104	जी.वेणुगोपाल सुपुत्र यंकटन्ना	774/आ		
105	घर के साइट	774/अ		
106	येद्दुला सुब्बम्मा पत्नी रामुलु	789/ऊ		
107	के.हिदायतुल्ला सुपुत्र इकरामुल्लाह	789/ई1		
108	बी.वरलक्ष्मी पत्नी बी.जनार्दन	789/औ		
109	बी.वरलक्ष्मी पत्नी बी.जनार्दन	789/क/1		
110	जयारामुलु सुपुत्र अयन्ना	789/इ		
111	नसीर अहमद सुपुत्र अब्दुल्लाह	789/ई2		
112	के.बालमणि पत्नी शरण बसप्पा	789/ल ब		
113	बी.रामुलु सुपुत्र ईदन्ना	789/ज1		
114	के.बालमणि पत्नी शवराना बासप्पा	789/ओ		
115	बी.रामुलु सुपुत्र ईदन्ना	789/ट		
116	बी. पापन्ना सुपुत्र पेद्दा तिमप्पा	789/ठ		
117	बी देवन्ना सुपुत्र पेद्दा तिमप्पा	789/ड		
118	पी.रामुलु सुपुत्र देवन्ना	789/लृ		
119	सुलोचना देवी पत्नी निरंजन रेड्डी	789/ऐ		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
120	श्रीदेवी पत्नी साईबाबा	789/उ		
121	रमादेवी पत्नी पी.चन्द्रशेखरय्या	789/क/2		
122	वाई.उषारानी पत्नी सत्यनारायण	789/इ		
123	वाई.उषारानी पत्नी सत्यनारायण	789/आ		
124	वाईउषारानी पत्नी सत्य नारायण	789/ए		
125	एम.अनसूया देवी पत्नी रामुलु	789/ए		
126	कृष्णवर्धन रेड्डी सुपुत्र भीमन्ना	789/च2		
127	कृष्णवर्धन रेड्डी सुपुत्र भीमन्ना	789/च3		
128	कृष्णवर्धन रेड्डी सुपुत्र भीमन्ना	789/झ2		
129	कृष्णवर्धन रेड्डी सुपुत्र भीमन्ना	789/घ2		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
130	कृष्णवर्धन रेड्डी सुपुत्र भीमन्ना	789/ज1/2		
131	कृष्णवर्धन रेड्डी सुपुत्र भीमन्ना	789/च2		
132	विजयश्री पत्नी नारायण	789/घ6		
133	करुणाश्री पत्नी सत्यनारायण	789/च		
134	हरिप्रसाद गौड़ सुपुत्र विठला गौड़	789/च		
135	चांद पाशा सुपुत्र करीम साब	789/ज		
136	टी. नरसिम्हुलु सुपुत्र टी. चिन्नय्या	789/झ		
137	एम.संजीव भरध्वाज सुपुत्र श्यामसुंदर राव	789/ए2		
138	जी रीता रेड्डी सुपुत्र गुर्रम हनुमंतु रेड्डी	789/ए		
139	वाई.विश्वतेजा सुपुत्र वाई.वेंकटेश्वर्लु	789/ए1		
140	वाई.विश्वतेजा सुपुत्र वाई.वेंकटेश्वर्लु	789/घ3		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
141	वाई.विश्वतेजा सुपुत्र वाई.वेंकटेश्वर्लु	789/घ3/1		
142	वाई.विश्वतेजा सुपुत्र वाई.वेंकटेश्वर्लु	789/घ3/2		
143	घर / घर के साइट	789/घ5		
144	घर / घर के साइट	789/घ4		
145	जी.वेणुगोपाल सुपुत्र यंकटन्ना	790/1		
146	जी. सत्य नारायण सुपुत्र यंकटन्ना	790/3		
147	जी.नरसिम्हुलु सुपुत्र यंकटन्ना	790/2		
148	जयारामुलु सुपुत्र अय्यन्ना	791/ई		
149	एम.निर्मला पत्नी एम. निर्मला	791/आ2/1		
150	बी.रामुलु सुपुत्र ईधन्ना	791/इ1		
151	बी.मानेम्मा पत्नी साई रेड्डी	791/आ1		
152	आर.राजवर्धन रेड्डी सुपुत्र गोविंदु रेड्डी	791/ए4		
153	सुधाकर सुपुत्र लक्ष्मणना	791/अ3		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
154	बी.सरोजा देवी पत्नी रामन गौड़	791/अ1		
155	चांद पाशा सुपुत्र करीम साब	791/इ		
156	जी.वेंकटस्वामी सुपुत्र गोल्ला तिमय्या	791/ए5		
157	जी.वेंकटस्वामी सुपुत्र गोल्ला तिमय्या	791/अ2/1		
158	जी.बुचन्ना सुपुत्र जम्मन्ना	791/अ2/2		
159	बी.जया प्रकाश सुपुत्र पुत्र उषान्ना	791/आ2/2		
160	के.नरसिम्हुलु सुपुत्र के. बुचन्ना	791/आ2/4		
161	गोल्ला रामुलु सुपुत्र थिमन्ना	791/आ2/3		
162	पी.वी.श्रीनिवास सुपुत्र वेंकटाचलम	792/उ		
163	सत्यनारायण सुपुत्र सत्यनारायण	792/आ		
164	गोविंदु स्वामी सुपुत्र गोविंदु स्वामी	792/इ		
165	धनुंजेयुडु सुपुत्र धनुंजेयुडु	792/ई		
166	पी.वी.भद्री नाथ पुत्र पी.वी. भद्रीनाथ	792/ए		
167	बलरामगेरी सुपुत्र हरिदेवगेरी	793		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
168	वड्डे सिद्दैया सुपुत्र करेन्ना	794/4		
169	जी.रेणुकादेवी पत्नी जी.नरसिम्हुलु	794/5/1/1		
170	बाल रेड्डी की पत्नी मालचेट्टू मानेम्मा	794/1/5/1		
171	मालचेट्टू बाल रेड्डी पुत्र सावरी रेड्डी	794/5		
172	वेंकट रेड्डी सुपुत्र सावा रेड्डी	794/1/5/2		
173	सुधाकर रेड्डी सुपुत्र सावा रेड्डी	794/1/5/3		
174	मुनि रेड्डी सुपुत्र सावा रेड्डी	794/1/5/4		
175	एम.हनुमंत रेड्डी सुपुत्र बाल रेड्डी	794/1/1/1		
176	वड्डे नागन्ना सुपुत्र करेन्ना	794/2		
177	वड्डे नरसिम्हुलु सुपुत्र करेन्ना	794/3		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
178	डी.राजेश्वरी पत्नी वेंकटेश्वर्लु	794/6		
179	एम.आनंद सुपुत्र बाल रेड्डी	794/5/1/2/1		
180	वाई.पद्मावती पत्नी वाई.वेंकटेश्वर्लु	794/1/2		
181	वाई.पद्मावती पत्नी वाई.वेंकटेश्वर्लु	794/1/1/2		
182	वाई.पद्मावती पत्नी वाई.वेंकटेश्वर्लु	794/1/4		
183	वाई.पद्मावती पत्नी वाई.वेंकटेश्वर्लु	794/1/3		
184	केपा सहस्त्र रेड्डी सुपुत्र केपा अशोक राज	794/5/1/2/2		
185	केपा सहस्त्र रेड्डी सुपुत्र केपा अशोक राज	794/1/5/5/2		
186	बलराम्मगेरी सुपुत्र हरिदेवगेरी	795		
187	के.शिवनागराज सुपुत्र के.सत्यनारायण	812/ए/आ		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
188	जे.वेंकटरामुलु सुपुत्र जे.चिन्ना नरसन्ना	812/आ		
189	जी.वेणुगोपाल सुपुत्र यंकातन्ना स्व	812/बी		
190	अब्दुल रशीद सुपुत्र शाली नाइक	813		
191	अब्दुल रशीद सुपुत्र शाली नाइक	814		
192	नमेदुल्लाह सुपुत्र शालिमिया	815/क		
193	टी.नागराजु सुपुत्र रामुलु	815/घ		
194	एम.नरेंद्र सुपुत्र एम.माधव रेड्डी	815/ग/1/1/1/1/1		
195	बंडि श्रीकांत सुपुत्र बंडि रामुडु	815/ग/2		
196	कुर्वा रामुडु सुपुत्र हनुमंतु	815/ग/1/2		
197	रुक्मांगदा नायडु सुपुत्र रामुडु	815/ग/1/2		
198	जे रंगन्ना सुपुत्र वेंकटन्ना	815/ग/1/1/1/2		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
199	लगिशेट्टी अरविंद सुपुत्र लगिशेट्टी वेंकटेश्वर्लु	815/ग/1/1/1/2		
200	वेंकटरामुलु सुपुत्र चिन्ना बीसन्ना	816/क1		
201	सद्दाला कृष्णा सुपुत्र सद्दाला सीतारामुलु	816/ख2		
202	सद्दाला नरसिम्हुलु सुपुत्र सीतामुलु	816/ख3/1		
203	श्रीधर सुपुत्र नरसिम्हुलु	816/2		
204	के.सुदर्शन रेड्डी सुपुत्र के.श्यामसुंदर रेड्डी	816/1		
205	सरकारी भूमि	819		
206	डी.के.भरतसिंह रेड्डी सुपुत्र सत्या रेड्डी	820/1		
207	डी.के.भरतसिंह रेड्डी सुपुत्र सत्या रेड्डी	820/2		
208	डी.के.भरतसिंह रेड्डी सुपुत्र सत्या रेड्डी	820/3		
209	सद्दाला सीनू सुपुत्र सीतारमुलु	820/ख2/2		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
210	सद्दाला सीनू सुपुत्र सीतारमुलु	820/ख1/2		
211	सद्दाला सीनू सुपुत्र सीतारमुलु	820/ख1/1/2		
212	सद्दाला सीनू सुपुत्र सीतारमुलु	820/ख2/1		
213	सद्दाला सीतारामुलु सुपुत्र शेषम्मा	820/क1		
214	रामुलु सुपुत्र शेषन्ना	820/क4		
215	जयन्ना सुपुत्र शेषन्ना	820/क2		
216	पेद्दा लक्ष्मणना सुपुत्र एडहन्ना	820/ख1/1/1		
217	सद्दाला जयम्मा सुपुत्र वेंकटन्ना	820/क3		
218	घट्टु भीमय्या सुपुत्र तिम्मय्या	821		
219	घट्टु भीमय्या सुपुत्र तिम्मय्या	822		
220	घट्टु भीमय्या सुपुत्र तिम्मय्या	822/आ		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
221	जे.रेणुकादेवी पत्नी रामुलु	823/अ		
222	सरकारी भूमि	824		
223	घर के साइट	825		
224	के.सी.सवरन्ना सुपुत्र के.सी. कुरमन्ना	826/अ		
225	घर के साइट	826/आ		
226	घर के साइट	827		
	कुल		एकड़ 20.08 गुंटा	

4 | गांव : जम्मिचेडु | मंडल : गद्वाल | जिला : जोगुलांबा गद्वाल

क्रम सं.	भूमिधारक का नाम	सर्वेक्षण सं.	एकड़ गुंटा के अनुसार भूमि अधिग्रहण क्षेत्र	मामले का विवरण
1	जल्लापुरम चिन्नय्या सुपुत्र बजरन्ना	363/एच3		महबूबनगर और डोन के दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
2	चेन्नम्मा पत्नी जल्लापुरम बजरन्ना	363/ए2		
3	जल्लापुरम श्रीनिवासुलु सुपुत्र बजरन्ना	363/एच2		
4	जल्लापुरम जानिकी रामुडु सुपुत्र बजरन्ना	363/एच1		
5	जल्लापुरम कोदंडा रामुडु सुपुत्र बजरन्ना	363/एच4		
6	जल्लापुरम वेंकटेश सुपुत्र बजरन्ना	363/एच5		
7	ए.चंद्र शेखर सुपुत्र ए.बसन्ना	363/बी/3		
8	जमादार अब्दुल मुक्तदीर सुपुत्र जमादार बशीर मिया	363/अई1		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
9	जमादार अब्दुल मुक्तदीर सुपुत्र जमादार बशीर मिया	363/अई 2		
10	जमादार अब्दुल मुक्तदीर सुपुत्र जमादार बशीर मिया	363/अई 3		
11	जमादार अब्दुल मुक्तदीर सुपुत्र जमादार बशीर मिया	363/अई 4/1		
12	जमादार अब्दुल मुक्तदीर सुपुत्र जमादार बशीर मिया	363/एच9/2		
13	कंदुरी प्रकाश सुपुत्र के.शिवराजय्या	363/अई4/2		
14	कंदुरी प्रकाश सुपुत्र के.शिवराजय्या	363/अई5		
15	कंदुरी प्रकाश सुपुत्र के.शिवराजय्या	363/I6		
16	मुरारी शंकरय्या सुपुत्र एम.गणपताई	363/एच8		
17	मुरारी शंकरय्या सुपुत्र एम.गणपताई	363/बी/2		
18	मुरारी शंकरय्या सुपुत्र एम.गणपताई	363/एच9/1		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
19	बोया कैरुनम्मा पत्नी सुधाकर	364/ख		
20	सुधाकर नायडु सुपुत्र पेद्दा सिदन्ना	364/क/1/1		
21	बी.जयश्री पत्नी बी.सुधकर नायडू	364/क/2		
22	बोया सुचित्रा पत्नी बोया माधव रंगन्ना	364/क/1/2		
23	डी.के.भरतसिम्हा रेड्डी सुपुत्र डी.के.सत्या रेड्डी	365/क/1		
24	के.शशिधर गौड़ सुपुत्र के.गंगाधर गौड़	365/ख		
25	प्रकाश गौड़ सुपुत्र तिम्मप्पा गौड़	365/क/2		
	कुल		एकड़ 1.14 गुंटा	

5 | गांव : मीलाचेर्वु | मंडल : गद्वाल | जिला : जोगुलांबा गद्वाल

क्रम सं.	भूमिधारक का नाम	सर्वेक्षण सं.	एकड़ गुंटा के अनुसार भूमि अधिग्रहण क्षेत्र	मामले का विवरण
1	एम.डी.अलीम पाशा सुपुत्र इब्राहिम पाशा	1/20		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
2	सईदम्मा पत्नी चिन्ना बीसन्ना	1/10		
3	बोया यंकटन्ना सुपुत्र उत्तनूर	1/14		
4	सिद्दम्मा पत्नी नरसन्ना	1/25		
5	मरियम्मा पत्नी सवरन्ना	1/11		
6	रामन्ना सुपुत्र लिंगन्ना	1/17		
7	तुंगली गालेम्मा सुपुत्र करेन्ना	1 /2		
8	शिव शंकर सुपुत्र वेंकट्रामुलु	1/26		

Cont. on next page

Cont. from previous page

9	कमलम्मा पत्नी पुल्लन्ना	1/35		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
10	बोया सवरन्ना सुपुत्र लक्ष्मन्ना	1/27		
11	सादिका बेगम पत्नी ख़ुद्दुस	1/51		
12	हरिजन लक्ष्मन्ना सुपुत्र सवरन्ना	1/30		
13	बोया अशोक कुमार सुपुत्र सवरन्ना	1/36/1		
14	बोया राघवेंद्र सुपुत्र नरसिम्हुलु	1/36/2		
15	बोया किशोर कुमार सुपुत्र नरसिम्हुलु	1/36/3		
16	तेलुगु चिन्नम्मा पत्नी यंकटय्या	1/45		
17	टी.नरसिम्हुलु सुपुत्र रामन्ना	1/3आ		
18	बोया लक्ष्मी देवम्मा पत्नी नरसिन्हुलु	1/36		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
19	प्रसाद सुपुत्र रामन्ना	1/18/1		
20	बोया पेद्दा मदिलेटी सुपुत्र पेद्दा भीमन्ना	1/क1		
21	बीसन्ना सुपुत्र भीमन्ना	1/50		
22	बोया नरसिम्हुलु सुपुत्र पेद्दा भीमन्ना	1/3		
23	लक्ष्मी देवम्मा पत्नी रामन्ना	1/48		
24	पूला रंगन्ना सुपुत्र पगुंटन्ना	1/49		
25	वेणुगोपाल रेड्डी सुपुत्र सोमेश्वर रेड्डी	1/इ/1		
26	कुर्वा वेंकट्रामुलु सुपुत्र रत्नप्पा	4/क/1		
27	सलाम साब सुपुत्र अब्दुल सलाम	4ग2		
28	कुर्वा गोपाल सुपुत्र रत्नप्पा	1/56		
29	जी.हनुमंतु सुपुत्र अय्यन्ना	4/क/2		
30	अनवर पाशा सुपुत्र हलीम पाशा	1/29		
31	बोया रामकृष्ण सुपुत्र यर्रा ईरन्ना	1/21		
32	चिन्ना मादिलेटी सुपुत्र पेद्दा भीमन्ना	1/इ3		
33	नरसम्मा पत्नी नडिपेन्ना	1/क2		
34	बोया सत्यम्मा पत्नी चिन्ना रामुडु	1/58		
35	बोया सत्यम्मा पत्नी चिन्ना रामुडु	1/28/1		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
36	बोया सत्यम्मा पत्नी चिन्ना रामुडु	1/31/1		
37	बोया सत्यम्मा पत्नी चिन्ना रामुडु	1/41/1		
38	बोया सत्यम्मा पत्नी चिन्ना रामुडु	1/41/2		
39	पी.बी.रामादेवी पत्नी तिमन्ना	1/31/2		
40	पी.बी.रामादेवी पत्नी तिमन्ना	1/28/2		
41	बोया रामन्ना पुत्र सवरन्ना	1/ई/1		
42	बोया जयम्मा पत्नी रामुडु	1/31/3		
43	बोया जयम्मा पत्नी रामुडु	1/28/3		
44	बोया जयम्मा पत्नी रामुडु	1/41/3		
45	कुर्वा भीचुपल्ली पुत्र कुर्वा हनुमंतु	4/ख		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
46	दौलन्ना पुत्र गंटि चिन्नय्या	1/46		
47	जम्मन्ना पुत्र बीसन्ना	1/क		
48	येस्तेरम्मा पत्नी इरुमय्या	1/12		
49	पद्मावती पत्नी चिन्ना मदिलेटी	1/61		
50	लक्ष्मी देवी पत्नी पेद्दा मदिलेटी	1/62		
51	पार्वती पत्नी नरसिम्हुलु	1/63		
52	मोहन राजू9 पुत्र कर्रेन्ना	1/64		
53	तिमम्मा पत्नी रामंजनेयुलु	4/ग1		
54	माधम्मा पत्नी तिम्मन्ना	1/33		
55	माधम्मा पत्नी तिम्मन्ना	1/34		
56	जयम्मा पत्नी नागन्ना	1/7		
57	पार्वती पत्नी कृष्णा	1/7/1		
58	मल्लम्मा पत्नी फकीरन्ना	1/8		
59	सुभद्रम्मा पत्नी तिम्मन्ना	1/13		
60	चाकली लक्ष्मी पत्नी स्वर्गीय रामकृष्ण	1/16/2		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
61	चाकली बालकृष्ण सुपुत्र अंजनेयुलु	1/16/3		
62	चाकली कर्णा सुपुत्र अंजनेयुलु	1/16/4		
63	जयम्मा पत्नी पालेम गोविंदु	1/4		
64	नरसम्मा पत्नी जयन्ना	1/15		
65	बोया गुन्ना बीसन्ना सुपुत्र भीमन्ना	1/43		
66	एम.डी.दौलत सुपुत्र कमाल साब	1/52/1		
67	एम.डी. मुकर्रम सुपुत्र कमाल साब	1/52/2		
68	एम.डी.रहमतुल्लाह सुपुत्र कमाल साब	1/52/3		
69	एम.डी. अजमत हुसैन सुपुत्र कमाल साब	1/52/4		
70	सरोजम्मा पत्नी जान	1/9		
71	देवन्ना सुपुत्र शेमन्ना	1/19		
72	साइदम्मा पत्नी भीसन्ना	1/57		
73	पद्मम्मा पत्नी एच.भीसन्ना	1/23		
74	गार्ला तिम्मन्ना सुपुत्र चिन्नय्या	1/53		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
75	नूर शेकर सुपुत्र बसुरुद्दीन	1/ए		
76	जेरिपाटि हनुमंतु सुपुत्र नागन्ना	1/54		
77	जेम्स.एम सुपुत्र राजरत्नम	1/18/2		
78	प्रभाकर.एम सुपुत्र राजरत्नम	1/18/3		
79	सुधाकर.एम सुपुत्र राजरत्नम	1/18/4		
80	तिम्मोती.एम सुपुत्र राजरत्नम	1/18/5		
81	सालाजु एम सुपुत्र राजरत्नम	1/18/6		
82	पद्मावती मुलकलापल्ली पत्नी रुबेन	1/ई2		
83	पद्मावती मुलकलापल्ली पत्नी रुबेन	1/6		
84	नागेश बाबु मंगलि सुपुत्र भेसन्ना	1/22		
85	कमरुन्निसा बेगम पत्नी अब्दुल जलील	1/55		
86	चाकली लच्चम्मा पत्नी चाकली रामंजनेयुलु	1/16/1		
87	दौलत बी पत्नी दादा मिया	1/47		
88	शाहेदा बेगम पत्नी मोहम्मद जाफर	1/ऊ		
89	एम.टी.महेश बाबु सुपुत्र एम.टी.रामन्ना उर्फ येसुरत्नम	1/60/1		
90	एम.टी.राजेश सुपुत्र एम.टी.रामन्ना उर्फ येसुरत्नम	1/60/2		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
91	राजशेखर सुपुत्र एम.टी.रामन्ना उर्फ येसुरत्नम	1/60/3		
92	बी.नरेश सुपुत्र स्वर्गीय बी.सत्यन्ना	1/इ2		
93	मंसूर रहमान सुपुत्र एम.ए अब्दुल रहमान	1/उ		
94	बोया वेणुगोपाल सुपुत्र आंजनेयुलु	1/32/1		
95	बोया वेणुगोपाल सुपुत्र आंजनेयुलु	1/44/1		
96	परुशरामुडु सुपुत्र आंजनेयुलु	1/32/2		
97	परुशरामुडु सुपुत्र अंजनेयुलु	1/44/2		
98	सरकारी भूमि	1/5		
99	बी.उदयराजु सुपुत्र बी.सुधाकर नायडु	2		
100	एम.डी.चांद पाशा सुपुत्र लतीफ साब	3/1/1		
101	मुन्नी सुपुत्र एमडी चंद पाशा	3/2		
102	शाहीन बेगम पत्नी चांद पाशा	3/1/2		
103	वेणुगोपाल रेड्डी सुपुत्र सोमेश्वर रेड्डी	4/क/1		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
104	कुर्वा वेंकट्रामुलु सुपुत्र रत्नप्पा	4/ग2		
105	कुर्वा गोपाल सुपुत्र रत्नप्पा	4/क/2		
106	कुर्वा भीचुपल्ली सुपुत्र कुर्वा हनुमंतु	4/ख		
107	तिम्मम्मा पत्नी रामांजनेयुलु	4/ग1		
108	ज़रीना बेगम सुपुत्र गफूर मिया	17/ख		
109	अब्दुल वहीद सुपुत्र मुजाफोरमोशान	17/क/1/1		
110	गफ़र अधर सुपुत्र मुजफ्फर हुसैन	17/घ/1		
111	सय्यद इजाज पाशा सुपुत्र सय्यद साहब हुसैन	17/क/1/2/1		
112	के.ताज हुसैन सुपुत्र के.गुफरान मिया	17/क/2		
113	के.ताज हुसैन सुपुत्र के.गुफरान मिया	17/क1/2/2		
114	तुम्मालपल्ली रामचन्द्रा रेड्डी सुपुत्र तिम्मा रेड्डी	17/ग/2		
115	बोया सुधाकर नायडु सुपुत्र पेद्दा शिवन्ना	18/1		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
116	बोया सुधाकर नायडु सुपुत्र पेद्दा शिवन्ना	18/ख		
117	बोया सुधाकर नायडु सुपुत्र पेद्दा शिवन्ना	18/घ		
118	बोया सुधाकर नायडु सुपुत्र पेद्दा शिवन्ना	18/क		
119	बोया सुधाकर नायडु सुपुत्र पेद्दा शिवन्ना	18/घ		
120	कोलुकारी अब्दुल सुपुत्र मोहम्मद साब	18/ज्ञ		
121	जयन्ना पुत्र बीसन्ना	77/1/2		
122	एम.शांति राज सुपुत्र नडिपेन्ना	77/2		
123	एम.शांति राज सुपुत्र नडिपेन्ना	77/1		
124	शेषी रेड्डी सुपुत्र संजीव रेड्डी	77		
125	रावनम्मा पत्नी हरिजन नागन्ना	77/1/1		
126	मरियम्मा पत्नी सवरन्ना	78/क		
127	सुंदर राज सुपुत्र बेसन्ना	78/ग/2		
128	समेलु सुपुत्र बेसन्ना	78/ग/1		
129	सोंतशम्मा पत्नी बेसन्ना	78/ग/3		
130	सैमसन सुपुत्र जॉन	78/ख1/1		
131	जयन्ना सुपुत्र जॉन	78/ख/2		
132	मोकरी कृष्णैया सुपुत्र तिम्मन्ना	79/ख		
133	एम.बी.वेंकटेश्वर रेड्डी पुत्र नारायण रेड्डी	79/ग1/2/2		
134	एम.बी.वेंकटेश्वर रेड्डी सुपुत्र नारायण रेड्डी	79/ग2		
135	एम.बी. वेंकटेश्वर रेड्डी सुपुत्र नारायण रेड्डी	79/क/1/2		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
136	एम.बी. वेंकटेश्वर रेड्डी सुपुत्र नारायण रेड्डी	79/क/1/2		
137	एम.बी.वेंकटेश्वर रेड्डी सुपुत्र नारायण रेड्डी	79/क/2		
138	एम.बी.वेंकटेश्वर रेड्डी. सुपुत्र नारायण रेड्डी	79/क/1/1/2		
139	रामकृष्ण सुपुत्र कृष्णय्या	79/ञ		
140	पी.नरेंद्र रेड्डी सुपुत्र पी.नागरवर्धन रेड्डी	79/ग1/2/1/1		
141	गोविंदम्मा पत्नी तिमन्ना	79/घ		
142	तेजा अखिल बी वेंकट्रामुलु सुपुत्र बंगी वेंकटरामुलु	79/ग1/1		
143	तेजा अखिल बी वेंकट्रामुलु सुपुत्र बंगी वेंकटरामुलु	79/ग1/2/1/2		
144	जशेल्ला पत्नी स्वर्गीय इजराइल	91/1		
145	देवराज पुत्र इब्राहीम	91/2		
146	जशेल्ला पत्नी स्वर्गीय इजराइल	92/1/1		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
147	देवराज सुपुत्र इब्राहीम	92/2/1		
148	सिंचाई परियोजनाएँ	92/1/2		
149	सिंचाई परियोजनाएँ	92/2/2		
150	जशेल्ला पत्नी स्वर्गीय इजराइल	93/1/1		
151	देवराज पुत्र अब्राहम	93/1/1		
152	सिंचाई परियोजनाएँ	93/1/2		
153	सिंचाई परियोजनाएँ	93/2/2		
154	हरिजन चिन्ना येसुपु सुपुत्र सालप्पा	94/2/1		
155	हरिजन शांतन्ना सुपुत्र सालप्पा	94/एबी/1		
156	भाग्यम्मा पत्नी हरिजन पेद्दा येसुपु	94/4		
157	लक्ष्मी बाबु सुपुत्र प्रकाशम	94/एबी/2		
158	सिंचाई परियोजनाएँ	94/2/2		
159	सिंचाई परियोजनाएँ	94/3		
160	हरिजन राजु सुपुत्र पेद्दा भूषणम	95		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
161	हरिजन राजू सुपुत्र पेद्दा बुशनम	100/क		
162	एम. राजू सुपुत्र पेद्दा बुशनम	100/ख/1		
163	चिन्ना येसुपु सुपुत्र गोपन्ना	100/2		
164	एम. राजा बाबु सुपुत्र डब्बा सवरन्ना	100/क/2		
165	एम.बी.वेंकटेश्वर रेड्डी सुपुत्र नारायण रेड्डी	101/क		
166	एम.बी.वेणुगोपाल रेड्डी सुपुत्र नारायण रेड्डी	101/ख		
167	एम.बी.वेंकटेश्वर रेड्डी सुपुत्र नारायण रेड्डी	102/क		
168	एम.बी.वेणुगोपाल रेड्डी सुपुत्र नारायण रेड्डी	102/ख		
169	ए.सुरेंद्र गौड़ सुपुत्र ए.वीरन्ना गौड़	103		
170	अनंत लक्ष्मी देवम्मा पत्नी रंगा रेड्डी	104/क		
171	शैक्षिक संस्थान स्कूल	104/ख		
	कुल		एकड़ 7.20 गुंटा	

6	गांव : पूड़ूरु	मंडल : गद्वाल	जिला : जोगुलांबा गद्वाल	
क्रम सं.	भूमिधारक का नाम	सर्वेक्षण सं.	एकड़ गुंटा के अनुसार भूमि अधिग्रहण क्षेत्र	मामले का विवरण
1	जी.रामेश्वर रेड्डी सुपुत्र जी.येल्ला रेड्डी	744		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
2	गोला गोविंदम्मा पत्नी गोला रामुडु	745/अ		
3	जी.रामेश्वर रेड्डी सुपुत्र जी.येल्ला रेड्डी	745/आ1		
4	जी प्रणेश्वर रेड्डी सुपुत्र जी.येल्ला रेड्डी	745/आ2		
5	सानेम वेनाटेश गौड़ पुत्र सनेम शंकर गौड़	746/अ2/2		
6	येडिगा भास्कर गौड़ उर्फ एस. भास्कर गौड़ पुत्र सनेम शंकर गौड़	746/इ2/1		
7	सनेम पवित्रा उपनाम ई. रानी पत्नी एस.वेंकटेश गौड़	746/इ2/2		
8	चाकली तिपन्ना सुपुत्र रामन्ना	746/इ1/1		
9	चाकली रामुडु सुपुत्र थिप्पन्ना	746/अ1/2		
10	कुम्मरि रामुडु सुपुत्र येंकन्ना	746/लु1		
11	एडिगा भास्कर गौड़ उर्फ एस.भास्कर गौड़ सुपुत्र सानेम शंकर गौड़	746/अ2/1		
12	कुम्मरि येकातन्ना सुपुत्र यांकन्ना	746/लु		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
13	पेद्दा मौलाली सुपुत्र नानू साब	746/उ/1		
14	चिन्ना मौलाली सुपुत्र नानूसाब	746/उ/2		
15	चेन रेड्डी वेंकटेश्वर रेड्डी सुपुत्र राम रेड्डी	747/2		
16	भीमेश्वर रेड्डी सुपुत्र साई रेड्डी	747/9		
17	के. साई रेड्डी सुपुत्र वेंकटेश्वर रेड्डी	747/10		
18	चेनरेड्डी रवि प्रकाश रेड्डी सुपुत्र राम रेड्डी	747/12/2		
19	चेनरेड्डी रवि प्रकाश रेड्डी सुपुत्र राम रेड्डी	747/3		
20	वेंकट कृष्णा रेड्डी सुपुत्र राम रेड्डी	747		
21	चेनरेड्डी जयम्मा पत्नी वेंकट कृष्णा रेड्डी	747/6		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
22	सुजाता पत्नी के.भीमेश्वर रेड्डी	747/11		
23	चेनरेड्डी रामभूपाल रेड्डी पुत्र राम रेड्डी	747/1		
24	अनसुयम्मा पत्नी वेंकटेश्वर रेड्डी	747/5		
25	चेनरेड्डी सुमालतम्मा पत्नी रामभूपाल रेड्डी	747/7		
26	वेंकटेश्वर रेड्डी सुपुत्र साई रेड्डी	747/8		
27	बोया पेद्दा राघवेंद्र सुपुत्र बोया रामुडु	747/12/1		
28	चेनरेड्डी वेंकटेश्वर रेड्डी सुपुत्र राम रेड्डी	747/4		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
29	सी.राधा पत्नी रवि प्रकाश रेड्डी	748/2/2		
30	चेनरेड्डी वेंकटेश्वर रेड्डी सुपुत्र राम रेड्डी	748/2/1		
31	मोडेला कुमार सागर सुपुत्र मोड़ेला नारायण सागर	748/1		
32	मेकला वेंकटस्वामी सुपुत्र चिन्ना सवरन्ना	749/आ2		
33	परुशरमुडु सुपुत्र रंगन्ना	749/इ/अ/1		
34	मेकला रामुडु सुपुत्र सावरन्ना	749/आ1		
35	पेद्दा सावरन्ना सुपुत्र यल्लप्पा	749/इ		
36	बोया वीरन्ना सुपुत्र येल्लप्पा	749/अ		
37	बोया वीरन्ना सुपुत्र येल्लप्पा	749/ई/आ		
38	सरोजम्मा पत्नी ईधन्ना	749/ई/आ/2		
39	विनील कुमार राज पत्नी ई. राजू	749/ई/इ		
40	रमन्ना सुपुत्र येल्लप्पा	754/आ/आ		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
41	सरोजम्मा पत्नी ईदन्ना	754/आ/इ2		
42	रंगास्वामी सुपुत्र पेद्दा सावरन्ना	754/अ/2		
43	बोया येलप्पा सुपुत्र पेद्दा वेंकटस्वामी	754/अ/1बी		
44	मेकला रामुडु सुपुत्र सावरन्ना	754/ई		
45	बोया परुशरमुडु सुपुत्र पेद्दा वेंकटस्वामी	754/अ/1/अ		
46	चिन्ना वेंकटस्वामी सुपुत्र पेद्दा सावरन्ना	754/अ/3		
47	बोया वीरन्ना सुपुत्र येल्लप्पा	754/आ/अ		
48	परुशरमुडु सुपुत्र रंगन्ना	754/आ/इ/1		
49	मेकाला वेंकटस्वामी सुपुत्र चिन्ना सावरन्ना	754/इ1		
50	रमन्ना सुपुत्र येल्लप्पा	755		
51	मस्तनम्मा पत्नी बीसन्ना	756/1/3		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
52	चित्तम्मा पत्नी कृष्णा स्वामी	756/1/4		
53	बजरम्मा पत्नी नारायण	756/1/2		
54	गोल्ला कुरुमन्ना सुपुत्र गोल्ला नरसिम्हुलु	756/2		
55	जी.रामेश्वर रेड्डी सुपुत्र जी.येल्ला रेड्डी	756/1/1		
56	चेनरेड्डी वेंकटेश्वर रेड्डी सुपुत्र राम रेड्डी	757		
57	मदम्मा उर्फ मरियम्मा पत्नी मरिकल सवरन्ना	782/5		
58	नरसम्मा पत्नी कावली सावरन्ना	782/2		
59	मरियम्मा पत्नी राजनंदम	782/3		
60	माला नरसम्मा पत्नी येल्लप्पा	782/4		
61	पी.ज्योति पत्नी विष्णुवर्धन रेड्डी	782/1		
62	परिमिरेड्डी दामोदर रेड्डी सुपुत्र पेद्दा रंगा रेड्डी	783/ख/ए		
63	कृष्णा रेड्डी सुपुत्र वेंकट रेड्डी	783/ख/इ		
64	सुमालथ पत्नी नरेश कुमार	783/क1		
65	नारायण रेड्डी सुपुत्र वेंकट रेड्डी	783/ख/आ		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
66	राधाम्मा पत्नी कृष्णा रेड्डी	783/क2		
67	फरीदाबी पत्नी एम.डी.हुसैन बाशा	787/क/1		
68	हसीना बेगम पत्नी एम.हुसैन	787क/2		
69	चेनरेड्डी रवि प्रकाश रेड्डी सुपुत्र राम रेड्डी	787		
70	एमडी हुसैन बाशा सुपुत्र मोहम्मद हुसैन	788/क2		
71	फरीदाबी पत्नी एम.डी.हुसैन	788/क		
72	एमडी हुसैन बाशा सुपुत्र मोहम्मद हुसैन	788/क3		
73	एम.डी.हसन बाशा सुपुत्र एम.डी.मोहम्मद हुसैन	789		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
74	खोकर बी पत्नी मोहम्मद हुसैन	790/4/1/1		
75	कुम्मरि वेंकट्रामुलु सुपुत्र पेद्दा नागन्ना	790/ऊ		
76	तिम्मन्ना सुपुत्र बोया बुचन्ना	790/उ		
77	नरसिम्हा सुपुत्र बोया बुचन्ना	790/5		
78	नारायणम्मा पत्नी शंकरम्मा	790/3		
79	चिन्ना राम रेड्डी पुत्र वेंकट राव	790/4		
80	कुम्मरि वेंकट्रामुलु सुपुत्र पेद्दा नागन्ना	790/ऊ3		
81	कुम्मारि वेंकटरामुलु सुपुत्र पेद्दा नागन्ना	790/ऊ2/1		
82	कुम्मरी पद्मम्मा पत्नी कुम्मरी तायन्ना	790/1		
83	कुम्मरि वेंकट्रामुलु सुपुत्र पेद्दा नागन्ना	790/ऊ1		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
84	सिंचाई परियोजनाएँ	790/2/2		
85	सिंचाई परियोजनाएँ	790/4/1/2		
86	सिंचाई परियोजनाएँ	790/ऊ2/2		
87	कुम्मरि तायन्ना सुपुत्र पेद्दा वेंकटन्ना	790/2/1		
88	तेलुगु शंकरम्मा पत्नी ईदन्ना	1382/क2		
89	किक्किरी पद्मम्मा पत्नी वेंकटेश	1382/ग		
90	वेणुगोपाल सुपुत्र चिन्ना नरसिम्हुलु	1382/घ2/1/1/1		
91	यंबर्ला चंद्र शेखर रेड्डी सुपुत्र वाई राजेश्वर रेड्डी	1382/घ2/1/1/2		
92	चेन्नूपाटि परमेश सुपुत्र रामन्ना	1382/ग1/1		
93	कुर्वा राघवेंद्र सुपुत्र कुर्वा बालास्वामी	1382/घ1/1/2		
94	कुर्वा राघवेंद्र सुपुत्र कुर्वा बालास्वामी	1382/घ1/2/2		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
95	कुर्वा राघवेंद्र सुपुत्र कुर्वा बालास्वामी	1382/घ2/2		
96	पार्वतम्मा पत्नी शांतन्ना	1382/घ2/1/2		
97	पासुला कोदंडारामुलु सुपुत्र पासुला पेद्दा नरसिम्हुलु	1382/घ1/2/1/1		
98	पर्वतम्मा पत्नी शांतन्ना	1382/घ1/2/1/2		
99	पासुला बीसन्ना सुपुत्र पासुला पेद्दा नरसिम्हुलु	1382/घ1/1/1/1		
100	पर्वतम्मा पत्नी संतन्ना	1382/घ1/1/1/2		
101	बुच्चन्ना सुपुत्र गोरंटला कर्रेन्ना	1382/ख/1/1		
102	गोरंट्ला गोविंदु सुपुत्र गोरंट्ल येदन्ना	1382/ख/1/2		
103	गोंगल्ला राघवेंद्र सुपुत्र गोंगल्ला कृष्णा	1382/ग2		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
104	गोंगल्ला राघवेंद्र सुपुत्र गोंगल्ला कृष्णा	1382/ग3		
105	किंकिरी पद्मम्मा पत्नी वेंकटेश	1382/ग1/2		
106	पासुला कोदंडारामुलु सुपुत्र पासुला पेद्दा नरसिम्हुलु	1383/2		
107	पासुला बीसन्ना सुपुत्र पासुला पेद्दा नरसीमुलु	1383/1		
108	वेणुगोपाल सुपुत्र चिन्ना नरसिम्हुलु	1383/ख		
109	पी.शेषम्मा पत्नी पी.नरसिम्हुलु	1385/ग डी/1		
110	कुरवा उशेनप्पा सुपुत्र तिक्का येल्लप्पा	1385/ग ए/2		
111	पासुला नरसिम्हुलु सुपुत्र किरूटन्ना	1385/ग ए/1		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
112	पी.गोविंदु सुपुत्र किस्टन्ना	1385/ग इ/1		
113	पासुला रामुडु सुपुत्र किस्टन्ना	1385ग बी/1		
114	गोंगल्ला रंगास्वामी सुपुत्र गोंगल्ला कृष्णा	1385/ख/आ/2		
115	पद्मम्मा पत्नी पी. वेंकटन्ना	1385/ग सी		
116	गोंगल्ला सुवर्णा पत्नी राघवेंद्र	1385/ख/ए/1/1		
117	गोंगल्ला रंगस्वामी सुपुत्र गोंगल्ला कृष्णा	1385/ख/ए/2/1		
118	गोंगल्ला रंगस्वामी सुपुत्र गोंगल्ला कृष्णा	1385/ख/आ/1/2		
119	कुर्वा उषेनप्पा सुपुत्र तिक्का येल्लप्पा	1385/ग डी/2		
120	कुर्वा उषेनप्पा सुपुत्र तिक्का येल्लप्पा	1385/ग ई/2		
121	पद्मम्मा पत्नी पी.वेंकटन्ना	1385/ग बी/2		
122	के.चंद्रशेखर सुपुत्र कुर्वा उसेनप्पा	1385/क/आ/1/1		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
123	कुर्वा पद्मम्मा पत्नी कुर्वा कृष्णा	1385/ख/अ/1/2		
124	कुर्वा नागराजु सुपुत्र कुर्वा वेंकट्रामुलु	1385/ख/अ/2/2		
125	पी.शैलजा पत्नी पी.वेंकटेश्वरलु	1385/क/2		
126	पासुला राजशेखर सुपुत्र पासुला कृष्णय्या	1385/क/1		
127	पी.वेंकट कृष्णा सुपुत्र बीसन्ना	1392/ई		
128	के.पी.वेंकटस्वामी सुपुत्र हनुमंतु	1392/अ/2		
129	पासुला गोविंदम्मा पत्नी पासुला रामुडु	1392/आ		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
130	पी.जडलास्वामी सुपुत्र पासुला हनुमंतु	1392/अ/1		
131	पी.सरोजम्मा पत्नी पी.नारायण	1392/ग		
132	सत्यनारायण सुपुत्र वेंकटेश्वरलु	1393/ख/1		
133	मुस्टि रामुलु सुपुत्र केशन्ना	1393/क/आ		
134	सत्यनारायण सुपुत्र वेंकटेश्वरलु	1393/ख		
135	जी.वेंकटरामुलु सुपुत्र जी.रत्नय्या	1393/अ		
136	गंटला शंकरम्मा पत्नी नडिपि हनुमन्तु	1394/ग		
137	गंटला बोडेन्ना सुपुत्र बीसन्ना	1394/क/1		
138	पेद्दा बीसन्ना सुपुत्र बीसन्ना	1394/क/ए		
139	मुस्टि रामुलु सुपुत्र केशन्ना	1394/क/आ		
140	मुस्टि रामुलु सुपुत्र केशन्ना	1394/क/आ2		
141	नडिपि हनुमंतु सुपुत्र चिन्ना बीसन्ना	1394/क/आ1		
142	गंटाला शंकरम्मा पत्नी नडिपि हनुमन्तु	1394/ख		
143	गंटाला शंकरम्मा पत्नी नडिपि हनुमन्तु	1394/घ		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
144	तिमन्ना सुपुत्र रामय्या	1404/घ		
145	चिन्ना रामुलु सुपुत्र बीसन्ना	1404/क5		
146	गार्लपाटि जयम्मा पत्नी रामुडु	1404/ख2		
147	गार्लपाटि जयम्मा पत्नी रामुलु	1404		
148	मनोहर सुपुत्र बीसन्ना	1404/क/2		
149	रामुलु सुपुत्र बीसन्ना	1404/क/4		
150	गरलापति जयम्मा सुपुत्र रामुलु	1404/ख1		
151	सायन्नगारि मद्दम्मा पत्नी कृष्णा	1404/ग/1		
152	सायन्नगारि जनकमुनि पत्नी बीसन्ना	1404/ग/1		
153	सायन्न प्रवीण कुमार सुपुत्र स्वर्गीय सुधाकर	1404/ग3		
154	बी.शेषरत्नम पत्नी पद्मनाभाचार्य	1405/ख/2		
155	अनंताचारी पुत्र कृष्णा चारी	1405/ख/1		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
156	गुरु राघवेंद्र चारी पुत्र कृष्णा चारी	1405/ख/5		
157	मधुसूधना चारी सुपुत्र कृष्णा चारी	1405/ख/4		
158	जे.गिराचारी सुपुत्र जे.शेषा चारी	1405/क		
159	मधुसूधना चारी सुपुत्र कृष्णा चारी	1405/ख/3		
160	मधु सूधाना चारी सुपुत्र कृष्णा चारी	1406/अ/3		
161	गुरु राघवेंद्र चारी सुपुत्र कृष्णा चारी	1406/अ/5		
162	जे.गिराचारी सुपुत्र जे.शेषा चारी	1406/आ		
163	बी.शेषरत्नम पत्नी पद्मनाभाचार्य	1406/अ/2		
164	अनंताचारी सुपुत्र कृष्णा चारी	1406/अ/1		
165	मधुसूधना चारी सुपुत्र कृष्णा चारी	1406/अ/4		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
166	शेषम्मा पत्नी बुच्चि रेड्डी	1407/अ		
167	इलियास खान सुपुत्र स्वर्गीय यूसुफ खान	1407/आ/2		
168	इलियास खान सुपुत्र स्वर्गीय यूसुफ खान	1407/आ/4		
169	इलियास खान सुपुत्र स्वर्गीय यूसुफ खान	1407/आ/3		
170	इलियास खान सुपुत्र स्वर्गीय यूसुफ खान	1407/आ/1		
171	इलियास खान सुपुत्र स्वर्गीय यूसुफ खान	1412/आ/2		
172	इलियास खान सुपुत्र स्वर्गीय यूसुफ खान	1412/आ/4		
173	इलियास खान सुपुत्र स्वर्गीय यूसुफ खान	1412/अ		
174	इलियास खान सुपुत्र स्वर्गीय यूसुफ खान	1412/आ/3		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
175	इलियास खान सुपुत्र स्वर्गीय यूसुफ खान	1412/आ/1		
176	के.साई रेड्डी सुपुत्र वेंकटेश्वर रेड्डी	1413/ख11		
177	चेनरेड्डी सुमालतम्मा पत्नी रामभूपाल रेड्डी	1413/ख8		
178	चेनरेड्डी जयम्मा पत्नी वेंकट कृष्णा रेड्डी	1413/ख7		
179	भीमेश्वर रेड्डी पुत्र साई रेड्डी	1413/ख10		
180	चेनरेड्डी वेंकट्रामी रेड्डी पुत्र राम रेड्डी	1413/ख1		
181	चेनरेड्डी रवि प्रकाश रेड्डी पुत्र राम रेड्डी	1413/ख4		
182	सुजाता पत्नी के.भीमेश्वर रेड्डी	1413/ख 12		
183	चेनरेड्डी वेंकटेश्वर रेड्डी पुत्र राम रेड्डी	1413/ख 3		
184	अनसूयम्मा पत्नी राम रेड्डी	1413/ख 6		
185	चेनरेड्डी रामभूपाल रेड्डी पुत्र राम रेड्डी	1413/ख 2		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
186	वेंकटेश्वर रेड्डी पुत्र साई रेड्डी	1413/ख 9		
187	सी.राधा पत्नी सी.रवि प्रकाश रेड्डी	1413/2		
188	चेनरेड्डी वेंकटेश्वर रेड्डी पुत्र राम रेड्डी	1413/1		
189	चेनरेड्डी वेंकटेश्वर रेड्डी पुत्र राम रेड्डी	1413/ख5		
190	चेनरेड्डी वेंकटेश्वर रेड्डी पुत्र राम रेड्डी	1422/2		
191	चेनरेड्डी वेंकटेश्वर रेड्डी पुत्र राम रेड्डी	1422/1		
192	कब्रिस्तान	1423/एबी		
193	कमसाली जयम्मा पत्नी कमसाली कृष्णैया	1424		
	कुल		एकड़ 13.31 गुंटा	

7	गांव : गोपालदिन्ने	मंडल : इटिक्याल	जिला : जोगुलांबा गद्वाल	
क्रम सं.	भूमिधारक का नाम	सर्वेक्षण सं.	एकड़ गुंटा के अनुसार भूमि अधिग्रहण क्षेत्र	मामले का विवरण
1	चिन्ना मद्दिलेटि सुपुत्र के.वेंकट्रामुलु	5	5	महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
2	कुर्वा तिरुपातन्ना सुपुत्र बुद्दन्ना	6/बी1		
3	के.गोविंदम्मा पत्नी वेंकटस्वामी	6/बी2		
4	मद्दिलेटि सुपुत्र के.वेंकट्रामुलु	6/ए/2		
5	चिन्ना मद्दिलेटि सुपुत्र के वेंकट्रामुलु	6/ए/3		
6	कुर्वा तरूपतन्ना सुपुत्र चिन्ना नागन्ना	6/ए1/1		
7	शंकरम्मा पत्नी कुर्वा ईश्वरन्ना	6/ए1/2		
8	कुर्वा आंजनेयुलु पुत्र चिन्ना नागन्ना	6/ए/1/4		
9	कुर्वा गंगोत्री पत्नी कुर्वा चिन्ना किस्टन्ना	6/ए1/3		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
10	बेरेल्ली अनिल कुमार रेड्डी सुपुत्र बुच्चि रेड्डी	7/इ		
11	बेरेल्ली सुकन्या पत्नी सर्वा रेड्डी	7/आ		
12	बी.सुनीतम्मा पत्नी बी.रामी रेड्डी	7/ए		
13	बी.पुजारी मुनि सुपुत्र रंगन्ना	92/ए		
14	बोया पुजारी रामुडु सुपुत्र रंगन्ना	92		
15	बी.माहेश्वरी पत्नी बी.पूजारी राजू	92/बी		
16	बोया काजन्ना सुपुत्र चिन्ना तिम्मन्ना	93/डी1		
17	बोया तिप्पम्मा पत्नी रामन्ना	93		
18	बोया नारम्मा पत्नी रंगन्ना	93/डी2		
19	बोया मुनेन्ना सुपुत्र रामन्ना	93/डी3		
20	बोया पेद्दा रंगन्ना सुपुत्र ईदन्ना	93/बी		
21	बोया रंगास्वामी सुपुत्र थिमन्ना	93/सी		
22	गार्लपाटि विष्णुवधन रेड्डी सुपुत्र सर्वा रेड्डी	94/अ/1/1		
23	गार्लपाटि विष्णुवधन रेड्डी सुपुत्र सर्वा रेड्डी	94/आ1/1/1		
24	के.सरस्वती पत्नी वेंकटेश्वर्लु	94/अ2		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
25	कुर्वा जमेंधर सुपुत्र कुर्वा देवन्ना	94/अ/1/3		
26	कुर्वा परुषारमुडु सुपुत्र कुर्वा चिन्ना देवन्ना	94/अ/1/2		
27	कुर्वा रामुडु सुपुत्र कुर्वा आलुरु रंगन्ना	94/आ/1/1/2		
28	कुर्वा रामुडु सुपुत्र कुर्वा आलुरु रंगन्ना	94/आ1/2		
29	गार्लपाटि विष्णुवधन रेड्डी सुपुत्र सर्वा रेड्डी	95/आ		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
30	गार्लपाटि विष्णुवधन रेड्डी सुपुत्र सर्वा रेड्डी	95/अ/1		
31	गार्लपाटि विष्णुवधन रेड्डी सुपुत्र सर्वा रेड्डी	95/अ2/1		
32	गार्लपाटि विष्णुवधन रेड्डी सुपुत्र सर्वा रेड्डी	96/अ1		
33	हरिजन दावीदु सुपुत्र पेद्दा यांकन्ना	96/अ2/2/		
34	बोया सरोजम्मा पत्नी बोया रामुडु	96/अ2/2/1/1/1/1/1/1/1/		
35	कोर्सुकुंटा पेद्दा लक्ष्मन्ना सुपुत्र के.डोलन्ना	96/अ2/2/1/1/1/1/1/1/1/1/1/1		
36	हरिजन वेंकटेश सुपुत्र हरिजन नागन्ना	96/अ2/2/1/1/1/1/1		

Cont. on next page

Cont. from previous page

37	हरिजन वेंकटेश सुपुत्र हरिजन नागन्ना	96/अ2/2/1/2		
38	हरिजन राजु सुपुत्र हरिजन वेंकटन्ना	96/अ2/2/1/1/2		
39	वी.पवन कुमार सुपुत्र वी.रामन्ना	96/अ2/2/1/1/1/1/2		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
40	हरिजन जना सुपुत्र हरिजन देवराजु	96/अ2/2/1/1/1/1/1/1/2		
41	कुर्वा जयम्मा पत्नी कुर्वा परुशरमुडु	96/अ2/2/1/1/1/1/1/1/1/2		
42	हरिजन रमेश सुपुत्र हरिजन वेंकटस्वामी	96/अ2/2/1/1/1/1/1/1/1/1/2		
43	तिरुमलेश सुपुत्र कृष्णा	96/ए2/2/1/1/1/1/1/1/1/1/2		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
44	घर के साइट	96/आ		
45	मंगली संपत सुपुत्र मंगली राघवेंद्र	182/अ		
46	मंगली तिप्पन्ना सुपुत्र थिमन्ना	183/आ		
47	सरकारी भूमि	183/अ		
48	जनमपल्ली बद्री नारायण शेट्टी	185/इ		
49	मंडला रामदेव रेड्डी सुपुत्र जगन्नाथ रेड्डी	185/अ/2		
50	एम.सुरेखा पत्नी एम.राधाकृष्ण रेड्डी	185/अ/1		
	कुल		**एकड़ 5.22 गुंटा**	

8	गांव : पेद्ददिन्ने	मंडल : इटिक्याल		जिला : जोगुलांबा गद्वाल
क्रम सं.	**भूमिधारक का नाम**	**सर्वेक्षण सं.**	**एकड़ गुंटा के अनुसार भूमि अधिग्रहण क्षेत्र**	**मामले का विवरण**
1	जे.हरिकृष्ण सुपुत्र नारायण	1/डी1		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
2	गड्डुय्यागारी बसम्मा पत्नी सोमी रेड्डी	1/एफ/1		
3	बोया शंकरन्ना सुपुत्र गोविंदु	1/एफ/2		
4	तंबलि ईश्वरय्या सुपुत्र आडिवप्पा	1/ई/2		
5	गूडेसे यंकन्ना सुपुत्र वेंकटन्ना	1/ई		
6	कुम्मरि नरसिम्हुलु सुपुत्र मुगेन्ना	1/सी		
7	अंदे विष्णुवर्धन रेड्डी सुपुत्र शिवा रेड्डी	1/डी		
8	कोमाटी कोत्त वेंकटरमणा सुपुत्र भीमय्या	1/एफ		
9	मारेम्मा पत्नी बजरन्ना	1/बी		
10	अब्राहम सुपुत्र पक्कीरन्ना	1/सी		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
11	बोया नारायण सुपुत्र थिक्कन्ना	1/ई3		
12	टी.रामेश्वरम्मा पत्नी स्वर्गीय तम्बलि राम लिंगय्या	1/ई1		
13	यूपीएस स्कूल	1/सी1		
14	कुर्वा जयारामुडु सुपुत्र नागप्पा	2/ए/1		
15	कुर्वा किशनय्या सुपुत्र नागप्पा	2/बी		
16	कुर्वा श्रीनिवासुलु सुपुत्र नागप्पा	2/सी		
17	कुर्वा लक्ष्मीदेवी पत्नी कुर्वा जयारामुलु	2/ए/2		
18	हरिजन दानम्मा पत्नी हरिजन डेविडु	3/ए		
19	हरिजन कांता याकोबू सुपुत्र यांकन्ना	3/सी		
20	कासेपुगु देवन्ना सुपुत्र काशपोगु पेतुरु	3/बी		
21	हरिजन दानम्मा पत्नी हरिजन दावीदु	13/ई		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
22	एम.डी.नरसिम्हा राव सुपुत्र बद्री नारायण राव	13/ए		
23	एम.डी.नरसिम्हा राव सुपुत्र बद्री नारायण राव	13/ए1/1/2		
24	हरिजन कांता पेतुरु सुपुत्र येंकन्ना	13/बी		
25	हरिजन कांता पेतुरु सुपुत्र येंकन्ना	13/सी		
26	हरिजन कांता याकूब सुपुत्र येंकन्ना	13		
27	काशापोगु पुल्लम्मा पत्नी कांता सावरन्ना	13/डी		
28	धूलिपाल्ला रजनी सुपुत्र धूलिपाल्ला वेंकट राव	13/ए1/1		
29	धूलिपाल्ला रजनी सुपुत्र धूलिपाल्ला वेंकट राव	13/ए2/1		
30	मालिगिदिन्ने रवीन्द्र सिम्हा सुपुत्र मालिगिदिन्ने नागासिम्हा राव	13/ए2/2		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
31	कत्ति ईरन्ना सुपुत्र नागप्पा	14/1/1/1/1/2		
32	एम.डी.नरसिम्हा राव सुपुत्र बद्री नारायण राव	14/1/1/1/1/1/1/		
33	एम.डी.जयसिम्हा सुपुत्र बद्रीनाथ	14/1/1/1/2		
34	एम.डी.जयसिम्हा सुपुत्र बद्रीनाथ	14/1/1/2		
35	कत्ति येर्रन्ना सुपुत्र कत्ति गोविंदु	14/1/2		
36	बुड्डम्मा पत्नी पेद्दा रंगन्ना	14/2/2		
37	कट्टे शेखर सुपुत्र कट्टे चिन्ना ईरन्ना	14/2/1/2		
38	के. चिन्ना रंगन्ना सुपुत्र के. ईरन्ना	14/2/1/1		
39	एम.डी.राजेंद्रसिम्हा सुपुत्र एम.डीनरसिम्हा राव	14/1/1/1/1/1/2		
40	एम.डी.रामादेवी पत्नी एम.डी.नरसिम्हा राव	14/1/1/1/1/1/2		
41	बोया बुच्चन्ना सुपुत्र पेद्दा रंगन्ना	28		
42	अरुणज्योति पत्नी भीमेश्वर रेड्डी	29बी		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
43	अंदे भीमेश्वर रेड्डी सुपुत्र अंदे रामचन्द्र रेड्डी	29ए		
44	चाकली रामुडु सुपुत्र बुच्चन्ना	30/ए		
45	चाकली अंजनेयुलु सुपुत्र बुच्चन्ना	30/आ		
46	रेलवे	142		
47	येडिगा बुच्चन्ना सुपुत्र लिंगन्ना	143		
48	पीरा महम्मद सुपुत्र नन्ने साब	144/1		
49	सिंचाई परियोजना	144/2		
50	ऐंडोमेंट	146		
51	मान्या ब्रह्मेश सुपुत्र आशन्ना	148/सी1		
52	मान्या ब्रमेश सुपुत्र आशन्ना	148/बी		
53	एम.देवेंदर सुपुत्र पेद्दा नागन्ना	148/आ/2		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
54	एम.ईश्वर सुपुत्र पेद्दा नागन्ना	148/आ/3		
55	बोया वेंकटेश्वर्लु सुपुत्र बीसन्ना	148/सी2		
56	मन्ने सत्यम्मा पत्नी अय्यन्ना	148/आ1		
57	एंडोमेंट	149/अ1		
58	एंडोमेंट	149/बी		
59	कुर्वा बोरेल्ली शंकरन्ना सुपुत्र रामुडु	155/आ		
60	चाकली सवरम्मा पत्नी पेद्दा शिवन्ना	155/ए2/1		
61	गौनी रंजीत रेड्डी सुपुत्र वेंकट रेड्डी	155/ए2/2		
62	कुवा बोरेली नागजू सुपुत्र रामुडु	155/आ1		
63	चाकली चिन्ना मद्दिलेटी सुपुत्र चाकली शिवन्ना	155/ए2/3		
64	सी.मद्दिलेटि पुत्र सी.शिवन्ना	155/ए2/1/		
	कुल		**एकड़ 9.25 गुंटा**	

9	गांव : इटिक्याल	मंडल : इटिक्याल		जिला : जोगुलांबा गद्वाल
क्रम सं.	**भूमिधारक का नाम**	**सर्वेक्षण सं.**	**एकड़ गुंटा के अनुसार भूमि अधिग्रहण क्षेत्र**	**मामले का विवरण**
1	गोल्ला वेंकट्रामुडु सुपुत्र पेद्दा तुरकप्पा	385ए/2		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
2	गोल्ला सुरेश सुपुत्र गोल्ला वेंकटेश	385बी/2		
3	जी.पद्मावती पत्नी जी.रामांजनेयुलु	385/बी/1/2		
4	जी.सुजाता पत्नी जी.बालकृष्ण	385ए/1/1		
5	सिंचाई परियोजना	385/ए/1		
6	तेलुगु सुशीलम्मा पत्नी सायन्ना	386बी1/4/2		
7	तेलुगु रत्नम्मा सुपुत्र चिन्ना सायन्ना	386/बी1/1		
8	तेलुगु सुशीलम्मा पत्नी वेंकट्रामुडु	386/बी1/2/2		
9	तेलुगु शांतन्ना सुपुत्र पेद्दा सायान्ना	386/ए4/2		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
10	तेलुगु नागन्ना सुपुत्र पेद्दा सायान्ना	386ए/1		
11	तेलुगु पार्वतम्मा पत्नी तेलुगु विजया भास्कर	386/ए/2		
12	टी.शंकम्मा पत्नी तेलुगु सुनकन्ना	386बी2/1/1/1/1		
13	तेलुगु सीतारमुडु सुपुत्र तेलुगु मादन्ना	386/ए2/3		
14	तेलुगु रवि सुपुत्र तेलुगु देवन्ना	386ए3/3		
15	टी.कोदंड रामुडु सुपुत्र तेलुगु सुंकन्ना	386बी2/2		
16	तेलुगु आंजनेयुलु सुपुत्र तेलुगु सुंकन्ना	386/बी2/1/2		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
17	तेलुगु सुधाकर सुपुत्र तेलुगु सुंकन्ना	386बी2/1/1/2		
18	तेलुगु माधव सुपुत्र तेलुगु सुंकन्ना	386बी2/1/1/1/2		
19	तेलुगु जयन्ना सुपुत्र तेलुगु रामुडु	386बी1/3/3		
20	सिंचाई परियोजना	386/ए4/1		
21	सिंचाई परियोजना	386ए3/1		
22	सिंचाई परियोजना	386ए2/1		
23	सिंचाई परियोजना	386/बी1/4/1		
24	सिंचाई परियोजना	386बी1/2/1		
25	सिंचाई परियोजना	386बी1/3/1		
26	बुस्सा सत्य नारायण रेड्डी सुपुत्र तिप्पा रेड्डी	390ए1		
27	बुस्सा देवेंदर रेड्डी सुपुत्र तिप्पा रेड्डी	390ए2/2		
28	बुस्सा वेंकटरामी रेड्डी सुपुत्र तिप्पा रेड्डी	390ए3		
29	कुम्मरि उसेन्ना सुपुत्र कुम्मरि नागन्ना	390बी2/2		
30	शेखर सुपुत्र के.नागन्ना	390 बी 2/1/2		
31	कुम्मरि मोहन बाबु सुपुत्र कुम्मरि नागन्ना	390 बी 2/1/1		
32	करकाला वेंकटेश्वर रेड्डी सुपुत्र के.नागी रेड्डी	390बी1/2/1		
33	के.रमादेवी पत्नी के.सुरेंद्र रेड्डी	390बी1/2/2		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
34	सिंचाई परियोजना	390बी1/1		
35	सिंचाई परियोजना	390ए2/1		
36	मंगली शशिकला पत्नी मंगली परुषरामुडु	393/2		
37	एम. जितेन्दर सुपुत्र एम. वेंकटस्वामी	393/1/2/1		
38	मंगली परुशरामुडु सुपुत्र मंगली वेंकटस्वामी	393/1/1/2/1		
39	एम.प्रभावती पत्नी एम.जितेन्द्र	393/1/1/1		
40	सिंचाई परियोजना	393/1/1/2/2		
41	सिंचाई परियोजना	393/1/2/2		
42	मुस्लिम सय्यद वाहिद्दीन सुपुत्र अब्दुल रहमान	397/2		
43	सिंचाई परियोजना	397/1		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
44	गोल्ला बीसन्ना सुपुत्र तिप्पन्ना	398/बी/2		
45	कुर्वा नरसम्मा पत्नी नरसन्ना	398/ए4/2		
46	महेश्वरम्मा पत्नी गोवर्धन	398/ए3/1/2		
47	शारदम्मा पत्नी युगेंधर	398ए3/3		
48	गोल्ला वीरन्ना सुपुत्र रामुडु	398ए1		
49	गोल्ला वीरन्ना सुपुत्र रामुडु	398ए2		
50	सिंचाई परियोजना	398ए4/1		
51	सिंचाई परियोजना	398ए3/1/1		
52	सिंचाई परियोजना	398ए3/2		
53	सिंचाई परियोजना	398बी/1		
54	सिंचाई परियोजना	399		
55	तेलुगु वेंकट्रामुलु सुपुत्र तेलुगु चेन्नन्ना	400बी/1		
56	टी.नारायण पुत्र टी.सुंकन्ना	400ए		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
57	तेलुगु सुंकुलम्मा पत्नी तेलुगु रामकृष्ण	400सी/3		
58	सिंचाई परियोजना	400बी/2		
59	सिंचाई परियोजना	400सी/1		
60	पुल्लमगारी कोटेश्वर रेड्डी सुपुत्र लोका रेड्डी	440ए3/2		
61	पुल्लमगारी रामचेंद्रा रेड्डी सुपुत्र लोका रेड्डी	440ए4/2		
62	पुल्लमगारी पद्मम्मा पत्नी कोटेश्वर रेड्डी	440ए1		
63	पुल्लमगारी पद्मम्मा पत्नी कोटेश्वर रेड्डी	440बी2/3		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
64	पुल्लमगारी मंजुलम्मा पत्नी रामचेंद्रा रेड्डी	440ए2/2		
65	पुल्लमगारी मंजुलम्मा पत्नी रामचेंद्रा रेड्डी	440बी2/2		
66	गुंटिरेड्डीगारी मेघना रेड्डी सुपुत्र गुंटिरेड्डीगारी रवि चंद्र कुमार रेड्डी	440बी1/3		
67	सिंचाई परियोजना	440ए4/1		
68	सिंचाई परियोजना	440बी1/1		
69	सिंचाई परियोजना	440ए3/1		
70	सिंचाई परियोजना	440ए2/1		
71	सिंचाई परियोजना	440बी2/1		
72	कांतम कृष्णा रेड्डी सुपुत्र नरसी रेड्डी	441/सी/2		
73	वराला पावनी पत्नी नरेंद्र रेड्डी	441बी		
74	कांतम जयम्मा पत्नी कांतम हनुमंतु रेड्डी	441ए/2		
75	सिंचाई परियोजना	441/ए/1		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
76	सिंचाई परियोजना	441सी/1		
77	जी.श्रीता पत्नी सी.एच.राजि रेड्डी	442/2		
78	सिंचाई परियोजना	442/1		
79	कुर्वा धंगा रवि सुपुत्र श्रीरामुलु	443/2		
80	सिंचाई परियोजना	443/1		
81	सायम्मागारी प्रमीलम्मा पत्नी रामी रेड्डी	457ए/1		
82	सायम्मागारी प्रमीलम्मा पत्नी रामी रेड्डी	457/बी/1		
83	सायम्मागारी सुरेश रेड्डी पत्नी रामी रेड्डी	457/1/1		
84	सायम्मगारी रामकृष्णा रेड्डी सुपुत्र हनुमंतु रेड्डी	457/बी2/1		
85	अन्य सड़क	457/ए/2		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
86	अन्य सड़क	457/बी2/2		
87	अन्य सड़क	457/बी1/2		
89	अखेपोगु यसन्ना पुत्र योपोने	458ए/1		
90	अखेपोगु राजु सुपुत्र हुसेन	458बी/1		
91	अन्य सड़क	458बी/2		
92	अन्य सड़क	458ए/2		
93	एम.वेंकटेश्वर रेड्डी सुपुत्र एम.धर्म रेड्डी	461/ए/2/1		
94	एम.माधव रेड्डी सुपुत्र एम.भीमेश्वर रेड्डी	461/ए/1		
95	एम.माधव रेड्डी सुपुत्र एम.भीमेश्वर रेड्डी	461/ए/2/2		
96	एम.वीणा पत्नी मुसिलन्नगारी शेखर रेड्डी	461/बी1/1		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
97	एम.वीणा पत्नी मुसिलन्नगारी शेखर रेड्डी	461/बी2		
98	एम.वीणा पत्नी मुसिलन्नगारी शेखर रेड्डी	461बी3		
99	अन्य सड़क	461बी1/2		
100	क्लुकुंट्ला कोंडा रेड्डी सुपुत्र वेंकट रेड्डी	496ए		
101	कलुकुंट्ला माधवी पत्नी शेखर रेड्डी	496/ए2/1		
102	बी.लक्ष्मी पत्नी के.गंगाधर	496/ए2/2		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
103	बी.लक्ष्मी पत्नी के.गंगाधर	496/ए3		
104	एन.अनुराधा पत्नी एन.कृष्णय्या	496बी/2/2		
105	एन.अनुराधा पत्नी एन.कृष्णय्या	496/बी1/1		
106	एन.अनुराधा पत्नी एन.कृष्णय्या	496/बी1/2		
107	एम.पेद्दा नरसिम्हुलु सुपुत्र बोया पंतन्ना	496बी1/1/2/2		
108	एम.पेद्दा नरसिम्हुलु सुपुत्र बोया पापन्ना	496बी/2/1		
109	एम.कृष्णय्या सुपुत्र बोया पापन्ना	496बी/1/1/2/1		
110	एम.कृष्णय्या सुपुत्र बोया पापन्ना	496बी/1/2/1		
111	मन्लोल्ला परशुराम सुपुत्र मन्लोल्ला कृष्णा	496बी/1/2/2		
112	सिंचाई परियोजना	496बी/1/1/1		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
113	आकेपोगु डेविड सुपुत्र बुच्चन्ना	497बी1		
114	अकेपोगु वेंकटन्ना पुत्र सालन्ना	497/डी1		
115	अकेपोगु हुसैन सुपुत्र करेन्ना	497सी2		
116	अकेपोगु देवराजु सुपुत्र करेन्ना	497सी3		
117	हरिजन भाकर सुपुत्र सालन्ना	497डी2		
118	अकेपोगु यर्रन्ना सुपुत्र शालान्ना	497डी3		
119	अकेपोगु वेंकटेश्वर्लु सुपुत्र बुच्चन्ना	497/बी2		
120	वेंकटम्मा पत्नी कुर्वा रामन्ना	497ए		
121	कासेपोगु सुंकुलम्मा पत्नी लक्ष्मन्ना	497सी1		
122	ए.मान्यम पत्नी ए.वेंकटेश्वर्लु	497/डी4		
123	अकेपोगु श्याम कुमार पत्नी आनंदम	498सी/1		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
124	अकेपोगु येबू सुपुत्र दानियाल	498बी		
125	गिरिधर सागर अकेपोगु सुपुत्र जयसागर अकेपोगु	498डी/1/1		
126	ए.किरण सागर सुपुत्र ए.जयसागर	498डी/1/2		
127	हरिजन धर्म तेजा सुपुत्र अकेपोगु देवराजु	498ए		
128	अन्य सड़क	498डी/2		
129	अन्य सड़क	498सी/2		
130	कोत्त तिम्मन्नगारि पुष्पवतम्मा पत्नी लोक रेड्डी	499/1/1		
131	सिंचाई परियोजना	499/1/2		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
132	अन्य सड़क	499/2		
133	मुसिलन्नगारि विष्णुवर्धन रेड्डी सुपुत्र वेंकट्रामि रेड्डी	500सी1		
135	मुसिलन्नगारि विष्णुवर्धन रेड्डी सुपुत्र वेंकट्रामि रेड्डी	500सी2		
136	मुसिलन्नगारि विष्णुवर्धन रेड्डी सुपुत्र वेंकट्रामि रेड्डी	500सी3		
137	कुर्वा पद्मम्मा पत्नी वेंकट्रामुलु	500/ए/2		
138	कुर्वा नरसिम्हुलु सुपुत्र दुब्बाना	500ए1		
139	एम.वेंकटेश्वर रेड्डी सुपुत्र एम.धर्मा रेड्डी	500बी/1/1		
140	एम.भीमेशर रेड्डी सुपुत्र एम.धर्मा रेड्डी	500बी/2/1		
141	सिंचाई परियोजना	500बी/1/2		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
142	सिंचाई परियोजना	500बी/2/2		
143	सिंचाई परियोजना	500/ए1/1		
144	सिंचाई परियोजना	500/सी2/1		
145	सिंचाई परियोजना	500/ए		
146	सिंचाई परियोजना	500/ए/1		
147	एंडोमेंट	501		
148	माला पद्मम्मा पत्नी माला मल्दकल	502ए1		
149	माला श्रीनिवासुलु सुपुत्र बीसन्ना	502ए2		
150	कुर्वा सत्यम्मा पत्नी रामुडु	502बी		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
151	माला बीसन्ना पुत्र रामय्या	503/ई		
152	माला लच्चम्मा पत्नी जम्मन्ना	503सी2		
153	माला शंकरम्मा पत्नी बुच्चन्ना	503सी3		
154	माला रामेश्वरम्मा पत्नी गोपाल	503ए		
155	भास्कर सुपुत्र चिन्ना संजन्ना	503/डी1		
156	वेंकटेश सुपुत्र संजन्ना	503सी1		
157	एम.युगांधर सुपुत्र एम.जम्मन्ना	503बी		
158	ए.हनुमंतु सुपुत्र ए.सुनकन्ना	503/डी2		
159	मुसिलन्नगारि विष्णुवर्धन रेड्डी सुपुत्र वेंकट्रामि रेड्डी	504बी1/1		
160	मुसिलन्नगारि विष्णुवर्धन रेड्डी सुपुत्र वेंकट्रामि रेड्डी	504बी2		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
161	मुसिलन्नगारि विष्णुवर्धन रेड्डी सुपुत्र वेंकट्रामि रेड्डी	504बी3		
162	एम.वेंकटेश्वर रेड्डी सुपुत्र एम.धर्मा रेड्डी	504ए/1		
163	एम.भीमेश्वर रेड्डी सुपुत्र एम.धर्मा रेड्डी	504ए/2		
164	एम.शेखर रेड्डी सुपुत्र एम.धर्मा रेड्डी	504ए/3		
165	अन्य सड़क	504बी1/2		
	कुल		**एकड़ 11.13 गुंटा**	

10	गांव : बद्लादिन्ने	मंडल : येर्रवल्लि		जिला : जोगुलांबा गद्वाल
क्रम सं.	**भूमिधारक का नाम**	**सर्वेक्षण सं.**	**एकड़ गुंटा के अनुसार भूमि अधिग्रहण क्षेत्र**	**मामले का विवरण**
1	नायकी विष्णुवर्धन रेड्डी सुपुत्र नागी रेड्डी	10डी		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
2	नायकि वेंकटेश्वर रेड्डी सुपुत्र सुदर्शन रेड्डी	10सी		
3	चाकलि रामुलु सुपुत्र गोविंदु	10बी		
4	चाकलि रामुलु सुपुत्र गोविंदु	10ए		
5	रेणुका पत्नी नारायण	10ए3		
6	नायकि ईश्वर रेड्डी सुपुत्र वावी रेड्डी	10ए2/1		
7	चाकली महेश सुपुत्र चाकली नारायण	10ए2		
8	चाकली महेश सुपुत्र चाकली नारायण	10/बी2		
9	पूजारी रंगय्या सुपुत्र कृष्णय्या	15		
10	मद्दिलेटि सुपुत्र दुब्बन्ना	16/ए2/2		
11	मद्दिलेटि सुपुत्र दुब्बान्ना	16/ए		
12	कुर्वा कृष्णा सुपुत्र नडिपि सुंकन्ना	16ए1/2		
13	कुर्वा कृष्णा सुपुत्र नडिपि सुंकन्ना	16ए3/2		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
14	कुर्वा रामुडु सुपुत्र दुब्बन्ना	16/ए2/1		
15	कुर्वा रामुडु सुपुत्र दुब्बन्ना	16ए1/1/2		
16	पाशम लक्ष्मीदेवम्मा पत्नी चिन्ना वेंकट्रामुलु	16/ए4		
17	कुर्वा जयरामुडु सुपुत्र सुंकन्ना	16ए3/1		
18	कुर्वा जयरामुडु सुपुत्र सुंकन्ना	16ए1/1/1		
19	कुर्वा शिवन्ना सुपुत्र कुर्वा चिन्ना सुनकन्ना	16ए4/1		
20	कुर्वा रामुडु सुपुत्र कुर्वा चिन्ना सुंकन्ना	16ए4/2		
21	हरिजन जॉर्ज सुपुत्र बीसन्ना	17/बी4/1		
22	हरिजन जॉर्ज सुपुत्र बीसन्ना	17बी3		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
23	हरिजन जॉर्ज सुपुत्र बीसन्ना	17/बी4/2		
24	हरिजन जॉर्ज सुपुत्र बीसन्ना	17/बी4		
25	हरिजन जॉर्ज सुपुत्र बीसन्ना	17/बी2		
26	हरिजन विजय सुपुत्र मेकलन्ना	17बी1		
27	नागन्ना सुपुत्र बक्कन्ना	17ए		
28	गोल्ला रेनम्मा पत्नी गोल्ला नागराजु	17सी		
29	गोल्ला रेनम्मा पत्नी गोल्ला नागराजू	17डी		
30	कुक्कम भीम रेड्डी सुपुत्र नागि रेड्डी	18		
31	नायकि वेंकटेश्वर रेड्डी सुपुत्र कृष्णा रेड्डी	23ए1/2/1/1		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
32	नायकि वेंकटेश्वर रेड्डी सुपुत्र कृष्णा रेड्डी	23ए1/2/1/2		
33	नायकि साल्वा रेड्डी सुपुत्र कृष्णा रेड्डी	23ए1/2/2		
34	नायकि भास्कर सुपुत्र किस्तान्ना	23बी1		
35	येर्राना पुत्र पगुलय्या	23ए2/12		
36	गोल्ला भाग्यलक्ष्मी पत्नी गोल्ला वेंकटेश्वरलू	23बी2		
37	एन.महेश्वरम्मा पत्नी एन. भास्कर	23ए2/1/1/2		
38	बोल्लेदुल्ला प्रभावती पत्नी बोलेदुल्ला प्रेम कुमार	23ए2/2/1/1		
39	रिनी हविला विकसिता पी.जे सुपुत्र हम्सन पॉल	23ए2/2/2		
40	बी.मेरी पत्नी पोला लाजर जोसेफ	23ए2/2/1/2		
41	शेख अब्दुल बशीर मिया सुपुत्र मदर साब	24/ए1		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
42	हरिजन श्यामसन सुपुत्र अब्राहीम	24/ए3		
43	एच.सूरी पुत्र बाबु	24/ए4/2		
44	बोल्लेदुला विनय कुमार सुपुत्र देव जॉन	24/ए4/1/4		
45	बोल्लेद्दुला प्रशांत कुमार सुपुत्र बोल्लेद्दुला सोलमन	24/ए4/1/1		
46	बोल्लेद्दुला निहारिका पत्नी राजेश्वर	24ए4/1/3		
47	एच.मरियम्मा पत्नी एच.सूरी	24/ए4/1/2		
48	मलिगापोगु राजू सुपुत्र बाबु	24/ए5/2		
49	एम.रामुडु सुपुत्र एम.चिन्ना बाबु	24/ए5/1		
	कुल		**एकड़ 1.36 गुंटा**	

11	गांव : वेमुला	मंडल : येर्रवल्लि		जिला : जोगुलांबा गद्वाल
क्रम सं.	**भूमिधारक का नाम**	**सर्वेक्षण सं.**	**एकड़ गुंटा के अनुसार भूमि अधिग्रहण क्षेत्र**	**मामले का विवरण**
1	सिंगाराम चेंची रेड्डी सुपुत्र नागि रेड्डी	458		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
2	काशीपूगु सुधाकर सुपुत्र बुचन्ना	459		
3	काशीपूगु सुधाकर सुपुत्र बुचन्ना	460		
4	अवधूतस्वामुलु	461		
5	हरिजन याकूब सुपुत्र येहान	462/1		
6	हरिजन याकूब सुपुत्र येहान	462		
7	हरिजन नागलक्ष्मम्मा पत्नी मोहन	462/2		
8	ज्योति वेंकय्या सुपुत्र कृष्णय्या	462		
9	दंडुगारी नागि रेड्डी सुपुत्र नागेंध्रप्पा	463/ए1/2		
10	दंडुगारी राजू सुपुत्र नागेंद्रप्पा	463/ए1/3/1		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
11	गोल्ला श्रीनिवासुलु सुपुत्र जी.हनुमंतु	463/ए1/1		
12	गोल्ला रमेश सुपुत्र हनुमंतु	463/ए1/2		
13	डी.पल्लवी पत्नी डी.कोदंडापानी	463/ ए /1/1		
14	ए.गणेश सुपुत्र आवुला राधन्ना	463/ए/1/3/2		
15	जातिकार्ति जयारामुलु सुपुत्र गिद्दय्या	464/ए2		
16	जातिकार्ति सुंकन्ना सुपुत्र गिद्दय्या	464/ए1		
17	श्रीनिवास राव सुपुत्र	465/ए1		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
18	कुर्वा युगन्धर सुपुत्र के.गोपाल	465/ए2		
19	कुर्वा युगन्धर सुपुत्र के.गोपाल	465/ए2/2		
20	एदिगिना पेद्दा केशन्ना गौड़ सुपुत्र पेद्दन्ना गौड़	510/1		
21	एड्गी श्रावणी पत्नी पेद्दन्ना गौड़	510/4		
22	कुर्वा सोमुलन्ना सुपुत्र बीसन्ना	510/3		
23	एदिगी अंजनेयुलु गौड़ सुपुत्र केशन्ना गौड़	510/2		
24	पैशम राघवेंद्र सुपुत्र वेंकट्रामुडु	511		
25	कुक्कम चेंदु रेड्डी सुपुत्र नागि रेड्डी	512/ए1		
26	कुक्कम चेंदु रेड्डी सुपुत्र नागि रेड्डी	512/ए2		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
27	पी.पेद्दा पुल्ला रेड्डी सुपुत्र बोज्जी रेड्डी	519/1		
28	पी.राम रेड्डी सुपुत्र बोज्जी रेड्डी	519/2		
29	पी. चिन्ना पुल्ला रेड्डी सुपुत्र बोज्जी रेड्डी	519/3		
30	पी. कृष्णा सुपुत्र बोज्जी रेड्डी	519/4		
31	वक्फ	523/1		
32	वक्फ	523/2		
33	वक्फ	523/4		
34	वक्फ	523/3		
35	वक्फ	524/ए3		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
36	वक्फ	524/ए2		
37	वक्फ	524/1		
38	वक्फ	524/2		
39	वक्फ	524/ए1		
40	वक्फ	524/4		
41	वक्फ	524/3		
42	लूथर सुपुत्र पुल्लन्ना	526/ए2		
43	मारुतम्मा पत्नी पुल्लन्ना	526/बी		
44	मारुतम्मा पत्नी पुल्लन्ना	526/ए1		
45	चाकली कृष्णय्या सुपुत्र कोनन्ना	527/सी5		
46	कुर्वा गोविंदम्मा पत्नी तिक्कन्ना	527/ए3		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
47	चाकली बीसन्ना सुपुत्र गज्जलन्ना	527सी1		
48	चाकली वेंकटन्ना सुपुत्र कोन्ना	527सी4		
49	चाकली तिप्पम्मा पत्नी कोन्नाना	527सी6		
50	चाकली नारायण सुपुत्र गज्जलन्ना	527सी3		
51	चाकली नारायण सुपुत्र गज्जलन्ना	527सी2		
52	कुर्वा शेषन्ना सुपुत्र चिन्ना तिक्कन्ना	527बी1		
53	वोटु तिक्कय्या सुपुत्र वोटु लक्ष्मन्ना	527ए5		
54	कुर्वा शेषन्ना सुपुत्र तिक्कन्ना	527ए2		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
55	कुर्वा रामकृष्ण सुपुत्र पेद्दा तिक्कन्ना	527ए/4/2/1		
56	कुर्वा शेषन्ना सुपुत्र कुर्वा तिक्कन्ना	527ए/4/1		
57	कुर्वा शेषन्ना सुपुत्र कुर्वा तिक्कन्ना	527/बी2		
58	कुर्वा जयम्मा पत्नी सुनकन्ना	527ए1		
59	एडिगा गंगाधर गौड़ सुपुत्र चिन्ना केशन्ना गौड़	528बी		
60	एडिगा धनुंजय गौड़ सुपुत्र चिन्ना केशन्ना गौड़	528बी2		
61	एडिगा रमेश सुपुत्र सत्यन्ना गौड़	528ए		
62	गंटा सुवर्णम्मा पत्नी गोवर्धन रेड्डी	530ए		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
63	एन.वरप्रसाद सुपुत्र एन रामुलु	530डी		
64	कुर्वा जयम्मा पत्नी सुंकन्ना	530बी/1		
65	कुर्वा वेंकटेश सुपुत्र सुंकन्ना	530सी/1		
66	कुर्वा वेंकटेश सुपुत्र सुंकन्ना	530डी/1		
67	एन.विजय कुमार सुपुत्र एन.रामुलु	530बी/2		
68	बी.पद्मा पत्नी बी.कृष्णा	530सी/3/2		
69	चाकली किस्टम्मा पत्नी चाकली अंजनेयुलु	530सी/2		
70	नायकि नागेश्वर बाबु सुपुत्र एन.वेंकटरामुलु	531/बी2		
71	नायकि नागेश्वर बाबु सुपुत्र एन.वेंकटरामुलु	531/ए4		
72	नायकि नागेश्वर बाबु सुपुत्र एन.वेंकटरामुलु	531/ए3		
73	नायकि नागेश्वर बाबु सुपुत्र एन.वेंकटरामुलु	531/बी3/1		
74	एन.राजेश बाबु सुपुत्र वेंकट्रामुडु	531बी3/2		
75	एन.राजेश बाबु सुपुत्र वेंकट्रामुडु	531ए5		
76	एन.राजेश बाबु सुपुत्र वेंकट्रामुडु	531ए2		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
77	वेंकट्रामुडु सुपुत्र चिन्ना रामन्ना	531सी1		
78	वेंकट्रामुडु सुपुत्र चिन्ना रामन्ना	531बी1		
79	गौरेड्डी कांता रेड्डी सुपुत्र वेंकट्रामि रेड्डी	531/सी1/1		
80	नायकि सुरेश बाबु सुपुत्र वेंकट्रामुडु	531ए1		
81	नायकि मंजुला पत्नी तोटा राजेश कुमार	531सी2		
82	गौरेड्डी लीलाहा रिन्या रेड्डी सुपुत्र गौरेड्डी जनार्दन रेड्डी	531/सी1/2		
	कुल		**एकड़ 8.01 गुंटा**	

12	गांव : वल्लूर	मंडल : येर्रवल्लि		जिला : जोगुलांबा गद्वाल
क्रम सं.	**भूमिधारक का नाम**	**सर्वेक्षण सं.**	**एकड़ गुंटा के अनुसार भूमि अधिग्रहण क्षेत्र**	**मामले का विवरण**
1	सुंकन्ना सुपुत्र गोविंद्र	29/3		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
2	बोयपल्लि सवरन्ना सुपुत्र ईरन्ना	29		
3	बोया सुनकन्ना सुपुत्र बोया बजरन्ना	29/2		
4	कुरा राजकुमार सुपुत्र कुरवा मदिलीती	29/1/1		
5	बोया पी. सुजाता पत्नी पेद्दा हुशन्ना	42/2		
6	बोया गोविंदु सुपुत्र चिन्ना किस्टन्ना	42/3/1		
7	सुंकन्ना पुत्र गोविंदु	42/3/2		
8	पल्ले गोविंदम्मा पत्नी नारायण	42		
9	कुर्वा श्रीकृष्ण सुपुत्र कुर्वा स्वामी	42/2/3/1/2		
10	कुर्वा राजकुमार सुपुत्र कुर्वा मदिलीती	42/2/3/1/1		

Cont. on next page

Cont. from previous page

क्रम सं.	भूमिधारक का नाम	सर्वेक्षण सं.	एकड़ गुंटा के अनुसार भूमि/अधिग्रहण क्षेत्र	मामले का विवरण
11	बी.अशोक सुपुत्र बी.उषान्ना	42/2/2		
12	उप्परि शांतन्ना सुपुत्र उप्परि शेषन्ना	42/1/1		
13	सिंचाई परियोजना	42/1/2		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
14	सिंचाई परियोजना	42/2/3/2		
15	वेणुगोपाल उप्परि लक्ष्मन्ना	43		
16	जम्मन्नगारि चिन्ना वेंकटेश्वर्लु सुपुत्र जम्मन्नगारि गोपन्ना	44/1		
17	जम्मन्नगारि चिन्ना वेंकटेश्वरलू सुपुत्र जम्मन्नगारि गोपन्ना	44/2		
18	जम्मन्नगारि पेद्दा गोविंदु सुपुत्र गोपन्ना	44/3		
19	जम्मन्नगारि नडिपि गोविंदु सुपुत्र गोपन्ना	44/4		
20	बोया वेणुगोपाल सुपुत्र पेद्दपल्लि सवरन्ना	45/ए1/1/1		
21	बोया रामेश्व1रम्मा पत्नी सुंकन्ना	45/ए2/2		
22	बोया राधा पत्नी सुरेश	45/ए2/1		
23	बोया देवम्मा पत्नी बोया गोपाल	45/ए1		
24	जिंकला स्वाति पत्नी जिंकला शिवा	45/ए2/3		
25	सिंचाई परियोजना	45/ए1/1/2		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
26	येल्ला रेड्डी सुपुत्र गोपाल रेड्डी	47/ए1/1		
27	श्रवंती पत्नी आर.कृष्णा रेड्डी	47/ए1/2		
28	मनेम्मा पत्नी पी.गिद्दा रेड्डी	47/ए2		
29	बोया वेंकन्ना सुपुत्र शेषन्ना	48		
30	बोया तिमन्ना सुपुत्र नानूरु बुड्डन्ना	49/ए2		
31	वेणुगोपाल सुपुत्र लक्ष्मन्ना	49/ए1		
32	सातर्ला विजयभास्कर रेड्डी सुपुत्र वासा रेड्डी	50/ए1/1		
33	सातर्ला लक्ष्मी चंद्रारेड्डी सुपुत्र वासा रेड्डी	50/ए2		
34	सिंचाई परियोजना	50/ए1/2		
35	पेद्दा नागप्पागरी गोपाल सुपुत्र शेषन्ना	56/ए1/4		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
36	पेद्दा नागप्पागरी गोपाल सुपुत्र शेषन्ना	56/ए1/3		
37	बोया मौलाली सुपुत्र सुंकन्ना	56/ए2/1/2		
38	बोया नडिपि गोपाल सुपुत्र शेषन्ना	56/4		
39	बोया नडिपि गोपाल सुपुत्र शेषन्ना	56/4/1		
40	सिंचाई परियोजना	56/ए2/2		
41	सिंचाई परियोजना	56/ए2/1/1		
42	एम.महेश्वरम्मा पत्नी एम. श्रीनिवासुलु	132		
43	पेद्दा येलप्पा गारी बोया राम गोविंदु सुपुत्र बजरन्ना	132/2/3		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
44	जम्मन्नगारि रामचन्द्रुडु सुपुत्र चिन्ना गोविंदु	132/1		
45	जम्मन्नगारि रामचन्द्रुडु सुपुत्र चिन्ना गोविंदु	132/3		
46	सूरन्नगरी श्रीनिवासुलु सुपुत्र गोपाल	132/1		
47	सिंचाई परियोजना	132/2/2		
48	बादाम नरसिम्हा रेड्डी सुपुत्र कृष्णय्या	133/बी		
49	पिंजरि तिक्कय्या सुपुत्र पी.मोदिन साब	133/ए1/1		
50	पिंजरि शालीबाबु सुपुत्र पी.मोदिन साब	133/ए2/1		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
51	सिंचाई परियोजना	133/ए2/2		
52	सिंचाई परियोजना	133/ए1/2		
53	धर्मार्थ भूमि	138		
54	धर्मार्थ भूमि	139		
55	वेंकट्मुलु सुपुत्र रंगन्ना	140/ए		
56	नायकि ज्योति पत्नी नायकि वेंकटेश	140/बी/1/2		
57	सिंचाई परियोजनाएं	140/बी/2		
58	सिंचाई परियोजनाएं	140/बी1/1		
59	सायरेड्डीगारी विजय भास्कर रेड्डी पुत्र पेद्दा गोपाल रेड्डी	141/बी2		
60	साइरेड्डीगारि मुरलीधर रेड्डी सुपुत्र गोपाल रेड्डी	141/बी1		
61	साइरेड्डीगारी सत्या रेड्डी सुपुत्र चिन्ना राम रेड्डी	141/सी1		
62	साइरेड्डीगारी राजवर्धन रेड्डी सुपुत्र पेद्दा गोपाल रेड्डी	141/बी3		
63	साइरेड्डीगारी रवीन्द्र रेड्डी सुपुत्र पेद्दा रामरेड्डी	141/सी2		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
64	गौरेड्डी किरणकुमार रेड्डी सुपुत्र गोपाल रेड्डी	141/ए2		
65	गौरेड्डी किरणकुमार रेड्डी पुत्र गोपाल रेड्डी	141/ए1/1		
66	गौरेड्डी किरणकुमार रेड्डी पुत्र गोपाल रेड्डी	141/ए3		
67	सिंचाई परियोजना	141/ए1/2		
68	लक्ष्मीदेवम्मा पत्नी नायकी! नागप्पा	143/2		
69	सिंचाई परियोजनाएँ	143/1		
70	लंकाला गोविंदम्मा पत्नी कृष्णा रेड्डी	145		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
71	वेंकटेश्वर रेड्डी सुपुत्र चेंचु रेड्डी	146/ए2/1		
72	सी.श्रीनिवास रेड्डी सुपुत्र चेंची रेड्डी	146/ए3/1		
73	कोदंडपुरम हरिचंद्र रेड्डी सुपुत्र के महेश्वर रेड्डी	146/1		
74	सिंचाई परियोजना	146/ए3/2		
75	सिंचाई परियोजना	146/ए2/2		
76	सिंचाई परियोजना	146/2		
77	डेन्ने अलेन्ना सुपुत्र गोपाल	147/ए/1/1		
78	देन्ने ईश्वरम्मा पत्नी अल्लेन्ना	147/बी3/1/1		
79	बोया दिन्ने गंगेश्वरम्मा पत्नी बोया दिन्ने पेद्दा अल्लेन्ना	147/ए/1/2		
80	एदिगी लच्चि गौड़ सुपुत्र रमन गौड़	147/बी3/2		
81	एम.माधवी पत्नी मोटाटि रवि कुमार रेड्डी	147/बी2		
82	तेलुगु चिन्ना नरसिम्हुलु सुपुत्र तेलुगु पेद्दा एलेना	147/बी3/1/2		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
83	सिंचाई परियोजनाएँ	147/ए/2		
84	एम.महेश्वरम पत्नी एम.श्रीनिवासुलु	184/ए/2/2		
85	एम.महेश्वरम पत्नी एम.श्रीनिवासुलु	184/ए/2/1/1/1		
86	बोया राजा भूपाल सुपुत्र चिन्न गोविंदु	184/ए/2/1/1/2/2		
87	जम्मन्नगारि रामचन्द्रुडु सुपुत्र चिन्ना गोविंदु	184/ए/2/1/2		
88	जम्मन्नगारि रामचन्द्रुडु सुपुत्र चिन्ना गोविंदु	184/ए2		
89	सूरन्नगारि श्रीनिवासुलु सुपुत्र गोपाल	184/ए1		
90	सिंचाई परियोजना	184/ए/2/1/2/1		
91	गोल्ला वेंकटेश्वर्लु सुपुत्र किस्टन्ना	185/3		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
92	गोल्ला वेंकट रामनम्मा पत्नी पुलन्ना	185/1		
93	श्रीराम रेड्डी सुपुत्र कृष्णा रेड्डी	185/2		
94	चाकलि नागन्ना सुपुत्र रंगन्ना	186/ए		
95	सी.रामुडु सुपुत्र पुल्लन्ना	186/बी1/1		
96	चाकलि कृष्णा सुपुत्र रंगन्ना	186/बी2/1		
97	मधेलेटि सुपुत्र रंगन्ना	186/बी2/2		
98	तिप्पन्ना सुपुत्र पुल्लन्ना	186/बी1/2		
99	गोविंदु सुपुत्र तिमन्ना	187/बी		
100	चाकली किसेटम्मा पत्नी गोविंदु	187/बी1		
101	चेट्टुकिंदा सत्यम्मा पत्नी रंगन्ना	187/डी		
102	चेट्टुकिंदा सत्यम्मा पत्नी रंगन्ना	187/सी		
103	सी.रामगोविन्दु सुपुत्र सवरन्ना	187/ए2/1		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
104	सी.रामुडु सुपुत्र सवरन्ना	187/ए2/2		
105	बी.भारती पत्नी प्रभाकर रेड्डी	189/बी		
106	वाई.मुरली मोहन रेड्डी सुपुत्र वाई.रामी रेड्डी	186/ए/2		
107	वेमुला सुमालता पत्नी वाई.मुरली मोहन रेड्डी	189/ए/1/2		
108	ओबुलेश वारम्मा पत्नी वाई.रामी रेड्डी	189/ए/1/1		
	कुल		एकड़ 9.20 गुंटा	

13	गांव : नारायणपुरम	मंडल : मनोपाड	जिला : जोगुलांबा गद्वाल	
क्रम सं.	भूमिधारक का नाम	सर्वेक्षण सं.	एकड़ गुंटा के अनुसार भूमि/अधिग्रहण क्षेत्र	मामले का विवरण
1	पडिगी विश्वनाथ रेड्डी सुपुत्र बीसी रेड्डी	5/1		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
2	कब्रिस्तान (स्मशानम)	5/02		
3	बी.हमंत कुमार रेड्डी सुपुत्र गोपाल रेड्डी	6ए		
4	बजनपाटि मधु मोहन रेड्डी सुपुत्र गोपाल रेड्डी	6बी		
5	किच्चन्नगारि युगेंधर रेड्डी सुपुत्र पेद्दा तिम्मा रेड्डी	7ए		
6	पगिडी धर्मा रेड्डी सुपुत्र वेंकट्रामी रेड्डी	7ए/2		
7	पगिडी राघव रेड्डी सुपुत्र साल्वा रेड्डी	7/बी2		
8	पगिडी राघव रेड्डी सुपुत्र साल्वा रेड्डी	7बी		
9	पल्ली नरेंद्र रेड्डी सुपुत्र थिम्मा रेड्डी	11/ए2		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
10	पल्ली श्रीनिवास रेड्डी सुपुत्र तिम्मा रेड्डी	11/ए		
11	पल्ली अनंत रेड्डी सुपुत्र केड्डी	11/बी		
12	पल्ली प्रसन्ना सुपुत्र पल्ली श्रीनिवास रेड्डी	12/ए		
13	पल्ली लावण्या पत्नी पल्ली नागेंद्र रेड्डी	12/बी		
14	गोल्ला वेंकट्रामुडु सुपुत्र किस्टन्ना	13/बी/1/1		
15	पगिडी सर्वेश्वर रेड्डी सुपुत्र संजीव रेड्डी	13ए/1		
16	चाकली रानी पत्नी चाकली नागशेषन्ना	13/बी/1/2		
17	सिंचाई परियोजना	13/बी/2		
18	सिंचाई परियोजना	13ए/2		
19	बी.हेमंत कुमार रेड्डी सुपुत्र गोपाल रेड्डी	14		
20	येद्दुला रामकृष्ण रेड्डी सुपुत्र तिम्मा रेड्डी	193/बी/1		
21	सिंचाई परियोजना	193		
22	सिंचाई परियोजना	193/बी/2		
23	मुन्नी सुपुत्र डौल साब	217/सी		
24	जी.पवित्रा पत्नी जी.शंकर	217/बी		
25	सिंचाई परियोजना	217		
26	मुन्नी पत्नी डौल सब	218/एए		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
27	गोल्ला जाला जयम्मा पत्नी गोल्ला जाला नारायण	218/बी2/1		
28	गोल्ला जाला नरसिम्हुलु सुपुत्र गोल्ला जाला वेंकट्रामुडु	218/बी2/2		
29	गोल्ला जाला नरसिम्हुलु सुपुत्र गोल्ला जाला वेंकट्रामुडु	218/बी1/1		
30	सिंचाई परियोजना	218/बी1/2		
31	ए.सुनीता पत्नी मोहन रेड्डी	219/बी1		
32	येद्दुला शिवा रेड्डी सुपुत्र रामि रेड्डी	219/ए2		
33	नरेंद्र रेड्डी सुपुत्र देन्ने लक्ष्मी रेड्डी	219/ए2/1		
34	जी.नारायण सुपुत्र नागा शेषन्ना	219/सी3		
35	गोल्ला गोविंदु सुपुत्र ईदन्ना	219/सी1/1		
36	गोल्ला गोविंदु सुपुत्र ईदन्ना	219/सी1		
37	पगिडी सर्वेश्वार रेड्डी सुपुत्र संजीव रेड्डी	219/बी		
38	गोल्ला जया जयम्मा पत्नी गोल्ला जाला नारायण	219/सी2/2		
39	गोल्ला जाला नरसिम्हुलु पुत्र गोल्ला जाला वेंकट्रामुडु	219/डी1/1		
40	सिंचाई परियोजना	219/सी2/1		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
41	ए.सुनीता पत्नी मोहन रेड्डी	220/ए2/ए		
42	मोहन रेड्डी सुपुत्र राम रेड्डी	220/सी2/ए		
43	जी.नारायण सुपुत्र नागा शेषन्ना	220/सी1/ए		
44	गोल्ला गोविंदु सुपुत्र ईदन्ना	220/बी1		
45	पगिडी सर्वेश्वर रेड्डी सुपुत्र संजीव रेड्डी	220/ए1/ए		
46	गोल्ला जाला नरसिम्हुलु सुपुत्र गोल्ला जाला वेंकटरामुलु	220/ए1/1		
47	सिंचाई परियोजना	220/ए1/बी		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
48	सिंचाई परियोजना	220/ए2/बी		
49	सिंचाई परियोजना	220/बी/2		
50	सिंचाई परियोजना	220/सी1/बी		
51	सिंचाई परियोजना	220/सी2/बी		
52	सिंचाई परियोजना	220/डी1/2		
53	दिन्ने युगेंधर रेड्डी सुपुत्र नरसिम्हा रेड्डी	238/ए/2/1		
54	पगिडी वेंकटेश्वर रेड्डी सुपुत्र चिन्ना रेड्डी	238/ए1/1		
55	भारती पत्नी दिन्ने युगेंधर रेड्डी	238/बी		
56	पगिडी सर्वेश्वर रेड्डी सुपुत्र संजीव रेड्डी	238/एए/2		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
57	सिंचाई परियोजना	238/एए1/2		
58	सिंचाई परियोजना	238/ए/2/2		
59	जी.सत्यम्मा पत्नी जी.लक्ष्मी नारायण	239/एए2/1		
60	गोल्ला लक्ष्मी नारायण सुपुत्र गोल्ला ईधाना	239/ए3/1		
61	पगिडी ललितम्मा पत्नी पगिडी वेंकटरामि रेड्डी	239/बी/1		
62	सिंचाई परियोजना	239/ए1		
63	सिंचाई परियोजना	239/ए3/2		
64	सिंचाई परियोजना	239/बी/2		
65	सिंचाई परियोजना	239/एए2/2		
66	येल्दुर्ति भारतम्मा उपनाम भारती पत्नी येल्दुर्ति श्रीधर रेड्डी	240/बी		
67	येल्दुर्ति भारतम्मा उपनाम भारती पत्नी येल्दुर्ति श्रीधर रेड्डी	240/ए/1/1		
68	येल्दुर्ति भारतम्मा उपनाम भारती पत्नी येल्दुर्ति श्रीधर रेड्डी	240/ए/2		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
69	सिंचाई परियोजना	240/ए/1/2		
70	रामतम लक्ष्मी नारायण रेड्डी	241/1		
71	सिंचाई परियोजना	241/2		
72	पगिडी चिन्ना बीसी रेड्डी सुपुत्र वेंकट रेड्डी	246/ए1		
73	पगिडी वीरा रेड्डी सुपुत्र कृष्णा रेड्डी	246/बी/1		
74	गोल्ला लक्ष्मी नारायण सुपुत्र चिन्ना लक्ष्मन्ना	246/ए3		
75	सिंचाई परियोजना	246/ए		
76	सिंचाई परियोजना	246/बी/2		
77	गोल्ला नारायण सुपुत्र चिन्ना लक्ष्मन्ना	247/ए3		
78	नारायण सुपुत्र बुद्दा लक्ष्मणना	247/ए2		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
79	दिन्ने युगेंधर रेड्डी सुपुत्र नरसिम्हा रेड्डी	247/बी3/1		
80	गोल्ला लक्ष्मी नारायण सुपुत्र चिन्ना लक्ष्मणना	247/एए4		
81	दिन्ने शिरेशा पत्नी दिन्ने नरेन्द्र रेड्डी	247/बी1		
82	पगिडी सर्वेश्वर रेड्डी सुपुत्र संजीव रेड्डी	247/ए1/1		
83	गोल्ला नरेश सुपुत्र गोल्ला गोविंदु	247/बी2		
84	सिंचाई परियोजना	247/बी3/2		
85	सिंचाई परियोजना	247/ए1/2		
86	गोल्ला लक्ष्मी नारायण सुपुत्र गोल्ला वेंकट रामुडु	248/एए3		
87	गोल्ला नागा शेषन्ना सुपुत्र पेद्दा लक्ष्मन्ना	248/एए5		
88	गोल्ला नागा शेषन्ना सुपुत्र पेद्दा लक्ष्मन्ना	248/ए4/1		
89	गोल्ला श्रीनिवासुलु सुपुत्र गोल्ला नारायण	248/ए2		
90	गोल्ला लक्ष्मी पत्नी गोल्ला राधा कृष्ण	248ए1		
91	जी. स्वामीमुलु सुपुत्र जी.नरसिम्हा	248/एए4		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
92	उमादेवी पत्नी दीवान मोहन राव	249/एए		
93	गोल्ला नागा शेषन्ना सुपुत्र पेद्दा लक्ष्मणन्ना	249/बी6/1		
94	चिन्ना नरसिम्हुलु सुपुत्र सत्यन्ना	249/बी5		
95	चाकली तिकन्ना सुपुत्र चाकली लच्चलु	249/बी2		
96	सुरेश्वर राव सुपुत्र श्रीनिवास राव	249/बी7		
97	सुरेश्वर राव सुपुत्र श्रीनिवास राव	249/ए		
98	सुरेश्वर राव सुपुत्र श्रीनिवास राव हैं	249/बी6/2		
99	कोम्मु सायन्ना सुपुत्र के.चिन्ना वेंकय्या	249/बी1/2		
100	गोल्ला महेश सुपुत्र गोल्ला रामुडु	249/बी1/1		
101	वहीदा बेगम पत्नी सैयद इमाम	249/बी4		
102	वहीदा बेगम पत्नी सैयद इमाम	249/बी3		
103	कुम्मारी अंबुजा सुपुत्र दीवान मोहन राव	250/एए/1		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
104	बोया नारायण सुपुत्र गोविंदु	250/सी		
105	गोल्ला पद्मम्मा पत्नी गोल्ला गोपाल	250/बी1		
106	गोल्ला पद्मम्मा पत्नी गोल्ला गोपाल	250/बी2		
107	वहीदा बेगम पत्नी सय्यद इमाम	250/ई/1		
108	गोल्ला गायत्री पत्नी जी.राजा बाबु	250/ई/2		
109	सिंचाई परियोजनाएं	250/एए/2		
	कुल		एकड़ 7.04 गुंटा	

14	गांव : चंद्रापुरम	मंडल : मनोपाड	जिला : जोगुलांबा गद्वाल	
क्रम सं.	भूमिधारक का नाम	सर्वेक्षण सं.	एकड़ गुंटा के अनुसार भूमि/अधिग्रहण क्षेत्र	मामले का विवरण
1	गोल्ला श्रीदेवी पत्नी श्रीनिवासुलु	3ए3		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
2	गोल्ला श्रीदेवी पत्नी श्रीनिवासुलु	3ए2		
3	गोल्ला श्रीनिवासुलु सुपुत्र बुच्चन्ना	3बी2		
4	घर के साइटें	3बी1		
5	घर के साइटें	3बी3		
6	घर के साइटें	3सी3		
7	घर के साइटें	3सी2		
8	ए.नरसिम्हा रेड्डी सुपुत्र ए.लोका रेड्डी	3ए1		
9	बापनि नारायणम्मा पत्नी पुलय्याह	5/1		
10	सिंचाई परियोजना	5/2		
11	वड्डे नारायणम्मा पत्नी नारायण	6/1/2/1		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
12	सिंचाई परियोजना	6/1/1		
13	सिंचाई परियोजना	6/1/2/2		
14	सिंचाई परियोजना	6/2		
15	येद्दुला रामि रेड्डी सुपुत्र वीरा रेड्डी	7/1ई/1		
16	गोल्ला गालेम्मा पत्नी नागान्ना	7/2सी/1		
17	गोल्ला शंकरन्ना सुपुत्र लक्ष्मन्ना	7/1बी/1		
18	गोल्ला शांतम्मा पत्नी गोल्ला येर्रन्ना	7/1ए/2/1		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
19	येद्दुला नागि रेड्डी सुपुत्र वीरा रेड्डी	7/1डी/1		
20	रामेश्वर रेड्डी सुपुत्र तिम्मा रेड्डी	7A/1एफ/1		
21	गोल्ला महेश बाबु सुपुत्र जी.नागन्ना	7/1ए/1ए		
22	गोल्ला वेंकटेश सुपुत्र जी.नागन्ना	7/1ए/1बी		
23	हरिजन तिरुपाल सुपुत्र येर्रा बीसन्ना	7/3/सी/1		
24	गोल्ला शेखर बाबु सुपुत्र लक्ष्मन्ना	7/1बी/2/1		
25	नकुल महेश सुपुत्र एन.गोकरी	7/1जी/1		
26	गोल्ला रामबाबु सुपुत्र गोल्ला नागन्ना	7/1ए/2/2		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
27	सिंचाई परियोजना	7/1ई/2		
28	सिंचाई परियोजना	7/1बी/2/2		
29	सिंचाई परियोजना	7/1सी		
30	सिंचाई परियोजना	7/3/सी/2		
31	सिंचाई परियोजना	7/3		
32	सिंचाई परियोजना	7/2सी/2		
33	सिंचाई परियोजना	7/2/4		
34	सिंचाई परियोजना	7/2/3		
35	सिंचाई परियोजना	7/2/2		
36	सिंचाई परियोजना	7/2/1		
37	सिंचाई परियोजना	7/1डी/2		
38	सिंचाई परियोजना	7/1एफ/2		
39	सिंचाई परियोजना	7/1डी/2		
40	येद्दुला रामि रेड्डी सुपुत्र वीरा रेड्डी	8/ए3/1		
41	येद्दुला कृष्णम्मा पत्नी तिम्मा रेड्डी	8/ए4/1		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
42	येद्दुला वेंकटराममा पत्नी येद्दुला सल्वा रेड्डी	8/ए1/1/1		
43	अब्बुला रेखा पत्नी अब्बुला शिवा रेड्डी	8/ए2/1		
44	मद्दूरु प्रभावती पत्नी लक्ष्मा रेड्डी	8/ए1/1/2		
45	ए.एस.प्रभाकर रेड्डी सुपुत्र सर्वा रेड्डी	8/ए1/1/3		
46	येद्दुला विष्णुवर्धन रेड्डी सुपुत्र येद्दुला सल्वा रेड्डी	8ए/ए1/1/4		
47	सिंचाई परियोजना	8/ए3/2		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
48	सिंचाई परियोजना	8/ए2/3		
49	सिंचाई परियोजना	8/ए1/2		
50	सिंचाई परियोजना	ए/ए4/2		
51	गंगु मदन मोहन रेड्डी सुपुत्र पुल्ला रेड्डी	10/2		
52	गंगु गंगी रेड्डी सुपुत्र पुल्ला रेड्डी	10		
53	गंगु दामोदर रेड्डी सुपुत्र पुल्ला रेड्डी	10/4		
54	गंगु सत्या रेड्डी सुपुत्र पुल्ला रेड्डी	10/3		
55	पुच्चकायला पद्मम्मा पत्नी रामकृष्ण रेड्डी	11/2/2/1		
56	हरिजन पद्मम्मा पत्नी मदिलेटी	11/1/ए1		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
57	वेंकटय्या सुपुत्र नागन्ना	11/1ई1		
58	मोहम्मद फकरुबी पत्नी मोहम्मद हुसैन	11/1ए2/1		
59	पुच्चकायला रामभूपाल रेड्डी सुपुत्र सुदर्शन रेड्डी	11/2/1/1		
60	गंगु मदन मोहन रेड्डी सुपुत्र पुल्ला रेड्डी	11/1सी5/1/1/1/1/1/2		
61	चन्द्र भूपाल रेड्डी सुपुत्र सुधाकर रेड्डी	11/2/3/1		
62	शांतन्ना सुपुत्र गज्जा भीमन्ना	11/1सा5/1/2		
63	अंजनम्मा पत्नी यू.रामुडु	11/1सी5/1/1/2/1		
64	उल्चला रमेश सुपुत्र यू.रामुडु	11/1सी5/1/1/2		
65	उल्चला नागलक्ष्मी पत्नी उल्चला जया बाबु	11/1सी5/1/1/1/2		
66	यू.जया बाबु सुपुत्र यू.मारेन्ना	11/1सी5/1/1/2/2		
67	यू.जया बाबु सुपुत्र यू.मारेन्ना	11/1सी5/1/1/1/1/1		
68	सिंचाई परियोजना	11/2/2/2		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
69	सिंचाई परियोजना	11/1बी2		
70	सिंचाई परियोजना	11/1सी2		
71	सिंचाई परियोजना	11/1सी1		
72	सिंचाई परियोजना	11/1ए2/2		
73	सिंचाई परियोजना	11/2/3/2		
74	सिंचाई परियोजना	11/2/1/2		
75	सिंचाई परियोजना	11/1सी5/2		
76	सिंचाई परियोजना	11/1सी4		
77	सिंचाई परियोजना	11/1सी5/2		
78	सिंचाई परियोजना	11/1सी4		
79	सिंचाई परियोजना	11/1सी3/2		
80	सिंचाई परियोजना	11/1सी3/1		
81	अंदेरी चेट्टू पेद्दा शंकरन्ना सुपुत्र पेद्दा चिन्नय्या	40/ए1		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
82	के.रंगन्ना सुपुत्र सोमना	40बी3/1/1		
83	के.लक्ष्मन्ना सुपुत्र सोमन्ना	40बी4/1/1		
84	के.शरदम्मा पत्नी लक्ष्मणना नायडु	40/ए/1		
85	बोया नरसिम्हुलु सुपुत्र पेद्दा भीमन्ना	40बी1/1/1		
86	बोया भीचुपल्ली नायडु सुपुत्र बोया चिन्ना भीमन्ना	40बी2/1/1		
87	ए.मंजुला पत्नी ए.गोपाल	40ए1/2		
88	अंदेरी चेट्टू चिन्ना शंकरन्ना सुपुत्र चिन्ना चिन्नय्या	40/ए1		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
89	अंदेरी चेट्टू भीचुपल्ली नायडु सुपुत्र अंदेरी चेट्टू शंकरन्ना नायडु	40बी1/1/2		
90	बी.रामंजनेयुलु सुपुत्र गोपाल	40बी3/1/2		
91	बी.रामंजनेयुलु सुपुत्र गोपाल	40बी4/1/2		
92	एन.भाग्यलक्ष्मी पत्नी ए.नरेश नायडु	40बी2/1/2		
93	एन.भाग्यलक्ष्मी पत्नी ए.नरेश नायडु	40ए2/1ए		
94	सिंचाई परियोजना	40ए2/1/1		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
95	सिंचाई परियोजना	40एए2/2/2		
96	सिंचाई परियोजना	40/ए/2		
97	सिंचाई परियोजना	40बी2/2		
98	सिंचाई परियोजना	40बी1/2		
99	सिंचाई परियोजना	40/ए2/1बी		
100	सिंचाई परियोजना	40/बी3/2		
101	बी. राघवेंद्र नायडु सुपुत्र बी.नागा मधिलेटी	48/2/1/1		
102	बी.देवेंधर नायडु सुपुत्र बी.नागा मधिलेटी	48/2/1/2		
103	कम्मरि भीमलिंगा चारी सुपुत्र राम भ्रमम	48/1/1/1		
104	सिंचाई परियोजना	48/1/2		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
105	सिंचाई परियोजना	48/2/2		
106	सिंचाई परियोजना	48/1/1/2		
107	एच. कृष्णय्या सुपुत्र बाजारन्ना	47/एए2		
108	मधिलेटि सुपुत्र बाजारन्ना	47/एए2/1		
109	नुकाला महेश सुपुत्र गोकरी	47/1		
110	नूकाला भावम्मा पत्नी नूकाला रामुडु	47/2		
111	सिंचाई परियोजना	47/ए1		
112	बी. राघवेंद्र नायडु सुपुत्र बी.नागा मधिलेटी	48/2/1/1		
113	बी.देवेंदर नायडु सुपुत्र बी.नागा मधिलेटी	48/2/1/2		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
114	कुम्मरि भीमलिंगा चारी सुपुत्र रामब्रम्हम	48/1/1/1		
115	सिंचाई परियोजना	48/1/2		
116	सिंचाई परियोजना	48/2/2		
117	सिंचाई परियोजना	48/1/1/2		
118	माला लक्ष्मन्ना सुपुत्र येल्लप्पा	49/बी2/1/1		
119	चाकलि सोमेश्वरम्मा पत्नी येर्रान्ना	49/बी3		
120	येद्दुला रामभूपाल रेड्डी सुपुत्र वेंकट राघव रेड्डी	49/ए1		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
121	गंगु जगदेश रेड्डी सुपुत्र रामेश्वर रेड्डी	49/बी1/1		
122	चाकली मधिलेटी सुपुत्र नागन्ना	49/सी		
123	सिंचाई परियोजना	49/ए/2		
124	सिंचाई परियोजना	49बी2/2		
125	सिंचाई परियोजना	49डी		
126	सिंचाई परियोजना	49बी1/2		
127	सिंचाई परियोजना	49/बी2/1/2		
	कुल		एकड़ 2.14 गुंटा	

15	गांव : मनोपाड	मंडल : मनोपाड	जिला : जोगुलांबा गद्वाल	
क्रम सं.	भूमिधारक का नाम	सर्वेक्षण सं.	एकड़ गुंटा के अनुसार भूमि/अधिग्रहण क्षेत्र	मामले का विवरण
1	कोनकला वेंकन्ना सुपुत्र पेद्दा लक्ष्मन्ना	83/4ए/1/1		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
2	बोया राधम्मा पत्नी गणेश नायडु	83/ए4		
3	तलारी चिन्ना वेंकटम्मा पत्नी सूर्या बाबु	83/2ए/2		
4	तलारी चिन्ना वेंकटम्मा पत्नी सूर्या बाबु	83/3बी		
5	दुबा रवि कुमार रेड्डी सुपुत्र जगन रेड्डी उर्फ जगन मोहन रेड्डी	83/4बी/2		
6	एन.युगेंधर सुपुत्र एन.येर्रान्ना	83/4बी/1		
7	राम मोहन सुपुत्र पेद्दा लक्ष्मन्ना	83/4ए/1/2		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
8	आरएंडबी	83/4ए/2		
9	सूरा रेड्डी सुपुत्र नागी रेड्डी	84/2/ए		
10	सूरा रेड्डी सुपुत्र नागी रेड्डी	84/3ए		
11	सूरा रेड्डी सुपुत्र नागी रेड्डी	84/1/ए/1		
12	ए.चिन्ना बालय्या सुपुत्र वनप्पा	84/1/ए		
13	वड्ला परमेश्वर चारी सुपुत्र मधुसूदन चारी	85		
14	गोल्ला माधवस्वामी सुपुत्र पेद्दा शिवैया	85/1		
15	कोंकला वेंकन्ना सुपुत्र पेद्दा लक्ष्मन्ना	87/5/बी/1		
16	बोया राधम्मा पत्नी गणेश नायडू	87/बी1		
17	दुर्गा प्रसाद श्रीनिवास सुपुत्र वेंकट्रामुलु	87/1बी/2		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
18	दुर्गा प्रसाद श्रीनिवास सुपुत्र वेंकट्रामुलु	87/5/सी/1		
19	तलारी चिन्ना वेंकटम्मा पत्नी सूर्या बाबु	87/1बी		
20	ए. शंकरन्ना सुपुत्र चिन्ना चिन्नय्या	87/2ए/1		
21	नरेश नायडु सुपुत्र रामुडु	87/3ए/1		
22	राममोहन सुपुत्र पेद्दा लक्ष्मन्ना	87/5/बी/2		
23	आरएंडबी	87/3ए/2		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
24	आरएंडबी	87/2ए/2		
25	आरएंडबी	87/5/सी/2		
26	गंगु राजेश्वर रेड्डी सुपुत्र रामेश्वर रेड्डी	88/3/ए/1		
27	गंगु रत्नम्मा पत्नी गंगु वेंकटेश्वर रेड्डी	88/2/ए		
28	गंगु रत्नम्मा पत्नी गंगु वेंकटेश्वर रेड्डी	88/4/ए		
29	गंगु अशोक रेड्डी सुपुत्र रामेश्वर रेड्डी	88/1/ए		
30	गंगु अशोक रेड्डी सुपुत्र रामेश्वर रेड्डी	88/3/ए/2		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
31	गंगु मानिक्यम्मा पत्नी कृष्णा रेड्डी	89/1		
32	गंगु उमादेवी पत्नी शेषी रेड्डी	89/1ए		
33	गंगु अरुणा पत्नी जगदेश्वर रेड्डी	89/2/1		
34	एम.डी.जमील अहमद सुपुत्र मोहम्मद यासुफमिया	89/1/1		
35	सिंचाई परियोजना	89/2/2		
36	गंगु मानिक्यम्मा पत्नी कृष्णा रेड्डी	90/ए/2		
37	गंगु जयारामी रेड्डी सुपुत्र अच्चि रेड्डी	90/1/डी		
38	गंगु विद्यासागर रेड्डी सुपुत्र अच्चि रेड्डी	90/2/1		
39	गंगु जगदेश्वर रेड्डी सुपुत्र चिन्ना अच्चि रेड्डी	90/2/2		
40	गोल्ला मधिलेटी सुपुत्र सवरन्ना	90/1/ए		
41	गोल्ला मधिलेटी सुपुत्र सावरन्ना	90/1सी/1		
42	गोला विजयकुमार सुपुत्र सत्यन्ना	90/1बी/2		
43	जी.साई मोहित कुमार रेड्डी सुपुत्र जी.श्रीनिवास रेड्डी	90/1/सी		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
44	गंगु अमरनाथ रेड्डी सुपुत्र गंगु वेंकटरामी रेड्डी	90/1बी/1/2		
45	गंगु कोटेश्वर रेड्डी सुपुत्र गंगु वेंकटरामी रेड्डी	90/1बी/1/1		
46	एम.अनसूयम्मा पत्नी चिन्ना बीचुपल्ली	91/ए1/2		
47	बोया लक्ष्मीदेवी पत्नी मधिलेटी	91/ए/1/3		
48	बी.राघवेंद्र नायडु सुपुत्र बी.नागमधिलेटी	91/2		
49	नुकला चंद्रकांत सुपुत्र स्वर्गीय एन.चिन्नानागन्ना	91/ए/2		

Cont. on next page

Cont. from previous page

50	सिंचाई परियोजना	91/ए		
51	सिंचाई परियोजना	91/ए/1		
52	गोल्ला तिमन्ना सुपुत्र शिवय्या	159/1-3		
53	वेंकटलक्ष्मम्मा पत्नी चिन्ना पुलन्ना	159/1-5		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
54	गोल्ला चिन्ना नरसिम्हुलु सुपुत्र गोल्ला बाबन्ना	159/1-2/1		
55	गोल्ला मुरलीकृष्ण सुपुत्र रामांजनेयुलु	159/1-4		
56	गोला वेंकट्रमम्मा पत्नी बाबन्ना	159/1-2/2		
57	जग्गुलावारि दानम्मा पत्नी जग्गुलावारि काशन्ना	159/1/7		
58	पिंजरि मबूबी पत्नी पिंजरि सम्मद बाशा	159/1-1		
59	पी.अबकर बाशा सुपुत्र पी.रजक	159/1-6		
60	पी.अबकर बाशा सुपुत्र पी.रजक	159/2		
61	एम.सुभद्रा पत्नी वेंकट्रामुडु यादव	160/1		
62	नज़ीर अहमद सुपुत्र जब्बार मिया	160/2/2		
63	खलील अहमद सुपुत्र जब्बार मिया	160/2/1		
64	मुदिरिन्टि वेंकटरामुडु यादव सुपुत्र अनुमन्ना	161/1		
65	पी.उषान्ना सुपुत्र तिक्कया	161/2		
66	एम.सुब्रमण्येश्वर रेड्डी सुपुत्र वासा रेड्डी	177/ए/1		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
67	एम.सुधाकर रेड्डी सुपुत्र वासा रेड्डी	177/ए/2एए		
68	बोया वेंकटैश्वरलु सुपुत्र वाल्मिकी	177/ए/2ए		
69	जी.नागा मनीन्द्र सुपुत्र जी.मुदु कुमार	177/बी		
70	बोया रंगन्ना सुपुत्र रामुडु	178/3		
71	गंगु हरिनाथ रेड्डी सुपुत्र गोविंदु रेड्डी	178/1		
72	गंगु हरिनाथ रेड्डी सुपुत्र गोविंदु रेड्डी	178/2		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
73	गंगु भारतम्मा पत्नी जी.लोका रेड्डी	180/1/1		
74	गंगु शांति प्रिया पत्नी जी.गोविन्दु रेड्डी	180/1		
75	गंगु शांति प्रिया पत्नी जी.गोविन्दु रेड्डी	180/2		
76	गंगु विद्यासागर रेड्डी सुपुत्र अच्चि रेड्डी	185/1		
77	कोनुदुला श्वेता पत्नी पी.प्रताप रेड्डी	185/2		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
78	गोल्ला चिन्ना नरसिम्हुलु पुत्र बाबन्ना	186/ए2/1		
79	गोला वेंकट्रामम्मा पत्नी बाबन्ना	186/ए1		
80	गोला वेंकटरमम्मा पत्नी बeबन्ना	186/ए2/2		
81	लक्ष्मीदेवम्मा पत्नी शिवराम रेड्डी	186/एए3		
82	मुगी लक्ष्मीदेवी पत्नी परमेश	186/बी2		
83	कविता पत्नी भीचुपल्ली	186/बी1		
84	बोल्ला चिन्ना नरसिम्हुलु सुपुत्र गोल्ला बबन्ना	194/2बी		
85	गोला वेंकटरामा पत्नी बाबन्ना	194/ए2		
86	जी.सरस्वतम्मा पत्नी जी.दामोदर रेड्डी	194/1ए		
87	वी.नित्यानंद अचारी सुपुत्र वी.वेणुमाधव अचारी	194/1बी		
88	गोल्ला महंखाली सुपुत्र रामन्ना	195/बी1		
89	गोल्ला स्वामुलु सुपुत्र अय्यस्वामी	195/बी/2		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
90	ए.उदय कुमार सुपुत्र सत्यन्ना	195/ए		
91	ए.उदय कुमार सुपुत्र सत्यन्ना	195/बी2/1		
92	दुब्बा मल्लिकार्जुन रेड्डी सुपुत्र दुब्बा नारायण रेड्डी	199/ए2		
93	दुब्बा मल्लिकार्जुन रेड्डी सुपुत्र दुब्बा नायडु रेड्डी	199/डी		
94	दुब्बा श्रुति पत्नी एस.मल्लिकार्जुन रेड्डी	199/ए3		
95	डी.भीम शेखर रेड्डी सुपुत्र धर्मा रेड्डी	199/ई1		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
96	डी.मनोहर रेड्डी सुपुत्र धर्मा रेड्डी	199/ई2		
97	डी.नरेश कुमार रेड्डी सुपुत्र डी.महेश्वर रेड्डी	199/ए1		
98	ए.लक्ष्मीनारायण सुपुत्र ए.गोपाल	199/बी/1		
99	एन.सरिता पत्नी एन.भीचुपल्ली	199/सी		
100	एन.सरिता पत्नी एन.भीचुपल्ली	199/बी/2		
101	दुब्बा श्रुति पत्नी एस.मल्लिकार्जुन रेड्डी	201/1		
102	दुब्बा एस.वंशी प्रिया पत्नी दुब्बा एस.मल्लिकार्जुन रेड्डी	201/1/1		
103	मुगी परमेश सुपुत्र चिन्ना मारेन्ना	203/बी		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
104	मुगी परमेश सुपुत्र चिन्ना मारेन्ना	203/बी1		
105	मुगी पेद्दा लक्ष्मणना सुपुत्र बोया दुब्बान्ना	203/ए1		
106	रवीन्द्र रेड्डी सुपुत्र कांता रेड्डी	203/3ए		
107	कोमिटि वेणुगोपाल शेट्टी सुपुत्र वेंकट स्वामी	203/2बी		
108	कोमिटि वेणुगोपाल शेट्टी सुपुत्र वेंकट स्वामी	203/3ए3		
109	दुब्बा मल्लिकार्जु रेड्डी सुपुत्र दुब्बा नारायण रेड्डी	203/ए3/1		
110	एम.जयारामुडु सुपुत्र मुगी चिन्ना मरेन्ना	203/ए2/1		
111	एम.जयारामुडु सुपुत्र मुगी चिन्ना मरेन्ना	203/बी1/1		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
112	पुच्चकायला चन्द्रशेखर रेड्डी सुपुत्र येल्ला रेड्डी	211		
113	ए.शंकरन्ना सुपुत्र चिन्ना चिन्नय्या	211/बी		
114	नरेश नायडु सुपुत्र रामुडु	211/सी		
115	गोल्ला बजारी सुपुत्र नरसिमलु	212/1सी		
116	गोल्ला बजारी सुपुत्र नरसिमलु	212/2सी		
117	मंजुलवाणी पत्नी अशोक वर्धन रेड्डी	212/1ए		
118	मंजुलवाणी पत्नी अशोक वर्धन रेड्डी	212/2ए		
119	मुगी परमेश सुपुत्र चिन्ना मारेन्ना	213/1/2/2		
120	बोया लक्ष्मी देवम्मा (बीसम्मा) पत्नी लक्ष्मणना	213/2		
121	मुगी माधिलेटी सुपुत्र पेद्दा मारेन्ना	213/1/2/1		
122	मुगी लक्ष्मीदेवी पत्नी परमेश	213/1/1		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
123	लक्ष्मीदेवी पत्नी मधिलेटी	214/बी/3		
124	एम.नागन्ना सुपुत्र पेद्दा मारेन्ना	214/बी/2/1		
125	एम.जयारामुडु सुपुत्र मुगी चिन्ना मारेन्ना	214/2सी		
126	सी.हेमलता पत्नी सी.हरिचंद्र रेड्डी	214/2ए/1		
127	सी.लक्ष्मीदेवी पत्नी नरसिम्हा रेड्डी	214/2ए/2		
128	गोल्ला चितलम्मा पत्नी मौलाली	214/2ए/5		
129	मुद्दुगुला वेंकट्रामी रेड्डी सुपुत्र मुद्दुगुला पेद्दा कोटेश्वर राव	214/1ए		
130	माधवस्वामी देवालयम	236		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
131	लोव्वा पल्ले रामुडु सुपुत्र पक्कीरन्ना	237/1		
132	गोल्ला गोविंदु सुपुत्र गोल्ला नागन्ना	237		
133	ए.सत्यनारायण सुपुत्र पुल्लय्या	244/1		
134	ए.सत्यनारायण सुपुत्र पुल्लय्या	244/2		
135	कोतिटि प्रभाकर रेड्डी सुपुत्र रामचन्द्रा रेड्डी	245/बी1		
136	कोतिटि मुरलीधर रेड्डी सुपुत्र रामचन्द्रा रेड्डी	245/बी2		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
137	कोतिटि रवि कुमार रेड्डी सुपुत्र रामचन्द्र रेड्डी	245/बी3		
138	अनिल कुमार रेड्डी सुपुत्र वेंकट कृष्णा रेड्डी	245/2		
139	करुणाकर रेड्डी सुपुत्र वेंकटकृष्णा रेड्डी	245/ए1		
140	कोतिटि प्रभाकर रेड्डी सुपुत्र रामचन्द्रा रेड्डी	246/ए1		
141	कोतिटि मुरलीधर रेड्डी सुपुत्र रामचन्द्रा रेड्डी	246/ए2		
142	कोतिटि रवि कुमार रेड्डी सुपुत्र रामचंद्रा रेड्डी	246/ए3		
	कुल		एकड़ 12.15 गुंटा	

16 गांव : खानापुर — मंडल : उंडवल्ली — जिला : जोगुलांबा गद्वाल

क्रम सं.	भूमिधारक का नाम	सर्वेक्षण सं.	एकड़ गुंटा के अनुसार भूमि अधिग्रहण क्षेत्र	मामले का विवरण
1	एच. चेट्टेम्मा पत्नी तिरुपाल	13/1/एफ		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
2	बालेश्वरन्ना सुपुत्र यल्लप्पा	13/1/जी		
3	हरिजन राजु सुपुत्र उशन्ना	13/1बी		
4	हरिजन राजु सुपुत्र उशन्ना	13/1/2		
5	ए.अक्कम्मा पत्नी नागेंद्र	13/1/सी/1		
6	हरिजन सवर्णा सुपुत्र देवन्ना	13/1/ए		
7	हरिजन नागमणि पत्नी रामकृष्ण	13/1/सी2		
8	वेणुगोपाल सुपुत्र नडिपेन्ना	13/1/डी		
9	राटपोगु लिंगम्मा पत्नी राटपोगु लोकन्ना	13/1/ई		
10	पिंजरि चिन्ना मौलाली सुपुत्र मौलाली	15/1/ए2		
11	पिंजरि पेद्दा मौलाली सुपुत्र मौलाली	15/1ए1		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
12	राम सुब्बा रेड्डी पुत्र एस पुल्ला रेड्डी	15/1/बी/2		
13	राम सुब्बा रेड्डी सुपुत्र एस.पुल्ला रेड्डी	15/2/2		
14	नंदीरेड्डीगारि श्रीकांत रेड्डी सुपुत्र मंदिरेड्डीगारि मिन्नालरेड्डी	15/1/बी/1		
15	नंदीरेड्डीगारी श्रीनिवास रेड्डी सुपुत्र मंदिरेड्डीगारि मिन्नालरेड्डी	15/2/1		
16	पिंजरि चिन्ना मौलाली सुपुत्र मौलाली	16/1/बी2		
17	पिंजरि पेद्दा मौलाली सुपुत्र मौलाली	16/1/बी1		
18	पिंजरि दौलम्मा पत्नी कथल	16/2/2		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
19	पिंजरि दौलम्मा पत्नी कथल	16/1/ए2		
20	महबुब्बी पत्नी मीरा साहब	16/2/3		
21	महबुब्बी पत्नी मीरा साहब	16/1/ए3		
22	पिंजरि बशीर सुपुत्र पी.शालीमाम	16/1/ए1		
23	पिंजरि बशीर सुपुत्र पी.शालीमाम	16/2/1		
24	गज्जलम्मगारि नारायण रेड्डी सुपुत्र गालि रेड्डी	17/1		
25	गज्जलम्मगारि नारायण रेड्डी सुपुत्र गालि रेड्डी	17/2		
26	बोया पेद्दा रामुडु सुपुत्र चिन्ना नारायण	21/ए		
27	बसवराजु सुपुत्र पेद्दा लिंगन्ना	21/बी		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
28	वरिकुंट्ला बद्रम्मा पत्नी हनुमंतु	21/डी		
29	वरिकुंट्ला बद्रम्मा पत्नी हनुमंतु	21/सी		
30	बोया रामांजनेयुलु सुपुत्र नारायण	22/2/बी		
31	बोया रामांजनेयुलु सुपुत्र नारायण	22/2ए		
32	बूडिदपाटि वेंकटेश्वर रेड्डी सुपुत्र हरिचंद्र रेड्डी	22/बी/1/2		
33	बूडिदपाटि वेंकटेश्वर रेड्डी सुपुत्र हरिचंद्र रेड्डी	22/1ए		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
34	बुद्धिपति वीरा रेड्डी सुपुत्र हरिचंद्र रेड्डी	22/1बी		
35	बूडिदपाटि हरिचंद्र रेड्डी सुपुत्र चिन्ना वीरा रेड्डी	22/बी/1/1		
36	कंदिकायला वरलक्ष्मी पत्नी लोका रेड्डी	22/1/सी2		
37	बूदिदपाडु ज्योति लता पत्नी बूदिदपाडु येल्ला रेड्डी	22/बी/2		
38	बी.वेंकटरावम्मा पत्नी बूदिदपाडु येल्ला रेड्डी	22/1सी		
39	पिंजरि दौलत सुपुत्र पेद्दा इमाम साब	31/2बी		
40	पिंजरि दौलत सुपुत्र पेद्दा इमाम साब	31/1ई		
41	लियाकथ सुपुत्र पिंजरी नडिपि राजन्ना	31/1सी/1		
42	इमामबी सुपुत्र गोकारि	31/1सी/2		
43	शाकीसाब सुपुत्र रहमतुल्लाह	31/1सी/3		
44	शक्षावली सुपुत्र पिंजरी नडिपि राजन्ना	31/1सी/4		
45	पिंजरी दौलम्मा पत्नी खथल	31/1जी		
46	पिंजरी दौलम्मा पत्नी खथल	31/2डी		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
47	नजीर अहमद सुपुत्र नबी साब	31/1बी2		
48	अड्डाकुला हुसैन सुपुत्र अड्डाकुला रामुडु	31/1ए1		
49	अड्डाकुला हुसैन सुपुत्र अड्डाकुला रामुडु	31/1बी		
50	अड्डाकुला हुसैन सुपुत्र अड्डाकुला रामुडु	31/1ए2		
51	पिंजरी सिद्दम्मा पत्नी पिंजारी नरसोद्दीन	31/1एफ		
52	पिंजरी सिद्दम्मा पत्नी पिंजारी नरसोद्दीन	31/2सी		
53	पिंजरी शालीमाबी पत्नी स्वर्गीय पिंजारीअलीपिरा	31/1/बी1		
54	बुरान बाशा सुपुत्र मौलाली	31/2ए		
55	बुरान बाशा सुपुत्र मौलाली	31/1डी		
56	दुर्गमु वीराराघव रेड्डी सुपुत्र लिंगा रेड्डी	41/बी		
57	येलुरु कृष्णा राव सुपुत्र नारायण रेड्डी	41/ए3		
58	येलुरु वसंत राव सुपुत्र सत्यनारायण रेड्डी	41/ए2		
59	विजयमोहन रेड्डी सुपुत्र पुल्ला रेड्डी	41/ए1		
60	डी.परमदाम रेड्डी सुपुत्र लिंगा रेड्डी	42/1सी		
61	डी.लक्ष्मीकांत रेड्डी सुपुत्र लिंगा रेड्डी	42/1डी		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
62	लक्ष्मीदेवम्मा पत्नी वेंकटेश्वर रेड्डी	42/1एफ		
63	दुर्गमा वीराराघव रेड्डी सुपुत्र लिंगा रेड्डी	42/1ई		
64	कंड्रि कायला शेशी रेड्डी सुपुत्र नारायण रेड्डी	42/1बी		
65	कंड्रि कायला हेमन्त कुमार रेड्डी सुपुत्र शिवा रेड्डी	42/2/बी		
66	कंड्रि कायला हर्षवर्धन चौधरी सुपुत्र शेषी रेड्डी	42/2ए		
67	के.तिरुपथम्मा पत्नी के.शिवा रेड्डी	42/ए1		
68	कंड्रि कायला हेमन्त कुमार रेड्डी सुपुत्र शिवा रेड्डी	43/1बी/2		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
69	येलुरु कृष्णा राव सुपुत्र नारायण रेड्डी	43/2सी		
70	येलुरु वसंत राव सुपुत्र सत्यनारायण रेड्डी	43/2बी		
71	विजयमोहन रेड्डी सुपुत्र पुल्ला रेड्डी	42/2ए		
72	कंड्रि कायला हर्षवर्द्धन चौधरी सुपुत्र शेषी रेड्डी	43/1बी1		
73	कंड्रि कयाला सुरेश कुमार रेड्डी सुपुत्र शिवा रेड्डी	43/1बी3		
74	रेड्डीगारी गंगाधर नाथ रेड्डी शेरिशा	43/1ए		
75	प्रियदर्शिनी पत्नी रेड्डीगारि श्रीनाथ रेड्डी	59/2ए/1		
76	अनंत रेड्डी सुपुत्र पुल्ला रेड्डी	59/1बी/1		
77	भास्कर रेड्डी सुपुत्र पुल्ला रेड्डी	59/2सी/1		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
78	राघव रेड्डी सुपुत्र पुल्ला रेड्डी	59/1ए		
79	बोया पेद्दा शेषन्ना सुपुत्र तम्मन्ना	59/2डी		
80	के.अपर्णम्मा पत्नी श्रीवर्धन रेड्डी	59/2बी/1		
81	बोया प्रभाकर सुपुत्र वेंकट्रामुडु	59/1/ए1/1		
82	बंगारू मधु सुपुत्र बी.रामुडु	59/1बी/2		
83	चाकलि नरसिम्हा सुपुत्र सोमन्ना	59/1ए2		
84	पिंजरी बाबू मियां सुपुत्र पिंजरी अलीपीर	59/2ए/2		
85	पिंजरी शकीर बाशा सुपुत्र पिजारी अलीपीर	59/2सी/2		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
86	पिंजरी शक्षावली सुपुत्र पी.अल्लीपीरा	59/2बी/2		
87	बेलारी विनय कुमार सुपुत्र बेलारी रंगा रेड्डी	59/1/ए1/2		
88	जी.नागेंद्रम्मा पत्नी श्रीनिवासुलु	59/1सी		
89	बी.नागि रेड्डी सुपुत्र भास्कर रेड्डी	60/1ए/1		
90	बी.नागि रेड्डी सुपुत्र भास्कर रेड्डी	60/2		
91	बोया सुगुनम्मा पत्नी भास्कर	60/1/ए1		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
92	बोया सुगुनम्मा पत्नी भास्कर	60/1सी		
93	गजेंधर रेड्डी सुपुत्र गंगी रेड्डी	60/1बी		
94	बी.मंजुलम्मा पत्नी गंगाधर रेड्डी	60/1डी		
95	यंगम्मगरी शंकर सुपुत्र येंगम्मागरी वेंकटेश्वर्लु	60/1ए/2		
	कुल		एकड़ 4.32 गुंटा	

17 गांव : पेद्दपोतुलपाड — मंडल : मनोपाड — जिला : जोगुलांबा गद्वाल

क्रम सं.	भूमिधारक का नाम	सर्वेक्षण सं.	एकड़ गुंटा के अनुसार भूमि अधिग्रहण क्षेत्र	मामले का विवरण
1	किदिगेरी भास्कर रेड्डी सुपुत्र रामकृष्ण रेड्डी	79/2बी/3/1		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
2	किदिगेरी भास्कर रेड्डी सुपुत्र रामकृष्ण रेड्डी	79/2बी/1		
3	किदिगेरी सुदर्शन रेड्डी सुपुत्र रामकृष्ण रेड्डी	79ए1/1		
4	किदिगेरी सुदर्शन रेड्डी सुपुत्र रामकृष्ण रेड्डी	79/ए2/1		
5	किदिगेरी सुदर्शन रेड्डी सुपुत्र रामकृष्ण रेड्डी	79/2ए		
6	किदिगेरी श्रीवर्धन रेड्डी सुपुत्र रामकृष्ण रेड्डी	79सी1		
7	किदिगेरी श्रीवर्धन रेड्डी सुपुत्र रामकृष्ण रेड्डी	79/2सी		
8	किदिगेरी अपर्णम्मा पत्नी श्रीवर्धन रेड्डी	79/2सी		
9	चाकलि रमन्ना सुपुत्र चाकलि कोंडन्ना	79/बी1/1/2		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
10	चाकलि रामन्ना सुपुत्र चाकलि कोंडन्ना	79/2बी/2		
11	के.रविकुमार रेड्डी सुपुत्र के.सुदर्शन रेड्डी	79ए1/2		
12	के.रविकुमार रेड्डी सुपुत्र के.सुदर्शन रेड्डी	79/ए2/2		
13	वेंकदारी सरिता रानी पत्नी वंकादरी सुरेश प्रसाद	79/2बी/3/2		
14	पी.रामादेवी पत्नी प्रताप रेड्डी	79बी1/1/1/2		
15	पी.रामादेवी पत्नी प्रताप रेड्डी	79/बी1/1/1/1		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
16	गोल्ला वेंकटरामुडु सुपुत्र चिन्नय्या	802ए/1		
17	बेलागंटि भीमेश्वर रेड्डी सुपुत्र लक्ष्मीकांत रेड्डी	80/1/एए2		
18	किडिगेरी अपर्णम्मा पत्नी श्रीवर्धन रेड्डी	80/1बी		
19	येलारेड्डीगारि भास्कर रेड्डी सुपुत्र पुल्ला रेड्डी	80/1/बी3		
20	बोया उसेनम्मा पत्नी सवरन्ना	80/14		
21	पिंजरी शालिमिया पुत्र गोकारीसाब	80/2/बी2		
22	वाई.शेषम्मा पत्नी वेणुगोपाल रेड्डी	80/1बी/1		
23	पी.जरीनाबी पत्नी पी.तिक्कय्या	80/2बी/1		
24	पी.हरिता पत्नी बी.अनंत पद्मनाभ रेड्डी	80/1एए/1		
25	बेलागंती भीमेश्वर रेड्डी सुपुत्र लक्ष्मीकांत रेड्डी	81बी2		
26	किडिगेरी अपर्णम्मा पत्नी श्रीवर्धन रेड्डी	81ए2		
27	येलारेड्डीगारी भास्कर रेड्डी सुपुत्र पुल्ला रेड्डी	81ए3		
28	रवितेजा रेड्डी सुपुत्र येल्लारेड्डीगारी भास्कर रेड्डी	81/ए1		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
29	बोया उसेनम्मा पत्नी सावरन्ना	81ए4		
30	पी. हरिता पत्नी बी. अनंतपद्मनाबा रेड्डी	81बी1		
31	पक्किर पेद्दा गोकरी साब सुपुत्र कासिम सब	82/1डी3		
32	पाक्कीर नबी साब सुपुत्र चिन्ना हुसैन	82/1बी		
33	बेलाकंटि राजशेखर रेड्डी सुपुत्र संजीव रेड्डी	82/1सी		
34	पकीर वली बाशा सुपुत्र फकरुद्दीन	82/2बी		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
35	पाकिर वली साब सुपुत्र फकरुद्दीन	82/2डी		
36	कुर्वा वेंकटेश्वरलु सुपुत्र गोविंदु	82/1ई		
37	कुर्वा महेश्वर सुपुत्र गोविंदु	82/ए2		
38	पाकिर रजाक सुपुत्र कासिम साब	82/1ई		
39	पाकिर चिन्ना गोकारी साब सुपुत्र कासिम सब	82/1डी4		
40	पक्किर महबूब बाशा सुपुत्र चिन्ना कदीम साब	82/1ए2		
41	पक्करी महबूब बाशा सुपुत्र चिन्ना कदीम साब	82/ई		
42	पक्किर मौलाली सुपुत्र कासिम साब	82/1डी1		
43	बेलागंटि राधिका @ चेट्टम्मा सुपुत्री मुरलीधर रेड्डी	82/2सी		
44	पी.मासूम बी पत्नी पक्किर चिन्ना कासिम साब	82/2ए		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
45	पी.मासूम बी पत्नी पाकिर चिन्ना कासिम साब	82/1/ए1		
46	शक रहमत बी पत्नी मोहम्मद शरीफ़	82/1सी		
47	वड्डे नागन्ना सुपुत्र शेषन्ना	86/1ई		
48	वड्डे नागन्ना सुपुत्र शेषन्ना	86/2ई		
49	बंगारू मद्दम्मा पत्नी सवरन्ना	86/1ए		
50	तुरका रमीज़ा बी पत्नी नबी साब	86/1बी1		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
51	तुरका रमीज़ा बी पत्नी नबी साब	86/2ए1		
52	खाजा बाशा सुपुत्र नबी साब	86/2डी/2		
53	खाजा बाशा सुपुत्र नबी साब	86/1डी/2		
54	शकर अहमद सुपुत्र नबी साब	86/1डी/1		
55	शकर अहमद सुपुत्र नबी साब	86/2डी/1		
56	कमाल साब सुपुत्र नबी साब	86/2सी/1		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
57	कमाल साब सुपुत्र नबी साब	86/2डी/3		
58	चकली भाग्यम्मा पत्नी बजरन्ना	86/1सी		
59	चांद बाशा सुपुत्र गोकरी साहब	86/1बी2/1		
60	चांद बाशा सुपुत्र गोकरी साहब	86/2ए3/1		
61	खाजा बाशा सुपुत्र गोकरी साहब	86/1बी2/2		
62	खाजा बाशा सुपुत्र गोकरी साहब	86/2ए3/2		
63	रुक्मत बाशा सुपुत्र गोकरी साहब	86/1बी2/3		
64	रुक्मत बाशा सुपुत्र गोकरी साहब	86/2ए3/3		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
65	अल्लाह बक्श सुपुत्र गोकरी साहब	86/1बी3/4		
66	अल्लाह बकाश सुपुत्र गोकरी साहब	86/2ए3/4		
67	शेक चांद बी पत्नी शेक खाजा बाशा	86/2सी/2		
68	बेलकंटि दामोदर रेड्डी सुपुत्र गजेंधर रेड्डी	88/1सी		
69	बेलकंटि मुरलीधर रेड्डी सुपुत्र गजेंधर रेड्डी	88/1ए		
70	बेलकंटि वेंकटेश्वर रेड्डी सुपुत्र गजेंधर रेड्डी	88/1बी		
71	बेलकंटि सुधाकर रेड्डी सुपुत्र गंगी रेड्डी	88/2		
	कुल		एकड़ 2.21 गुंटा	

18 गांव : उंडवल्लि — मंडल : उंडवल्लि — जिला : जोगुलांबा गद्वाल

क्रम सं.	भूमिधारक का नाम	सर्वेक्षण सं.	एकड़ गुंटा के अनुसार भूमि अधिग्रहण क्षेत्र	मामले का विवरण
1	देवेन्द्रुडु सुपुत्र बुड्डन्ना	182/एए/1		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
2	के. वेंकटेश साईं उर्फ चेंदु सुपुत्र समीर कुमार	182/एए/4/2		
3	के. वेंकटेश साईं उर्फ चेंदु सुपुत्र समीर कुमार	182/एए/2		
4	बी.प्रणीता कुमारी पत्नी वेंकटेश्वर रेड्डी	182/एए/3		
5	प्रेमम्मा पत्नी बी.आर.सवरन्ना	182/एए/4/1		
6	दुंपला उमाकांतम्मा पत्नी दंडोर रेड्डी	182/एए2		
7	दुंपला उमाकांतम्मा पत्नी दंडोर रेड्डी	182/ई2		
8	येनुमुला वेंकटेश्वर्लु सुपुत्र मुक्किदन्ना	182/ए		
9	हरिजन क्रांति कुमार सुपुत्र अंजनेयुलु	182/ई5		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
10	देदेपोगु वेंकटेश्वरम्मा पत्नी देदेपोगु लोकन्ना	182/ई1		
11	देदेपोगु वेंकटेश्वरम्मा पत्नी देदेपोगु लोकन्ना	182/एए1		
12	हरिजन राधम्मा पत्नी हरिजन कर्णकर	182/ई4		
13	पी.वेंकटेश सुपुत्र पी.चंद्र मौली	182/ई3		
14	पी.दीप्ति पत्नी पी.प्रदीप कुमार रेड्डी	182/ए/3/1/1/3		
15	पी.दीप्ति पत्नी पी.प्रदीप कुमार रेड्डी	182/ए/3/1/1/4		
16	पी.दीप्ति पत्नी पी.प्रदीप कुमार रेड्डी	182/ए/3/1/2/1		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
17	पी.दीप्ति पत्नी पी.प्रदीप कुमार रेड्डी	182/ए/3/1/2/2		
18	पी.दीप्ति पत्नी पी.प्रदीप कुमार रेड्डी	182/ए/3/3		
19	मापर्ला वेंकटरमन सुपुत्र सुब्बन्ना	183/ए/2		
20	मापर्ला वेंकटरमन सुपुत्र सुब्बन्ना	183/ए/1		
21	मूसानी जयकृष्ण रेड्डी सुपुत्र ईश्वर रेड्डी	184/ई1/1/2		
22	मूसानी जयकृष्ण रेड्डी सुपुत्र ईश्वर रेड्डी	184/ईई/1		
23	मूसानी जयकृष्ण रेड्डी सुपुत्र ईश्वर रेड्डी	184/एए1/1		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
24	मूसानी जयकृष्ण रेड्डी सुपुत्र ईश्वर रेड्डी	184/ई1/1/1		
25	कुर्वा मधिलेटी सुपुत्र श्रीरामुलु	184/ई1		
26	कोत्तपेटा पेद्दा नागेंद्र सुपुत्र तिक्कन्ना	185/एए		
27	कोत्तपेटा चिन्न नागेंद्र सुपुत्र तिक्कन्ना	185/ई		
28	मंदारी रवीन्द्र रेड्डी सुपुत्र एम.जयप्रकाश रेड्डी	185/ईई		
29	कोत्तपेटा पुष्परंजन सुपुत्र कोत्तपेटा श्रीशैलम	185/ए		
30	मूसानी जयकृष्ण रेड्डी सुपुत्र ईश्वर रेड्डी	192/ई/1		
31	कुर्वा मधिलेटी सुपुत्र श्रीरामुलु	192/एए		
32	कुर्वा माधिलेटी सुपुत्र श्रीरामुलु	192/एए1		
33	रवितेजा सुपुत्र नागन्ना	192/ए		
34	कुर्वा महेश्वर सुपुत्र लक्ष्मन्ना	193/एए		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
35	के.चेंद्र शेखर रेड्डी सुपुत्र के.वेंकट रेड्डी	193/ए2/2		
36	गोल्ला कृष्ण सुपुत्र पेद्दा अच्चन्ना	193/ए1बी		
37	जलगम लक्ष्मी देवम्मा पत्नी जलगम गोविंदु स्वामी	193/ए1ए/1		
38	कंदुकूरी अमृतवल्ली सुपुत्र कंदुकूरी वेंकटेशवालरु	193/ए2/1/1/1/1/2		
39	कंदुकूरी अमृतवल्ली सुपुत्र कंदुकूरी वेंकटेशवालरु	193/ए2/1/2/1/1/2		
40	कंदुकूरी अमृतवल्ली सुपुत्र कंदुकूरी वेंकटेशवालरु	193/ए2/1/1/1/1/2		
41	कंदुकूरी अमृतवल्ली सुपुत्र कंदुकूरी वेंकटेशवालरु	193/ए2/1/2/1/1/2		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
42	कंदुकूरी अमृतवल्ली सुपुत्र कंदुकूरी वेंकटेशवालरु	193/ए2/1/2/1/1/1		
43	कंदुकूरी अमृतवल्ली सुपुत्र कंदुकूरी वेंकटेशवालरु	193/ए2/1/1/1/1/1		
44	कंदुकूरी अमृतवल्ली सुपुत्र कंदुकूरी वेंकटेशवालरु	193/ए2/1/2/1/2		
45	कंदुकूरी अमृतवल्ली सुपुत्र कंदुकूरी वेंकटेशवालरु	193/ए2/1/1/1/2		
46	कंदुकूरी अमृतवल्ली सुपुत्र कंदुकूरी वेंकटेशवालरु	193/ए2/1/1/2		
47	एडिगा रमन गौड़ सुपुत्र येलल्या गौड़	194/ए/1/1		
48	के.चंद्र शेखर गौड़ सुपुत्र के.वेंकट रेड्डी	194/ए/2		
49	संध्या सुपुत्र श्रीनिवास रेड्डी	194/एए		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
50	कंदुकूरी अमृतवल्ली सुपुत्र कंदुकूरी वेंकटेशवालरु	194/ए/1/2/1/1/2		
51	कंदुकूरी अमृतवल्ली सुपुत्र कंदुकूरी वेंकटेशवालरु	194/ए/1/3/1/1/2		
52	कंदुकूरी अमृतवल्ली सुपुत्र कंदुकूरी वेंकटेशवालरु	194/ए/1/2/1/1/2		
53	कंदुकूरी अमृतवल्ली सुपुत्र कंदुकूरी वेंकटेशवालरु	194/ए/1/3/1/1/2		
54	कंदुकूरी अमृतवल्ली सुपुत्र कंदुकूरी वेंकटेशवालरु	194/ए/1/2/2		
55	कंदुकूरी अमृतवल्ली सुपुत्र कंदुकूरी वेंकटेशवालरु	194/ए/1/3/2		
56	कंदुकूरी अमृतवल्ली सुपुत्र कंदुकूरी वेंकटेशवालरु	194/ए/1/3/1/1/1/1		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
57	कंदुकूरी अमृतवल्ली सुपुत्र कंदुकूरी वेंकटेशवालरु	194/ए/1/2/1/1/1/1/		
58	कंदुकूरी अमृतवल्ली सुपुत्र कंदुकूरी वेंकटेशवालरु	194/ए/1/3/1/2		
59	कंदुकूरी अमृतवल्ली सुपुत्र कंदुकूरी वेंकटेशवालरु	194/ए/1/2/1/2		
60	दसारी गोविंदु सुपुत्र पुल्लन्ना	209/ए2		
61	चाकलि हनुमंतु सुपुत्र सुंकन्ना	209/ए1/1		
62	दसारी लक्ष्मी देवम्मा पत्नी गोविंदु	209/ए1		
63	जलगम लक्ष्मीदेवम्मा पत्नी जलगम गोविंदु स्वामी	209/ए		
64	हरिजन पेद्दा सुंकन्ना सुपुत्र बिच्चन्ना	210/ई1		
65	बी.रामकृष्ण रेड्डी सुपुत्र पेद्दा लिंगा रेड्डी	210/ए		
66	मातम द्राक्षायनी पत्नी सोमा शेखर	210/ईई		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
67	मतम द्राक्षायनी पत्नी सोमा शेखर	210/उउ		
68	के.एम.सुकन्या पत्नी स्वर्गीय के.एम.चिन्ना वीरय्या	210/ईई1		
69	के.एम.सुकन्या पत्नी स्वर्गीय के.एम.चिन्ना वीरय्या	210/यू		
70	गोल्ला वेंकटेश्वरलु सुपुत्र सावरन्ना	211/ई2		
71	जी.गोपाल सुपुत्र सवरन्ना	211/ई1/1/2		
72	जी.गोपाल सुपुत्र सवरन्ना	211/ई1/1/1/1		
73	जी.विजयभास्कर सुपुत्र सवरन्ना	211/ए		
74	गोल्ला माधवी मधु पत्नी गोल्ला कृष्णा	211/ई1/2		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
75	गोल्ला विजय सुपुत्र स्व.सवरन्ना	211/ ई1/1/1/2		
76	रेड्डीपोगु किशोर सुपुत्र स्व.आर.नडिपी हुसैन	211/एए1/4		
77	रेड्डीपोगु किशोर सुपुत्र स्व.आर.नडिपी हुसैन	211/एए/2		
78	अड्डाकुला नागन्ना सुंदर सुपुत्र स्व. अड्डाकुला नागन्ना	211/एए1/1/1		
79	अड्डाकुला नागन्ना सुंदर सुपुत्र स्व. अड्डाकुला नागन्ना	211/एए/1		
80	अड्डाकुला नागन्ना सुंदर सुपुत्र स्व. अड्डाकुला नागन्ना	211/एए1/2/1		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
81	अड्डाकुला नागन्ना सुंदर सुपुत्र स्व. अड्डाकुला नागन्ना	211/एए1/3		
82	पी.महेश्वर रेड्डी सुपुत्र रामचन्द्रा रेड्डी	211/एए1/2/2		
83	पी.महेश्वर रेड्डी सुपुत्र रामचन्द्रा रेड्डी	211/एए1/1/2		
84	पी.मारम राज कुमार रेड्डी सुपुत्र नरसिम्हा रेड्डी	211/ई3		
85	बुग्गना रामेश्वरम्मा पत्नी स्वर्गीय बुग्गना सुधाकर रेड्डी	211/ई4		
86	कुर्वा सुंकन्ना सुपुत्र चेन्नय्या	241/ई		

Cont. on next page

Cont. from previous page

87	श्रीनिवासुलु सुपुत्र श्रीरामुलु	241/एए		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
88	डॉ. जी.मालाकोंडन्ना सुपुत्र जी.मालाकोंडैया	241/ए1		
89	डॉ.जी.माला कोंडन्ना सुपुत्र जी.माला कोंडय्या	241/ए		
90	तूमकुंटा रामकोटि रेड्डी सुपुत्र चिन्ना रेड्डी	244/एए		
91	तूमकुंटा नागेश्वर रेड्डी सुपुत्र गिद्दा रेड्डी	244/ए		
92	एम.डी.वाजेर बी पत्नी मोहम्मद खेराता मिया	245/ए1/1		
93	मंगली नागन्ना सुपुत्र गोकारी	245/एए		
94	हुसैनबी पत्नी मोहम्मद हासिम	245/ए2/1		
95	आर.श्रीकांत रेड्डी सुपुत्र आर.श्रीराम रेड्डी	245/ए3		
96	पी.एस.अहमद पाशा सुपुत्र शालिमिया सय्यद	245/ए4/2		
97	सय्यद वली बाशा सुपुत्र सय्यद शालिमिया	245/ए4/ 1/2		
98	सय्यद वली बाशा सुपुत्र सय्यद शालिमिया	245/ए4/ 1/1		
99	कोत्तपेटा पेद्दा नागेंद्रम सुपुत्र तिक्कन्ना	246/ए2		
100	कोथापेटा चिन्ना नागेंधम सुपुत्र थिक्कन्ना	246/ए3		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
101	एम.किशोर बाबु सुपुत्र सत्यनारायण	246/ए4		
102	एम.किशोर बाबु सुपुत्र सत्यनारायण	246/ए1		
103	एस.प्रेम कुमार सुपुत्र दासारी हनुमंतु	246/एए		
104	सिंचाई परियोजना	246/ई		
105	कुर्वा मधुशेखर सुपुत्र चिन्ना गोविंदु	262/एए/2		
106	मेट्टीगेरी गोपाल सुपुत्र चिन्ना गोविंदु	262/एए/1		
107	मित्तागिरी वेंकटेश्वर्लु सुपुत्र चिन्ना माधिलेटी	262/ए		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
108	कुर्वा रत्नय्या सुपुत्र रमन्ना	263/2ई		
109	गोल्ला जयम्मा पत्नी गोल्ला आंजनेयुलु	263/एए2/1		
110	एस.सूर्यकांत रेड्डी सुपुत्र रामि रेड्डी	263/ई		
111	क्रवा गौरम्मा पत्नी कुर्वा बीसन्ना	263/2एए/1		
112	कुर्वा परुशुरामुडु सुपुत्र कृष्णुडु	263/ए2		
113	सुंका वेंकट्रम्मा पत्नी ईश्वर रेड्डी	263/1/1		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
114	गोल्ला श्रीशैलम सुपुत्र कुरमन्ना	263/ईई		
115	कुर्वा राजू सुपुत्र रामचन्द्रडुदु	263/ए1/3		
116	दसारी हनुमंतु सुपुत्र डी.रामुडु	263/एए1		
117	कुर्वा नंदिनी पत्नी एस.वेंकटेश्वर्लु	263/ए1/2		
118	शेख मोहम्मद मासूम सुपुत्र पेद्दा मस्तान साब	264/एए2		
119	शेख मोहम्मद मासूम सुपुत्र पेद्दा मस्तान साब	264/ए2		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
120	शेख मोहम्मद मासूम सुपुत्र पेद्दा मस्तान साब	264/एए3		
121	शेख मोहम्मद याकूब सुपुत्र इब्राहिम	264/एए4		
122	शेख मोहम्मद याकूब सुपुत्र इब्राहिम	264/ई		
123	शेख मोहम्मद याकूब सुपुत्र इब्राहिम	264/ए3		
124	शेख मोहम्मद सलीम बाशा	264/एए7		
125	शेख मोहम्मद रफीक सुपुत्र पुत्र इमाम साब	264/एए6		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
126	मोहम्मद रफ़ी सुपुत्र शेख महबूब साब	264/एए5/1		
127	एम.डी.शब्बीर बाशा सुपुत्र शेख महबूब साब	264/एए5/2		
128	एम.डी. सिकंदर पाशा सुपुत्र शेख महबूब साब	264/एए/ 5/3		
129	एम.डी.येजस पाशा सुपुत्र शेख महबुबा साब	264/एए5/4		
130	एस.फयाज़ पाशा पुत्र सुपुत्र महबूब साब	264/एए5/5		
131	एम.डी.रेयाज़ पाशा सुपुत्र शेख महबूब साब	264/एए5/6		
132	एम.डी.सफी सुपुत्र शेख महबूब साब	264/एए5/7		
133	शेख मोहम्मद खाजा मोइनुद्दीन सुपुत्र एस.एम.डी अब्दुल सलीम	264/ए1/2		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
134	शेख मोहम्मद खाजा मोइनुद्दीन सुपुत्र एस.एम.डी अब्दुल सलीम	264/एए/2		
135	एस.एम.नज़ीर अहमद सुपुत्र एस.एम अब्दुल सलीम	264/ए1/ 1/2		
136	एस.एम.नज़ीर अहमद सुपुत्र एस.एम. अब्दुल सलीम	264/एए/ 1/2		
137	एस.एम.इब्राहिम सुपुत्र स्वर्गीय मोइन पाशा	264/एए1/ 1/1/1/2		
138	एस.एम.इब्राहिम सुपुत्र स्वर्गीय मोइन पाशा	264/एए/1/ 1/1/2		
139	एस.एम.मासूम अहमद सुपुत्र एस.एम.अब्दुल सलीम	264/एए1/1/ 1/1/1/1/2		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
140	एस.एम. मासूम अहमद सुपुत्र एस.एस.अब्दुल सलीम	264/एए1/1 /1/1/1/1/ 1/1/2		
141	एस.एम.नजीर अहमद सुपुत्र एस.एम.अब्दुल सलीम	264/एए1/1 /1/1/1/1/1 /1/2		
142	एस.एम.बशीर अहमद सुपुत्र एस.एम.अब्दुल सलीम	264/एए1/1 /1/1/1/1/1 /1/1		
143	एस.एम. बशीर अहमद सुपुत्र एस.एम.अब्दुल सलीम	264/ए1/1/ 1/1/1/1/ 1/1/1		
144	अंबटि राममोहन रेड्डी सुपुत्र चिन्ना पेड्डी रेड्डी	264/एए1/1 /1/1/1/1/ 1/2		
145	अमाबाटि राममोहन रेड्डी सुपुत्र चिन्ना पेड्डी रेड्डी	264/एए/1/ 1/1/1/1/ 1/2		
146	ए.कृष्णा रेड्डी सुपुत्र ए.पुल्ला रेड्डी	264/ए/1/1 /1/1/1/2		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
147	एल.वेंकटरामन्ना रेड्डी सुपुत्र एल.वेणु गोपाल रेड्डी	264/एए/1/ 1/1/1/2		
148	एल.वेंकटरामन्ना रेड्डी सुपुत्र एल.वेणु गोपाल रेड्डी	264/ए1/1 /1/2		
149	कुर्वा पेद्दा मधिलेटी सुपुत्र केशन्ना	265/ए3		
150	कट्टा महेश्वरम्मा पत्नी हर्षवर्द्धन रेड्डी	265/ए1		
151	कट्टा महेश्वरम्मा पत्नी हर्षवर्द्धन रेड्डी	265/ए2		
152	कट्टा महेश्वरम्मा पत्नी हर्षवर्द्धन रेड्डी	265/एए1		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
153	कट्टा महेश्वरम्मा पत्नी हर्षवर्द्धन रेड्डी	265/एए2		
154	पपराजुगरी जितेंदर रेड्डी सुपुत्र वेंकटरमण रेड्डी	266ए1		
155	पापराजुगरी जितेंदर रेड्डी सुपुत्र वेंकटरमण रेड्डी	266ए2		
156	पी.वेंकटरामा पत्नी पी.वी.कृष्णा रेड्डी	266एए		
157	पी.वेंकट्रामा पत्नी पी.वी.कृष्णा रेड्डी	266ए3		
158	गोल्ला सुधाकर सुपुत्र गोल्ला सोमन्ना	267/एए/1		
159	रेड्डीगारि सुधाकर रेड्डी सुपुत्र चेंधरा रेड्डी	267/ए		
160	समीउल्लाह बेग पत्नी अमीर बेग	280/ए1		
161	अंखि रेड्डी संजीव कुमार सुपुत्र गोपाल रेड्डी	280/एए1		
162	पी.रमेश नायडू सुपुत्र पी.चिन्ना पुलन्ना	280/ए/2/3		
163	वी.रामांजनेयुलु सुपुत्र वी.पुलन्ना	280/ए2/2		
164	वी.रामंजनेयुलु सुपुत्र वी.पुलन्ना	280/ए/2		
165	कोत्तपेट पेद्दा नागेंद्र सुपुत्र तिक्कन्ना	281/एए		
166	कुर्वा नागलक्ष्मम्मा पत्नी नागराजु	281/ईई		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
167	कोत्तपेट चिन्ना नागेंद्रुडु सुपुत्र तिक्कन्ना	281/ई		
168	कोहापेटा सरस्वती पत्नी श्रीशैलम	281/ईई2		
169	कोत्तपेटा पुष्परंजन सुपुत्र कोत्तपेटा श्रीशैलम	281/ए		
170	प्रदीप कुमार रेड्डी सुपुत्र वेंकटकृष्ण रेड्डी	294/ए		
171	ईडिगा मनोहरम्मा पत्नी सुदर्शन गौड़	294/ईई3		
172	ईडिगा बुवनेश्वरम्मा पत्नी सुदर्शन गौड़	294/एए5		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
173	एल.जानकी उर्फ एडिगा सावित्री पत्नी सुदर्शन गौड़	294/एए1		
174	ईडिगा लक्ष्मी देवम्मा पत्नी सुदर्शन गौड़	294/एए		
175	कुर्वा लक्ष्ममा पत्नी गोविंदु	294/एए4		
176	कुर्वा लक्ष्ममा पत्नी गोविंदु	294/एए2		
177	सी.अंखारिगारि कर्ण सुपुत्र चिन्ना बीसन्ना	295/ए5		
178	दुंपला मधिलेटी सुपुत्र गोपाल रेड्डी	295/एए6		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
179	दुंपला मधिलेटी सुपुत्र गोपाल रेड्डी	295/2		
180	रेड्डीगारी श्रीराम रेड्डी सुपुत्र कंथा रेड्डी	295/ए4		
181	गोल्ला कृष्णुडु सुपुत्र वेंकटस्वामी	295/ए2		
182	तेलुगु कृष्णावेनी पत्नी तेलुगु रामकृष्ण	295/ए3		
183	अरेपल्ली नागेंद्र रेड्डी सुपुत्र ए.प्रभाकर रेड्डी	296/ए2		
184	अक्षय निधि	297/ई		
185	अक्षय निधि	297/ए		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
186	अक्षय निधि	297/एए		
187	अक्षय निधि	297/ईई		
188	अक्षय निधि	297/यू		
189	राजमार्ग	297/एए1		
190	राजमार्ग	297/ई1		
191	राजमार्ग	297/ईई1		
192	राजमार्ग	297/उ1		
193	पोडापु रघुराम रेड्डी सुपुत्र चिन्ना रेड्डी	298/1		
194	बी.भूपाल रेड्डी सुपुत्र गोपाल रेड्डी	298/2		
195	तूमकुंटा रामि रेड्डी	299/एए		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
196	तूमकुंटा रामि रेड्डी	299/ए		
197	राजमार्ग	299/ए1		
198	रुद्रवरम अनसूयम्मा पत्नी शिव रामय्या	300/एए5		
199	कोत्तपेटा मधुसूदन सुपुत्र लक्ष्मणना	300/ए		
200	रुद्रावरम भुवनेश्वर शर्मा सुपुत्र शिवरामय्या	300/एए2		
201	रुद्रावरम भुवनेश्वर शर्मा सुपुत्र शिवरामय्या	300/एए1		
202	रुद्रवरम हेमलथम्मा पत्नी शिवरामय्या	300/एए3		
203	रुद्रवरम जयम्मा पत्नी शिवरामय्या	300/एए4		
204	बोड्डु संतोष कुमार सुपुत्र स्व.बोड्डु अशोक कुमार	300/ए2/1		
205	बोड्डु संतोष कुमार सुपुत्र स्व.बोड्डु अशोक कुमार	300/ए2/2		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
206	बोड्डु संतोष कुमार सुपुत्र स्व.बोड्डु अशोक कुमार	300/ए2/3		
207	बोड्डु संतोष कुमार सुपुत्र स्व.बोड्डु अशोक कुमार	300/ए2		
208	टी.वेंकटेश्वर रेड्डी सुपुत्र सुधाकर रेड्डी	302/1		
209	कुर्वा सवरम्मा पत्नी चिन्नय्या	302/एए		
210	तूमकुंटा लक्ष्मी सुनीता पत्नी तूमकुंटा रामेश्वर रेड्डी	302/ए2		
211	तूमकुंटा लक्ष्मी सुनीता पत्नी तूमकुंटा रामेश्वर रेड्डी	302/ए1		
212	राजमार्ग	302/1/1		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
213	करणम पांडु रंगा राव सुपुत्र रामसुब्बा राव	319/ए1		
214	कुर्वा रत्नय्या पुत्र रामन्ना	319/ए2/2		
215	कुर्वा गोविंदु सुपुत्र शेषन्ना	319/ए4		
216	हरिजन दानय्या सुपुत्र संजन्ना	319/एए4		
217	कुर्वा बालास्वामी सुपुत्र नागन्ना	319/ए2/1		
218	कुर्वा वेंकटस्वामी सुपुत्र नागन्ना	319/ए3		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
219	कोत्तकोटा बलरामुडु सुपुत्र पेद्दा नागेंद्र	319/एए1		
220	कुर्वा वेंकटस्वामी सुपुत्र शेषन्ना	319/एए		
221	एस.मधिलेटी सुपुत्र किस्टन्ना	319/एए3/1		
222	रामबाबु सुपुत्र किस्टन्ना	319/एए3/2		
223	मेट्लंगि रेड्डी सुपुत्र मेट्ला संजीव रेड्डी	319/ए2/3		
224	कुर्वा रत्नय्या सुपुत्र रमन्ना	320/ए1		
225	हरिजन दानय्या सुपुत्र संजन्ना	320/ए7		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
226	हरिजन दानय्या सुपुत्र संजन्ना	320/ए8		
227	पिंजरी दौलसाब सुपुत्र चिन्नय्या	320/ए5		
228	तूमकुंटा वेंकट्रामी रेड्डी सुपुत्र नागी रेड्डी	320/एए		
229	प्रदीप कुमार रेड्डी सुपुत्र वेंकट कृष्ण रेड्डी	320/ए/2		
230	पापराजुगरी वेंकटरमण रेड्डी सुपुत्र तिम्मा रेड्डी	320/ए/3		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
231	पिंजरी मोलाली सुपुत्र अलीसाब	320/ए4		
232	एस.मधिलेटी सुपुत्र किस्टन्ना	320/एए6/1		
233	रामबाबु सुपुत्र किस्टन्ना	320/एए6/2		
234	कुर्वा शेषन्ना सुपुत्र कुर्वा चिन्ना रत्नय्या	320/ए3/1		
235	कुर्वा पेद्दा मल्लय्या सुपुत्र कुर्वा चिन्ना रत्नय्या	320/ए3/2		
236	कुर्वा चिन्ना मल्लय्या सुपुत्र कुर्वा चिन्ना रत्नय्या	320/ए3/3		
237	कोत्तपेटा कर्णकर सुपुत्र लक्ष्मन्ना	342/ए4/1		
238	कोत्तपेटा पेद्दा नागेंद्रम सुपुत्र थिक्कन्ना	342/एए		
239	कोत्तपेटा पेद्दा नागेंद्रम सुपुत्र तिक्कन्ना	342/ए1		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
240	कोत्तपेटा चिन्ना नागेंद्रम सुपुत्र तिक्कन्ना	343/ए3		
241	सुनका भाग्यम्मा पत्नी सुनका सुब्बा रेड्डी	343/एए4/2		
242	कोत्तपेटा मधुसूदन सुपुत्र लक्ष्मणना	343/ई/1		
243	कोत्तपेटा कर्णकर सुपुत्र लक्ष्मणना	343ईई		
244	वी.रघुपाल रेड्डी सुपुत्र वी.पुरूषोत्तम रेड्डी	343/ईई		
245	कोत्तपेटा पुष्परंजन सुपुत्र कोत्तपेटा श्रीशैलम	343/ए		
246	गौरेड्डी अशोक कुमार रेड्डी सुपुत्र जी.नरसिम्हा रेड्डी	343/ई/2		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
247	सिंचाई परियोजना	343/ईई1		
248	सिंचाई परियोजना	343/ई1		
249	वक्फ	348/उउ		
250	वक्फ	348/ए		
251	वक्फ	348/ऐ		
252	वक्फ	348/ओ		
253	वक्फ	348/औ		
254	वक्फ	348/क		
255	वक्फ	348/रु		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
256	वक्फ	348/रू		
257	वक्फ	348/लु		
258	वक्फ	348/लू		
259	वक्फ	348/ए		
260	वक्फ	348/अं		
261	वक्फ	348/अः/1		
262	वक्फ	348/ अः/2		
263	वक्फ	348/एए		
264	वक्फ	348/ अः		
265	वक्फ	348/ई		
266	एम.वेंकटरमणम्मा पत्नी रमन गौड़	374/एए3		
267	ईडिग नरसन्ना गौड़ सुपुत्र सत्यनारायण गौड़	374/एए/2		
268	संकी रवीन्द्र रेड्डी सुपुत्र संकी शेषी रेड्डी	374/एए3		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
269	संकि मंगम्मा पत्नी हनुमतु रेड्डी	374/ई2		
270	संकि मंगम्मा पत्नी हनुमंतु रेड्डी	374/ए2		
271	संकि भरत रेड्डी सुपुत्र संकि शेषी रेड्डी	374/ई3		
272	श्यामसुन्दर गौड़ सुपुत्र सत्यनारायण गौड़	374/एए/3		
273	संकि भीम रेड्डी सुपुत्र संकि रामी रेड्डी	374/ए1		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
274	संकि हनुमंतु रेड्डी सुपुत्र संकि रामी रेड्डी	374/ई		
275	गोल्ला रामकृष्ण रेड्डी सुपुत्र गोल्ला सवरन्ना	374/ईई/1		
276	गोल्ला रामकृष्ण सुपुत्र गोल्ला सवरन्ना	374/एए1/1		
277	कुर्वा कृष्णुडु सुपुत्र सायन्ना	375/रु		
278	कुर्वा बालास्वामी सुपुत्र नागन्ना	375/ए1		
279	कुर्वा मधिलेटी सुपुत्र नागन्ना	375/ईई2		
280	महबूब बाशा सुपुत्र रहमान मिया	375/ई		
281	महबूब बाशा सुपुत्र रहमान मिया	375/ए2		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
282	कुर्वा संजन्ना सुपुत्र नागन्ना	375/ईई1		
283	शिक मबाशा सुपुत्र एस.अकबर अली	375/ए3/1		
284	एस. मौलाली सुपुत्र एस.अकबर अली	375/ए3/2		
285	कुर्वा परुशरामुडु सुपुत्र कृष्णुडु	376/एए		
286	एम.मधुसूदन रेड्डी सुपुत्र एम.वेणु रेड्डी	376/ए/1		
287	तूमकुंटा रामुलम्मा पत्नी तूमकुंटा पेद्दा सोमी रेड्डी	376/ए/2		
288	सिंचाई परियोजनाएं	376/ए1		
289	सिंचाई परियोजनाएं	376/एए1		
	कुल		**एकड़ 14.17 गुंटा**	

19	गांव : डी बूडीदापाडु	मंडल : उंडवल्लि	जिला : जोगुलांबा गद्वाल	
क्रम सं.	**भूमिधारक का नाम**	**सर्वेक्षण सं.**	**एकड़ गुंटा के अनुसार भूमि अधिग्रहण क्षेत्र**	**मामले का विवरण**
1	गट्टय्या सुपुत्र नागन्ना	39/ए1		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
2	गट्टय्या सुपुत्र नागन्ना	39/3		
3	राघवेंद्र सुपुत्र नागन्ना	39/ए/2		
4	राघवेंद्र सुपुत्र नागन्ना	39/एए2		
5	चाकलि वेंकट्रमम्मा पत्नी कोंडन्ना	40/ए		
6	चाकली वेंकटेश्वर्लु सुपुत्र बीसन्ना	40/4		
7	ई.नागाराजु गौड़ सुपुत्र लक्ष्मण ए	40/2ए/2		
8	ई.नारायण गौड़ सुपुत्र लक्ष्मणना	40/2ए/1		
9	कुर्वा संजन्ना सुपुत्र रामुडु	40/3ए		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
10	जगदेवम्मा पत्नी पट्टालय्या	42/2एए		
11	जगदेवम्मा पत्नी पट्टालय्या	42/1एए		
12	मातम महादेवम्मा पत्नी पट्टालय्या	42/1ए		
13	धमपाला वेंकट्रामी रेड्डी सुपत्र गोपाल रेड्डी	42/1/एए2		
14	रोजा कृष्णा गौड़ सुपत्र पुलन्ना	43ई		
15	तूमकुंटा वेंकट्रामी रेड्डी सुपत्र राम रेड्डी	43/ए1		
16	तूमकुंटा सुडेस्टा सुपत्र राजेश्वर रेड्डी	43/ई/1		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
17	तूमकुंटा जितेंदर रेड्डी सुपत्र बालेश्वर रेड्डी	43/ईई		
18	तूमकुंटा रामि रेड्डी सुपत्र चिन्ना रेड्डी	43/यू		
19	दंडि रामादेवी पत्नी दंडि अच्युत रेड्डी	43/ए2/2		
20	दंडि रामादेवी पत्नी दंडि अच्युत रेड्डी	43/रु		
21	एम.राधम्मा पत्नी एम.मधुसूदन रेड्डी	43/ए2/1		
22	करणम दुरींदर राव सुपुत्र रामसुब्बा राव	43/ई/2		
	कुल		**एकड़ 2.13 गुंटा**	

20	गांव : वैरापूर	मंडल : उंडवल्लि	जिला : जोगुलांबा गद्वाल	
क्रम सं.	**भूमिधारक का नाम**	**सर्वेक्षण सं.**	**एकड़ गुंटा के अनुसार भूमि अधिग्रहण क्षेत्र**	**मामले का विवरण**
1	गांड्ला नागम्मा पत्नी रामय्या	12/एए		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
2	चन्द्रशेखर सुपुत्र तिरुपम रेड्डी	12/यू		
3	बी.निर्मलम्मा पत्नी शिवकुमार	12/ई		
4	हरिजन लक्ष्मीदेवम्मा पत्नी लक्ष्मन्ना	12/ए		
5	एच.नागाराजु सुपुत्र लक्ष्मन्ना	12/एए1		
6	रेलवे	12/ईई		
7	रेलवे	12/ईई1		
8	चिन्ना मधिलेटी सुपुत्र रमन्ना	18/ए2		
9	पेद्दा माधिलेटी सुपुत्र रमन्ना	18/ए1		
10	रामप्रसाद सुपुत्र तिरूपति रेड्डी	18/ई		
11	पी.श्यामलम्मा पत्नी पी.नरसिम्हा रेड्डी	18/ई2		
12	पी.श्यामलम्मा पत्नी पी.नरसिम्हा रेड्डी	18/एए1		
13	गडिगे हनुमंतु सुपुत्र गडिगे जम्मन्ना	19/ए		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
14	गडिगे हनुमंतु सुपुत्र गडिगे जम्मन्ना	19/ई		
15	श्यामसुंदर राव सुपुत्र नारायण राव	19/ईई		
16	गडिगे हनुमंतु सुपुत्र गडिगे जम्मन्ना	19उ		
17	गडिगे हनुमंतु सुपुत्र गडिगे जम्मन्ना	19/ऊ		
18	गडिगे हनुमंतु सुपुत्र गडिगे जम्मन्ना	19/ऊ2		
19	गडिगे हनुमंतु सुपुत्र गडिगे जम्मन्ना	19/ऊ3		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
20	एस.श्रीनिवास सुपुत्र तिरुपम रेड्डी	20/इ/3		
21	एस.श्रीनिवास सुपुत्र तिरुपम रेड्डी	20/ईई/3		
22	चेंद्रशेखर सुपुत्र तिरुपम रेड्डी	20/इ/2		
23	चेंद्रशेखर सुपुत्र तिरुपम रेड्डी	20/ई/2		
24	रामप्रसाद सुपुत्र तिरूपति रेड्डी	20/इ/1		
25	रामप्रसाद सुपुत्र तिरूपति रेड्डी	20/ई/1		
26	विजयम्मा पत्नी रवीन्द्रुडु	20/एए/1		
27	पी.जी.शिवसाई कुमार सुपुत्र पी.एस.साईं प्रसाद	20/ए/1		
28	बंगी भीमुडु पुत्र बंगी चिन्नन्ना	20/एए/2		
29	एस.श्रीनिवास सुपुत्र तिरुपम रेड्डी	25/ई/3		
30	चेंद्रशेखर सुपुत्र तिरुपम रेड्डी	25/ई/2		
31	रामप्रसाद सुपुत्र तिरूपति रेड्डी	25/ई/1		
32	पुलिमडिगंड्ला साई प्रसाद सुपुत्र नागय्या	25/उसके ऊपर		
33	अब्दुल तवाब सुपुत्र अब्दुल वहाब	25/ए/1		
34	कड्डुमुरु रवि बाबु सुपुत्र कड्डुमुरु रंगस्वामी	25/ए/2/2		
35	कड्डुमुरु रवि बाबु सुपुत्र कड्डुमुरु रंगस्वामी	25/एए/2		
36	कड्डुमुरु रवि बाबु सुपुत्र कड्डुमुरु रंगस्वामी	25/ए/2/1		
37	कड्डुमुरु रवि बाबु सुपुत्र कड्डुमुरु रंगस्वामी	25/एए/1/2		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
38	जी. पुरंधर सुपुत्र जी. वीरन्ना	25/एए/1/1		
39	वेंकटेशवर्लु सुपुत्र रंगय्या	50/ए1		
40	पट्नम राकेश सुपुत्र पट्नम वेंकटेश्वर्लु	50/ए2/1		
41	पट्नम रवितेजु सुपुत्र पट्नम वेंकटेश्वर्लु	50/ए2/2		
42	वेंकटेश्वरम्मा पत्नी स्वर्गीय वेंकटेशवर्लु	50/एए2/2		
43	वेंकटेश्वरम्मा पत्नी स्वर्गीय वेंकटेशवर्लु	50/एए3		
44	वेंकटेश्वरम्मा पत्नी स्वर्गीय वेंकटेशवर्लु	50/एए4		
45	वेंकटेश्वरम्मा पत्नी स्वर्गीय वेंकटेशवर्लु	50/एए1		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
46	वेंकटेश्वरम्मा पत्नी स्वर्गीय वेंकटेशवर्लु	50/एए2/1		
47	कुर्मा मुनेमम्मा पत्नी साईं बाबा	51/एए6		
48	कुर्वा ब्लारमुडु सुपुत्र कुर्वा मधिलेटी	51/ए5		
49	कुर्वा बलरामुडु सुपुत्र कुर्वा मधिलेटी	51/ए5/1		
50	रामुलम्मा पत्नी मधिलेटी	51/ए2/1		
51	रामुलम्मा पत्नी मधिलेटी	51/ए1/1		
52	बोया सुभद्रम्मा पत्नी वेंकटस्वामी	51/ए2		
53	शेषार सुपुत्र चिन्ना पेंटन्ना	51/ए3		
54	रामकृष्ण सुपुत्र चिन्ना पेंटन्ना	51/ए3/1		
55	चेंद्रन्ना सुपुत्र चिन्ना पेंटन्ना	51/ए3/2		
56	बी. पुलन्ना सुपुत्र बी.नारायण	51/एए1		
57	बोया चंद्रशेखर सुपुत्र पेंटन्ना	51/ए/4		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
58	वक्फ	136/एए		
59	वक्फ	136/ए		
60	मसीद मान्यम सुपुत्र मसीद मन्यम	137/ए		
61	वक्फ	137/एए		
62	लक्ष्मीदेवी पत्नी तिरुपालु	138/ए		
63	पिंजरी चिन्ना हुसैन सुपुत्र अकबर साहब	138/एए/2		
64	तेलुगु नरसप्पा सुपुत्र तेलुगु हुसेनय्या	138/एए/ 1/2		
65	ए.बी.गंगाधर सुपुत्र बेस्ता हुसेनय्या	138/एए/ 1/1		
66	रेलवे	138/ई/1		
67	रेलवे	138/ई/2		
68	चितानूर मधिलेटी सुपुत्र नागन्ना	139/एए/2		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
69	कमतम सुरेंधर सुपुत्र रमन्ना	139/ए/2/1		
70	शेखुन मधुमक्खी पत्नी इस्माइल मिया	139/ई/1		
71	चकली मंगम्मा पत्नी चिन्ना रामुडु	139/एए/1		
72	कमतम प्रवलिका पत्नी मेकाला नागेंदर रेड्डी	139/ए/2/2		
73	रेलवे	139/ईई/1		
74	रेलवे	139/ई/2		
75	रेलवे	139/ई/1		
76	रेलवे	139/ईई/2		
77	रामक्का पत्नी चिन्ना ऐलान्ना	142/ईई		
78	सायन्ना सुपुत्र संदुला हुसैन	142/ईई2		
79	एच.नागम्मा पत्नी नागन्ना	142/ए/2		
80	संध्या राजकुमार सुपुत्र एस.सैमुअल	142/एए3/2		
81	एस.हरि बाबु सुपुत्र एस.सैमुअल	142/एए3/3		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
82	पेद्दापुरम कृष्णय्या गौड़ सुपुत्र पेद्दापुरम रामुलु गौड़	142/एए3/1		
83	रेलवे	142/ए		
84	कुर्वा लक्ष्मी नारायण सुपुत्र बजरन्ना	145/ई/1		
85	कुर्वा नागराजु सुपुत्र अय्यन्ना	145/ए		
86	कुर्वा देवराजु सुपुत्र नारायण	145/ए/1		
87	कुर्वा देवराजु सुपुत्र नारायण	145/ए/2		
88	कुर्वा मल्लम्मा पत्नी कुर्वा मल्लैया	145/ई/2		
89	रेलवे	145/ई1		
90	रेलवे	145/ई		
91	पेद्दा कृष्णावेनम्मा पत्नी नारायण	146/आ/1		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
92	बोया रामुलम्मा पत्नी नागाशेषन्ना	146/आ		
93	शेषम्मा पत्नी वेंकटस्वामी	146/ए/2		
94	बी.जयलक्ष्मी पत्नी बी.श्रीनिवासुलु	146/ए		
95	कुर्वा वेमन्ना सुपुत्र नागन्ना	146/ए/1		
96	सुंका भाग्यम्मा पत्नी सुंका सुब्बा रेड्डी	146/ए1		
97	रेलवे	146/ई/2		
98	रेलवे	146/ई/1		
99	शिवकुमार रेड्डी सुपुत्र चन्द्रशेखर रेड्डी	150/ए/1/ 1/2		महबूबनगर और डोन के बीच दूसरी रेलवे लाइन का निर्माण
100	रवि प्रकाश पुत्र चन्द्रशेखर रेड्डी	150/ए/1/2		
101	एच.शेषम्मा पत्नी मादन्ना	150/ए/2		
102	कृपाकर पुत्र नागन्ना	150/ए/3		
103	शैलजा मगुलुरी सुपुत्र बी.बालाचारी	150/ए/1/ 1/1		
104	रेलवे	150/एए		
	कुल		**एकड़ 7.23 गुंटा**	
	सकल योग		**एकड़ 152.23 गुंटा**	

[फाइल सं. : W.Con.182/SRP-06/MUE-DHNE/23-24/247/20A/010825]

(के. नागभूषण राव), मुख्य इंजीनियर / निर्माण-VI, दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद

A1371

स्वतंत्र वार्ता
मंगलवार, 9 सितंबर- 2025

आखिरी कतार में बैठ कर पीएम ने दिया कार्यकर्ताओं को संदेश

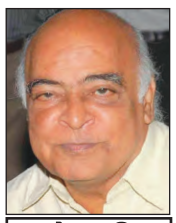
अशोक भाटिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सादगी की हाल ही में एक और मिसाल देखने को मिली। प्रधानमंत्री मोदी आज भाजपा की कार्यशाला में एक साधारण सांसद की तरह शामिल हुए और कार्यक्रम की कार्यवाही में शुरुआत से ही हिस्सा लिया। यह कार्यशाला उपराष्ट्रपति चुनाव की तैयारी के लिए भाजपा सांसदों के लिए आयोजित की गई थी। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी आगे की सीट पर न बैठकर सबसे पिछली पंक्ति में बैठे और एक सामान्य कार्यकर्ता की तरह बैठक में भाग लिया।इस दौरान सांसदों ने एक प्रस्ताव पारित कर प्रधानमंत्री मोदी को ऐतिहासिक रिफॉर्म्स के लिए बधाई दी। यह घटना भाजपा के भीतर एकता और विनम्रता का प्रतीक बन गई है, जहां प्रधानमंत्री ने अपनी सादगी से सभी को प्रभावित किया।

भाजपा ने उपराष्ट्रपति चुनाव की रणनीति और तैयारी के लिए दिल्ली में सांसदों की एक विशेष कार्यशाला आयोजित की थी। इस कार्यक्रम की कार्यवाही रविवार सुबह से शुरू हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसमें शुरुआत से ही हिस्सा लिया। सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी जब वहां पहुंचे, तो उन्होंने आगे की सीट पर बैठने की बजाय पीछे की पंक्ति चुन ली। वह एक सामान्य कार्यकर्ता या सांसद की तरह बैठक में शामिल हुए और सभी चर्चाओं में सक्रिय रूप से भाग लिया। यह कदम प्रधानमंत्री की विनम्रता और पार्टी कार्यकर्ताओं से जुड़ाव को दर्शाता है।

यह कार्यशाला मुख्य रूप से उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए भाजपा सांसदों को तैयार करने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी। यह चुनाव मंगलवार 9 सितंबर को होने वाला है, और एनडीए ने 425 सांसदों की उपस्थिति सुनिश्चित करने की रणनीति बनाई है। कार्यशाला में सांसदों को मतदान प्रक्रिया की बारीकियां समझाई गईं, ताकि कोई गलती न हो।

प्रधानमंत्री मोदी की उपस्थिति ने इस कार्यक्रम को और महत्वपूर्ण बना दिया, और सांसदों में उत्साह बढ़ाया। इस कार्यशाला के दौरान सांसदों ने एक प्रस्ताव पारित किया, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ऐतिहासिक जीएसटी रिफॉर्म्स के लिए बधाई दी गई। यह रिफॉर्म्स जीएसटी प्रणाली में नई पीढ़ी के सुधारों का हिस्सा हैं, जो अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए लाए गए हैं। सांसदों ने प्रधानमंत्री की नेतृत्व क्षमता की सराहना की और कहा कि इन सुधारों से देश की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने इस सम्मान को विनम्रता से स्वीकार किया और पार्टी कार्यकर्ताओं को एकजुट रहने का संदेश दिया।

सूत्रों के मुताबिक, प्रधानमंत्री मोदी का पीछे की सीट पर बैठना एक संदेश था कि भाजपा में सभी बराबर हैं। वह आगे की सीट पर न बैठकर सामान्य सांसद की तरह कार्यक्रम में शामिल हुए, जो उनके जमीन से जुड़े व्यक्तित्व को दर्शाता है। यह घटना सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है, जहां लोग प्रधानमंत्री की विनम्रता की तारीफ कर रहे हैं। भाजपा कार्यकर्ताओं का कहना है कि प्रधानमंत्री का यह कदम पार्टी की जड़ों को मजबूत करता है और युवा कार्यकर्ताओं को प्रेरित करता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पीछे बैठने की तस्वीर सोशल मीडिया पर सुबह से वायरल हो रही थी, जसिमें वे सुबह 10:45 बजे पार्टी की सांसद कार्यशाला में पहुंचे और... पीछे जाकर चुपचाप बैठ गए। न कोई उद्घाटन भाषण, न तामझाम। बस सांसदों के बीच, गंभीरता से सुनते हुए देखे गए। प्रधानमंत्री मोदी को 10 या 15 मिनट के लिए इस कार्यशाला में नहीं पहुंचे, उन्होंने पूरा दनि बिताया। एक आम सांसद की तरह भागीदारी थी। यह तस्वीर देखते ही देखते वायरल हो गई। तब से बहुत सारे लोग सोशल मीडिया में भाजपा की सांसद कार्यशाला के बारे में जिज्ञासा है। लोग सोशल मीडिया में सर्च कर रहे हैं। हम आपको बताने जा रहे हैं, इस कार्यशाला के बारे में और ये भी बताएंगे कि यह भाजपा के लिए इतनी अहम क्यों है? भाजपा सांसद कार्यशाला को आप पार्टी का पॉलिटिकल स्कूल कह सकते हैं। यहां सांसदों को बताया जाता है कि जनता तक कैसे पहुंचना है। कैसे सोशल मीडिया पर एक्टिव रहना है और विपक्ष के वार का जवाब कैसे देना है। यानी किताबों वाली क्लास नहीं, बल्कि चुनावी मैदान के लिए ट्रेनिंग क्लास। इसका उद्देश्य सांसदों को सरकार की नीतियों, योजनाओं और राजनीतिक रणनीतियों के साथ जोड़ना होता है। यह सांसदों के लिए सीखने, समझने और साझा करने का मंच है। यहां सांसदों को बताया जाता है कि जनता तक योजनाओं को कैसे पहुंचाना है और विपक्ष के नैरेटिव का जवाब कैसे देना है। इस कार्यशाला में लोकसभा और राज्यसभा के सभी सांसद।केंद्रीय मंत्री, पार्टी अध्यक्ष और संगठन के सभी बड़े पदाधकिारी।कभी-कभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को भी भाजपा बुलाती है व वे भी शामिल होते हैं। जैसा कि आपको बता चुके है इस बार तो प्रधानमंत्री खुद पीछे बैठकर पूरी क्लास अटेंड करते रहे। अब आप जानना चाहते होंगे कि इस कार्यशाला में किस तरह के प्रस्ताव पास होते हैं? तो हम आपको बतादे कि यह कार्यशाला सिर्फ भाषणों तक सीमित नहीं रहती। यहां ठोस राजनीतिक और सामाजिक प्रस्ताव पास किए जाते हैं।आत्मनिर्भर भारत, स्वदेशी भारत और ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस जैसे मुद्दों पर चर्चा होती है।सांसदों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में इन प्रस्तावों को जनता तक पहुंचाएं।इसमें ऐसे सुझाव भी शामिल होते हैं जिन्हें बाद में सरकार की नीतियों में जगह मिल सकती है। आपको बतादे कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमेशा से सांसद कार्यशालाओं में हिस्सा लेते रहे हैं। लेकिन पहले वे ज्यादातर उद्घाटन या समापन भाषण देकर निकल जाते थे। इस बार का बदलाव यही है कि उन्होंने पूरे दिन हर सत्र में बैठकर सांसदों की बातें सुनीं। यह पार्टी कार्यकर्ताओं और सांसदों को यह संदेश देने का तरीका है कि हर आवाज मायने रखती है और जमीनी अनुभव को महत्व दिया जाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने सांसदों को यह दिखाया कि वह सिर्फ नेतृत्व नहीं करते, बल्कि सुनते भी हैं। यह संदेश गया कि सांसदों की राय सुनने आए हैं, सिर्फ भाषण देने नहीं। यह पार्टी के भीतर लोकतांत्रिक संवाद को मजबूत करता है। इससे पार्टी में लोकतांत्रिक माहौल और मजबूत होता है। यह सांसदों का मनोबल बढ़ाने वाला कदम है कि उनकी बात सीधे प्रधानमंत्री तक पहुंच रही है। संदेश गया कि सांसदों की जमीनी राय को गंभीरता से लिया जा रहा है और उसे भविष्य की नीतियों में शामिल किया जाएगा। यह कार्यकर्ताओं और सांसदों को यह संदेश देने का तरीका भी था कि पार्टी में हर राय मायने रखती है। इस कार्यशाला में चार सत्र- कई अहम प्रस्ताव है जसमें । पहला सत्रः राष्ट्र निर्माण पर केंद्रितथा ।इसमें कमलेश पासवान आत्मनिर्भर भारत पर, सुधांशु त्रिवेदी स्वदेशी भारत पर, बांसुरी स्वराज ईज ऑफ डूइंग बिजनेस पर और डॉ। हेमांग जोशी ने युवा शक्ति और रोजगार पर सांसदों की क्लास ली। सांसदों को समझाया गया कि सरकार की नीतियां आत्मनिर्भरता और युवाओं को केंद्र में रखकर बनाई जा रही हैं। दूसरा सत्रः सोशल मीडिया का प्रभावी प्रयोग-ज्योतिमय महतो ने सोशल मीडिया टीम बिल्डिंग पर बात की। सी।पी। जोशी सरकारी योजनाओं का नैरेटिव बनाने पर। अतुल गर्ग ने नमो ऐप के बारे में विस्तार से बताया और उसका इस्तेमाल कैसे करें, इसे समझाया। तो संगीता यादव ने महिला समूह की सोशल मीडिया अप्रोच पर बात की। सांसदों को यह समझाया गया कि जनता तक सीधे पहुंचने का सबसे बड़ा माध्यम आज सोशल मीडिया है। हर सांसद को डिजिटल कम्युनिकेशन स्किल सीखनी होगी।। तीसरा सत्रः स्थायी समितियों के समूहों की- चर्चासंजय जायसवाल और बांसुरी स्वराज ने कृषि, ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य पर बात की। तेजस्वंत पांडा और संबित पात्रा ने रक्षा, विदेश, आईटी पर। ऊर्जा, कोल, इंडस्ट्री पर शशांक त्रिपाठी और अपराजिता सारंगी ने बात रखी। शिक्षा, संस्कृति, कानून पर संचालन पी।पी।

अमेरिका का डबल स्टैंडर्ड

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ट्रेड एडवाइजर पीटर नवारो इन दिनों अपने झूठे एवं अनर्गल बयानों के लिए सुर्खियों में हैं। वे बिना सिर-पैर के बयानों के लिए कुख्यात हैं। नवारो कुछ दिनों से रूस के साथ ऊर्जा संबंधों को लेकर भारत के खिलाफ झूठ फैला रहे हैं। जिसका वास्तविकता से कोई लेना-देना नहीं है। नवारो रूस की तेल खरीद से भारत में ब्राह्मणों को फायदे की बात से लेकर यूक्रेन युद्ध के बाद से तेल के आयात की बात कह चुके हैं। जबकि रूस से भारत के तेल इंपोर्ट की हकीकत ही कुछ और है। नवारो का कहना है कि भारत रूस से तेल सिर्फ मुनाफा कमाने के लिए खरीदता है। रूस के यूक्रेन पर आक्रमण करने से पहले वह तेल नहीं खरीदता था। इसके साथ ही यूक्रेनियों को मारने के साथ ही भारत अमेरिकियों की नौकरियां भी हाथ मार रहा है। इससे पहले नवारो ने कहा था कि भारत रूस से जो तेल खरीद रहा है उससे रूसी युद्ध तंत्र को पैसा मिल रहा है। जिससे रूसी युद्ध मशीन चलती है। यूक्रेनी और रूसी लोग मरते हैं, जबकि अमेरिकी टैक्सपेयर्स को अधिक भुगतान करना पड़ता है। इसके अलावा नवारो ने कहा था कि ब्राह्मण भारतीय लोगों की कीमत पर मुनाफा कमा रहे हैं। नवारो के ब्राह्मण वाले बयान पर भारत के विदेश विभाग ने नवारो के भारत विरोधी लगातार हमलों को खारिज करते हुए उनकी टिप्पणियों को गलत और भ्रामक करार दिया था। यूक्रेन युद्ध से पहले भारत के कुल तेल के इंपोर्ट में रूस की हिस्सेदारी करीब 2 फीसदी थी। फरवरी 2022 में यूक्रेन पर आक्रमण के बाद पश्चिमी देशों की तरफ से रूस पर बैन लगा दिया गया। ऐसे में रूस ने कम कीमत पर तेल बेचने का रास्ता चुना। इसके बाद भारत ने रियायत पर बेचे जाने वाले रूसी तेल की खरीद शुरू की। परिणामस्वरूप, 2019-20 में कुल तेल आयात में मात्र 1.7 प्रतिशत हिस्सेदारी से, 2024-25 में रूस की हिस्सेदारी बढ़कर 35.1 प्रतिशत हो गई। अब यह भारत का सबसे बड़ा तेल सप्लायर बन गया है। ऐसे में यह कहना ही भारत यूक्रेन युद्ध से पहले तेल आयात नहीं करता था, यह पूरी तरह से झूठ है। नवारो के दावों के उलट हकीकत यह है कि भारत अपनी एनर्जी सिक्योरिटी के लिए रूसी तेल की वैध खरीद कर रहा है। यह किसी भी तरह से अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन नहीं है। इसके उलट अमेरिका भारत पर रूस से तेल नहीं खरीदने का दबाव डाल रहा है। जबकि अमेरिका खुद अरबों डॉलर के रूसी सामान का आयात जारी रखे हुए है। ये उसका डबल स्टैंडर्ड नहीं तो और क्या है? अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत पारस्परिक टैरिफ लगाया है। इसके अलावा भारत की तरफ से रूसी तेल की खरीद को लेकर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाया है। इससे भारत पर लगाया गया कुल टैरिफ 50 प्रतिशत हो गया है। भारत ने इस टैरिफ को गैरजरूरी बताया है। भारत का कहना है कि वह खुद एक बड़ी अर्थव्यवस्था है इसलिए अपने राष्ट्रीय हितों और अर्थव्यवस्था की रक्षा के लिए वे सारे कदम उठाए जाएंगे जो राष्ट्रहित में जरूरी होगा।

ईसाई मिशनरियां चला रहीं धर्मांतरण का अंडरग्राउंड रेकेट

मनोज कुमार अग्रवाल

यूपी और राजस्थान के दो अलग अलग शहरों में इसी सप्ताह इसाई मिशनरियों द्वारा चलाए जा रहे धर्मांतरण के षडयंत्र का भंडाफोड़ किया गया है। ईसाई मिशनरियों के षड्यंत्रकारी घनी आबादी के बीच बिना शोर शराबा किए लोगों को हिन्दू धर्म के प्रति जहर भर कर उनका ब्रेनवाश करते हैं और ईसाई बना देते हैं। यूपी के कई जिलों में अवैध धर्मांतरण का खेल पकड़ा गया. बलरामपुर से आगरा और मिर्जापुर से लेकर प्रतापगढ़ तक पुलिस ने धर्मांतरण मामले में दर्जनों लोगों को गिरफ्तार किया है. धर्मांतरण कराने में ईसाई मिशनरियां खासी सक्रिय हैं। ताजा मामला आगरा में शाहगंज की केदार नगर कॉलोनी में धर्मांतरण का अड्डा चल रहा था। प्रत्येक रविवार को प्रार्थना सभा के नाम पर भीड़ जुटाई जाती थी। पुलिस ने अड्डा संचालक सहित आठ लोगों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों में तीन महिलाएं भी शामिल हैं। सभी को सोमवार को कोर्ट के समक्ष पेश किया गया। आरोपियों के अन्य साथियों की तलाश की जा रही है।

यहां लोगों को बताया जाता था कि टीका लगाने और कलावा बांधने से कष्ट दूर नहीं होते हैं। प्रभु ईसा मसीह चमत्कार करते हैं। कष्ट दूर जाते हैं। उनकी प्रार्थना करने से बीमार पास नहीं आती है। जो गंभीर रूप से बीमार हैं प्रार्थना सुनने से वे ठीक हो जाते हैं। इस वजह से प्रार्थना सभा में मरीज अपना इलाज कराने भी आते थे। तंत्र-मंत्र का झांसा देकर झाड़-फूंक भी की जाती थी। प्रार्थना सभा में लोगों को बताया जाता था कि मसीह समाज बहुत बड़ा है। गरीबों के लिए बहुत काम करता है।

बच्चों को मुफ्त शिक्षा मिलती है। मिशनरी स्कूलों में शिक्षित होने पर आराम से नौकरी मिलती है। मिशनरी अस्पताल में मुफ्त इलाज मिलता है।आगरा में पहले भी सदर की सगी बहनों का धर्मांतरण कराया गया। उन्हें पुलिस ने कोलकाता से बरामद किया था। 14 आरोपित जेल भेजे गए। सगी बहनें इस्लाम के पक्ष में कार्य करने वाले गिरोह के चंगुल में थी। उसी तरह से ईसाई बनाने के लिए भी गैंग सक्रिय हैं। आगरा में पूर्व में कई बार धर्मांतरण के आरोप में ईसाई समाज के लोग पकड़े जा चुके हैं। हर बार पुलिस शांतिभंग में चालान करके मामले को रफादफा कर देती थी। प्रदेश में धर्मांतरण के खिलाफ कानून बन चुका है। इस वजह से धर्म संपरिर्वतन प्रतिषेध अधिनियम के तहत मुकदमा लिखा गया है।

इसी तरह राजस्थान में धर्म परिवर्तन का खेल कितने बड़े पैमाने पर इसका पर्दा अलवर की पुलिस कार्रवाई ने उठा दिया है. मासूम बच्चों को पढ़ाई और परवरिश के नाम पर हॉस्टल में कैद कर उनका ब्रेनवॉश किया जा रहा था. उनके नाम बदले जा रहे थे और मजबूर कर धर्मांतरण कराया जा रहा था. ये सिर्फ एक हॉस्टल या एक शहर का मामला नहीं है, बल्कि एक ऐसे नेटवर्क की कहानी है जिसके तार राजस्थान से बाहर चेन्नई और बेंगलुरु तक जुड़े हैं. लाखों की फंडिंग, ट्रेनिंग और संगठित ढंग से चल रहा यह पूरा रैकेट दिखाता है कि धर्मांतरण महज एक सामाजिक समस्या नहीं, बल्कि संगठित साज़िश है.

सवाल है कि इतने सालों से मासूमों को गुमराह करने वाला यह कारोबार किसकी शह पर चल रहा था और इसकी जड़ें कितनी गहरी हैं? धर्म परिवर्तन के इस रैकेट का खुलासा ऐसे समय में हुआ है, जब राजस्थान सरकार विधानसभा में धर्मांतरण रोकने के लिए विधेयक पेश कर चुकी है और मंगलवार को इस पर बहस होनी है.अलवर के एमआईए थाना क्षेत्र की सैय्यद कॉलोनी का ईसाई मिशनरी हॉस्टल बाहर से साधारण सा दिखता है. लेकिन अंदर सालों से बच्चों के दिमाग से खेला जा रहा था. 15 साल से छोटे मासूमों को यहां रखा जाता और उनका ब्रेनवॉश कर धर्म बदलवाया जाता. करीब 60 बच्चों को यहां कैद जैसा माहौल दिया गया. दीवारें 10 फीट ऊंची, ऊपर तारबंदी थी, ताकि न कोई बच्चा भाग सके और न ही बाहर से कोई अंदर की हकीकत देख पाए. दिखावे के लिए बच्चों का एडमिशन सरकारी स्कूलों में करवाया जाता था.

तरक़्क़ी के शहर में अकेलेपन के घर

प्रियंका सौरभ

महानगरों में लाखों लोग रहते हैं, परंतु अधिकांश अपने पड़ोसियों को भी नहीं पहचानते। एक सर्वेक्षण के अनुसार लगभग 40 प्रतिशत शहरी भारतीयों ने स्वीकार किया कि वे खुद को अकेला महसूस करते हैं। यह आँकड़ा दिखाता है कि आधुनिक शहरी जीवन ने भले ही हमें भौतिक सुविधाएँ दी हों, परंतु भावनात्मक और सामाजिक रूप से हमें कमजोर किया है। तकनीक ने भी इस अकेलेपन को बढ़ाया है। स्मार्टफोन और सोशल मीडिया पर निर्भरता ने वास्तविक मानवीय बातचीत को सीमित कर दिया है। मेट्रो या बस में सफर करते हुए अक्सर लोग एक-दूसरे से संवाद नहीं करते, बल्कि मोबाइल स्क्रीन में डूबे रहते हैं।

शहरीकरण ने भारत के सामाजिक जीवन और मानवीय संबंधों को गहराई से प्रभावित किया है। यह केवल आर्थिक प्रगति का साधन नहीं बल्कि एक ऐसा सामाजिक परिवर्तन भी है जिसने हमारे पारंपरिक रिश्तों, विश्वास और आपसी सहयोग की प्रकृति को बदल दिया है। शहरी जीवन की रफ्तार, अवसरों की विविधता और सेवाओं तक आसान पहुँच ने निश्चित ही नागरिकों को नए विकल्प दिए हैं, परंतु इसके साथ ही यह प्रक्रिया मानवीय संवेदनाओं और सामुदायिक रिश्तों को भी चुनौती देती रही है।

शहरों के विस्तार ने लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य और रोज़गार जैसे अवसरों के करीब लाया। पहले जहाँ ग्रामीण भारत में इन सुविधाओं तक पहुँच कठिन थी, वहीं शहरी क्षेत्रों ने इन्हें आसान बनाया। दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और कोलकाता जैसे महानगरों में विश्वस्तरीय अस्पताल, विश्वविद्यालय और सांस्कृतिक केंद्र मौजूद हैं।

यह स्थान केवल सेवाएँ ही उपलब्ध नहीं कराते, बल्कि ज्ञान और विचारों के आदान-प्रदान के मंच भी बनते हैं। इसी वजह से शहरी जीवन को आधुनिक भारत का इंजन कहा जाता है। यहाँ के निवासी विभिन्न भाषाई, धार्मिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से आते हैं, जिससे विविधता का अनुभव होता है और सहिष्णुता की भावना विकसित होती है। साथ ही, शहरी जीवन में सांस्कृतिक समृद्धि और नागरिक चेतना भी प्रबल होती है। कला दीर्घाएँ, पुस्तकालय, रंगमंच, साहित्यिक सभाएँ और जनआंदोलन जैसी गतिविधियाँ शहरों की पहचान रही हैं। चाहे वह कोलकाता की अकादमी ऑफ फाइन आर्ट्स हो या दिल्ली का इंडिया हैबिटेट सेंटर—ये स्थान सामूहिक संवाद और रचनात्मकता को बढ़ावा देते हैं। इसके अतिरिक्त, बेंगलुरु जैसे शहरों में आईटी उद्योग और स्टार्टअप संस्कृति ने पेशेवर सहयोग और नेटवर्किंग की नई संभावनाएँ खोली हैं। नागरिक स्वयं भी संगठित होकर अपने अधिकारों और सुविधाओं के लिए आवाज़ उठाते हैं। गुरुग्राम की आवासीय कल्याण समितियों द्वारा कचरा प्रबंधन और जलभराव के खिलाफ अभियान इसका उदाहरण हैं।

लेकिन इन सब सकारात्मक पहलुओं के बीच शहरीकरण का एक दूसरा चेहरा भी है, जो कहीं अधिक गहन सामाजिक संकट की ओर इशारा करता है। सबसे बड़ी चुनौती है सामुदायिक बंधनों का क्षरण। गाँवों में जहाँ पड़ोसियों और रिश्तेदारों के बीच गहरे संबंध होते हैं, वहीं शहरों में रहने वाले लोग अक्सर अनजानेपन और दूरी का अनुभव करते हैं। गेटेड सोसाइटी और उच्च-आय वर्गीय कॉलोनियों ने सामाजिक जीवन को खंडित कर दिया है। लोग अपने छोटे-से घेरे में सिमट जाते हैं और अन्य के प्रति अविश्वास पनपने लगता है। यह प्रवृत्ति समाज में सामूहिक विश्वास और सहयोग की भावना को कमजोर करती है।

शहरी जीवन का दूसरा बड़ा संकट है अकेलापन। भीड़भाड़ और व्यस्तता के बावजूद लोग व्यक्तिगत रूप से अलग-थलग पड़ जाते हैं। महानगरों में लाखों लोग रहते हैं, परंतु अधिकांश अपने पड़ोसियों को भी नहीं पहचानते। एक सर्वेक्षण के अनुसार लगभग 40 प्रतिशत शहरी भारतीयों ने स्वीकार किया कि वे खुद को अकेला महसूस करते हैं। यह आँकड़ा दिखाता है कि आधुनिक शहरी जीवन ने भले ही हमें भौतिक सुविधाएँ दी हों, परंतु भावनात्मक और सामाजिक रूप से हमें कमजोर किया है।

तकनीक ने भी इस अकेलेपन को बढ़ाया है। स्मार्टफोन और सोशल मीडिया पर निर्भरता ने वास्तविक मानवीय बातचीत को सीमित कर दिया है। मेट्रो या बस में सफर करते हुए अक्सर लोग एक-दूसरे से संवाद नहीं करते, बल्कि मोबाइल स्क्रीन में डूबे रहते हैं। यह प्रवृत्ति समाजशास्त्री जॉर्ज सिमेल की उस धारणा को सही साबित करती है जिसमें उन्होंने आधुनिक शहरों को भीड़ में अकेलेपन का प्रतीक कहा था।साथ ही, शहरी जीवन की भीड़-भाड़ और संसाधनों की कमी ने तनाव और संघर्ष को भी जन्म दिया है। पानी, बिजली, यातायात और पार्किंग जैसे मुद्दों पर झगड़े आम हो गए हैं। दिल्ली जैसे शहरों में पार्किंग विवाद कई बार हिंसा तक पहुँच जाते हैं। वाहन प्रदूषण और सड़क दुर्घटनाएँ भी नागरिक जीवन की असुरक्षा को बढ़ाती हैं। पैदल चलने वालों के लिए सुरक्षित स्थान कम होते जा रहे हैं, जिससे साझा सार्वजनिक जीवन घटता जा रहा है। यह कमी सामाजिक पूँजी पर सीधा आघात करती है, क्योंकि खुले और सुरक्षित सार्वजनिक स्थल ही लोगों के बीच संवाद और सहयोग को जन्म देते हैं। इस प्रकार, शहरीकरण ने भारत के सामाजिक पूँजी पर दोतरफा असर डाला है। एक ओर इसने शिक्षा, स्वास्थ्य, विविधता और सांस्कृतिक उन्नति के अवसर दिए, तो दूसरी ओर इसने रिश्तों को सतही, अस्थिर और अविश्वासी बना दिया। आर्थिक विकास की गति में हमने भावनात्मक और सामुदायिक जीवन को पीछे छोड़ दिया।

आवश्यक है कि शहरी नियोजन केवल भौतिक ढाँचे तक सीमित न रहे, बल्कि उसमें मानवीय संबंधों की गरिमा और सामुदायिक जीवन की बहाली को भी स्थान मिले। हमें ऐसे सार्वजनिक स्थल चाहिए जहाँ लोग सहजता से मिल सकें और संवाद कर सकें। आवासीय कल्याण समितियों को केवल प्रशासनिक इकाई न मानकर सामाजिक मेलजोल और सामुदायिक उत्सवों का मंच बनाया जाए। शहरों में त्योहारों, मेलों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया जाए, ताकि लोग एक-दूसरे के करीब आ सकें। साथ ही, सस्ते और समावेशी आवास की नीतियाँ तैयार हों, जिससे वर्ग आधारित विभाजन कम हो सके।

भारत का भविष्य निस्संदेह शहरी होगा, परंतु यह भविष्य तभी स्थायी और समृद्ध हो सकता है जब शहरीकरण केवल आर्थिक नहीं बल्कि सामाजिक पूँजी का भी संवाहक बने। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि विकास की दौड़ में रिश्तों का ताना-बाना न टूटे। शहर तभी सच्चे अर्थों में प्रगतिशील बनेंगे जब वे न केवल समृद्धि और अवसर देंगे, बल्कि विश्वास, सहयोग और सामूहिक कल्याण की भावना को भी जीवित रखेंगे।

दूध की हर बूँद में क्रांति का घोष वर्गीज़ कुरियन

आरके जैन

भारत की पावन धरती पर इतिहास ने एक साधारण इंजीनियर को क्रांति का मुकुट पहनाया, वह थे वर्गीज कुरियन। उन्होंने दूध की हर बूंद को आजादी और आत्मनिर्भरता का प्रतीक बना दिया। अमेरिका की प्रयोगशालाओं से लौटे युवा कुरियन गाँवों की मिट्टी में उतरे और लाखों किसानों की किस्मत बदल दी। उनकी पुण्यतिथि, 9 सितंबर, ग्रामीण भारत के जागरण का अमिट प्रतीक है। 9 सितंबर 2012 को गुजरात के नडियाद में उनका देहांत हुआ, लेकिन अमूल के रूप में उनकी विरासत अमर हो गई। अमूल न केवल दूध बेचती है, बल्कि करोड़ों सपनों को पोषण देती है। यह दिन हमें झकझोरता हैः क्या हम सफेद क्रांति की लौ को प्रज्वलित रख पाए हैं? कुरियन का जन्म 26 नवंबर 1921 को केरल कालीकट (कोझिकोड) में एक सीरियाई क्रिश्चियन परिवार में हुआ। उनका हृदय कभी जाति-धर्म या सीमाओं से बंधा नहीं। दूध या डेयरी इंजीनियरिंग उनकी प्राथमिकता न थी; सरकारी छात्रवृत्ति के लिए उन्होंने मेटलर्जिकल इंजीनियरिंग चुनी, सोचते हुए कि स्वतंत्र भारत को परमाणु ऊर्जा चाहिए। लेकिन 1949 में आनंद पहुँचकर उनका भाग्य बदला। वहाँ एक छोटी क्रीमरी में किसानों का संघर्ष देखा, पोल्सन जैसी विदेशी कंपनियाँ दूध सस्ते में लूट रही थीं, शहरों में दोगुना दाम बेचकर किसानों को भुखमरी की ओर धकेल रही थीं। त्रिभुवनदास पटेल के साथ कुरियन ने सहकारी समिति की नींव रखी। उन्होंने किसानों को नारा दियाः दूध है आपकी ताकत। यह ताकत बिचौलियों को उखाड़ फेंकने वाली थी। 13 मई 1949 को शुक्रवार को आनंद पहुँचकर उन्होंने दूध उद्योग को नई दिशा दी, और सफेद क्रांति की बाढ़ आ गई। कुरियन को 'श्वेत क्रांति के जनक' कहा जाता है, लेकिन यह उनकी महानता को सीमित करता है। उन्होंने दूध को सामाजिक हथियार बना दिया। भैंस के दूध से स्किम्ड मिल्क पाउडर बनाने की तकनीक विकसित की, जो विशेषज्ञों के लिए असंभव मानी जाती थी। भारत में भैंस का दूध गाय के दूध से दस गुना अधिक था, लेकिन वसा अलग करना चुनौतीपूर्ण था। सहयोगी एच.एम. दलाई के साथ प्रयोगों से उन्होंने सफलता पाई। इससे अमूल ने नेस्ले जैसी कंपनियों से मुकाबला किया और भारत आयात-निर्भरता से मुक्त हुआ। कुरियन का दर्शन थाः किसान को हाथी की सवारी सिखाओ, ताकि वह खुद को नियंत्रित कर सके। ऑपरेशन फ्लड, दुनिया का सबसे बड़ा कृषि कार्यक्रम, इसी पर आधारित था। 1970 से 1996 तक इसने 81,000 सहकारी समितियाँ बनाईं, 10 मिलियन से अधिक किसानों को जोड़ा। दूध उत्पादन 1,90,000 टन से बढ़कर 50 लाख टन सालाना हो गया, और भारत दुनिया का सबसे बड़ा उत्पादक बन गया। दिलचस्प है कि कुरियन को दूध का स्वाद पसंद न था, फिर भी उन्होंने करोड़ों बच्चों को इसका महत्व सिखाया। अमूल केवल ब्रांड नहीं, विद्रोह का प्रतीक था। कुरियन ने किसानों को मालिक बनाया, वे दूध देने से लेकर प्रसंस्करण, पैकेजिंग और विपणन तक भागीदार बने। अमूल गर्ल का विज्ञापन अभियान, 50 वर्षों से चल रहा, कुरियन की देन है। यह हास्य से राजनीति पर व्यंग्य करता है, लेकिन हमेशा किसान के पक्ष में। 1962 के भारत-चीन युद्ध में दूध सेना को भेजा गया, तो पोल्सन ने बाजार हथिया लिया। कुरियन ने सरकार से पोल्सन की मशीनें रोकने की अपील की, सहकारिता की रक्षा के लिए। उनकी सबसे बड़ी लड़ाई नौकरशाही से थी। वे कहतेः मैं संकट से भागता नहीं, उसे सींगों से पकड़ता हूँ। 1990 के दशक में उदारीकरण से बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ आईं, तो एनडीडीबी से इस्तीफा दे दिया, क्योंकि उत्तराधिकारी अमृता पटेल विपणन आउटसोर्सिंग पर जोर दे रही थीं, जो किसानों को कमजोर कर सकती थी। बाद के वर्षों में कुरियन नास्तिक हो गए; उनके लिए केवल मानव कल्याण मायने रखता था। कुरियन की दृष्टि सीमाओं से परे थी। उन्होंने विज्ञान को केवल प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे गाँव की धूल-मिट्टी और किसानों के सपनों से जोड़ दिया। इंजीनियर होकर भी उन्होंने मशीनों को किसानों की बोली सिखाई और तकनीक को किसानों की चौपाल तक पहुँचा दिया। बैंगलोर के संस्थान में सीखी गई दूध-परीक्षण की सरल विधियाँ जब गाँव की औरतों के हाथों में पहुँचीं, तो वह विधियाँ केवल तकनीक नहीं रहीं—वह आत्मनिर्भरता और सम्मान का हथियार बन गईं। 1979 में जब आनंद में इंस्टीट्यूट ऑफ रूरल मैनेजमेंट (आईआरएमए) की नींव रखी गई, तो ग्रामीण प्रबंधन पहली बार कॉर्पोरेट ऊँचाइयों तक पहुँचा। महिलाओं के सशक्तिकरण में उनका योगदान अद्वितीय रहा—खेड़ा में त्रिभुवनदास फाउंडेशन के जरिए स्वास्थ्य और शिक्षा पर ध्यान दिलाया, और गाँव की महिलाएँ दूध-परीक्षण में विशेषज्ञ बनकर आर्थिक स्वतंत्रता की नई मिसाल बनीं। 1976 में किसानों के केवल दो-दो रुपये से बनी 'मंथन' फिल्म ने सहकारिता को परदे से दिलों तक पहुँचा दिया। भैंस के दूध से चीज़ बनाने की तकनीक ने अमूल को वैश्विक मंच पर खड़ा कर दिया, और यह साबित किया कि गाँव की गाय-भैंसें भी दुनिया की अर्थव्यवस्था में भूमिका निभा सकती हैं।

हर बार का झूठ सच नहीं होता

डॉ टी महादेव राव

वे बार बार झूठ बोलते हैं। या कहें हर बार झूठ के सिवाय कुछ नहीं बोलते। हालत तो ऐसी हो गई कि लोगों ने उन्हें गंभीरता से लेना बंद कर दिया और उनके कथन हैं, जो उचारते हैं उनके मतलब अपने हिसाब से लगाते हैं। जब कहते हैं कि सोने जा रहे हैं इसका मतलब वे सोएंगे नहीं विरोधियों के लिए कोई नया गड्ढा खोदने की तैयारी में हैं। इन्हीं असत्य वचनों के लिए बकायदा एकतरफा संवाद लेखक तैनात किया हुए हैं अजी वही डायलॉग राइटर जो इनकी मंकीबाथ वही दिल की बात जानकर उसे अपने हिसाब से नमक मिर्च लगाकर, ठोंक बजाकर और पोंछपांछ कर प्रस्तुत करता है जिसे वे सबके सामने अपने अंदाज में नई नई मुख मुद्राओं में विशेषणों के साथ पेश करते हैं। तब जाकर कोटिंग लगा असत्य यानी झूठ का एक चैप्टर पूरा होता है। कहा तो यह भी जा रहा है कि वे सपने में भी सच नहीं बोलते। बड़े ओहदे पर हैं तो एक शे'र उनके लिए मुफीद होगा हम सच भी कहते हैं तो कोई यकीं नही करता वो झूठ ही बोलेगा और लाजवाब कर देगा। फुरसत मिली तो फेंकना शुरू करते हैं। झूठ पर एक सच्ची कहानी बचपन में पढ़ी थी। आपको सुनाते हैं।

एक बच्चा खेत में खेल रहा था। खेत के दूसरी ओर दूर उसका पिता हाल चला रहा था। बच्चे को शरारत सूझी। उसने शोर मचाया देर आया शेर आया।

पिता भागकर आया और देखा तो शेर नहीं था। बच्चा हंस दिया। पिता काम में लग गया। फिर दूसरी बार बच्चे ने वही हरकत की और पिता फिर भागा भागा आया और बेटे पर गुस्सा होकर उसे डांटा और चल दिया। तीसरी बार चिल्लाया बच्चा लेकिन किसान गया नहीं इसे मजाक समझकर। तब हकीकत में शेर आया था और बच्चे को उठाकर जंगल में भाग गया। झूठ न बोलने की सीख इस कहानी में हमें मिलती है।

जब यही कहानी उनको सुनाई और पूछा तो वे अपने दृष्टिकोण से विश्लेषण करने लगे। बोले इस कहानी से यह पता चलता है की दो बार झूठ बोलोगे तो तीसरी बार सच हो जाता है। मतलब झूठ पे झूठ फेंकते रही कभी न कभी सच हो है जाएगा। इनके ज्ञान ग्रहण शक्ति को प्रणाम करते हुए में वापस लौटा।

आजकल झूठ का विलोम सच और सत्य का विलोम असत्य की तरह हरिश्चंद्र का विलोम इनको कहा जा रहा है। कितने महान हैं वे झूठों के सरदार और असत्य के अमात्य। देखें कि इस मुगालते में वे कब तक रहेंगे की बार बार बोला हुआ झूठ सच हो जाता है।

लाल किला परिसर से चोरी हुआ एक करोड़ का कलश बरामद

> यूपी के हापुड़ से आरोपी को दबोचा <

नई दिल्ली/हापुड़, 8 सितंबर (एजेंसियां)। लाल किला के सामने 15 अगस्त पार्क में चल रहे जैन समाज के धार्मिक अनुष्ठान से एक करोड़ से अधिक कीमत का कलश चोरी मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के पास से कीमती कलश भी बरामद कर लिया गया है। आरोपी का नाम भूषण वर्मा है और वो हापुड़ का रहने वाला बताया जा रहा है। बता दें कि आरोपी की तलाश के लिए 10 टीमों का गठन कर दिया था। शुरुआत में चार टीमों को ही जांच में लगाया गया था।

जिले के स्पेशल स्टाफ, एएटीएस, एंटी नारकोटिक्स सेल समेत तेज तर्रार पुलिस अधिकारियों को आरोपी की तलाश में लगा दिया गया।दरअसल, कलश चोरी होने के बाद जैन समाज में भारी रोष था। कलश की कीमत को भी दरकिनार कर दिया जाए तो कलश पूरे जैन समाज के लिए खासा धार्मिक महत्व रखता था। जिला पुलिस उपायुक्त राजा बांठिया ने गिरफ्तार से पहले कहा था कि आरोपी का सुराग मिला है, टीमें जल्द ही उसको गिरफ्तार कर लेंगी। जांच के दौरान पता लगा है कि आरोपी लगातार कार्यक्रम में शामिल होकर मौके की तलाश कर रहा था। जैसे ही उसको मौका मिला वह वारदात को अंजाम देकर वहां से निकल गया।

पुलिस अधिकारी ने कहा कि लाल किला के ठीक सामने 15 अगस्त पार्क में 28 अगस्त से जैन समाज का अनुष्ठान चल रहा था। कार्यक्रम 9 सितंबर तक चलेगा। इसके लिए विशेष मंच तैयार किया गया है। अनुष्ठान में धोती और अंग वस्त्र पहनना अनिवार्य है। इन वस्त्रों को धारण करने के बाद ही अनुष्ठान में शामिल हुआ जा सकता है।

पूजा के लिए सिविल लाइंस के कारोबारी सुधीर जैन अपना कीमती कलश रोजाना अनुष्ठान में लेकर पहुंचते थे। इसको मंच पर रख दिया जाता था। इसके आसपास श्रद्धालु व खुद सुधीर मौजूद रहते थे। कलश में 760 ग्राम सोना, 150 ग्राम हीरे, माणिक्य और पन्ना जैसे कीमती रत्न लगे हुए हैं।

इस कलश को रोजाना सुधीर जैन वापस भी ले जाते थे। मंगलवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला अनुष्ठान में शामिल होने पहुंचे थे। आयोजक व अन्य लोग उनके स्वागत में व्यस्त हो गए। बिड़ला जब वहां से गए तो कलश गायब हो गया।

'जस्टिस सुदर्शन रेड्डी अंतरात्मा की बात आप न करें'

विपक्ष के उपराष्ट्रपति पद उम्मीदवार की लालू यादव से मुलाकात पर भड़की बीजेपी

नई दिल्ली, 8 सितंबर (एजेंसियां)। विपक्ष के उपराष्ट्रपति पद उम्मीदवार सुदर्शन रेड्डी की लालू यादव से मुलाकात पर बीजेपी की तरफ से प्रहार किया गया है। बीजेपी के नेता रविशंकर प्रसाद ने सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि सुदर्शन रेड्डी ने देश की आत्मा को बचाने के लिए वोट मांगा है, बहुत बड़ी-बड़ी बातें की गई हैं। देश की आत्मा को बचाने के लिए वो लालू प्रसाद यादव से मिल रहे हैं। लालू प्रसाद यादव चारा घोटाला मामले में दोषी हैं।

रविशंकर प्रसाद ने आगे कहा कि आप किस तरह के रिटायर्ड सुप्रीम कोर्ट के जज हैं, जो व्यक्ति दोषी है भ्रष्टाचार के मामले में, आप जाकर उससे मिलते हैं। वह व्यक्ति वोटर भी नहीं है। आप क्या देश की आत्मा की बात कर रहे हैं? यह गंभीर दिखावा है, आप कृपया करके देश की आत्मा की बात न करें। लालू यादव पर कई मामले हैं, आप उनसे जाकर मिलते हैं। जस्टिस सुदर्शन रेड्डी के इस व्यवहार की हम निंदा करते हैं।

खबरें जरा हटके

खेत में रखा नीला ड्रम गायब, रातोंरात प्रगट हो गया कुआं, सुबह पूजा शुरू

छतरपुर के कदारी गांव में एक अजब-गजब घटना सामने आई है. गांव के हनुमत विश्वकर्मा के खेत में अचानक रातों-रात एक कुआं निकल आया. इस अनोखी घटना ने पूरे गांव में चर्चा का विषय बना दिया है. खेत मालिक हनुमत विश्वकर्मा का कहना है कि जिस खेत में कल तक कोई कुआं नहीं था, सुबह वहां एक बड़ा कुआं दिखाई दिया. वहीं खेत में रखा पानी से भरा नीला ड्रम भी गायब मिला. स्थानीय ग्रामीण इस कुएं को भगवान का चमत्कार मान रहे हैं. उनका कहना है कि जैसे चित्रकूट में भरतकूप है, वैसे ही यह कुआं भी किसी दैवीय शक्ति से प्रकट हुआ है. ग्रामीण कुएं के पानी को गंगाजल मानकर पूजा कर रहे हैं और बोतलों में भरकर घर ले जा रहे हैं. कई लोग इस पानी को रोग-निवारण मानते हुए पी भी रहे हैं. कुएं की पूजा शुरू हो गई है, लोग कुएं को देवता मान रहे हैं. कुएं की ईंटें काफी पुरानी बताई जा रही हैं, जिनके बारे में स्थानीय लोगों का दावा है कि यह करीब 200 से 300 साल पुरानी हो सकती हैं. इसी वजह से लोग इसे ऐतिहासिक और पौराणिक महत्व का कुआं मान रहे हैं. गांव में यह खबर फैलते ही बड़ी संख्या में लोग कुएं को देखने पहुंच रहे हैं. हालांकि, अभी तक इस कुएं की वैज्ञानिक जांच नहीं हुई है, न ही पुरातत्व विभाग ने इसकी पुष्टि की है. विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे मामलों की जांच जरूरी है ताकि सच्चाई सामने आ सके.

लिंग बदलने वाली मछली

हिंद और प्रशांत महासागर में ऐसी मछलियां पाई जाती हैं जो अपना लिंग (जेंडर) बदल सकती हैं। इनका नाम क्लाउन फिश है। नारंगी रंग की मछली की शरीर पर सफेद-काले रंग की धारियां होती हैं।

मछली कैसे बदलती है जेंडर

दरअसल, सभी क्लाउन फिश नर के रूप में ही पैदा होती हैं। ये छोटे-छोटे समूह में रहती हैं। इसमें सबसे बड़ी मछली मादा होती है, जबकि दूसरी सबसे बड़ी मछली प्रजनन करने वाला नर होती है। बाकी छोटी मछलियां होती हैं।

अगर समूह में मादा मर जाती है तो सबसे बड़ा नर मादा बन जाता है। इस प्रक्रिया को प्रोटैंड्रस हर्माफ्रोडिटिज्म (Protandrous Hermaphroditism) कहते हैं। यह एक स्थायी प्रक्रिया है, नर से मादा का यह बदलाव केवल एक बार होता है।

जेंडर बदलने की यह प्रक्रिया कुछ हफ्तों या महीनों में पूरी होती है। इसमें नर मछली के शरीर में हार्मोनल बदलावों के साथ मादा प्रजनन अंग विकसित होते हैं।

4 से 5 इंच की साइज की ये मछलियां भारत में अंडमान-निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप के पास पाई जाती है। वैसे क्लाउनफिश ही नहीं, लगभग 500 मछली प्रजातियां जीवन में कभी भी अपना लिंग बदल सकती हैं।

51 साल पहले खोया हुआ बटुआ स्कूल के पीछे मिला

कनाडा के ओंटेरियो में ऑर्चर्ड पार्क सेकेंडरी स्कूल की मरम्मत के दौरान मजदूरों को 51 साल पुराना बटुआ मिला। यह 1974 में 17 साल के छात्र टॉम स्कोफ का था, जो अब 67 साल के हैं।

केयरटेकर लोर्ना मैकक्वीन ने बताया कि बटुए में से स्टूडेंट आईडी, ड्राइविंग लाइसेंस, सोशल इंश्योरेंस कार्ड, परिवार और दोस्तों की तस्वीरें, यूरोप का ट्रांजिट पास, एक डिस्टिलरी की प्राइस लिस्ट और 35 सेंट का हॉकी टिकट थी।

स्कूल एडमिनिस्ट्रेशन ने जब फेसबुक की मदद से स्कोफ से कॉन्टैक्ट किया तो स्कोफ ने पहले तो इसे मजाक समझा, लेकिन स्कूल पहुंचने पर वह अपना बटुआ पाकर भावुक हो गए।

फरीदाबाद में एसी फटा, दंपती-बेटी की मौत

बेटा खिड़की से कूदा, हाथ-पैर टूटे; आग का धुआं घर में घुसने से दम घुटा

फरीदाबाद, 8 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के फरीदाबाद में सोमवार को 4 मंजिला बिल्डिंग के पहले फ्लोर पर एसी का कंप्रेसर फट गया। इससे आग लग गई। इसका धुआं दूसरे फ्लोर में घुस गया। इसके कारण यहां रह रहे दंपती और उनकी बेटी की दम घुटने से मौत हो गई, जबकि बेटे ने खिड़की से कूदकर जान बचाई। परिवार ने बचने के लिए छत पर जाने की कोशिश की थी, लेकिन गेट बंद होने से वह छत पर नहीं जा पाए। पड़ोसियों ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी, लेकिन इसके पहुंचने से पहले तीनों की मौत हो चुकी थी। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भिजवा दिया है। मामला ग्रीनफील्ड कॉलोनी में सुबह 3 बजे सामने सामने आया। परिवार पिछले 5 साल से इस बिल्डिंग में रहा था।

कर्नाटक के मांड्या में गणेश विसर्जन जुलूस पर पत्थरबाजी

8 लोग घायल, 21 गिरफ्तार

बैंगलूरू, 8 सितंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के मंड्या जिले के रविवार रात गणेश विसर्जन जुलूस पर पथराव हुआ। रविवार शाम करीब 8 बजे मड्डूर शहर में हुई। जुलूस पर राम रहीम नगर से मस्जिद के सामने से गुजर रहा था, तब पत्थरबाजी की गई। इसके बाद दूसरे पक्ष ने भी पत्थरबाजी की। दोनों समुदायों में हाथापाई भी हुई।

पूरी घटना पुलिस की मौजूदगी में हुई। इसके बाद पुलिस ने लोगों को हटाया। पत्थरबाजी की इस घटना में 8 लोग घायल हुए हैं। उनका जिला अस्पताल में इलाज जारी है। पुलिस ने 21 लोगों को गिरफ्तार भी किया है। मामले में दो एफआईआर दर्ज की गई हैं। वहीं, घटना को लेकर सोमवार को मंड्या में प्रो-हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया है। इस दौरान आगजनी भी की गई। राज्य के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने बताया कि इलाके में शांति बनाए रखने के लिए बीएनएस की धारा 163 लागू की गई है। कुछ लोगों की गिरफ्तारी भी हुई है।

सीएम गुप्ता पति के साथ मीटिंग में पहुंचीं

आप बोली-दिल्ली में फुलेरा पंचायत की सरकार; 5 महीने में दूसरी बार अफसरों की मीटिंग में दिखे पति

नई दिल्ली, 8 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता एक ऑफिशियल मीटिंग में अपने पति मनीष गुप्ता को लेकर पहुंचीं। सीएम ने एक्स पर मीटिंग की तस्वीरें भी शेयर कीं, जिसमें उनके पति अधिकारियों के साथ बैठे दिखे। मनीष गुप्ता एक बिजनेसमैन और सामाजिक कार्यकर्ता हैं।

आम आदमी पार्टी (आप) ने इसको लेकर मुख्यमंत्री पर तंज कसा है। आप ने एक्स पर मीटिंग की तस्वीर के साथ 'पंचायत' वेब सीरीज के एक सीन का वीडियो शेयर करते हुए लिखा- दिल्ली में 'फुलेरा की पंचायत' की सरकार। सीएम रेखा गुप्ता के पति ले रहे अधिकारियों की मीटिंग।

आप नेता संजय सिंह ने कहा, 'फुलेरा पंचायत में आपका स्वागत है। प्रधानमंत्री मोदी ने दिल्ली में दो मुख्यमंत्री बनाए हैं। रेखा गुप्ता मुख्यमंत्री हैं, उनके पति सुपर मुख्यमंत्री हैं। भाजपा ने 6 महीने में दिल्ली का कबाड़ा कर दिया है।' कांग्रेस ने एक्स पर पूछा कि सरकार कौन चला रहा है। मैडम रेखा गुप्ता या उनके पति? इससे पहले 12 अप्रैल को दिल्ली नगर निगम, जल बोर्ड, पीडब्ल्यूडी और दिल्ली अर्बन सेंटर इम्प्रूवमेंट बोर्ड की मीटिंग में भी मनीष गुप्ता सीएम रेखा के साथ नजर आए थे।

सौरभ भारद्वाज बोले-ये परिवारवाद नहीं तो क्या है आप नेता सौरभ भारद्वाज ने एक्स पर लिखा, 'जैसे फुलेरा की पंचायत में महिला प्रधान के पति प्रधान की तरह काम करते थे, आज दिल्ली में सीएम के पति आधिकारिक मीटिंग में बैठ रहे हैं। हमने पहले भी बताया था सीएम के पति आधिकारिक मीटिंग में बैठते हैं, इंस्पेक्शन करते हैं। ये पूरी तरह से असंवैधानिक है।'

आप नेता ने कहा, 'परिवारवाद पर पानी पी-पी कर कांग्रेस को गालियों देने वाली भाजपा बताए कि ये परिवारवाद नहीं है तो क्या है ? क्या दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी की मुख्यमंत्री के पास कोई ऐसा कार्यकर्ता नहीं बचा है जिसपर वो भरोसा कर सकें? ऐसा क्या काम है जो सिर्फ परिवार वाला ही कर सकता है? शालीमार बाग में विकास कार्यों की समीक्षा बैठक में पहुंची थीं सीएम दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता रविवार को जिस में मीटिंग में अपने पति के साथ पहुंची थीं, वह शालीमार बाग विधानसभा में विकास कार्यों की समीक्षा के लिए आयोजित की गई थी।

सीएम ने एक्स पर पोस्ट में खुद इसकी जानकारी दी। उन्होंने लिखा-आज मुख्यमंत्री जनसेवा सदन में शालीमार बाग विधानसभा में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा की। बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे नियमित रूप से क्षेत्र में जारी कार्यों की प्रगति का आकलन करें और तय समयसीमा पर स्टेटस रिपोर्ट दें।

'रैली के बीच पलानीस्वामी ने जानबूझकर रोकी एंबुलेंस, मरीज को नहीं मिलने दिया इलाज'

उदयनिधि का आरोप

चेन्नई, 8 सितंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के उप मुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने सोमवार को एआईएडीएमके के महासचिव और विधानसभा में विपक्ष के नेता ई.के. पलानीस्वामी पर गंभीर आरोप लगाए।

उन्होंने कहा कि वेल्लोर जिले में कुछ दिन पहले पलानीस्वामी ने जानबूझकर एक एंबुलेंस को रास्ता नहीं दिया और मरीजों को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की। बता दें कि हाल ही में वेल्लोर के आनाकट्ट इलाके में पलानीस्वामी के चुनावी अभियान के दौरान एक एंबुलेंस भीड़ के बीच से निकलना चाह रही थी। इस दौरान पलानीस्वामी ने एंबुलेंस ड्राइवर पर चिल्लाया, जिससे विवाद बढ़ गया। इस घटना की तमिलनाडु के स्वास्थ्य मंत्री एमए. सुब्रमणियन ने भी कड़ी निंदा की थी।

उदयनिधि स्टालिन ने एक राजनीतिक कार्यक्रम में कहा, 'कुछ दिन पहले विपक्ष के नेता ने एंबुलेंस को रास्ता रोका और हर संभव कोशिश की कि मरीजों को परेशानी हो। यह घटना जनता ने अपनी आंखों से देखी और इसकी कड़ी निंदा की।' उन्होंने पलानीस्वामी को चेतावनी दी कि तमिलनाडु की जनता जल्द ही उन्हें कड़ा सबक सिखाएगी। उदयनिधि ने कहा, 'अगर पलानीस्वामी नहीं समझे, तो जनता उनकी पार्टी और आंदोलन को ऐसी स्थिति में ले आएगी कि उन्हें खुद एंबुलेंस में जाना पड़ेगा'। इस बीच, मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन सोमवार को इंग्लैंड और जर्मनी की सप्ताहभर की विदेश यात्रा से चेन्नई लौट आए। उन्होंने बताया कि इस दौरे को सफल कहा जा सकता है क्योंकि 33 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर हुए हैं, जिनसे 15,516 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश तमिलनाडु में आएगा। सीएम स्टालिन ने कहा कि दस नई कंपनियां तमिलनाडु में निवेश करने के लिए तैयार हैं और पहले से मौजूद 17 कंपनियां अपने कारोबार का विस्तार करने का फैसला कर चुकी हैं। उन्होंने बताया कि एक जर्मन कंपनी को पहली बार तमिलनाडु की क्षमता के बारे में जानकारी दी गई, क्योंकि अब तक उन्हें सिर्फ अन्य राज्यों की जानकारी ही दी जाती थी।

आंगनबाड़ी में कुकर कुर्सी और चिमटे के नाम पर 53,000 खर्च

बूंदी-समोसे की कीमत सुनकर होश उड़ जाएंगे

शहडोल, 8 सितंबर (एजेंसियां)। गोहपारू जनपद पंचायत की रामपुर ग्राम पंचायत में एक गड़बड़झाला सामने आया है। यहां बूंदी और समोसे के नाम पर लगभग 66,950 रुपये के बिल पास कराए गए। साथ ही, आंगनबाड़ी के लिए कुकर, कुर्सी जैसी चीजों के नाम पर 53,000 रुपये के बिलों का भुगतान हुआ। जनपद सीईओ ने इस मामले में जांच कराकर कार्रवाई करने की बात कही है। यह मामला गोहपारू जनपद पंचायत के रामपुर गांव का है। सोशल मीडिया पर कुछ बिल वायरल हो रहे हैं। इन बिलों के अनुसार, दो महीने में बूंदी और समोसे के नाम पर लगभग 66,950 रुपये के पांच बिल पास हुए हैं। इसके अलावा, आंगनबाड़ी के लिए कुकर, कुर्सी, गिलास और चिमटा जैसी चीजों के नाम पर लगभग 53,000 रुपये के तीन बिलों का भुगतान हुआ है।

'17 सितंबर से पहले मराठों को कुनबी प्रमाण-पत्र देना शुरू करें, वरना'

जरांगे की चेतावनी

मुंबई, 8 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण की आग अभी थमी नहीं है। मराठा आरक्षण का चेहरा बन चुके मनोज जरांगे ने एक बार फिर महाराष्ट्र सरकार को चेतावनी दी है। उन्होंने मांग की है कि महाराष्ट्र सरकार 17 सितंबर से पहले मराठों को कुनबी जाति प्रमाण पत्र जारी करने के लिए पिछले सप्ताह जारी किए गए सरकारी आदेश को लागू करे। अगर ऐसा नहीं होता है तो वह फिर से 'कठोर निर्णय' लेने के लिए बाध्य होंगे।

छत्रपति संभाजीनगर के अस्पताल में जरांगे ने संवाददाताओं से कहा कि हमें उम्मीद है कि सरकार राज्य के तालुका स्तर के कार्यालयों से जीआर पर कार्रवाई करने को कहेगी। हमें उम्मीद है कि 17 सितंबर से पहले काम शुरू हो जाएगा। अगर ऐसा नहीं हुआ तो मुझे कड़े फैसले लेने होंगे। गौरतलब है कि बीते सप्ताह मुंबई में अपना आंदोलन वापस लेने के बाद से वह अस्पताल में इलाज करा रहे हैं। इस दौरान जरांगे ने यह भी कहा कि सर्टिफिकेट का वितरण 17 सितंबर से पहले जीआर के आधार पर शुरू हो जाना चाहिए। मुझे विश्वास है कि सरकार इस पर कार्रवाई करेगी। अगर वे येओला (जाहिर तौर पर मंत्री छगन भुजबल की ओर इशारा करते हुए) के किसी व्यक्ति की बात सुनते हैं और कुछ भी गलत होता है, तो हम 1994 के जीआर को भी चुनौती देंगे, जिसके तहत हमारा आरक्षण दूसरों को दे दिया गया था।

लव जिहाद के खिलाफ खुलकर आगे आया संघ

नई दिल्ली, 8 सितंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने लव जिहाद और धार्मिक कन्वर्जन के बढ़ते मामलों पर चिंता जताई है। आरएसएस के राष्ट्रीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने कहा कि जबरदस्ती, लालच या धोखे से किए गए धर्मांतरण स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ऐसी कवायद समाज में अशांति पैदा कर सकती है। यह मुद्दा केवल धार्मिक नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक सद्भाव के लिए भी एक गंभीर खतरा है। उन्होंने कहा कि इस संदर्भ में चिंता तो सब लोगों ने व्यक्त की है, जिसे लेकर दो प्रमुख काम हो रहे।

लव जिहाद पर क्या बोले सुनील आंबेकर

सुनील आंबेकर ने लव जिहाद और धार्मिक कन्वर्जन को लेकर कई बातों का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि एक तो लोगों के बीच में इसे लेकर जागृति हो। इसे लेकर साजिश कैसे की जाती है, इसके बारे में जानकारी हो। दूसरी बात है कि समाज के सभी लोगों तक अपने साधु संतों के जरिए एक जो हिंदू धर्म का विशेष रूप से ज्ञान है, वो पहुंचे। हिंदू धर्म की एकता की जो विशेष अनुभूति है, उसके भाव जो हैं वो सभी लोगों तक पहुंचे। इसके लिए कई प्रकार के प्रयास हो रहे। आंबेकर ने आगे कहा कि हम कोशिश कर रहे कि साधु-संतों की यात्राएं समाज के सभी वर्गों में जाए। बौद्धिक स्तर पर भी ये बातें सभी को समझाई जाए। युवाओं, युवतियों के बीच भी इस मुद्दे को ले जाएं। इसके लिए प्रयास कई सारे संगठन कर रहे हैं। यह लगातार किया जा रहा। उन्होंने कहा कि संघ का मानना है समाज को इस चुनौती का सामना करने के लिए एकजुट होना चाहिए। धर्मांतरण के खिलाफ संघर्ष केवल हिंदू धर्म की रक्षा के बारे में नहीं है, बल्कि भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय पहचान की रक्षा के बारे में भी है। सुनील आंबेकर का यह बयान ऐसे समय में आया है जब राजस्थान सरकार एक नया बिल लाने का प्लान कर रही। राजस्थान गैरकानूनी धार्मिक रूपांतरण निषेध विधेयक, 2025 नाम से सख्त वर्जन भजनलाल सरकार पेश करने की तैयारी कर रही है। यह विधेयक आगामी विधानसभा सत्र में पेश किया जाएगा।

भजनलाल शर्मा मंत्रिमंडल ने पहले ही इस बिल में कुछ बदलावों को मंजूरी दे दी है। इससे प्रस्तावित कानून और भी सख्त हो जाएगा। राजस्थान सरकार की ओर से इस बिल के ड्राफ्ट में कई बातों का जिक्र है। इसके मुताबिक, कोई व्यक्ति जबरदस्ती धर्म परिवर्तन का दोषी पाया जाता है, तो उसे सात से 14 साल तक की कैद और 5 लाख रुपये तक का जुर्माना हो सकता है।

कुछ ही हफ्तों में 11,440 करोड रुपये की कमाई

खूब पैसा छाप रहीं ट्रंप की क्रिप्टो कंपनियां, ट्रंप टावर हुई 'ध्वस्त'

नई दिल्ली, 8 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बड़े कारोबारी भी हैं। उनका कारोबार रियल एस्टेट से लेकर क्रिप्टो करेंसी तक में फैला है। कभी क्रिप्टो करेंसी का विरोध करने वाले ट्रंप अब इसके बड़े समर्थक हो गए हैं। स्थिति यह है कि ट्रंप की क्रिप्टो कंपनियां खूब पैसा छाप रही हैं। ट्रंप की दो कंपनियों ने कुछ ही हफ्तों में 1.3 अरब डॉलर (करीब 11,440 करोड़ रुपये) की कमाई कर ली है।

ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के अनुसार, अब ट्रंप की कुल संपत्ति 7.7 अरब डॉलर है।

बेटे संभाल रहे क्रिप्टो का कारोबार

ट्रंप की दोनों क्रिप्टो कंपनियों का नाम वर्ल्ड लिबर्टी फाइनेंशियल और अमेरिकन बिटकॉइन कॉर्प हैं। ट्रंप के सबसे बड़े बेटे (डोनाल्ड जूनियर और एरिक) ट्रंप ऑर्गनाइजेशन में एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट हैं। वे अब परिवार के क्रिप्टो पोर्टफोलियो को संभाल रहे हैं।

वर्ल्ड लिबर्टी को ट्रंप के सबसे छोटे बेटे बैरन ने भी शुरू किया था। दोनों कंपनियां एक साल से भी कम पुरानी है।

परिवार की कितनी हुई संपत्ति?

ट्रंप की क्रिप्टो कंपनी ने 1 सितंबर से अपना टोकन बेचना शुरू किया। इसने एएलटी5 सिग्मा नाम की एक पब्लिक कंपनी के साथ टोकन जमा करने का समझौता किया। इससे परिवार की संपत्ति में लगभग 670 मिलियन डॉलर और जुड़ गए। ब्लूमबर्ग के वेल्थ इंडेक्स में क्रिप्टो एसेट्स को परिवार की संपत्ति में गिना गया है। इसमें लगभग 4 अरब डॉलर के लॉक्ड टोकन शामिल नहीं हैं। एरिक ट्रंप की अमेरिकन बिटकॉइन में हिस्सेदारी है। इसे वर्चुअल एसेट्स माइनिंग के लिए मार्च में शुरू किया गया था। 3 सितंबर को जब इसकी ट्रेडिंग शुरू हुई, तो इसकी कीमत 500 मिलियन डॉलर से ज्यादा थी।

ट्रंप टावर हुई 'ध्वस्त'

ट्रंप की क्रिप्टो कंपनियों से कमाई उनके गोल्फ और रिसॉर्ट जैसे पुराने प्रॉपर्टी से भी ज्यादा है। ट्रंप की 'ट्रंप टावर' नाम से भारत समेत कई देशों में रेजिडेंशियल इमारते हैं। भारत में गुड़गांव, पुणे आदि शहरों में ट्रंप टावर हैं जहां काफी लोग रहते हैं। इनमें ट्रंप की कंपनियों की भी कुछ हिस्सेदारी होती है। लेकिन ट्रंप का अब रियल एस्टेट कारोबार बहुत अच्छा नहीं चल रहा है। ट्रंप टावर और मार-ए-लागो जैसी प्रॉपर्टी अब तेजी से पैसा कमाने का जरिया नहीं रहीं।

'भारत दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने के लिए तैयार': उद्योग मंत्री पीयूष गोयल

नई दिल्ली, 8 सितंबर (एजेंसियां)। भारत दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने के लिए तैयार है। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने यह दावा किया है। उन्होंने कहा कि आने वाले दो से ढाई वर्षों में भारत यह उपलब्धि हासिल करने वाला है। गोयल ने एक दशक पहले दुनिया की सबसे कमजोर अर्थव्यवस्थाओं में से एक से लेकर अब शीर्ष पांच में शामिल होने तक के भारत के सफर पर प्रकाश डाला।

भारत का 2014 से प्रगति का सफर

विज्ञान भवन में इंजीनियरिंग निर्यात संवर्धन परिषद (ईईपीसी) के प्लेटिनम जयंती समारोह में बोलते हुए गोयल ने कहा कि भारत 2014 में दुनिया की पांच सबसे कमजोर अर्थव्यवस्थाओं में से एक से आगे बढ़कर 2025 में शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में से एक बन गया है। आने वाले दो-ढाई वर्षों में, भारत दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में से एक बन जाएगा।

भारत ने 7.8 प्रतिशत की जीडीपी का रिकॉर्ड बनाया

मंत्री ने हालिया आर्थिक प्रदर्शन का जिक्र करते हुए कहा कि पिछली तिमाही में भारत की जीडीपी में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिसे उन्होंने एक रिकॉर्ड बताया। उन्होंने यह भी अनुमान लगाया कि 2047 तक भारत 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

जीएसटी सुधार से देश और आम आदमी को मिलेगा लाभ

गोयल ने नए अवसर पैदा करने के लिए वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) जैसे सुधारों को श्रेय दिया। उन्होंने कहा कि जीएसटी सुधार बहुत व्यापक है। सरलीकरण और दरों में कटौती से देश की अर्थव्यवस्था और भी आगे बढ़ेगी। नए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। लोग ज्यादा खर्च करेंगे। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि जीएसटी दरों में कटौती का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचे।

इंजीनियरिंग निर्यात 116 अरब डॉलर तक पहुंचा

ईईपीसी के बारे में बोलते हुए, मंत्री ने देश की विकास गाथा में इंजीनियरिंग निर्यात की भूमिका की ओर इशारा किया। गोयल ने कहा कि 1970 में, ईईपीसी ने 1 करोड़ डॉलर मूल्य का माल निर्यात किया था।

उतार-चढ़ाव के बाद हरे निशान पर बंद हुआ बाजार

सेंसेक्स 76 अंक चढ़ा, निफ्टी 24700 के पार

नई दिल्ली, 8 सितंबर (एजेंसियां)।अमेरिकी फेड की ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद के बीच मजबूत वैश्विक रुझानों के चलते शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन यानी सोमवार को उतार-चढ़ाव के बाद भारतीय बाजार हरे निशान पर बंद हुआ। कारोबार के अंतिम घंटे में निवेशकों की मुनाफावसूली के बावजूद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 76.54 अंक या 0.09 प्रतिशत उछलकर 80,787.30 अंक पर बंद हुआ। ऑटो, तेल और निजी बैंक शेयरों में तेजी के चलते सेंसेक्स बढ़त के साथ खुला और बाद में 460.62 अंक या 0.57 प्रतिशत की बढ़त के साथ 81,171.38 के उच्च स्तर पर पहुंच गया। हालांकि, आईटी और एफएमसीजी शेयरों में बिकवाली ने अंत में बढ़त को कम कर दिया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 32.15 अंक या 0.13 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,773.15 पर आ गया। सेंसेक्स की कंपनियों में टाटा मोटर्स में सबसे ज़्यादा 3.97 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। महिंद्रा एंड महिंद्रा में 3.96 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। मारुति, अडानी पोर्ट्स, बजाज फाइनेंस और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर भी लाभ में रहे। वहीं ट्रेंट में 3.81 प्रतिशत की गिरावट आई। एशियन पेंट्स, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, एलएंडटी, टीसीएस, पावर ग्रिड और सन फार्मा भी गिरावट में रहे।जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि घरेलू बाजार अपनी शुरुआती बढ़त बरकरार नहीं रख पाया क्योंकि सत्र के आखिर में हुई बिकवाली ने गिरावट पर खरीदारी, तेजी पर बिक्री की प्रचलित रणनीति को प्रतिबिंबित किया। इससे निवेशक सतर्क दिखे। जीएसटी दरों में कटौती के बाद मांग में सुधार की उम्मीद में ऑटो और सहायक कंपनियों के शेयरों में तेजी जारी रही, जबकि वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच आईटी कमजोर रहा। उन्होंने कहा कि अमेरिका में नौकरियों के नरम आंकड़ों से सितंबर में फेड द्वारा ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद बढ़ने के बाद वैश्विक स्तर पर धारणा में सुधार हुआ है। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक, शंघाई का एसएसई कम्पोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंगसेंग सकारात्मक दायरे में बंद हुए। यूरोप के बाजार बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। शुक्रवार को अमेरिकी बाजार गिरावट के साथ बंद हुए।अगस्त की गैर-कृषि वेतन रिपोर्ट से पता चला कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था में केवल 22,000 नौकरियां जुड़ीं। वहीं बेरोजगारी दर 4.2 प्रतिशत से बढ़कर 4.3 प्रतिशत हो गई।

अमेरिका की आंखों में चुभ रहे भारत और चीन

इस अधिकारी ने कर दी हद पार, कहा– ज्यादा टैरिफ लगाओ

नई दिल्ली, 8 सितंबर (एजेंसियां)। इस समय अमेरिका को भारत और चीन अच्छे नहीं लग रहे हैं। आए दिन कोई न कोई अमेरिकी अधिकारी भारत को लेकर गलत बयानबाजी कर रहा है। अब इस बयानबाजी में अमेरिका के ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेन्ट भी कूद गए हैं। उन्होंने भारत और चीन पर रूस के यूक्रेन युद्ध में मदद करने का आरोप लगाया है। उन्होंने रूस के साथ व्यापार करने वाले देशों पर और अधिक प्रतिबंध लगाने की बात कही है। उनका कहना है कि ऐसे देशों पर सेकंडरी टैरिफ लगाए जाने चाहिए।

ट्रंप प्रशासन पर दबाव डालने को कहा

ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेन्ट ने कहा कि ट्रंप प्रशासन और यूरोप को रूस पर और अधिक आर्थिक दबाव डालना चाहिए। ऐसा करने से राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन के साथ शांति वार्ता करने के लिए मजबूर हो सकते हैं। बेसेन्ट ने हाल ही में भारत और चीन को रूसी तेल खरीदने पर बुतुकी बयानबाजी की थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि ये देश यूक्रेन में रूस के युद्ध का समर्थन कर रहे हैं। अब उन्होंने मॉस्को के साथ व्यापार करने वाले देशों पर और अधिक प्रतिबंध लगाने की मांग की है।

पुतिन के पीछे क्यों पड़े हैं बेसेन्ट?

न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के अनुसार, बेसेन्ट ने एनबीसी के 'मीट द प्रेस' में कहा, 'अगर अमेरिका और ईयू मिलकर रूस के तेल खरीदने वाले देशों पर और अधिक प्रतिबंध लगाते हैं, तो रूसी अर्थव्यवस्था पूरी तरह से चरमरा जाएगी। इससे राष्ट्रपति पुतिन बातचीत की टेबल पर आने को मजबूर हो जाएंगे।' बेसेन्ट ने कहा कि ट्रंप प्रशासन रूस पर दबाव बढ़ाने के लिए तैयार है।

भारत ने पश्चिमी देशों पर उठाए सवाल

भारत ने पश्चिमी देशों की पाखंडी नीति पर सवाल उठाया है। भारत का कहना है कि कई यूरोपीय देश भी रूस से बड़ी मात्रा में ऊर्जा खरीदते हैं, लेकिन उन्हें इस तरह के प्रतिबंधों से छूट दी गई है।

क्यों भड़के बेसेन्ट?

बेसेन्ट की यह टिप्पणी डोनाल्ड ट्रंप और व्लादिमीर पुतिन के बीच अलास्का में हुई उच्च स्तरीय शिखर बैठक के कुछ हफ्तों बाद आई है। इस बैठक में यूक्रेन में युद्ध को समाप्त करने या रोकने के लिए कोई समझौता नहीं हो सका। यह युद्ध 1945 के बाद यूरोप का सबसे घातक संघर्ष है और अब अपने चौथे वर्ष में है। बेसेन्ट ने आगे कहा, 'हमें अपने यूरोपीय सहयोगियों का साथ चाहिए। क्योंकि अगर अमेरिका और ईयू मिलकर ऐसा करते हैं, तो यह एक तरह की रेस होगी कि यूक्रेनी सेना और रूसी अर्थव्यवस्था कब तक टिकी रहती है।' बता दें कि ट्रंप यूक्रेन में संघर्ष को रोकने में अपनी विफलता से निराश हैं। उन्होंने पहले वादा किया था कि वे दूसरी बार जनवरी में पद संभालने के बाद जल्दी ही युद्ध को खत्म कर देंगे। लेकिन वे अभी तक ऐसा नहीं कर पाए हैं।

अमेरिकी टैरिफ से कपड़ों के निर्यात में नौ फीसदी तक आ सकती है गिरावट,आईसीआरए की रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली, 8 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी टैरिफ से वित्त वर्ष 2026 में परिधान निर्यात में छह से नौ प्रतिशत की कमी आने की संभावना है। आईसीआरए की रिपोर्ट में दावा किया गया है। रिपोर्ट में भारत के परिधान निर्यात परिदृश्य को स्थिर से संशोधित कर नकारात्मक कर दिया है। आईसीआरए ने कहा कि वित्त वर्ष 2026 में निर्यात में कमी और अनुबंध उद्योग के परिचालन मार्जिन पर मूल्य निर्धारण का दबाव 200-300 आधार अंकों तक बढ़ सकता है। अमेरिकी बाजार पर अधिक ध्यान केंद्रित करने वाली संस्थाओं पर इसका प्रभाव अधिक हो सकता है।रिपोर्ट के अनुसार अगर हाल ही में लगाए गए टैरिफ जारी रहते हैं, तो यूके के साथ मुक्त व्यापार समझौते से समर्थन और अन्य भौगोलिक क्षेत्रों में आपूर्ति को मोड़ने के बावजूद, वित्त वर्ष 2026 में परिधान निर्यातकों का राजस्व 6-9 प्रतिशत तक गिर सकता है। एजेंसी ने यह भी अनुमान लगाया है कि वित्त वर्ष 2025 में परिचालन लाभ मार्जिन 10 प्रतिशत से घटकर वित्त वर्ष 2026 में लगभग 7.5 प्रतिशत रह जाएगा। इसमें कहा गया कि वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में कमजोर परिचालन प्रदर्शन से परिचालन क्षमता कम होने की उम्मीद है। कम आय

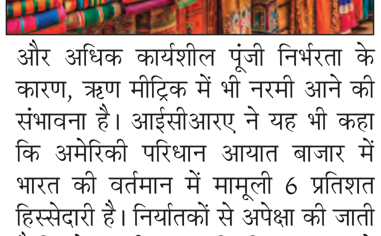

और अधिक कार्यशील पूंजी निर्भरता के कारण, ऋण मीट्रिक में भी नरमी आने की संभावना है। आईसीआरए ने यह भी कहा कि अमेरिकी परिधान आयात बाजार में भारत की वर्तमान में मामूली 6 प्रतिशत हिस्सेदारी है। निर्यातकों से अपेक्षा की जाती है कि वे अपनी बाजार स्थिति बनाए रखने के लिए कड़ी मेहनत करें, क्योंकि हिस्सेदारी खोने से सुधार मुश्किल हो सकता है। टैरिफ का प्रभाव उत्पाद श्रेणियों के आधार पर अलग-अलग होगा। कुछ के लिए, विनिर्माण क्षमताओं में अंतर और क्षमता निर्माण में लगने वाले समय के कारण, अमेरिकी ऑर्डरों को कम टैरिफ वाले देशों में तुरंत स्थानांतरित करना संभव नहीं हो सकता है। स्थिर मुद्रा के संदर्भ में, पिछले पांच वर्षों में भारत का परिधान निर्यात मोटे तौर पर स्थिर रहा है। इसका कारण प्रमुख बाजारों में मांग में कमी और बांग्लादेश व वियतनाम की ओर स्रोत का स्थानांतरण है। इससे ब्रिटेन और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों से निर्यात में कमी आई है।

सोना-चांदी के दाम ऑल टाइम हाई पर

गोल्ड 974 बढ़कर 1.07 लाख प्रति 10 ग्राम हुआ, इस साल 31,000 बढ़ा, चांदी 1.23 लाख के पार

नई दिल्ली, 8 सितंबर (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम आज यानी 8 सितंबर को ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए हैं। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार आज सोना 974 रुपए बढ़कर 1,07,312 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। इससे पहले सोना 1,06,338 रुपए पर था। वहीं चांदी 198 रुपए बढ़कर 1,23,368 रुपए प्रति किलो हो गई है। इससे पहले इसकी कीमत 1,23,170 रुपए थी।

शहर	10 ग्राम 24 कैरेट	10 ग्राम 22 कैरेट
जयपुर	₹1,08,530	₹99,500
इंदौर	₹1,08,410	₹99,400
पटना	₹1,08,770	₹99,700
लखनऊ	₹1,08,530	₹99,500
कानपुर	₹1,08,530	₹99,500
रायपुर	₹1,08,770	₹99,700
अहमदाबाद	₹1,08,410	₹99,400
हैदराबाद	₹1,08,770	₹99,700

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

...2082

उत्तर - गुड खाकर घर से निकले

द्वितीया 18-29 तक उपरान्त तृतीया

आश्विन कृष्ण ,मंगलवार 09 September

उ.भाद्रपद 18-07 तक उपरान्त रेवती

गण्ड 23-58 तक वृद्धि

तैतिल 07-52 तक उप गर

आज द्वितीया का श्राद्ध

कल तृतीया,चौथ का श्राद्ध

04-32 बजे, 06-38 बजे, 08-44 बजे, 10-53 बजे, 13-07 बजे, 15-14 बजे, 17-04 बजे, 18-46 बजे, 20-22 बजे, 22-07 बजे, 00-08 बजे, 02-19 बजे

राहुकाल 15-18 से 16-50 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया	रात का चौघड़िया
रोग 06-06 - 07-37 अशुभ	काल 18-23 - 19-50 अशुभ
उत्पात 07-37 - 09-09 अशुभ	लाभ 19-50 - 21-18 शुभ
चंचल 09-09 - 10-41 शुभ	उत्पात 21-18 - 22-45 अशुभ
लाभ 10-41 - 12-13 शुभ	शुभ 22-45 - 00-13 शुभ
अमृत 12-13 - 13-45 शुभ	अमृत. 00-13 - 01-41 शुभ
काल 13-45 - 15-18 अशुभ	चंचल 01-41 - 03-09 शुभ
शुभ 15-18 - 16-50 शुभ	रोग 03-09 - 04-37 अशुभ
रोग 16-50 - 18-23 अशुभ	काल 04-37 - 06-06 अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो,ला, ली, लू, ले, लो, अ,) — आज आप एक दार्शनिक मुद्रा में रहेंगे और गहरी सोच वाली ऐसी किसी भी नौकरी में आज आप सफलता को छुएंगे । शिक्षकों, वकीलों, दार्शनिकों, प्रचारकों और राजनेताओ के लिए आज का दिन बहुत अच्छा रहेगा । लेकिन आपको सांसारिक एवं जीवन के गहरे सवालों के बीच ध्यान देने की जरूरत है।

वृष (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो) — आप समय के महत्व को जानते हैं और आप आज एक लक्ष्य को पूरा करने की दिशा में काम करेंगे। आप सही रास्ते पर हैं। कड़ी मेहनत करे , सफलता आप से दूर नहीं है। आपकी वित्तीय स्थिति स्थिर है और इसलिए आप व्यापार और शेयरों में कुछ जोखिम ले सकते हैं । आय के नए अवसर आज दिखाई दे सकते हैं।

मिथुन (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,) — आपके कार्य क्षेत्र या करियर में परिवर्तन आने के संकेत हैं। अगर आप अपनी नौकरी बदलने के बारे में सोच रहे है, तो आज आपके अंतिम कदम उठाने की संभावना है। हो सकता है की आप अपना प्रशिक्षण संस्थान भी खोले जो की आप लंबे समय से करना चाहते थे । इस प्रक्रिया में, आपको कुछ जोखिम भी लेने पड़ सकते है , पर ये भविष्य में आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकते है ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,) — सौहार्द और सार्वभौमिक जयकार का माहौल आज आपके कार्यस्थल में रहेगा और आप जिस कार्य को करने में आम तौर पर नफरत करते है उसे आप आनंद के साथ करेंगे । आज आप अपने कार्य के लिए नए उत्साह एवं ऊर्जा पाएंगे और अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए अपने सहयोगियों से सक्रिय समर्थन की प्राप्ति होने की भी संभावना प्रबल है।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,) — ये समय अपनी प्रतिभा पर ध्यान केंद्रित करने और अपनी कमजोरियों के बारे में चिंता न करने का है । यह आप के लिए जीत का युग है ! आप अपनी रणनीति के साथ दृढ़ हैं और अपने शब्दों के साथ अत्यंत सटीक रहेंगे । आपको पैतृक संपत्ति से या अपने अतीत के निवेश से कुछ अप्रत्याशित धन प्राप्त हो सकता है।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — आज आपके सितारे आपके कार्यस्थल पर प्यार की और संकेत कर रहे है । अत्यंत सावधान रहें। एक गुप्त काम आपके और आपके साथी के बीच दरार पैदा कर सकता है। आप अपने साथी को गोपनीयता के कारणों को समझाने की कोशिश करे और वे आप का समर्थन करेंगे ! आपका वित्त बढ़ेगा और उसमे संतुलन रहेगा।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,) — शिक्षण, लेखन, पत्रकारिता और साहित्य में लगे हुए लोग आज अपने कैरियर में बड़ी सफलता का आनंद ले सकते हैं और आपको अपनी उपलब्धियों के लिए सम्मानित भी किया जा सकता है। आज का दिन शैक्षिक संस्थानों और निर्माण के कारोबार में निवेश के लिए उपयुक्त है। सामान्य रूप से आपको पिछले कुछ दिनों के तनाव को पीछे छोड़ कर एक शांत दिन का आनंद मिलेगा ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,) — अगर आप इसे बारे में सतर्क और जागरूक रहे की दूसरे क्या कर रहे हैं , तो आप अपने व्यक्तिगत काम में बेहतर तरीके से सुधार कर सकते हैं। उनकी चिंताओं को समझने की कोशिश करे और एक तारतम्य स्थापित करे की आप क्या चाहते है और उन्हें क्या चाहिए । अतीत में की गई निवेश की गलतियाँ का भुगतान अब आपको करना पड़ सकता है।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे) — आपका दिन शांत, केंद्रित काम के अनुकूल हो सकता है, जहाँ धैर्य से काम आता है। रचनात्मक या विचारशील कार्यों का मार्गदर्शन करने के लिए अपने अंतर्ज्ञान पर भरोसा करें, लेकिन ध्यान भटकाने वाली चीज़ों या अवास्तविक लक्ष्यों से बचने के लिए सतर्क रहें। अपनी कल्पनाशील प्रवृत्ति को अपनाने से प्रेरणा मिल सकती है।

मकर (भो, ज, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी) — आपके करियर को आत्मविश्वास और दयालुता के मिश्रण से लाभ मिलता है। आप दूसरों की ज़रूरतों के प्रति जागरूक रहते हुए दैनिक कार्यों में सबसे आगे रहते हैं। सहायक व्यक्ति, विशेष रूप से महिलाएँ, आज महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। विचारशील संचार सहकर्मियों के साथ मजबूत, स्थायी बंधन बनाने में मदद करता है, जिससे सकारात्मक और संतुलित कार्य वातावरण बनता है।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा) — आज एक नई नौकरी की पेशकश आपके रास्ते में आने की संभावना है। सार्वजनिक क्षेत्र में काम करने वाले लोगों के लिए विशेष रूप से अच्छे अवसर है । आप अपनी नौकरी बदलने के बारे मैं नहीं सोच रहे है और हो सकता है की मौजूदा नौकरी में आप संतुष्ट हो , लेकिन नई नौकरी बेजोड़ अवसरों को अपने साथ लाएगी ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची) — स्पष्ट सोच और योजना से आपका काम और पढ़ाई बेहतर होती है। आत्मविश्वास आपको खुद को अच्छी तरह से व्यक्त करने में मदद करता है, जबकि एक स्थिर मानसिकता प्रगति की ओर ले जाती है। रचनात्मक विचार आसानी से आते हैं, और आपका समय बिल्कुल सही लगता है।

श्री पंचांगुली ज्योतिष केन्द्र

क्या है 'सिन गुड्स', जिस पर सबसे ज्यादा टैक्स लगाती है सरकार

नई दिल्ली, 8 सितंबर (एजेंसियां)। आप जानते ही होंगे कि पिछले हफ्ते ही जीएसटी काउंसिल की 56वीं बैठक के दौरान टैक्स के नियमों में बड़ा बदलाव किया है। अगले 22 सितंबर से रोजमर्रा के इस्तेमाल की ज़्यादातर चीज़ें सस्ती हो जाएंगी। अब 12% और 18% के टैक्स स्लैब्स को खत्म कर दिया जाएगा। सिर्फ 5% और 18% के आसान टैक्स रेट लागू किए जाएंगे।

लेकिन काउंसिल की इसी बैठक में कुछ चीज़ों पर टैक्स बढ़ाने का फैसला किया गया है। इसे ' सिन गुड्स ' और लग्जरी आइटम के रूप में पारिभाषित किया गया है। इन वस्तुओं पर अब 40% का नया टैक्स लगेगा।

क्या होता है 'सिन गुड्स'

अक्सर आप पढ़ते या सुनते होंगे 'सिन गुड्स' । आपको पता है कि यह क्या होता है? दरअसल, 'सिन गुड्स' वो चीज़ें हैं जो सेहत और समाज के लिए बुरी मानी जाती हैं। जैसे तम्बाकू, गुटखा, पान मसाला और शराब। सरकार इन पर ज़्यादा टैक्स लगाती है। इससे लोग इनका इस्तेमाल कम करें। और जो पैसा मिले, उसे लोगों के भले के लिए इस्तेमाल किया जाए। अपने देश में 'सिन गुड्स' पर हमेशा से ज़्यादा टैक्स लगता रहा है। पहले इन पर 28% जीएसटी और एक अलग से कंपनसेशन सेस लगता था। अब सेस को हटा दिया गया है। इसलिए अब इन सभी को मिलाकर 40% का जीएसटी लगेगा।

किन चीज़ों पर लगेगा 40% जीएसटी?

जीएसटी काउंसिल की पिछली बैठक में 'सिन गुड्स' का एक नया टैक्स स्लैब बनाया गया है जो कि 40% का है। इस दर से जीएसटी लग्जरी आइटम और सेहत के लिए हानिकारक चीज़ों या 'सिन गुड्स' पर लगेगा। इस श्रेणी में शामिल कुछ मुख्य चीज़ें इस प्रकार हैं:

लग्जरी व्हीकल एवं ट्रांसपोर्ट

1,200 cc से ज़्यादा क्षमता की इंजन वाली पेट्रोल कारें।

1,500 cc से ज़्यादा क्षमता की इंजन वाली डीज़ल कारें।

350 cc से ज़्यादा क्षमता की मोटरसाइकिलें।

पैसेंजर ट्रांसपोर्ट के लिए डिजाइन की गई हाई-इंड कारें, जैसे स्टेशन वैगन और रेसिंग कारें।

प्राइवेट हवाई जहाज और हेलीकॉप्टर।

याच और दूसरे लीजर वेसल्स।

हथियार

रिवाल्वर और पिस्तौल।

तम्बाकू और उससे जुड़ी चीज़ें

पान मसाला, गुटखा, बीड़ी और सभी तम्बाकू उत्पाद।

बिना प्रोसेस किया हुआ तम्बाकू और तम्बाकू का चूरा (पत्तियों को छोड़कर)।

स्मोकिंग पाइप और सिगार/सिगरेट होल्डर।

पेय पदार्थ

एरेटेड ड्रिंक्स जिनमें चीनी या स्वीटनर मिला हो।

कैफीन वाले पेय पदार्थ।

कार्बोनेटेड फ्रूट ड्रिंक्स या फ्रूट-बेस्ड कार्बोनेटेड ड्रिंक्स।

दूसरे नॉन-अल्कोहलिक पेय पदार्थ।

अन्य सेवाएं

ऑनलाइन जुआ और गेमिंग।

पहले क्या लगता था इन पर टैक्स

पहले इन चीज़ों पर 28% जीएसटी और कंपनसेशन सेस लगता था। जिससे टैक्स करीब 40% तक पहुंच जाता था। सरकार का कहना है कि अब 40% के नए स्लैब से टैक्स की दर सीधी और आसान हो गई है।

महंगाई में नरमी से सालाना आधार पर अगस्त में सस्ती हुई थाली : क्रिसिल की रिपोर्ट

नई दिल्ली, 8 सितंबर (एजेंसियां)। घर में पकाए गए शाकाहारी और मांसाहारी थालियों की लागत अगस्त में सालाना आधार पर क्रमश 7% और 8% की कमी आई। क्रिसिल इंटेलिजेंस की ताजा रोटी राइस रिपोर्ट (आरआरआर) में यह बात कही गई है। रिपोर्ट के अनुसार शाकाहारी थाली की लागत में गिरावट प्याज, आलू और दालों की कीमतों में भारी गिरावट के कारण हुई। वहीं आलू और प्याज की कीमतें क्रमशः 31% और 37% की सालाना दर से कमी आई। रिपोर्ट में आलू के उत्पादन की चुनौतियों का जिक्र करते हुए कहा गया कि एक साल पहले आलू का उत्पादन ब्लाइट इन्फेक्शन और मौसम में बदलाव के कारण 5-7% घट गया था। इससे कीमतों में इजाफा हो गया था। इस वर्ष उत्पादन में 3-5% की वृद्धि का अनुमान है। रिपोर्ट के अनुसार प्याज के सालाना उत्पादन में 18-20% का इजाफा होने के कारण इस वर्ष कीमतों में गिरावट आई है। दालों की कीमतों में साल-दर-साल 14% की गिरावट आई। ऐसा पिछले साल की तुलना में अधिक उत्पादन और स्टॉक का स्तर बढ़ने के कारण संभव हुआ। त्योहारी सीजन की शुरुआत में ज्यादा मांग के कारण वनस्पति तेल की कीमतों में साल-दर-साल 24% की वृद्धि हुई। हालांकि एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में सालाना आधार पर 6% की वृद्धि हुई। क्रिसिल ने तर्क दिया कि इसके कारण थालियों की कुल लागत में गिरावट को सीमित कर दिया। मांसाहारी थाली की लागत में गिरावट का कारण ब्रॉयलर चिकन की कीमतों में साल-दर-साल 10% की गिरावट के कारण आई। जो इसकी लागत का लगभग 50% है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है, सब्जियों

और दालों की कम कीमतों से भी इससे मदद मिली। हालांकि, मासिक आधार पर बात करतें तो अगस्त में शाकाहारी और मांसाहारी दोनों थालियों की कीमतों में क्रमशः 4% और 2% की वृद्धि हुई।रिपोर्ट में दावा किया गया कि साहारी थाली की कीमतों में वृद्धि सीमित रही क्योंकि सावन खत्म होने के बाद मांग में वृद्धि के बावजूद ब्रॉयलर की अधिक आपूर्ति बनी रही। इससे महीने-दर-महीने आधार पर कीमतों में स्थिरता दिखी। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) की ओर से मापी गई भारत की खुदरा मुद्रास्फीति, साल-दर-साल आधार पर जुलाई 2025 में तेजी से घटकर 1.55 प्रतिशत हो गई।

पितृ पक्षः जहां श्रद्धा बनती है ऊर्जा और आशीर्वाद बनता है भाग्य

योगेश गोयल

हिन्दू धर्म में पितृ पक्ष (श्राद्ध) को बहुत अहम माना गया है। श्राद्ध का अर्थ होता है 'श्रद्धापूर्वक'। हमारे संस्कारों और पूर्वजों के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने को ही श्राद्ध कहा जाता है। सरल शब्दों में कहें तो दिवंगत परिजनों को उनकी मृत्यु तिथि पर श्रद्धापूर्वक याद किया जाना जाना ही श्राद्ध है। हिन्दू पंचांग के अनुसार पितृपक्ष की शुरूआत 7 सितम्बर से हुई है और 21 सितम्बर को सर्व पितृ अमावस्या के दिन पितृपक्ष का समापन होगा। ब्रह्मपुराण के अनुसार उचित काल या स्थान पर पितरों के नाम जो भी वस्तु उचित विधि द्वारा श्रद्धापूर्वक ब्राह्मणों को दी जाए, वह श्राद्ध कहलाता है। पितृ पक्ष को हिन्दू धर्म में 'महालय' या 'कनागत' के नाम से भी जाना जाता है।

माना जाता है कि पितृ पक्ष के दौरान पिंडदान, तर्पण कर्म और ब्राह्मण को भोजन कराने से पूर्वज प्रसन्न होकर आशीर्वाद देते हैं। पितृ पक्ष में लोग अपने पूर्वजों को याद कर उनकी आत्मा की शांति के लिए श्राद्ध कर्म, पिंडदान और तर्पण करते हैं। दरअसल हिन्दू धर्म में मृत्यु के पश्चात पितरों की याद में श्राद्ध किया जाता है और उनकी मृत्यु की तिथि के अनुसार ही श्राद्ध की तिथि निर्धारित की जाती है। पिंडदान करने के लिए हरिद्वार और गया को सर्वोत्तम माना गया है। वैसे हिन्दू धर्म के अलावा ईसाई, इस्लाम और बौद्ध धर्म में भी अपने पूर्वजों को याद रखने की प्रथा है। पश्चिमी जगत में जहां पूर्वजों की स्मृति में मोमबत्तियां जलाने की प्रथा है, वहीं ईसाई धर्म में व्यक्ति के निधन के चालीस दिनों पश्चात सामूहिक भोज की रस्म की जाती है। इस्लाम में चालीस दिनों बाद कब्र पर फातिहा पढ़ने और बौद्ध धर्म में भी पूर्वजों की याद में कुछ ऐसे ही प्रावधान देखने को मिलते हैं।

हिन्दू धर्म में मान्यता है कि पितृ पक्ष के दिनों में यमराज आत्मा को मुक्त कर देते हैं ताकि वे अपने परिजनों के यहां जाकर तर्पण ग्रहण कर सकें। ऐसी ही मान्यताओं के अनुसार पितृ पक्ष के दिनों में पितर नीचे पृथ्वी पर आते हैं और बिना किसी आव्हान के अपने वंशजों के घर किसी भी रूप में जाते हैं। ऐसे में यदि उन्हें तृप्त नहीं किया जाए तो उनकी आत्मा नाराज होकर अतृप्त लौट जाती है। माना गया है कि यदि पितर नाराज हो जाएं तो जिंदगी मुसीबतों से भर जाती है। इसलिए शास्त्रों में पितरों का श्राद्ध विधिपूर्वक करना जरूरी बताया गया है। मान्यता है कि यदि पितर खुशी-खुशी वापस जाते हैं तो अपने वंशजों को दिए गए उनके आशीर्वाद से घर-परिवार में सुख-समृद्धि में बढ़ोतरी होती है। पितृ पक्ष के दौरान शुभ और मांगलिक कार्य वर्जित रहते हैं। पितृ पक्ष में सगाई, विवाह, मुंडन, गृहप्रवेश, परिवार के लिए महत्वपूर्ण चीजों की खरीददारी, नए कपड़े खरीदना, कोई नया कार्य शुरू करना इत्यादि कोई भी शुभ कार्य करना अच्छा नहीं माना जाता। जिंदगी में सफलता के लिए मेहनत, किस्मत, ईश्वरीय कृपा के साथ-साथ पूर्वजों का आशीर्वाद भी बेहद जरूरी होता है और धर्म एवं ज्योतिष शास्त्र के अनुसार पूर्वजों को सम्मान देने से वे प्रसन्न होते हैं तथा पूरे परिवार पर कृपा करते हैं। इसीलिए हमारे दिवंगत परिजनों की आत्मा की शांति के लिए पितृ पक्ष में तर्पण-श्राद्ध किया जाता है। पितृ पक्ष में पितरों को जल देने की विधि को तर्पण कहा जाता है।

ज्योतिष शास्त्र में पितृ दोष को अशुभ फल देने वाला माना गया है और शास्त्रों के अनुसार पितृ पक्ष में पितरों का तर्पण करने से पितृ दोष से आने वाली परेशानियां दूर होती हैं तथा पितरों का आशीर्वाद मिलता है। देव ऋण, ऋषि ऋण तथा पितृ ऋण का हिन्दू धर्म में विशेष महत्व है और पितृ पक्ष में माता-पिता के प्रति तर्पण करके श्रद्धा व्यक्त की जाती है क्योंकि पितृ ऋण से मुक्त हुए बिना जीवन निरर्थक माना जाता है। सनातन धर्म के अनुसार देव ऋण, ऋषि ऋण और पितृ ऋण से मुक्ति पाए बिना व्यक्ति का पूर्ण कल्याण होना असंभव है। ऋषि ऋण से स्वाध्याय के जरिये, देवऋण से यज्ञ के जरिये और पितृ ऋण से श्राद्ध तथा तर्पण द्वारा मुक्ति प्राप्त हो सकती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार श्राद्ध पक्ष में पितरों से संबंधित कार्य करने से पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। महर्षि वेद व्यास के अनुसार जो व्यक्ति श्राद्ध द्वारा अपने पितरों को संतुष्ट करता है, वह पितृ ऋण से मुक्त होकर ब्रह्मलोक को जाता है।

महर्षि जाबालि के अनुसार अपने पितरों का श्राद्ध करने वाले व्यक्ति को पुत्र, आयु, आरोग्य, ऐश्वर्य और इच्छित फल की प्राप्ति होती है। श्राद्ध पक्ष के दौरान दिन में सोना, असत्य भाषण, रति क्रिया, सिर और शरीर पर तेल, साबुन, इत्र आदि लगाना, मदिरापान करना, लड़ाई-झगड़ा, वाद-विवाद, अनैतिक कृत्य तथा किसी भी जीवधारी को कष्ट पहुंचाना निषेध माना गया है। पितृपक्ष को लक्ष्मी और ज्ञान की साधना के लिए उत्तम काल माना गया है।

माता सीता का श्राप और पिंडदान की पवित्रता

गया में पिंडदान का क्या है महत्व?

भारत में पितरों के उद्धार और श्राद्ध कर्म के लिए अनेक तीर्थस्थल बताए गए हैं, लेकिन उनमें सबसे विशेष स्थान गया का है। फल्गु नदी के तट पर बसे इस पावन शहर को मोक्षस्थली कहा जाता है। मान्यता है कि यहां पिंडदान करने से 108 कुल और सात पीढ़ियों का उद्धार होता है और उन्हें मोक्ष प्राप्त होता है। यही कारण है कि पितृपक्ष के दौरान हर वर्ष लाखों श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं। गया का उल्लेख वायु पुराण, गरुड़ पुराण और विष्णु पुराण में मिलता है। माना जाता है कि यहां पिंडदान करने से पितरों की आत्मा जन्म-मरण के बंधन से मुक्त हो जाती है।

गयासुर ने ब्रह्माजी से मांगा वरदान

रामायण के अनुसार, भगवान राम और माता सीता ने यहीं फल्गु नदी के तट पर राजा दशरथ का पिंडदान किया था। महाभारत काल में भी पांडवों ने गया आकर अपने पूर्वजों का श्राद्ध कर्म संपन्न किया था। गया नगरी की उत्पत्ति से जुड़ी कथा भी उतनी ही रोचक है। कहा जाता है कि यहां गयासुर नामक असुर ने तपस्या कर ब्रह्माजी से वरदान मांगा कि उसका शरीर इतना पवित्र हो जाए कि उसके दर्शन मात्र से लोग पापमुक्त हो जाएं। धीरे-धीरे लोग पाप कर उसके दर्शन से मुक्त होने लगे। इससे स्वर्ग-नरक का संतुलन बिगड़ गया।

इस तरह बनी गया नगरी

परेशान देवताओं ने भगवान विष्णु से मदद मांगी। इसके बाद, भगवान विष्णु ने गयासुर से यज्ञ के लिए शरीर मांगा। गयासुर ने सहर्ष स्वीकार किया। यज्ञ पूर्ण होने के बाद विष्णु ने उसे मोक्ष देते हुए आशीर्वाद दिया कि जहां-जहां उसका शरीर फैलेगा, वह स्थान पवित्र होगा और वहां पिंडदान करने से पितरों को मोक्ष मिलेगा। मान्यता है कि आज की गया नगरी गयासुर के शरीर के पत्थर रूप में फैलने से ही बनी।

माता सीता ने किया पिंडदान

प्रभु राम के वनवास काल में जब राजा दशरथ का देहांत हुआ, तो श्रीराम, लक्ष्मण और माता सीता पितृपक्ष के दौरान गया पहुंचे। राम और लक्ष्मण श्राद्ध सामग्री लेने नगर गए और माता सीता अकेली फल्गु नदी तट पर बैठ रहीं। इसी दौरान दशरथ की आत्मा प्रकट हुई और पिंडदान की प्रार्थना की। पहले तो सीता ने कहा कि पुत्रों के रहते हुए पुत्रवधु पिंडदान कैसे कर सकती है, लेकिन दशरथ ने बताया कि नियमों के अनुसार पुत्रवधु भी श्राद्ध कर सकती है। शुभ मुहूर्त बीतता देख माता सीता ने पिंडदान कर दिया।

माता सीता ने दिया श्राप

कहा जाता है कि सीता जी के पास कुछ नहीं था, इसी कारण उन्होंने नदी से बालू निकालकर पिंड दान किया था। इसके बाद से अभी भी फल्गु नदी के तट पर बालू से पिंड दान किया जाता है। पिंडदान के समय सीता ने फल्गु नदी, गाय, केतकी फूल और वटवृक्ष को साक्षी बनाया। लेकिन, जब राम और लक्ष्मण लौटे तो सीता की बात पर विश्वास न कर पाए। सीता ने गवाह बुलाए तो तीन ने झूठ बोला, फल्गु नदी, गाय और केतकी फूल। केवल वटवृक्ष ने सच बोला। इसके बाद माता सीता क्रोधित हो गईं और तीनों को श्राप दिया।

आज भी दिखता है श्राप का प्रमाण

उन्होंने फल्गु नदी को श्राप दिया कि उसका जल सूख जाएगा। गाय को पवित्र होकर भी मनुष्यों की जूठन खाने का श्राप दिया और केतकी के फूल को श्राप दिया कि वह किसी भी देवी-देवता की पूजा में नहीं चढ़ाया जाएगा। वहीं, सत्य बोलने वाले वटवृक्ष को उन्होंने दीर्घायु होने का वरदान दिया। माता सीता के श्राप के प्रमाण आज भी दिखते हैं। फल्गु नदी में जल नहीं है, पिंडदान रेत से होता है, गाय पूजनीय है लेकिन जूठन खाती है और केतकी का फूल पूजा में नहीं चढ़ता।

मोक्षस्थली है गया

हर साल पितृपक्ष के दौरान गया में विशाल मेला लगता है। लाखों श्रद्धालु यहां पिंडदान और तर्पण के लिए जुटते हैं। यह स्थल केवल हिंदुओं के लिए ही नहीं, बल्कि बौद्ध धर्मावलंबियों के लिए भी पवित्र है। समीप स्थित बोधगया वह स्थान है, जहां भगवान बुद्ध ने ज्ञान की प्राप्ति की थी। इस कारण गया न केवल मोक्षस्थली है बल्कि धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहर का केंद्र भी है।

पितृ पक्ष में गूंथा हुआ आटा फ्रिज में क्यों नहीं रखना चाहिए

पितृ पक्ष के दौरान हर घर में पूजा, तर्पण और श्राद्ध का खास महत्व होता है। मान्यता है कि इस समय पूर्वज धरती पर आते हैं और उनके लिए किए गए कर्म, दान और भोजन को स्वीकार करते हैं।

इस वजह से पितृ पक्ष में खानपान और रोजमर्रा की आदतों को लेकर कई नियम बनाए गए हैं जिनका पालन करना जरूरी माना जाता है। इन नियमों का संबंध सीधे तौर पर श्रद्धा और शुद्धता से होता है।

खासकर भोजन की तैयारी और उसे स्टोर करने को लेकर सख्ती से ध्यान रखने की परंपरा है। इन्हीं में से एक नियम है कि पितृ पक्ष के दौरान गूंथे हुए आटे को फ्रिज में नहीं रखना चाहिए। आजकल की व्यस्त जिंदगी में कई लोग समय बचाने के लिए आटा पहले से गूंथकर फ्रिज में रख देते हैं लेकिन पितृ पक्ष के दौरान यह परंपरा और धार्मिक दृष्टि से ठीक नहीं माना जाता। को स्टोर करना बिल्कुल भी उचित नहीं है।

पितृ पक्ष के दौरान पालन करने वाले जरूरी नियम

1. भोजन हमेशा ताजा और समय पर बनाएं।
2. बासी, खट्टा या फ्रिज में रखा खाना न खाएं और न पितरों को अर्पित करें।
3. श्राद्ध कर्म में पवित्रता और साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें।
4. पूजा और तर्पण में केवल शुद्ध और सात्विक भोजन ही उपयोग करें।
5. श्रद्धा और नियम से किया गया श्राद्ध ही पितरों तक पहुंचता है।

पितृ पक्ष में गूंथे आटे का विकल्प

अगर समय की कमी है और रोज आटा गूंथना मुश्किल लगता है तो आप आटा उसी समय गूंथकर ताजा रोटी बना लें। चाहें तो आटे को गीले कपड़े से ढककर कुछ देर के लिए बाहर रख सकते हैं लेकिन इसे फ्रिज में बिल्कुल न रखें।

धार्मिक मान्यताएं और शास्त्रों का उल्लेख

धर्म शास्त्रों में साफ तौर पर कहा गया है कि पितृ पक्ष में भोजन बनाने में लापरवाही नहीं करनी चाहिए। ताजा अन्न, ताजा आटा और शुद्ध सामग्री से बना भोजन ही पितरों तक पहुंचता है। फ्रिज में रखा हुआ गूंथा हुआ आटा बासी की श्रेणी में आता है और बासी भोजन पितरों को नहीं चढ़ाना चाहिए। ऐसा करने से पितर नाराज हो सकते हैं और परिवार पर नकारात्मक असर पड़ सकता है।

स्वास्थ्य से जुड़ी वजहें भी हैं

यह सिर्फ धार्मिक मान्यता ही नहीं बल्कि स्वास्थ्य की दृष्टि से भी सही है। जब आटा फ्रिज में रखा जाता है तो उसमें बैक्टीरिया पनप सकते हैं और वह शरीर के लिए हानिकारक हो सकता है। पितृ पक्ष के समय जब शुद्धता और सेहत दोनों पर जोर दिया जाता है, ऐसे में गूंथे आटे

पितृ पक्ष 2025 में जब आप श्राद्ध और तर्पण करेंगे तो इस बात का खास ध्यान रखें कि भोजन पूरी तरह ताजा और शुद्ध हो।

गूंथे हुए आटे को फ्रिज में रखने की आदत को इस समय छोड़ दें क्योंकि यह न केवल धार्मिक दृष्टि से गलत है बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी हानिकारक है। पितरों को ताजा और सात्विक भोजन अर्पित करना ही सच्ची श्रद्धांजलि है और यही आपके परिवार के लिए शुभ फलदायक भी होगा।

इस पितृ पक्ष अपने खानपान की आदतों में थोड़ा बदलाव करें और पूरी श्रद्धा से नियमों का पालन करें। इससे न केवल पितर प्रसन्न होंगे बल्कि परिवार में सुख-शांति और समृद्धि भी बनी रहेगी।

भगवान शिव की नगरी में श्राद्ध से भटकती आत्मा को मिलती है मुक्ति और होती है मोक्ष की प्राप्ति

भगवान शिव की नगरी काशी में लोगों की भीड़ उमड़ रही है। जिन लोगों की पितृपक्ष की तिथि पूर्णिमा को आती है, वे आज श्राद्ध और पिंडदान कर रहे हैं। पितृ पक्ष का प्रारंभ आज से यानी भाद्रपद पूर्णिमा से हो रहा है और इसका समापन 21 सितंबर को सर्वपितृ अमावस्या के दिन होगा। इस अवसर पर काशी के प्राचीन और श्रद्धा-स्थल पिशाच मोचन कुंड पर प्रतिदिन 25 से 30 हजार श्रद्धालु जुटते हैं। यहां वे विधि-विधान से अपने पितरों की आत्मा की शांति के लिए पिंडदान और श्राद्ध कर्म करते हैं। मान्यता है कि पिशाच मोचन कुंड में किए गए श्राद्ध से पितरों को प्रेत योनि से मुक्ति मिलती है और उन्हें मोक्ष की प्राप्ति होती है।

भूत-प्रेत और नकारात्मक शक्तियों से मिलती है मुक्ति

काशी का पिशाच मोचन कुंड वाराणसी में स्थित है और मान्यता है कि यहां स्नान करने से पिशाच बाधा, भूत-प्रेत और नकारात्मक शक्तियों से मुक्ति मिलती है। शास्त्रों में इसे ऐसा तीर्थ कहा गया है जहां पूर्वजों की आत्माओं की शांति के लिए विशेष श्राद्ध और तर्पण किए जाते हैं। कहते हैं कि स्वयं भगवान विष्णु ने इस कुंड को पिशाच मोचन का वरदान दिया, ताकि जो भी यहां श्रद्धा से स्नान और पूजा करे, उसके जीवन से अशुभ बाधाएं दूर हो जाएं।

हर दिन हजारों की संख्या में पहुंचते हैं लोग

पिशाच मोचन कुंड के शास्त्री ने बताया कि मरने के बाद काशी में मुक्ति तो मिलती है, लेकिन अगर कोई परिवार का सदस्य पिशाच मोचन पर पिंडदान और श्राद्ध करता है तो उससे उनके मृत परिजन को प्रेत योनि से मुक्ति मिलती है। यह परंपरा अनादिकाल से चल रही है।

उन्होंने कहा कि जो भी प्रेत या ब्रह्म दोष होते हैं, पिशाच मोचन कुंड पर पिंडदान और तर्पण करने से पितरों को मुक्ति मिलेगी।

पिशाच मोचन कुंड पर एक दिन में करीब 25 से 30 हजार लोग पहुंचते हैं।

सोमवार से 15 दिन के लिए पितृपक्ष की शुरुआत हो रही है। यहां बड़ी संख्या में लोग पिंडदान करने पहुंचते हैं। विशेष विधि विधान यह है कि अगर पितृ प्रेत योनि में भी हैं तो पिशाच मोचन कुंड पर पिंडदान से मुक्ति मिलती है।

जो लोग अनजाने में या पिछले जन्मों के कारण पिशाच दोष या प्रेतबाधा से पीड़ित होते हैं, वे इस कुंड में स्नान और तर्पण करके शांति प्राप्त करते हैं। यह स्थान विशेष रूप से पितृपक्ष और अमावस्या के अवसर पर अत्यधिक महत्वपूर्ण होता है।

घर के मंदिर में भूलकर भी न रखें ऐसे फूल, वरना झेलनी पड़ेगी भारी परेशानी

हमारे घरों में पूजा-पाठ की परंपरा बहुत पुरानी है और पूजा के दौरान फूलों का विशेष महत्व होता है। हर देवी-देवता को प्रसन्न करने के लिए अलग-अलग प्रकार के फूल चढ़ाए जाते हैं, जिससे उनकी कृपा प्राप्त होती है।

बासी या मुरझाए हुए फूल- मंदिर में केवल ताजे और सुगंधित फूल ही चढ़ाने चाहिए। बासी या मुरझाए फूल अशुद्ध माने जाते हैं और इन्हें भगवान को अर्पित करना अपशकुन माना जाता है। ऐसे फूल चढ़ाने से घर में नकारात्मक ऊर्जा का वास हो सकता है।

प्लास्टिक के फूल- कई लोग सजावट के लिए मंदिर में नकली फूल रखते हैं, लेकिन ये धार्मिक दृष्टिकोण से उचित नहीं माने जाते। पूजा में प्राकृतिक चीजों का उपयोग करना ही शुभ होता है। प्लास्टिक के फूलों में जीवन नहीं होता, इसलिए ये पूजा के लिए अनुपयुक्त माने जाते हैं।

कनेर का फूल- कनेर का फूल सुंदर होता है, लेकिन यह हर देवी-देवता को अर्पित नहीं किया जा सकता। विशेष रूप से विष्णु और लक्ष्मी जी की पूजा में इसे वर्जित माना गया है। मान्यता है कि यह फूल नकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित कर सकता है।

अकौड़े का फूल- अकौड़े का फूल शिवजी को अर्पित किया जाता है, लेकिन इसे हर रोज मंदिर में नहीं रखा जाना चाहिए। यह फूल बहुत तेज प्रभाव वाला होता है, और अगर सही समय या विधि से न चढ़ाया जाए, तो इसका उल्टा असर भी हो सकता है।

18 साल के उस क्रांतिकारी की कहानी जिसने हंसते-हंसते दी जान

11 अगस्त, 1908 को महान क्रांतिकारी खुदीराम बोस को फांसी दी जानी थी। उस समय उनकी उम्र 18 वर्ष थी। 10 अगस्त की रात को उनके पास जेलर पहुंचा। जेलर को खुदीराम से बड़ा स्नेह हो गया था। वह अपने साथ 4 आम लेकर उनके पास पहुंचा और बोला, "खुदीराम ये आम मैं तुम्हारे लिए लाया हूं। तुम इन्हें चूस लो। मेरा एक छोटा-सा उपहार स्वीकार करो। मुझे बड़ा संतोष होगा।" खुदीराम ने जेलर से वे आम लेकर अपनी कोठरी में रख लिए और कहा, "थोड़ी देर बाद मैं अवश्य इन आमों को चूस लूंगा।"सुबह जेलर फांसी के लिए खुदीराम को लेने पहुंचा वह पहले से ही तैयार थे। जेलर ने देखा कि उसके द्वारा दिए गए आम वैसे के वैसे रखे हुए हैं। उसने पूछा, "क्यों खुदीराम। तुमने ये आम चूसे नहीं। तुमने मेरा उपहार स्वीकार क्यों नहीं किया?" खुदीराम ने बहुत भोलेपन से उत्तर दिया, "अरे जेलर साहब जरा सोचिए सुबह ही जिसको फांसी के फंदे पर झूलना हो, क्या उसे खाना-पीना सुहाएगा?" जेलर ने कहा, "खैर, कोई बात नहीं, मैं ये आम उठा लेता हूं और अब इन्हें तुम्हारा उपहार समझकर मैं चूस लूंगा।" यह कह कर जेलर ने जैसे ही आमों को उठाना चाहा, वे पिचक गए। खुदीराम जोर से ठहाका मारकर हंसे और काफी देर तक हंसते रहे। दरअसल, उन्होंने उन आमों का रस रात में ही चूस लिया था और उन्हें फुलाकर रख दिया था। जेलर खुदीराम की मस्ती पर मुग्ध और आश्चर्यचकित हुए बिना न रह सका। वह सोच रहा था कि कुछ समय बाद मृत्यु जिसको अपना ग्रास बना लेगी, वह हंसते हुए किस प्रकार मृत्यु को चिढ़ा रहा है। जेलर ने कहा, "वास्तव में यह मातृभूमि रत्नगर्भा है और खुदीराम जैसे लोग इस मातृभूमि के रत्न हैं। ऐसे महापुरुष बार-बार हमारी मातृभूमि पर अवतरण लें, ऐसी मंगल कामना है।"

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता
मेरा हैदराबाद
मंगलवार, 9 सितंबर, 2025

सु वि चा र
अगर आप कुछ ऐसा पाना चाहते हैं जो आपने पहले कभी नहीं पाया, तो आपको कुछ ऐसा करना पड़ेगा जो अपने पहले कभी नहीं किया।

मुख्यमंत्री रेवंत ने मेडारम मंदिर के लिए 100 दिनों की विकास समय-सीमा तय की

हैदराबाद, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को मेडारम में विकास परियोजनाओं को 100 दिनों के भीतर पूरा करने के लिए योजनाएं तैयार करने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने सोमवार को अपने आवास पर मेडारम और बसारा मंदिरों की प्रगति की समीक्षा बैठक की। इस बैठक के दौरान, अधिकारियों ने उन्हें दोनों मंदिरों के विकास के मास्टर प्लान प्रस्तुत किया। रेवंत रेड्डी ने मेडारम मंदिर के विकास से संबंधित विभिन्न डिज़ाइन विकल्पों का भी मूल्यांकन किया।

उन्होंने मेडारम महाजातरा से पहले श्रद्धालुओं की सुविधा बढ़ाने के महत्व पर ज़ोर दिया। इसके अतिरिक्त, मुख्यमंत्री ने यह सुनिश्चित करने के लिए उपाय करने की सिफारिश की कि सभी संरचनाओं का निर्माण पूरी तरह से प्राकृतिक पत्थरों से किया जाए। रेवंत रेड्डी ने कहा, श्रद्धालुओं की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए प्रवेश, निकास और पार्किंग की सुविधाएं होनी चाहिए। अधिकारियों को भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए, जम्पन्ना नदी में पानी बनाए रखने के लिए कुछ क्षेत्रों में चेकडैम के निर्माण की योजनाएं तैयार करने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि वे इस सप्ताह स्थलीय मूल्यांकन के लिए मेडारम जाएंगे और अधिकारियों को आवश्यक तैयारियां करने की सलाह दी। इसके अलावा, रेवंत रेड्डी ने बसारा ज्ञान सरस्वती मंदिर के विस्तार और विकास से संबंधित कई प्रस्ताव प्रस्तुत किए। उन्होंने स्थानीय भावनाओं का सम्मान करने के महत्व पर जोर दिया और सुझाव दिया कि सभी मंदिरों के विकास में स्थानीय विशेषज्ञों और पुजारियों की राय को ध्यान में रखा जाना चाहिए। समीक्षा बैठक में मंत्री कोंडा सुरेखा, सीतक्का, पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, अदलुरी लक्ष्मण, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्रीनिवास राजू, प्रधान सचिव धर्मस्व शैलजा राम अय्यार और उच्च अधिकारी शामिल हुए।

छात्राएं बीमार, निरीक्षण में मिली लापरवाही

रसोई में मिला सड़ा सामान

संगारेड्डी, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। झारासंगम स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) की ग्यारह छात्राएं बीमार पड़ने के बाद सोमवार को मंडल अधिकारियों ने स्कूल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान रसोईघर में सड़े हुए टमाटर, केले और अन्य किराना सामान के साथ कीड़ों से भरे चावल पाए गए। टीम ने स्कूल परिसर में गंभीर अस्वास्थ्यकर हालात भी देखे। नाबदान से पानी बाहर बह रहा था, जिससे चारों ओर पानी जमा होकर मच्छरों के प्रजनन का स्थान बन गया था। एमपीडीओ मंजुला, उप तहसीलदार करुणाकर राव और अन्य अधिकारियों ने स्थिति की समीक्षा की और स्कूल स्टाफ से स्पष्टीकरण मांगा। साथ ही मंडल स्वास्थ्य अधिकारी को तुरंत स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर छात्राओं का उपचार कराने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने छात्राओं से भी बातचीत कर उनकी समस्याओं को सुना।

हम पार्टी की ओर से जागरूकता कार्यक्रम चलाएंगे : मंत्री पोन्नम प्रभाकर

हैदराबाद, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने आज बताया कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी की व्यापक बैठक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ की अध्यक्षता में हुई।

उन्होंने यह भी बताया कि बैठक में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की प्रदेश प्रभारी मीनाक्षी नटराजन, उपमुख्यमंत्री बत्ती विक्रमार्क, पार्टी उपाध्यक्ष, महासचिव, जिला कांग्रेस अध्यक्ष, संबद्ध संघों के अध्यक्ष, विधायक, विधान पार्षद और निगम अध्यक्ष शामिल हुए। उन्होंने कहा, हमने राज्य सरकार के कार्यक्रमों को जनता तक पहुंचाने और विपक्षी दलों की आलोचनाओं का जवाब देने पर चर्चा की। हमने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के समर्थन में कार्यक्रम चलाने और जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव और वोट चोरी से जुड़े मुद्दों पर कार्यक्रम चलाने पर भी चर्चा की। शहर में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, उन्होंने कहा कि पीसीसी अध्यक्ष के एक वर्ष का कार्यकाल पूरा होने के अवसर पर 15 सितंबर को कामारेड्डी में एक सम्मान सभा आयोजित की जाएगी। उन्होंने कहा कि पिछड़ा वर्ग घोषणापत्र के बारे में लोगों को बताया जाएगा और आरक्षण के प्रावधान पर सरकार द्वारा उठाए गए कदमों के बारे में भी बताया जाएगा। उन्होंने कहा, हम भाजपा के पेट में छुरा घोंपकर आरक्षण में बाधा डालने वाले मुद्दों के बारे में लोगों को समझाएंगे। आरक्षण के लिए, हम भाजपा पर दबाव बनाने के लिए कार्यक्रम चलाएंगे। रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में 22 महीनों से चल रही लोक प्रशासन सरकार द्वारा किए गए विकास और कल्याणकारी कार्यक्रमों के बारे में लोगों को समझाने के लिए कार्यक्रम चलाए जाने चाहिए। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से पार्टी को मजबूत करने के लिए संगठनात्मक कार्यक्रम शुरू करने का आह्वान किया और कहा कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी और सरकारी कार्यक्रमों को लोगों तक पहुंचाया जाना चाहिए। यह निर्णय लिया गया है कि पार्टी कार्यकर्ता अधिक सक्रियता से काम करें और हैदराबाद से मतदान केंद्रों तक एक नेटवर्क व्यवस्था स्थापित करें। कार्यक्रमों का प्रचार-प्रसार ज़मीनी स्तर पर लोगों तक पहुंचाने का काम शुरू किया जाना चाहिए। लंबित जनहित पदयात्रा की तारीखों की घोषणा भी जल्द ही की जाएगी।

प्रभाकर ने कहा कि बैठक में उन लोगों को फिर से पार्टी में शामिल करने का निर्णय लिया गया जो पूर्व में कांग्रेस परिवार में थे, लेकिन अपरिहार्य कारणों से पार्टी बदल दी।

कविता निलंबन मामला समाप्त, कांग्रेस पर साधा निशाना

बीआरएस कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर की प्रतिक्रिया

हैदराबाद, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव (केटीआर) ने सोमवार को पूर्व एमएलसी कविता के निलंबन पर चुप्पी तोड़ते हुए कहा कि यह मामला अब समाप्त हो चुका है। तेलंगाना भवन में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि पार्टी नेताओं से गहन चर्चा के बाद अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव ने अंतिम निर्णय लिया है। केटीआर ने जोर देकर कहा कि सभी पहलुओं पर विचार करने के बाद कार्रवाई की गई है और अब इस पर और कुछ कहने की आवश्यकता नहीं है।

कांग्रेस पर हमला करते हुए केटीआर ने कहा कि टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ दलबदल विवाद में स्वयं 'अनुमोदक' बन गए हैं। उन्होंने याद दिलाया कि गौड़ ने एक टीवी साक्षात्कार में स्वीकार किया था कि 10 बीआरएस विधायक कांग्रेस में शामिल हो चुके हैं। ऐसे में जांच का कोई मतलब नहीं रह जाता और विधानसभा अध्यक्ष को तुरंत निर्णय लेना चाहिए।

केटीआर ने स्टेशन घनपुर के विधायक कादियम श्रीहरि द्वारा कांग्रेस में शामिल होने की स्वीकारोक्ति का हवाला देते हुए कहा कि इससे सत्तारूढ़ दल का दोहरा चरित्र उजागर हो गया है। उन्होंने रविवार को दलबदलू विधायकों और मुख्यमंत्री के बीच हुई बंद कमरे की बैठक पर तंज कसते हुए कहा कि राहुल गांधी संविधान की दुहाई देते हैं, जबकि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी दलबदल को बढ़ावा दे रहे हैं। इसे उन्होंने पाखंड की पराकाष्ठा बताया।

आदिवासी संस्कृति के संरक्षण के लिए सम्मक्का और सरलम्मा मंदिर का आधुनिकीकरण : मंत्री

हैदराबाद, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वारंगल जिले के प्रभारी मंत्री व राजस्व, आवास, सूचना एवं जनसंपर्क राज्य मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने बताया कि एशिया के सबसे बड़े आदिवासी मेले, तेलंगाना कुंभ मेले के रूप में प्रसिद्ध मेडारम सम्मक्का और सरलम्मा जतरा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं युद्धस्तर पर की जा रही हैं। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के निर्देश पर, मंत्री पोंगुलेटी ने सोमवार को सचिवालय स्थित अपने कार्यालय में पंचायत राज मंत्री धनसरी अनसूया (सीतक्का) के साथ कार्यों की समीक्षा की। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि आदिवासियों की भावनाओं के अनुरूप मंदिर का आधुनिकीकरण किया जा रहा है ताकि आदिवासी संस्कृति और परंपराओं का संरक्षण किया जा सके। उन्होंने अधिकारियों को मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के निर्देशानुसार इस महीने की 15 तारीख से यह कार्य शुरू करने और जनवरी के पहले सप्ताह तक इसे पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पहले ही मेडारम मंदिरों के मास्टर प्लान की समीक्षा कर चुके हैं और तीन महीने के भीतर काम पूरा करने का आदेश दिया है। उन्होंने अधिकारियों को उचित योजनाओं और सूचनाओं के साथ तैयार रहने का निर्देश दिया क्योंकि मुख्यमंत्री स्वयं एक सप्ताह में क्षेत्र निरीक्षण के लिए आ रहे हैं। इस समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्रीनिवास राजू, धर्मस्व विभाग की प्रधान सचिव शैलजा राम अय्यर और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

ऑपरेशन थियेटर तकनीशियन ने मरीज को बेहोश कर किया बलात्कार

करीमनगर, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। करीमनगर कस्बे के एक निजी अस्पताल में एक मरीज के साथ अस्पताल के एक कर्मचारी द्वारा कथित तौर पर यौन उत्पीड़न का मामला सामने आया है। टाइफाइड बुखार से पीड़ित दीपिका अस्पताल में भर्ती महिला पर ऑपरेशन थिएटर तकनीशियन ने कथित तौर पर बेहोशी का इंजेक्शन लगाकर हमला किया।

मरीज के परिजनों ने रविवार को टाउन-III पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत पर कार्रवाई करते हुए, पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

उन्होंने घटनास्थल को सुरक्षित किया, सीसीटीवी फुटेज की जांच की और पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराया। सोमवार को मामले पर टिप्पणी करते हुए, पुलिस आयुक्त गौश आलम ने कहा कि यौन उत्पीड़न की पुष्टि फोरेंसिक साइंस लैबोरेटरी (एफएसएल) रिपोर्ट मिलने के बाद ही संभव होगी। कमिश्नर ने कहा, सीसीटीवी फुटेज में दर्ज हुआ है कि आरोपी अंदर गया और पर्दा खींच दिया। पर्दे के अंदर क्या हुआ, यह स्पष्ट नहीं है।

कांग्रेस झूठे वादों से पिछड़े वर्गों को धोखा दे रही है : भाजपा

हैदराबाद, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने कांग्रेस सरकार पर पिछड़े वर्गों (बीसी) को 42 प्रतिशत आरक्षण के झूठे वादों से धोखा देने और अपनी नाकामियों के लिए भाजपा और केंद्र सरकार को जिम्मेदार ठहराने का आरोप लगाया। राव ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि भाजपा की बार-बार सलाह के बावजूद, कांग्रेस सरकार ने पंचायत राज अधिनियम, 2018 की धारा 285 में संशोधन करने में 22 महीने बर्बाद कर दिए। उन्होंने कहा, अगर वे ईमानदार होते, तो लोगों को गुमराह करने के बजाय कानूनी प्रक्रिया का पालन करते। कामारेड्डी घोषणापत्र एक और विश्वासघात के अलावा कुछ नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी के "तुगलक-जैसे शासन" के कारण स्थानीय निकाय चुनाव में देरी हुई और तेलंगाना को केंद्रीय निधि के रूप में लगभग 3,000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने केंद्रीय मंत्रिमंडल में 2 प्रतिशत ओबीसी को शामिल किया और पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया, जबकि राज्य मंत्रिमंडल में केवल तीन पिछड़ा वर्ग मंत्री हैं। यह घोषणा करते हुए कि पिछड़ों के लिए न्याय केवल भाजपा शासन में ही संभव है, राव ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की कामारेड्डी बैठक ईमानदारी का प्रदर्शन नहीं, बल्कि "उनके विश्वासघात का जश्न" थी। उन्होंने 17 सितंबर को भाजपा के तेलंगाना मुक्ति दिवस समारोह के लिए पर्चे भी जारी किए, जहां रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सिकंदराबाद में राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे।

टीजीएसआरटीसी ने नेत्रदान को बढ़ावा देने के लिए 'नेटवर्क टू साइट' कार्यक्रम शुरू किया

हैदराबाद, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) ने एक अनूठी सामाजिक सेवा पहल 'नेटवर्क टू साइट' शुरू की है- जिसका उद्देश्य राज्य भर में निःशुल्क कॉर्निया पहुंचाकर नेत्रदान को बढ़ावा देना है।

हैदराबाद स्थित सरोजिनी देवी नेत्र चिकित्सालय के साथ हस्ताक्षरित एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) के तहत, सरकारी अस्पतालों में दानदाताओं से एकत्रित कॉर्निया को आइस बॉक्स में सुरक्षित रखा जाएगा और टीजीएसआरटीसी काउंटरों को सौंप दिया जाएगा। फिर इन्हें आरटीसी बसों द्वारा सुरक्षित रूप से हैदराबाद पहुंचाया जाएगा, जहां अस्पताल के कर्मचारी इन्हें एकत्रित करके ज़रूरतमंद मरीज़ों के लिए नेत्र बैंक में संग्रहित करेंगे। टीजीएसआरटीसी के प्रबंध निदेशक वी.सी. सज्जनार और अस्पताल अधीक्षक डॉ. मोदिनी ने मेहदीपटनम स्थित अस्पताल परिसर में इस समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर बोलते हुए, सज्जनार ने कहा कि उन्हें गर्व है कि टीजीएसआरटीसी ऐसे नेक कार्य में योगदान दे रहा है। नेत्रदान की तत्काल आवश्यकता पर जोर देते हुए, उन्होंने कहा कि भारत में हर साल 3 लाख से ज़्यादा लोग कॉर्निया प्रत्यारोपण की प्रतीक्षा करते हैं, लेकिन केवल लगभग 18,000 सर्जरी ही की जा पाती हैं। उन्होंने डॉ. मोदिनी को अपना संकल्प पत्र सौंपते हुए व्यक्तिगत रूप से अपनी आँखें दान करने का संकल्प भी लिया। डॉ. मोदिनी ने टीजीएसआरटीसी को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद दिया और आश्वासन दिया कि अस्पताल की टीम इन कॉर्निया का उपयोग मरीज़ों की दृष्टि बहाल करने के लिए करेगी।

'जीवनदान' कार्यक्रम के समन्वयकों को सम्मानित किया गया और कॉर्निया ले जाने के लिए आइस बॉक्स सरकारी अस्पताल अधीक्षक को सौंपे गए। इस कार्यक्रम में उस्मानिया मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. राजाराव, एनपीसीबी की संयुक्त निदेशक डॉ. कलावती, सिद्दीपेट सरकारी अस्पताल की अधीक्षक डॉ. संगीता और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

मेदक में एलपीजी सिलेंडर विस्फोट

मेदक, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के कौडीपल्ली मंडल के मुतराजपल्ली गांव में सोमवार को एक घर में एलपीजी सिलेंडर फटने से बड़ा हादसा होते-होते टल गया। यह घटना अकुला श्रीनिवास के घर पर उस समय हुई जब परिवार घर पर मौजूद नहीं था।

विस्फोट से कुछ क्षण पहले पड़ोसी परिवार वहां से गुजर रहा था। सीसीटीवी फुटेज में देखा गया कि सिलेंडर फटने से ठीक पहले वे वहां से हट गए थे। विस्फोट के समय वे कुछ मीटर दूर पहुंच चुके थे, जिससे बड़ी जनहानि टल गई। फिलहाल विस्फोट के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस और संबंधित विभाग इसकी जांच में जुटे हैं।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Prasanta Sar, Father of No.14673476H, Hav, Prasenjit Sar, R/o, Dist: Purba Medinipur, West Bengal, changed my name from Prasanta Sar to Prasanta Kumar Sar vide Affidavit dt 08.09.2025 before Medchal -Malkajgiri Court, Telangana.

I, Vimla Buri, Spouse of No.14658238Y, Hav, Subhash Buri, R/o, Dist: Sikar, Rajasthan, changed my name from Vimla Buri to Vimla Kumari Jakhar vide Affidavit dt 08.09.2025 before Medchal -Malkajgiri Court Telangana.

I, No.14645173X, Hav, K Gopala Krishnan, R/o, Dist : Theni, Tamil Nadu, changed my Mother's name from K Eswari to Eswari K vide Affidavit dt 08.09.2025.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

आदिवासी परिवारों को मुफ्त चूजा वितरण

हैदराबाद, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्री कोंडा लक्ष्मण तेलंगाना बागवानी विश्वविद्यालय (एसकेएलटीएचयू) ने मुलुगु जिले में आदिवासी परिवारों के लिए मुफ्त चूजा वितरण कार्यक्रम के दूसरे चरण का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में 150 अनुसूचित जाति और जनजाति परिवारों के साथ-साथ 60 कोया परिवारों को आजीविका योजना के तहत 10-10 सोनाली नस्ल के चूजे (दो नर और आठ मादा) दिए गए। यह दूसरा चरण राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा द्वारा गोद लिए गए तड़वई मंडल के कोंडापर्थी गांव में आयोजित किया गया। पहला चरण महबूबाबाद जिले में आयोजित किया गया था।

एसकेएलटीएचयू के कुलपति डॉ. दंडा राजिरेड्डी ने बताया कि यह कार्यक्रम एससी उप-योजना के तहत विश्वविद्यालय के आवंटन से वित्त पोषित किया गया है। वहीं, बागवानी विभाग के डीन डॉ.जे. चाइना ने कहा कि सोनाली नस्ल के चूजे तेजी से बढ़ते हैं और दो महीने में ही 2-3 किलो तक वज़न कर लेते हैं तथा दूसरे महीने से अंडे देना शुरू कर देते हैं।

आदिलाबाद में किसानों ने केसीआर के पोस्टर को अर्पित की मंगल आरती

कांग्रेस सरकार पर धोखे का आरोप, कहा- फिर से सत्ता में लौटें पूर्व मुख्यमंत्री

आदिलाबाद, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। इकोडा मंडल के मुखरा (के) गांव में किसानों ने सोमवार को पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के फ्लेक्स पोस्टर को मंगल आरती अर्पित की और उनकी सत्ता में वापसी की कामना की। किसानों का कहना था कि केवल केसीआर ही उनके जीवन को बेहतर बना सकते हैं। किसानों ने याद दिलाया कि चंद्रशेखर राव के शासनकाल में कृषि को नियमित रूप से सहायता दी जाती थी, जबकि कांग्रेस सरकार में लाभ केवल चुनावों के समय तक सीमित रहते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि फसल ऋण माफी का लाभ केवल आधे किसानों तक पहुंचा है और अब अधिकांश किसान यूरिया की कमी से परेशान हैं।

किसानों ने कहा, चंद्रशेखर राव के शासन में यूरिया हमारे घरों तक पहुंचता था। अब हमारी ज़िंदगी ठहर सी गई है। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर सभी वर्गों के लोगों को धोखा देने का आरोप लगाते हुए कहा कि हर गांव का किसान चाहता है कि केसीआर एक बार फिर मुख्यमंत्री बनकर कृषि और किसानों के कल्याण को पुनर्जीवित करें।

बीआरएस में ही रहेंगे वनमा वेंकटेश्वर राव

भाजपा में शामिल होने की अफवाहों को बताया दुष्प्रचार

कोत्तागुडेम, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस नेता और पूर्व विधायक वनमा वेंकटेश्वर राव ने भाजपा में शामिल होने की अफवाहों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि यह सब उन्हें और उनके परिवार को बदनाम करने के उद्देश्य से फैलाया जा रहा है। उन्होंने सोमवार को अपने आवास पर मीडिया से बातचीत में स्पष्ट किया कि वह अंतिम सांस तक बीआरएस में बने रहेंगे और पार्टी प्रमुख के. चंद्रशेखर राव तथा कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव के नेतृत्व का समर्थन करेंगे।

पूर्व विधायक ने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे इस तरह की झूठी सूचनाओं पर ध्यान न दें। उन्होंने कहा कि वे तब भी बीआरएस में शामिल हुए थे जब यह सत्ता में थी और अब सत्ता में न होने पर भी पार्टी में बने रहेंगे। कांग्रेस में लगभग 40 वर्ष काम करने और अलग तेलंगाना आंदोलन से प्रेरित होकर बीआरएस से जुड़ने का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि राजनीति में उनका लक्ष्य जनता और पार्टी की सेवा करना है।

वेंकटेश्वर राव ने कहा कि सरपंच से लेकर पाँच बार विधायक और मंत्री तक का सफर तय करने वाले वह चुनाव जीतने-हारने दोनों अनुभवों से परिचित हैं। उन्होंने झूठा प्रचार करने वालों के खिलाफ चेतावनी देते हुए कहा कि समय आने पर सब कुछ सामने आ जाएगा।

पूर्व तट रेलवे

सामग्रियों की आपूर्ति

निविदा सं. 30256369, दिनांक: 29.08.2025
कार्य का नाम : (1) LRU, कंट्रोल पोर्शन के लिए ओवरहालिंग किट: 20 पाइप (20-CP), HHP डीजल लोकोमोटिव के लिए माइक्रो प्रोसेसर नियंत्रित आधारित एयर ब्रेक सिस्टम CCB-II का पार्ट नं. 787775-2004, KNORR-BREMSE किट नं. XKI/KIT/01577, संलग्न अनुलग्नक के अनुसार किट में 51 आइटम शामिल हैं, मात्रा : 20 सेट।
(2) डीजल लोकोमोटिव के KNORR-BREMSE निर्मित एयर ब्रेक सिस्टम के CCB ओवरहॉलिंग सिस्टम के पुर्जों का सेट, संलग्न अनुलग्नक के अनुसार, सेट में 20 आइटम शामिल हैं, मात्रा : 01 सेट।
(3) HHP लोको के लिए KBIL पार्ट नं. 795630 के अनुसार लीड ट्रेल फंक्शन सिलेक्टर स्विच, CCB 2.0 के लिए कंट्रोलर हेड रोटरी 4 पोजिशन, मात्रा : 40 संख्यक, (वारंटी अवधि : डिलीवरी की तिथि के बाद से 30 महीने (सभी क्रम सं. के लिए)) | TPI एजेंसी द्वारा निरीक्षण।
टिप्पणी : सामग्री 06 महीने के भीतर आपूर्ति की जानी चाहिए।
निविदा खुलने की तिथि एवं समय : दिनांक 26.09.2025 को 1500 बजे।
संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।
वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक/वाल्टेयर
PR-563/Q/25-26

केन्द्रीय बारानी कृषि अनुसंधान संस्थान
Central Research Institute for Dryland Agriculture
संतोषनगर, सैदाबाद पोस्ट, हैदराबाद - 500 059
वेब / Web : www.crida.in

विज्ञापन सं.18/2025/टीएसपी

साक्षात्कार के माध्यम से दि.23-09-2025 के 10.00 बजे यंग प्रोफेशनल-I (1 पद) के अस्थायी पद को भरा जा रहा है। विस्तृत विवरण हेतु http://www.icar-crida.res.in/ पर जाएं।

हस्ता./-
प्रशासकीय अधिकारी

विधानसभा के बाहर कांग्रेस का हंगामा

कानून व्यवस्था का पोस्टर पहनकर पहुंचे जूली; बीजेपी ने बताया 'नोटंकी'

जयपुर, 8 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा के मानसून सत्र की शुरुआत सोमवार को प्रश्नकाल से हुई, लेकिन सत्र शुरू होने से पहले ही परिसर में कांग्रेस विधायकों ने बिगड़ती कानून व्यवस्था के खिलाफ प्रदर्शन किया। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के नेतृत्व में कांग्रेस विधायकों ने विधायक आवास से विधानसभा परिसर तक नारेबाजी करते हुए मार्च निकाला।

इस दौरान विधायकों ने तख्तियां और बैनर लहराए, जिनमें कानून व्यवस्था को लेकर सरकार की नाकामी को उजागर करने वाले नारे लिखे थे। प्रदर्शन के दौरान विधायकों और सुरक्षाकर्मियों के बीच पोस्टर लेकर सदन में प्रवेश को लेकर धक्का-मुक्की भी हुई। सुरक्षाकर्मियों ने पोस्टर के साथ अंदर जाने से मना किया, लेकिन विधायक अपनी मांग पर अड़े रहे और पोस्टर सहित सदन में गए। कांग्रेस के इस पर्दशन को मंत्री जोगाराम पटेल ने नोटंकी बताया।

कानून व्यवस्था पर कांग्रेस का हमला

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, विधायक शांति धारीवाल और रफीक खान सहित कई विधायको ने प्रदर्शन में भाग लिया। शांति धारीवाल ने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार में कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक संरक्षण के कारण अपराध बढ़ रहे हैं। कांग्रेस शासन में हर शिकायत पर एफआईआर दर्ज करना अनिवार्य था, लेकिन अब थानों में लोगों को टरकाया जाता है।

सदन की कार्यवाही- प्रश्नकाल में आए जवाब

बता दें, सदन की कार्यवाही सुबह 11 बजे प्रश्नकाल से शुरू हुई। आज के लिए तारांकित प्रश्नों की सूची में 24 और अतारांकित प्रश्नों में 25 सवाल शामिल थे। ये सवाल कृषि, उद्योग, शिक्षा, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, जनजाति क्षेत्रीय विकास, राजस्व, सहकारिता और ऊर्जा विभाग से संबंधित थे। विधायी कार्य के तहत दो महत्वपूर्ण विधेयक पेश किए गए: राजस्थान मत्स्य क्षेत्र संशोधन विधेयक 2025 और राजस्थान आयुर्विज्ञान संस्थान जयपुर विधेयक 2025। प्रभारी मंत्रियों ने इन विधेयकों को सदन के पटल पर रखा।

यूरिया और डीएपी की कमी पर हंगामा

विधानसभा में टीकाराम जूली ने नकली यूरिया और डीएपी की कमी का मुद्दा उठाया। उन्होंने पूछा कि नकली यूरिया मामले में कितने लोग जेल गए और सरकार ने क्या कार्रवाई की। जवाब में कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि सरकार ने 117 औचक निरीक्षण किए, 64 एफआईआर दर्ज कीं और 423 नमूने एकत्रित किए।

उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस शासन में इस तरह की कोई कार्रवाई नहीं हुई। मीणा ने आश्वासन दिया कि राजस्थान में यूरिया और डीएपी की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री स्वयं केंद्रीय मंत्रियों से मिले हैं। हमारी पहली प्राथमिकता किसानों को खाद उपलब्ध कराना है।

रीको औद्योगिक क्षेत्र पर सवाल

विधायक गुरवीर सिंह ने रीको औद्योगिक क्षेत्र में गैर-औद्योगिक उपयोग का मुद्दा उठाया। जवाब में उद्योग मंत्री राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि रीको के पास दो प्रकार की जमीनें हैं- एक जो स्वयं विकसित की जाती है और दूसरी हस्तांतरित जमीनें। उन्होंने बताया कि औद्योगिक क्षेत्र में 15 प्रतिशत गैर-औद्योगिक उपयोग की अनुमति है। राठौड़ ने कहा कि नया एक्ट जल्द लाया जाएगा, जो प्रवर समिति के पास है और इससे सभी समस्याएं हल हो जाएंगी।

वसुंधरा पहुंचीं विधानसभा

कांग्रेस विधायक कानून व्यवस्था के विरोध में वेल में उतरे

जयपुर, 8 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा में सोमवार को प्रश्नकाल के बाद पूर्व सीएम वसुंधरा राजे भी पहुंची। वसुंधरा राजे ने जिस अंदाज में अपनी सियासी सक्रियता बढ़ाई है उसे लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं हैं। इधर कांग्रेस विधायकों का विरोध प्रदर्शन सदन के भीतर भी जारी रहा। कांग्रेस विधायकों ने कानून व्यवस्था को लेकर पहले सदन के बाहर नारेबाजी की। इसके बाद सदन में प्रश्नकाल के बाद शून्यकाल शुरू होते ही कांग्रेस विधायकों ने कानून व्यवस्था का मुद्दा उठाते हुए सरकार को घेरने की कोशिश की। चौमू से कांग्रेस विधायक शिखा बराला और नीमकाथाना से सुरेश मोदी ने स्थगन प्रस्ताव पर 2 मिनट बोलते हुए सरकार पर कानून व्यवस्था को लेकर विफल होने के अरोप लगाए। शिखा बराला ने कहा कि अपराधों के मामले में जयपुर ने देश के दूसरे शहरों को पीछे छोड़ दिया है। यहां महिलाएं सुरक्षित नहीं है। दिन दहाड़े चैन स्नैचिंग हो रही है। बीजेपी विधायकों ने विरोध किया तो कांग्रेस विधायक नारेबाजी करते हुए वेल में आ गए।

वहीं प्रश्नकाल दौरान खाद संकट और कालाबाजारी के मुद्दे पर भी जोरदार बहस देखने को मिली। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने पूरक सवाल करते हुए कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा से पूछा कि उन्होंने फैक्ट्रियों पर छापे तो मारे, लेकिन कितने मिलावटखोरों को जेल भेजा गया? उन्होंने मुख्यमंत्री की भरतपुर बैठक का हवाला देते हुए पूछा, सीएम ने बैठक की, लेकिन उसका क्या नतीजा निकला? इसके जवाब में कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने कहा कि दो कंपनियों के गोदाम, जो टैगिंग से भरे थे, उन्हें सील कर दिया गया है। उन्होंने विपक्ष से सहयोग की अपील करते हुए कहा, हमें विपक्ष का भी साथ चाहिए ताकि कालाबाजारी पर सख्त कार्रवाई हो सके। मीणा ने बताया कि भरतपुर में भी चूरू की तरह ही खाद की पर्याप्त उपलब्धता है। प्रदेश में किसी भी जिले में यूरिया की कोई कमी नहीं है। केवल डीएपी की थोड़ी बहुत कमी है। लेकिन हम यह सुनिश्चित करेंगे कि आगे किसी भी प्रकार की खाद की कमी ना हो। उन्होंने कहा कि डीएपी की कमी वैश्विक कारणों, विशेषकर यूक्रेन युद्ध और जियोपॉलिटिकल परिस्थितियों की वजह से आई है। यूरिया की प्रदेश में कोई कमी नहीं है, और हम हर शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करेंगे।

अशोक परनामी ने साधा निशाना

बोले- मुख्यमंत्री के विजन को पचा नहीं पा रहे हैं गहलोत

जयपुर, 8 सितंबर (एजेंसियां)। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के हालिया बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी। परनामी ने कहा कि गहलोतजी को राजनीति जनसेवा का माध्यम मानना चाहिए, लेकिन उन्होंने अपने पिछले पांच साल केवल आपसी खींचतान और कुर्सी की लड़ाई में गंवा दिए। उन्होंने सवाल किया कि गहलोत को किस सलाहकार ने अपने ही युवा नेताओं को नाकारा-निकम्मा कहने की राय दी थी।

परनामी ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पौने दो साल के कार्यकाल में जो उपलब्धियां हासिल की हैं, वह गहलोत तीन बार मुख्यमंत्री रहते हुए भी नहीं कर पाए। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने संगठन और जनता के साथ मिलकर काम करते हुए संकल्प पत्र के 50 प्रतिशत से अधिक वादे पूरे किए हैं।

उन्होंने गिनाया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश को ईआरसीपी, यमुना जल समझौते की सौगात दी, बिजली में आत्मनिर्भरता की दिशा में बड़ा कदम उठाया और युवाओं को 75 हजार से अधिक सरकारी नौकरियां दीं। उनके कार्यकाल में एक भी पेपर लीक नहीं हुआ, जिससे युवा वर्ग का विश्वास सरकार पर और मजबूत हुआ है।

परनामी ने गहलोत सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि गहलोत के समय में प्रदेश महिला अपराध, महंगी बिजली और भ्रष्टाचार में नंबर वन था। किसानों से कर्जमाफी का झूठा वादा कर उन्हें ठगा गया और पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाकर जनता की जेब पर डाका डाला गया।

उन्होंने कहा कि गहलोतजी अब सकारात्मक राजनीति करें, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की विकासपरक नीतियों की सराहना करें और सुझाव भी दें। भाजपा सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सपनों का भारत बनाने की दिशा में कार्य कर रही है और राजस्थान को विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ा रही है।

एसआई भर्ती रद्द करने पर लगी रोक,

चयनित सब इंस्पेक्टरों ने की अपील

जयपुर, 8 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में बहुप्रतीक्षित सब इंस्पेक्टर भर्ती-2021 की परीक्षा रद्द करने में एक बड़ा मोड़ आ गया है। सोमवार को राजस्थान हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने एकल पीठ द्वारा भर्ती रद्द करने के आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है। अब यह मामला जस्टिस एसपी शर्मा की खंडपीठ में सुनवाई के लिए तय किया गया है। अमर सिंह व अन्य चयनित सब इंस्पेक्टरों ने एकल पीठ के फैसले को चुनौती देते हुए अपील दायर की है। अपील में कहा गया है कि पेपर लीक का मामला व्यापक स्तर पर नहीं हुआ था, बल्कि यह कुछ व्यक्तियों तक ही सीमित था। आरपीएससी सदस्यों द्वारा लीक पेपर भी केवल उनके बच्चों और रिश्तेदारों तक पहुंचा था। ऐसे में पूरी भर्ती को रद्द करना कानून सम्मत नहीं है। अपीलकर्ताओं ने यह भी दलील दी कि भर्ती की सभी प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद उन्हें नियुक्ति दी गई है। इस प्रकार उनके अधिकार सृजित हो चुके हैं और अब उन्हें नियुक्ति से वंचित करना न्यायसंगत नहीं होगा। कई चयनित उम्मीदवारों ने इस भर्ती के लिए अन्य सरकारी नौकरियां छोड़ी थीं। ऐसे में संपूर्ण भर्ती को निरस्त करना उनके साथ गंभीर अन्याय होगा। ट्रेनी एसआई की ओर से वरिष्ठ वकील आरएन माथुर, कमलाकर शर्मा, अलंकृता शर्मा और तनवीर अहमद पैरवी करेंगे। वहीं दूसरी ओर जिन याचिकाकर्ताओं के पक्ष में सिंगल बेंच का फैसला आया था, उन्होंने हाईकोर्ट में कैविएट दायर कर रखी है। उनके वकील हरेन्द्र नील ने कहा कि हम डिवीजन बेंच में भी मजबूती से अपना पक्ष रखेंगे। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट भी यह स्पष्ट कर चुका है कि यदि सही और गलत में छंटनी संभव न हो, तो भर्ती रद्द करना ही न्यायोचित कदम है। ऐसे में डिवीजन बेंच का फैसला हजारों अभ्यर्थियों के भविष्य को प्रभावित करेगा।

मिनी सचिवालय को बम से उड़ाने की धमकी

6 महीने में तीसरी बार आया मेल

अलवर, 8 सितंबर (एजेंसियां)। अलवर जिले के मिनी सचिवालय को एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी मिली है। सोमवार को आए मेल में लिखा गया कि 8 सितंबर तक मिनी सचिवालय को बम से उड़ा दिया जाएगा। यह बीते छह महीनों में तीसरी बार है जब सचिवालय को इस तरह की धमकी दी गई है। इससे पहले 15 अप्रैल और 14 मई को भी धमकी भरे मेल आए थे। दोनों बार प्रशासन ने पूरे परिसर की तलाशी ली थी, लेकिन कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली।

मेल से मचा हड़कंप, कर्मचारियों को बाहर निकाला

धमकी भरा मेल आते ही सचिवालय से सुरक्षा एजेंसियों ने तुरंत सभी कर्मचारियों और आमजन को बाहर निकाल दिया। पूरे परिसर को की तलाशी शुरू की गई। एडीएम बीना महावर ने बताया कि प्राथमिक जांच में यह सामने आया है कि धमकी भरा मेल जिले के बाहर से भेजा गया है। पहले भी ऐसे मेल चेन्नई से आए थे और इस बार भी उसी तरह का पैटर्न सामने आ रहा है।

एडीएम ने बताया कि सुरक्षा जांच पूरी होने तक सचिवालय को खाली कराया गया। दोपहर तक तलाशी अभियान के बाद सामान्य कामकाज फिर से शुरू गया। 15 अप्रैल को आए मेल में मिनी सचिवालय में आरडीएक्स इंस्टॉल करने की धमकी दी गई थी। 14 मई को भी ऐसा ही मेल मिला था, लेकिन जांच में कुछ भी संदिग्ध बरामद नहीं हुआ। अब तीसरी बार धमकी आने से सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर हैं।

पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 7.4 किलो एमडी ड्रग्स जब्त; दो कारों समेत 4 तस्कर गिरफ्तार

हनुमानगढ़, 8 सितंबर (एजेंसियां)। बीकानेर रेंज में नशाखोरी के खिलाफ चल रहे विशेष अभियान के तहत हनुमानगढ़ और चूरू पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई कर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान सात किलो 445 ग्राम एमडी ड्रग्स जब्त की और तस्करी में शामिल चार आरोपियों को गिरफ्तार किया।

हनुमानगढ़ पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि तस्कर एमडी ड्रग्स की बड़ी खेप लेकर जा रहे हैं। इस सूचना के आधार पर रतनगढ़ थाना पुलिस के सहयोग से संयुक्त ऑपरेशन चलाया गया। कार्रवाई में दो कारें जब्त की गईं, जिनका इस्तेमाल नशे की तस्करी में किया जा रहा था।

पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों में नागौर जिले के डेगाना थाना क्षेत्र के जैतपुरा कला की हिरनी ढाणी निवासी नरसाराम (50), श्रवण राम (40), राजेश (22) और जोधपुर ग्रामीण के भोपालगढ़ निवासी स्वामी सत्य प्रकाश (50) शामिल हैं। इन सभी पर एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/22, 29 के तहत केस दर्ज किया गया है।

यह कार्रवाई बीकानेर रेंज के आईजी हेमंत शर्मा के निर्देशन और हनुमानगढ़ एसपी हरी शंकर के मार्गदर्शन में की गई। संयुक्त पुलिस टीम में रतनगढ़ थाना प्रभारी पुलिस निरीक्षक दिलीप सिंह के नेतृत्व में 7 सदस्यीय दल और हनुमानगढ़ से पुलिस निरीक्षक अशोक बिश्नोई के नेतृत्व में 9 सदस्यीय दल शामिल रहा।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी का दौरा

बोराज तालाब त्रासदी के पीड़ितों से की मुलाकात

अजमेर, 8 सितंबर (एजेंसियां)। बोराज तालाब की पाल टूटने से आई त्रासदी के बाद अजमेर के स्वास्तिक नगर में हालात सामान्य नहीं हो पाए हैं। सोमवार को राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने प्रभावित इलाके का दौरा कर पीड़ित परिवारों से मुलाकात की। उन्होंने लोगों की समस्याएं सुनीं और हर संभव मदद व राहत दिलाने का भरोसा दिया।

डिप्टी सीएम ने प्रभावित परिवारों से संवाद कर दिया मदद का भरोसा

जानकारी के मुताबिक, वरुण सागर मार्ग स्थित स्वास्तिक नगर में पाल टूटने के बाद पानी भर जाने से कई घरों और दुकानों को भारी नुकसान हुआ।

दर्जनों वाहन बह गए और लाखों की संपत्ति बर्बाद हो गई। कई परिवारों को रात भर सुरक्षित स्थानों पर शरण लेनी पड़ी। इन हालात को देखते हुए उपमुख्यमंत्री ने पीड़ित परिवारों से सीधा संवाद किया और प्रशासन को राहत व पुनर्वास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए।

शिक्षामंत्री ने जीत लिया दिल! परीक्षा में भतीजी झाड़ रही थी रौब तो दो टूक में समझाया- 'रूल इज रूल'

बारां, 8 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने एक अनोखा उदाहरण पेश किया। उनकी भतीजी सीमा परिहार द्वितीय श्रेणी शिक्षक भर्ती परीक्षा के सामान्य ज्ञान पेपर के लिए देर से पहुंची। परीक्षा केंद्र के गेट पर वह करीब आधे घंटे तक अधिकारियों से गुहार लगाती रही। माता-पिता भी हाथ जोड़कर विनती करते रहे, मगर तय समय निकल जाने के कारण प्रवेश नहीं मिला। इसके बाद छात्रा ने अपने 'फूफा' जो प्रदेश के शिक्षा मंत्री हैं उन्हें फोन लगाकर मदद मांगी।

मुसीबत में फंसी शिक्षा मंत्री की भतीजी!

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर की भतीजी सीमा परिहार रविवार को अपनी एक गलती की वजह से मुसीबत में फंस गई। इस दौरान अपने फूफा और शिक्षा मंत्री मदन दिलावर को फोन कर मदद मांगी। आम तौर पर कोई बड़े पद पर होता है तो अपने बच्चों की मदद कर देता है लेकिन यहां कुछ और ही देखने को मिला। मदन दिलावर ने छात्रा से साफ कह दिया कि 'नियम सबके लिए समान हैं, परीक्षा में बैठने वाले सभी अभ्यर्थी मेरे लिए समान हैं। देर से पहुंचने पर कोई रियायत नहीं दी जा सकती।'

छात्रा सीमा परिहार ने इसके बाद भी हार नहीं मानी। उसने प्रशासन से परीक्षा में प्रवेश के लिए लगातार गुहार लगाई लेकिन सीमा को प्रवेश नहीं दिया गया। नतीजा यह रहा कि मंत्री मदन दिलावर की भतीजी को परीक्षा दिए बिना ही वापस लौटना पड़ा। इस पूरे घटनाक्रम ने एक बार फिर यह संदेश दिया कि नियम कानून के सामने रिश्तेदारी भी मायने नहीं रखती। इस पूरी घटना के कई वीडियो भी सामने आए।

विदेश में बैठा 'आका' रचता है साइबर ठगी का खेल

अजमेर, 8 सितंबर (एजेंसियां)। साइबर थाना पुलिस ने वरिष्ठ आरएएस अधिकारी की पत्नी को डिजिटल अरेस्ट कर साढ़े सात लाख रुपए की साइबर ठगी के मामले में एक आरोपी को केरल से गिरफ्तार किया है। आरोपी ने पीड़िता से रकम अपनी बहन के खाते में ट्रांसफर करा निकासी कर ली। पुलिस ने 72 घंटे में आरोपी को दबोच कर साढ़े 3 लाख रुपए की रकम रिकवर की है। पुलिस पड़ताल में आया कि डिजिटल अरेस्ट कर रकम ऐंठने वाले साइबर फ्रॉड गैंग का आका विदेश में बैठा है। उसके इशारे पर ठगी की रकम को ट्रांसफर, निकासी का हिसाब किताब और सारा धोखादड़ी का खेल रचा जाता है।

72 घंटे में धरा आरोपी

सहयोगी ने उगले राज

एसपी वंदिता राणा ने बताया कि ने बताया कि डिजिटल अरेस्ट कर रकम ऐंठने के मामले में साइबर पोर्टल 1930 की रिपोर्ट से संदिग्ध बैंक खातों की पहचान करते हुए प्रकरण दर्ज होने के 72 घण्टे में केरल कासरगोडब केलेपनायल चेरूम्बा निवासी मोहम्मद इस्माइल सी.के.(29) पुत्र नफीसा उर्फ नबीसा को गिरफ्तार किया। पुलिस ने ठगी गई रकम में से साढ़े 3 लाख रुपए की रिकवरी करते हुए पीड़िता के बैंक खाते में जमा करवाए। कार्रवाई में एएसपी(सिटी) हिमांशु जांगिड़ के निर्देशन में साइबर थानाप्रभारी (आरपीएस) हनुमान सिंह के नेतृत्व में एएसआई बाबूसिंह, सिपाही सोनू, रामदयाल, सुमित, सुमित्रा, चालक दशरथसिंह शामिल रहे।

बहन के खाते में डलवाई रकम

पुलिस पड़ताल में आया कि 12वीं पास मोहम्मद इस्माइल लम्बे समय से दुबई में होटल में नौकरी कर रहा है। वह गत अप्रेल में केरल लौटा था। दुबई में उसकी मुलाकात साइबर ठग से होने पर ठगी की रकम खाते में ट्रांसफर कराने की एवज में कमीशन का झांसा दिया। उसने साइबर ठग के कहने पर धोखाधड़ी की रकम बहन के खाते में डलवा नकद निकासी कर ली। थानाप्रभारी हनुमानसिंह ने बताया कि पीड़िता से ठगी गई शेष चार लाख रुपए की रकम का भी पता लगाया जा रहा है। रकम अलग-अलग बैंक खातों में ट्रांसफर की गई है।

तेज धारा में हार गई जिंदगी, पुलिया पार कर रहा बुजुर्ग पानी में बहा, नाकाम हुई बचाने की कोशिशें

उदयपुर, 8 सितंबर (एजेंसियां)। जिले के सायरा थाना क्षेत्र में आज सुबह एक दर्दनाक हादसा सामने आया। तिरोल गांव के बोरमचा पुलिया पर 60 वर्षीय बुजुर्ग जालूराम गमेती तेज बहाव में बह गए। करीब एक घंटे तक ग्रामीणों ने उन्हें बचाने की कोशिश की लेकिन पानी का वेग इतना ज्यादा था कि सफलता नहीं मिल पाई और उनकी मौत हो गई। जालूराम पुलिया पार कर रहे थे तभी अचानक पानी का जोरदार बहाव आ गया। संतुलन बिगड़ते ही वे धारा में बह गए। उन्हें बचाने के लिए ग्रामीणों के सारे प्रयास नाकाम रहे और देखते-ही-देखते हादसा हो गया। इस घटना का लाइव वीडियो भी सामने आया है, जिसमें जालूराम को पानी के तेज बहाव में बहते हुए देखा जा सकता है।

घटना की सूचना मिलते ही सायरा थानाधिकारी किशोर सिंह और तहसीलदार सुरेश मेहता मौके पर पहुंचे। पुलिस ने तुरंत उदयपुर की राहत और बचाव टीम को भी अलर्ट किया।

बताया जा रहा है कि गोगुंदा क्षेत्र में पिछले चार दिनों से लगातार हो रही भारी बारिश के कारण नदी-नाले ऊफान पर हैं।

पानी के तेज बहाव के चलते ग्रामीणों की आवाजाही और रोजमर्रा की गतिविधियां प्रभावित हो रही हैं। इस हादसे ने पूरे इलाके को गहरे शोक में डाल दिया है।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर भीषण हादसा

पिकअप को चीरते हुए चालक के शरीर में घुसी रेलिंग, मौके पर ही मौत

सवाई माधोपुर, 8 सितंबर (एजेंसियां)। सवाई माधोपुर में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर रामगढ़ पचवारा थाना क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाला हादसा हो गया। दिल्ली से सवाई माधोपुर की ओर जा रही एक पिकअप गाड़ी बिडोली के पास पिलर नंबर 215-216 पर अनियंत्रित होकर रेलिंग से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि लोहे की रेलिंग पिकअप को चीरते हुए सीधे चालक के शरीर में जा घुसी और उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

नींद ने छीनी जान, अनियंत्रित होकर भिड़ी पिकअप

प्रारंभिक जांच के अनुसार, गाड़ी चलाते समय ड्राइवर को झपकी आ गई, जिससे वाहन का संतुलन बिगड़ गया। पिकअप बेकाबू होकर हाइवे की रेलिंग में घुस गई। भीषण टक्कर में लोहे की छड़ चालक के आर-पार निकल गई और उसने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया।

हादसे के बाद हाईवे पर जाम जैसे हालात

हादसे की तेज आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण और राहगीर मौके पर पहुंचे। घटनास्थल पर कुछ देर के लिए अफरातफरी और वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। फंसे हुए चालक को निकालने की कोशिशें नाकाम रहीं। बाद में पुलिस की मौजूदगी में क्रेन और मशीनों की मदद से चालक को बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

मृतक की पहचान दिल्ली निवासी सोनू के रूप में

रामगढ़ पचवारा थाना अधिकारी मदनलाल ने बताया कि मृतक की पहचान दिल्ली निवासी सोनू के रूप में हुई है। शव को उप जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच में हादसे का मुख्य कारण चालक को नींद आ जाना माना

प्रति व्यक्ति आय के मामले में तेलंगाना भारत में पहले स्थान पर : भट्टी

हैदराबाद, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि तेलंगाना भारत का अग्रणी राज्य बन गया है। उन्होंने कृषि, उद्योग और सेवाओं में निरंतर वृद्धि के माध्यम से यह दर्जा हासिल किया है और इस प्रकार कर्नाटक और हरियाणा को पीछे छोड़ दिया है। सोमवार को यहां राज्य स्तरीय बैंकरों की बैठक में बोलते हुए, उपमुख्यमंत्री ने कहा कि केवल पहली तिमाही में वार्षिक ऋण योजना (एसीपी) के लक्ष्यों का 33.64 प्रतिशत प्राप्त करना सराहनीय है और उन्होंने सुझाव दिया कि बैंकों को इंदिराम्मा आवास लाभार्थियों, स्व-रोजगार योजनाओं और कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों को उदारतापूर्वक ऋण प्रदान करना चाहिए। उन्होंने कहा, राज्य सरकार कृषि को अर्थव्यवस्था की रीढ़ मानती है। किसानों की ओर से, सरकार पहले ही फसल ऋण माफी और ऋतु भरोसा के लिए बैंकों में 30,000 करोड़ रुपये जमा कर चुकी है।

यह बैंकिंग रिकवरी के इतिहास में एक रिकॉर्ड है। उन्होंने कहा, मैं बैंकरों से किसानों को समय पर ऋण उपलब्ध कराने की अपील करता हूं। उन पर गिरवी या सावधि जमा पर ज़ोर देकर दबाव न डालें। सहानुभूति दिखाएं और मानवीय दृष्टिकोण से सोचें। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि तेलंगाना ने अब देश में सबसे अधिक प्रति व्यक्ति आय (3.87 लाख रुपये प्रति व्यक्ति) हासिल कर ली है, जिसने कर्नाटक और हरियाणा को पीछे छोड़ दिया है, और पांच वर्षों में पहली बार यह शीर्ष स्थान हासिल किया है। उन्होंने कहा कि कृषि, उद्योग और सेवाओं में मज़बूत विकास के साथ, तेलंगाना भारत की सबसे गतिशील अर्थव्यवस्थाओं में से एक और अन्य राज्यों के लिए एक आदर्श बन गया है। भट्टी विक्रमार्क ने कहा, हम सभी को इस प्रगति से प्रेरणा लेनी चाहिए और अपने लोगों के व्यापक कल्याण के लिए खुद को फिर से समर्पित करना चाहिए। तेलंगाना के उत्थान में बैंकरों की महत्वपूर्ण भूमिका है। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में, बैंकों ने प्राथमिकता क्षेत्र ऋण क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि पहली ही तिमाही में 33.64 प्रतिशत एसीपी लक्ष्य हासिल करना सराहनीय है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य लगातार उच्च ऋण-ब्याज अनुपात (सीडीआर) बनाए रखता है, जो गर्व की बात है- इस तिमाही में यह 126.50 प्रतिशत रहा और तेलंगाना औद्योगिक, कृषि और सेवा क्षेत्र में वृद्धि के साथ-साथ सरकार द्वारा की जा रही कई विकास पहलों के साथ सबसे तेज़ी से बढ़ते राज्यों में से एक बना हुआ है। भट्टी ने कहा, बैंकरों को कृषि ऋण वितरण में सहानुभूतिपूर्वक व्यवहार करना चाहिए। किसानों को ऋण लेने की शर्त के रूप में अपनी संपत्ति गिरवी रखने या जमा राशि जमा करने के लिए मजबूर करना उचित नहीं है। समाज के समावेशी विकास के लिए यह आवश्यक है।

कुमावत सेवा समिति उप्पल का नवरात्रि जागरण 29 को

हैदराबाद, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कुमावत सेवा समिति उप्पल चेंगीचेरला मंदिर भवन में समाज बन्धुओं के सानिध्य में सोमवार 29 सितंबर को भव्य जागरण का आयोजन किया जाएगा।

विज्ञप्ति में अध्यक्ष बाबुलाल खरनालिया, सचिव नाथुराम लारना ने संयुक्त रूप से बताया कि हर वर्ष की भांति समाज बन्धुओं के सानिध्य में माताजी का 16वाँ विशाल जागरण रात्रि 8.30 बजे से आयोजित किया जाएगा। जिसमे आस्था टी.वी. चैनल फेम सिंगर कन्हैया वैष्णव भजनों के पुष्प अर्पित करेंगे। पधारे समाज बन्धुओं व भक्तों के लिए भोजन प्रसादी की व्यवस्था सायं 7:30 बजे से कार्यक्रम स्थल पर रहेगी। 22 सितंबर प्रात: वेला में पूजा-अर्चनाकर माताजी की मूर्ति की स्थापनाकर 2 सितंबर तक प्रतिदिन

रंगारंग डांडिया-नृत्य का कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा।

उपरोक्त कार्यक्रम में सभी पदाधिकारी व कार्यकारिणी सदस्यण सपरिवार उपस्थित रहेंगे। संरक्षक चन्द्रप्रकाश मोटावत, पारसमल रेनवाल ने समाज बन्धुओं से निवेदन किया है कि नवरात्रि महोत्सव मे पुजा-अर्चना, डांडिया व भजनों के कार्यक्रम में सपरिवार पधारकर कार्यक्रम का लाभ लेवे।

एआईएनयू ने राष्ट्रीय पोषण सप्ताह पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बंजारा हिल्स स्थित एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ नेफ्रोलॉजी एंड यूरोलॉजी (एआईएनयू) ने राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के अवसर पर स्वस्थ खान-पान की आदतों और गुर्दे की सेहत के महत्व पर आधारित कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की। अस्पताल में विशेष आहार परामर्श, किडनी-फ्रेंडली रेसिपी शेयरिंग सत्र और मोटापा, उच्च रक्तचाप व मधुमेह से बचाव हेतु स्वस्थ भोजन पर चर्चाएँ की गईं।

मंत्री ने परियोजनाओं में ठोस परिणामों के महत्व पर जोर दिया

ढाई घंटे की समीक्षा बैठक में कई मामले पर चर्चा

हैदराबाद, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने सोमवार को वरिष्ठ अधिकारियों को सभी चालू सिंचाई परियोजनाओं की प्रगति में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि सरकार को "स्पष्ट परिणाम" देने होंगे क्योंकि इस दिसंबर में वह अपने दो साल पूरे कर लेगी। उन्होंने जल सौध में ढाई घंटे की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की, जहां उन्होंने जल आवंटन मंजूरियों और न्यायाधिकरण की सुनवाई से लेकर गाद निकालने के कार्यों, भूमि अधिग्रहण और क्षतिग्रस्त बैराजों के जीर्णोद्धार जैसे मुद्दों की जांच की।

उत्तम कुमार रेड्डी ने सम्मक्का सरक्का परियोजना को सर्वोच्च प्राथमिकता दी और बताया कि केंद्रीय जल आयोग ने जल आवंटन और तकनीकी सलाहकार समिति (टीएसी) की मंज़ूरी पर निर्णय लेने के लिए 23 सितंबर को दिल्ली में एक बैठक निर्धारित की है।

मंत्री ने अधिकारियों से अयाकट पर आवश्यक सिमुलेशन रिपोर्ट तुरंत प्रस्तुत करने और छत्तीसगढ़ सरकार से अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने का निर्देश दिया, जिसे पहले ही डूब रिपोर्ट प्राप्त हो चुकी है। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि सीताराम सागर, मोदीकुंटावगु, चनाका-कोराटा वितरण प्रणालियों और चिन्ना कालेश्वरम परियोजनाओं के लिए निवेश मंज़ूरी के आवेदन एक सप्ताह के भीतर पूरे कर लिए जाएं ताकि सरकार बाद में पीएमकेएसवाई योजना के तहत वित्त पोषण के लिए केंद्र से संपर्क कर सके। कृष्णा जल विवाद न्यायाधिकरण (केडब्ल्यूडीटी) के मुद्दों की समीक्षा करते हुए, मंत्री ने कहा कि 23-25 सितंबर को होने वाली सुनवाई से पहले सुप्रीम कोर्ट के वकील सी.एस. वैद्यनाथन के साथ एक और दौर की चर्चा होगी, जिसमें वह स्वयं शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि यदि उनका कार्यक्रम अनुमति देता है तो मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी भी इसमें शामिल हो सकते हैं।

मेडिगड्डा, अन्नाराम और सुंदिला बैराजों के जीर्णोद्धार पर, उत्तम कुमार रेड्डी ने दोहराया कि सरकार का रुख बिल्कुल स्पष्ट है और पुनर्वास कार्य राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण (एनडीएसए) की रिपोर्ट के अनुसार सख्ती से आगे बढ़ेंगे।

उन्होंने निर्देश दिया कि संरचनात्मक परीक्षण के लिए आईआईटी जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों की सेवाएं ली जाएं और अधिकारियों से बाढ़ का पानी कम होने पर कार्ययोजना तैयार रखने को कहा। उन्होंने कहा, हमें इन बैराजों की सुरक्षा और उपयोगिता सुनिश्चित करने के लिए अगले मानसून से पहले काम करना होगा।

उन्होंने अब अधिकारियों से जुराला, नागार्जुन सागर, एसआरएसपी, निज़ाम सागर, हुसैनसागर और अन्य परियोजनाओं में इसी तरह के कार्यों के लिए प्रस्ताव तैयार करने को कहा है।

नाबालिग के साथ बलात्कार, विसर्जन के दौरान घटी घटना

दो लोगों के खिलाफ पोक्सो के तहत मामला दर्ज

हैदराबाद, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उपनगर याचारम में शनिवार रात दो व्यक्तियों ने एक नाबालिग लड़की के साथ कथित तौर पर बलात्कार किया। जानकारी के अनुसार, यह घटना एक गांव में गणेश प्रतिमा विसर्जन के दौरान घटी, जब दो व्यक्ति 15 वर्षीय लड़की के पास पहुंचे और उसे बताया कि उसकी मां पर कुछ अज्ञात लोग हमला कर रहे हैं। वे उसे गांव से दूर एक खेत में बने कमरे में ले गए और उसके साथ दुष्कर्म किया। उनकी हरकतों से डरी हुई लड़की उनसे बचकर भाग निकली और गांव वालों के पास पहुंची, जिन्होंने फिर पुलिस को बुलाया।

जब तक पुलिस मौके पर पहुंची, तब तक संदिग्ध वहां से भाग चुके थे। एसीपी राजू, याचारम इंस्पेक्टर नंदीश्वर ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और लड़की को वनस्थलीपुरम क्षेत्रीय अस्पताल में मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा गया। पता चला है कि एक आरोपी विवाहित है और उसके दो बच्चे हैं, जबकि दूसरा अविवाहित है। पीड़िता की मां की शिकायत के आधार पर याचारम पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। याचारम पुलिस ने रविवार को दो लोगों के खिलाफ पोक्सो के तहत मामला दर्ज किया और जांच कर रही है।

केएनआरयूएचएस ने सामुदायिक स्वास्थ्य ब्रिज कोर्स परीक्षा की अधिसूचना जारी की

29 सितंबर को होगी कंप्यूटर आधारित परीक्षा, बीएएमएस स्नातक होंगे पात्र

हैदराबाद, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कलोजी नारायण राव स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (केएनआरयूएचएस) ने सामुदायिक स्वास्थ्य में सर्टिफिकेट प्रोग्राम हेतु ब्रिज कोर्स की परीक्षा के लिए अधिसूचना जारी कर दी है। यह परीक्षा रविवार, 29 सितंबर 2025 को दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित की जाएगी।

कंप्यूटर आधारित इस परीक्षा में दो पेपर होंगे- पेपर-I और पेपर-II, प्रत्येक 70 अंकों का होगा।

इस परीक्षा में वही बीएएमएस (बैचलर ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिन एंड सर्जरी) स्नातक बैठ सकेंगे, जिन्हें एमएलएचपी (मिड-लेवल हेल्थ प्रोवाइडर) के रूप में चयनित किया गया है और जिन्होंने जिलों में निर्धारित अध्ययन केंद्रों पर प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद सामुदायिक स्वास्थ्य सर्टिफिकेट प्रोग्राम पूरा कर लिया है।

विश्वविद्यालय ने बताया कि परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन पंजीकरण लिंक 11 सितंबर से 18 सितंबर 2025 तक सक्रिय रहेगा। पात्र उम्मीदवार 22 सितंबर से विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट से अपना हॉल टिकट डाउनलोड कर सकेंगे, जिसमें परीक्षा केंद्र का विवरण भी दिया जाएगा।

ब्रिज कोर्स पूरा करने के बाद बीएएमएस स्नातकों को आधिकारिक तौर पर मध्य-स्तरीय स्वास्थ्य प्रदाता (एमएलएचपी) अथवा सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) के रूप में नामित किया जाएगा। ये अधिकारी ग्रामीण व वंचित क्षेत्रों में व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करेंगे, राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों को लागू करेंगे और सामान्य बीमारियों के लिए ओपीडी देखभाल उपलब्ध कराएंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि यह पहल स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को मजबूत करेगी और विशेष रूप से उन इलाकों में स्वास्थ्य पेशेवरों की कमी को दूर करेगी, जहां अभी तक पर्याप्त चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं।

श्रीकृष्ण कथा स्थल पर भूमि पूजन कार्यक्रम सम्पन्न

हैदराबाद, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सर्व श्री आशुतोष महाराज की अनुकम्पा से दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा श्री चिन्ना अनन्तगिरि शिवालयम्, पिलर नं. 143, अत्तापुर में आयोजित होने वाले आगामी श्रीकृष्ण कथा महोत्सव के शुभारम्भ से पूर्व आज कथा स्थल पर वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच भूमि पूजन सम्पन्न हुआ। श्रीकृष्ण कथा का आयोजन दिनांक 14 से 20 सितंबर तक प्रतिदिन सायं 3:30 बजे से 7:00 बजे तक होगा।

इस अवसर पर स्वामी प्रदीपनन्द तथा साध्वी भावना भारती के साथ अत्तापुर मंडल के अनेक गणमान्य अतिथि एवं श्रद्धालुजन उपस्थित रहे।

विशेष रूप से संतोष अग्रवाल, बाबूलाल जोशी, सरवन कुमार व्यास, लक्ष्मीकांत व्यास, नौरतमल कुमावत, सुरेश मोदी, प्रीतेश मोदी एवं पवन भारती उपस्थिति रहे। सभी ने आगामी कथा महोत्सव की सफलता एवं जन-जन तक भगवान श्रीकृष्ण की अमृतमयी लीलाओं का संदेश पहुँचने की मंगलकामना की।

तेलंगाना और डीकिन विश्वविद्यालय एआई उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करेंगे

हैदराबाद, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना को उभरती प्रौद्योगिकियों में वैश्विक अग्रणी बनाने के सरकार के मिशन के तहत, राज्य जल्द ही ऑस्ट्रेलिया के डीकिन विश्वविद्यालय के सहयोग से एक 'कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) उत्कृष्टता केंद्र' की स्थापना करेगा। इसके तहत, सोमवार को डॉ.बी.आर. अंबेडकर तेलंगाना सचिवालय में आईटी एवं उद्योग मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू की उपस्थिति में एक आशय पत्र (एलओआई) पर हस्ताक्षर किए गए। डीकिन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर इयान मार्टिन और आईटी विभाग के उप सचिव भावेश मिश्रा के बीच आशय पत्र का आदान-प्रदान किया गया। इस अवसर पर, मंत्री श्रीधर बाबू ने कहा कि यह पहल तेलंगाना और ऑस्ट्रेलिया के बीच एआई नवाचार, कौशल विकास, उद्यमिता और द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ावा देगी। उन्होंने कहा, यह कोई औपचारिक समझौता नहीं है, बल्कि गहन सहयोग का रोडमैप है। एआई केवल एक तकनीक नहीं है- यह समावेशी विकास और मानव विकास का एक सशक्त माध्यम है। इस केंद्र के माध्यम से, हम स्वास्थ्य सेवा, कृषि और शासन में सहयोगात्मक अनुसंधान करेंगे, नागरिक सेवाओं को बेहतर बनाएंगे और गंभीर सामाजिक चुनौतियों के समाधान विकसित करेंगे। श्रीधर बाबू ने आगे कहा कि 'यंग इंडियन स्किल यूनिवर्सिटी' के सहयोग से, केंद्र बाजार-उन्मुख एआई पाठ्यक्रम तैयार करेगा, युवाओं को अंतर्राष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षण देगा और ऑस्ट्रेलियाई विशेषज्ञों के माध्यम से स्टार्टअप्स को मार्गदर्शन प्रदान करेगा। उन्होंने आगे कहा, हमारा उद्देश्य तेलंगाना से दुनिया के सबसे मजबूत एआई और डिजिटल परिवर्तन प्रतिभा समूहों में से एक का निर्माण करना है।

प्रोफ़ेसर इयान मार्टिन ने इस बात पर ज़ोर दिया कि भारत में केंद्र स्थापित करने का डीकिन विश्वविद्यालय का निर्णय तेलंगाना के सक्रिय दृष्टिकोण से प्रेरित था। उन्होंने कहा, तेलंगाना इस पहल के लिए सबसे उपयुक्त पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान करता है। राज्य को वैश्विक एआई नेता के रूप में स्थापित करने के सरकार के प्रयास सराहनीय हैं। हमारा लक्ष्य जनहित के लिए ज़िम्मेदार और प्रभावी एआई समाधान प्रदान करना है, और तेलंगाना इस सहयोग के लिए सही आधार प्रदान करता है। हस्ताक्षर समारोह में स्टीवन, उप महावाणिज्यदूत (ऑस्ट्रेलियाई महावाणिज्य दूतावास, बेंगलुरू), एंड्रयू कॉलिस्टर, वाणिज्यदूत, वीका सिंह, व्यापार और निवेश आयुक्त, रंजनी माधवन, राजनीतिक और आर्थिक अनुसंधान अधिकारी, के साथ-साथ डीकिन विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि रौनित पाहवा, प्रियंका सिंह और गायत्री वेद नारायणन उपस्थित थे।

सीएसआईआर-आईआईसीटी में हिंदी पखवाड़ा का शुभारंभ

हैदराबाद, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सीएसआईआर-आईआईसीटी में हिंदी पखवाड़ा का शुभारंभ किया गया। मुख्य वैज्ञानिक डॉ. गंगाग्नि राव ने रूस के विज्ञान एवं उच्च शिक्षा उप मंत्री कॉन्स्टेंटिन मोगिलेव्स्की के वक्तव्य का जिक्र करते हुए कहा कि रूस में हिंदी सीखने के प्रति रूचि बढ़ी है।

वहां जो छात्र हिंदी सीख रहे हैं उनके लिए व्यापार, व्यवसाय एवं अन्य सेवाओं के अवसर अधिक हैं। जाहिर है कि हिंदी देश की सीमाओं से परे वैश्विक स्तर पर व्यापार एवं व्यवसाय की भाषा बन रही है। संस्थान के प्रशासन नियंत्रक एम. आनंद कुमार ने कहा कि आप आनंदपूर्वक हिंदी सीखें और इसमें काम करें। इस अवसर पर संस्थान के प्रशासन अधिकारी श्यामसुंदर पी. और संस्थान के अन्य वैज्ञानिक, अधिकारी, कर्मचारी मौजूद थे।

संस्थान में सितंबर के पूरे माह में हिंदी प्रतियोगिताओं जैसे कि निबंध, वाक्, चित्र एक कथा अनेक, लघु फिल्म निर्माण, पुस्तक समीक्षा, समाचार वाचन, टंकण, नोटिंग-ड्राफ्टिंग, प्रश्नोत्तरी आदि कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा।

साथ ही वर्ष भर में निदेशक एवं हिंदी सेवियों के द्वारा हिंदी शब्दों का अधिक इस्तेमाल करनेवाले और इन प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत एवं सम्मानित किया जाएगा।

कार्यक्रम का संचालन हिंदी अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार एवं हिंदी अनुवादक आदर्श कुमार के द्वारा किया गया।

पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन

हैदराबाद, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, तेलंगाना के 30 छात्राओं और शिक्षकों के लिए तैयार 8-12 सितंबर के दौरान चलने वाले श्री अन्न प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन में नवीनतम प्रगति नामक पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया।

उद्घाटन समारोह में डॉ.जी श्याम प्रसाद, प्रभारी निदेशक, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने पोषक अनाज के रूप में श्री अन्न के महत्व पर प्रकाश डाला, जो पोषण सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन के प्रति लचीलेपन एवं आजीविका के अवसरों में महत्वपूर्ण योगदान देता है। उन्होंने छात्रों से कृषि, विशेष रूप से राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर ध्यान आकर्षित कर रहे, श्री अन्न में जिज्ञासा व वैज्ञानिक रुचि विकसित करने का आग्रह किया।

डॉ.ए श्रीनिवास, वरिष्ठ वैज्ञानिक, एवं प्रशिक्षण पाठ्यक्रम निदेशक ने प्रतिभागियों को प्रशिक्षण के उद्देश्यों से अवगत कराया।

उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम श्री अन्न प्रसंस्करण तकनीकों, मूल्यवर्धित उत्पाद विकास और उद्यमिता के अवसरों का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करेगा, जिसका उद्देश्य छात्रों व शिक्षकों में श्री अन्न के प्रति जागरूकता पैदा करना और क्षमता निर्माण करना है।

डॉ. रविचंद्रन, प्रोफेसर, व्यावसायिक शिक्षा विभाग, एनसीईआरटी-पीएसवी सीआईवीई, भोपाल, प्रशिक्षण के पर्यवेक्षक के रूप में उपस्थित थे। इस प्रशिक्षण के दौरान, प्रतिभागियों को उन्नत प्रसंस्करण तकनीकों, उत्पाद विविधीकरण, मूल्य शृंखला के अवसरों और श्री अन्न के पोषण संबंधी महत्व से अवगत कराया जाएगा। सीखने और कौशल निर्माण को बढ़ावा देने के लिए व्यावहारिक प्रदर्शन और परस्पर संवाद सत्र होंगे। यह कार्यक्रम जमीनी स्तर पर श्री अन्न आधारित ज्ञान प्रसार को बढ़ावा देने और युवा पीढ़ी को श्री अन्न क्रांति में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करने की भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

मेदक में यूरिया की कमी से किसानों की बढ़ीं मुश्किलें

किसानों ने लगाया कालाबाजारी और वितरण प्रणाली में गड़बड़ी का आरोप

सिद्दीपेट, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्ववर्ती मेदक जिले में यूरिया की भारी कमी से किसान परेशान हैं। हालात यह हैं कि एक बैग यूरिया पाने के लिए उन्हें कई दिनों तक लंबी कतारों में खड़ा रहना पड़ रहा है। सिद्दीपेट ज़िले के नांगनूर मंडल में किसानों ने कृषि विभाग द्वारा पट्टादार पासबुक की फोटोकॉपी के बजाय ओटीपी प्रणाली लागू करने का विरोध किया। उनका कहना है कि इससे वितरण प्रक्रिया धीमी हो गई है। साथ ही, मंडल कृषि अधिकारी गीता पर आरोप लगाया गया कि किसानों के कतार में खड़े रहने के दौरान स्टॉक को कालाबाजारी में भेजा जा रहा है।

जब गीता इस मुद्दे पर चर्चा के लिए मौके पर पहुंचीं, तो किसानों ने उनसे बहस की और अव्यवस्था के लिए सीधे तौर पर उन्हें ज़िम्मेदार ठहराया। इसी तरह के विरोध प्रदर्शन चिन्नाकोदुर, इरकोड समेत कई मंडलों में दर्ज किए गए।

वहीं, मेदक जिले के वेल्दुर्थी, शिववमपेट और अन्य इलाकों में भी किसानों ने आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कदम उठाने की मांग की। किसानों का कहना है कि सुबह से शाम तक लाइन में खड़े रहना उनकी दिनचर्या बन गया है, जिससे वे मौसम के इस अहम चरण में खेती-किसानी के कामकाज पर ध्यान नहीं दे पा रहे हैं।

टोकन के बाद भी किसानों को नहीं मिल रहा यूरिया

यूरिया संकट पर प्रवीण कुमार का कांग्रेस पर हमला

आदिलाबाद, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के राज्य महासचिव डॉ. आरएस प्रवीण कुमार ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार की लापरवाही और लालच के कारण किसानों को यूरिया खरीदने में दिक्कत हो रही है।

सोमवार को कागजनगर में यूरिया आपूर्ति की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे किसानों के साथ उन्होंने एकजुटता जताई। सभा को संबोधित करते हुए प्रवीण कुमार ने कहा कि जुलाई और अगस्त में टोकन जारी होने के बावजूद किसानों को यूरिया नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने सरकार पर किसानों को गुमराह करने और यह झूठा दावा करने का आरोप लगाया कि पर्याप्त स्टॉक भेजा जा चुका है।

उन्होंने सवाल उठाया, अगर यूरिया की आपूर्ति सही तरीके से हो रही है, तो किसान सड़कों पर क्यों उतर रहे हैं? उन्होंने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि यूरिया को 700 रुपये प्रति बोरी के हिसाब से काला बाज़ार में बेचा जा रहा है और इसका फायदा कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं को पहुंचाया जा रहा है। बीआरएस नेता ने किसानों को आश्वासन दिया कि के. चंद्रशेखर राव के कार्यकाल में यूरिया संकट जैसी समस्या नहीं थी और अगर वे फिर सत्ता में लौटते हैं, तो किसानों की समस्याएं दूर होंगी। उन्होंने अधिकारियों से समितियों में पारदर्शी तरीके से यूरिया वितरण सुनिश्चित करने की मांग की और किसानों से अपील की कि वे अपनी बारी का धैर्यपूर्वक इंतजार करें।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

कार्लोस अल्काराज ने सिनर को हराकर जीता यूएस ओपन का खिताब, बने नंबर 1

न्यूयॉर्क, 8 सितंबर (एजेंसियां)। स्पेन के टेनिस सुपरस्टार कार्लोस अल्काराज ने शानदार प्रदर्शन के साथ यूएस ओपन 2025 का पुरुष एकल खिताब अपने नाम कर लिया है। इसी के साथ ही उन्होंने जैनिक सिनर को हराकर यूएस ओपन खिताब जीता और विश्व नंबर 1 रैंकिंग भी हासिल की। नई दिल्ली, 8 सितंबर (आईएएनएस)। स्पेन के टेनिस सुपरस्टार कार्लोस अल्काराज ने शानदार प्रदर्शन के साथ यूएस ओपन 2025 का पुरुष एकल खिताब अपने नाम कर लिया है। इसी के साथ ही उन्होंने जैनिक सिनर को हराकर यूएस ओपन खिताब जीता और विश्व नंबर 1 रैंकिंग भी हासिल की। यूएस ओपन फाइनल में अल्काराज ने इटली के सिनर को चार सेटों में 6-2, 3-6, 6-1, 6-4 से हराकर

अपना दूसरा यूएस ओपन और छठा ग्रैंड स्लैम खिताब जीता।

इस जीत के साथ ही अल्काराज ने सिनर की 65 सप्ताह की विश्व नंबर 1 रैंकिंग को छीनकर फिर से शीर्ष स्थान हासिल किया है। दरअसल, अल्काराज ने मैच की शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। अल्काराज ने सिनर पर दबदबा कायम रखते हुए पहला सेट 6-2 से अपने नाम किया।

हालांकि, सिनर ने दूसरे सेट में वापसी की और 6-3 से जीतकर मुकाबला बराबर किया। अल्काराज ने तीसरे सेट में शानदार वापसी की और 6-1 से जीत हासिल की। इसके बाद चौथे सेट में 6-4 से जीत हासिल की। अल्काराज ने पूरे टूर्नामेंट में केवल एक सेट गंवाया, जो इस फाइनल में था। इस जीत के बाद कार्लोस अल्काराज जश्न में डूबे नजर आए।

उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वे कुछ लोगों के साथ अपनी जीत को सेलिब्रेट कर रहे हैं। 2025 में अल्काराज और सिनर के बीच यह लगातार तीसरा ग्रैंड स्लैम फाइनल था। इससे पहले अल्काराज ने फ्रेंच ओपन में सिनर को हराया था, जबकि सिनर ने विंबलडन में जीत हासिल की थी। अल्काराज छह ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने वाले ब्योर्न बोर्ग के बाद दूसरे सबसे युवा पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। उनके पास अब फ्रेंच ओपन, विंबलडन और यूएस ओपन में दो-दो खिताब हैं, जिसके साथ वह नोवाक जोकोविच, राफेल नडाल और मैट्स विलेंडर के साथ उन चुनिंदा पुरुष खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने तीनों सतहों (हार्ड कोर्ट, क्ले और घास) पर कई ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं। इस जीत के साथ उन्होंने 5 मिलियन डॉलर की पुरस्कार राशि भी हासिल की है।

सूर्यकुमार यादव नहीं, फखर जमां है दुनिया का सबसे खतरनाक टी-20 बैटर, शोएब अख्तर के बयान से मची सनसनी

खेल डेस्क, 8 सितंबर (एजेंसियां)। पूर्व पाकिस्तानी खिलाड़ी शोएब अख्तर अक्सर अपने बयानों को लेकर चर्चा में रहते हैं। हाल ही में अख्तर ने कहा था कि एशिया कप 2025 में चुनी गई पाकिस्तानी टीम में बड़े बदलाव होंगे। लेकिन अब तक ऐसा देखने को नहीं मिला है। अख्तर एशिया कप 2025 पर लगातार अपनी नजरें बनाए हुए हैं। तेज गेंदबाज ने अब टी-20 में दुनिया के सबसे खतरनाक बल्लेबाज का जिक्र किया है। लेकिन स्टार खिलाड़ी ने सूर्यकुमार यादव को नहीं बल्कि एक पाकिस्तानी बल्लेबाज को सबसे बड़ा मैच विनर बताया है।

शोएब, दुनिया का सबसे खतरनाक टी-20 बैटर फखर जमां को मानते हैं। उन्होंने पीटीवी से अपनी बातचीत में फखर को लेकर कहा कि फखर जमां एक विस्फोटक

बल्लेबाज हैं, खासकर टी-20 में, जब वो खेलता है तो मैच का पासा पलट देता है। मुझे लगता है कि इस फॉर्मेट में 2016 के बाद सबसे अच्छा खेलने वाला बल्लेबाज फखर है। वह मैदान के चारों तरफ शॉट मारता है और वो फॉर्म में हो तो किसी भी गेंदबाज का कबाडा बना सकता है। स्पिनर के सामने तो वह घातक है, उसके सामने स्पिनर की एक भी नहीं चलती है।

दुनिया के सबसे तेज गेंदबाज का ये भी मानना है कि अगर यह 5 ओवर क्रीज पर डट गया तो फिर कमाल हो जाएगा, वह मैच को खत्म करने का दम रखता है। 5 ओवर के बाद स्पिनर आएंगे तो फिर फखर क्या करेगा, ये बात सभी को पता है। स्पिनरों की तो उसके सामने एक नहीं चलेगी।

ऐसा रहा है करियर

पाकिस्तानी बल्लेबाज ने अब तक 101 टी-20 मैचों में 2077 रन बनाए हैं।

उन्होंने 12 अर्धशतक भी अपने नाम कर लिए हैं। इसके अलावा जमां ने अबतक ओवरऑल टी-20 में फखर ने 299 मैच खेलकर 7900 रन बनाए हैं, जिसमें उनके बल्ले से 3 शतक के अलावा 54 अर्धशतक निकले हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 135.78 का रहा है।

फाइनल में ट्रंप की मौजूदगी से मचा हंगामा

मैच आधे घंटे की देरी से शुरू हुआ, दर्शकों ने की हूटिंग

न्यूयॉर्क, 8 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर चर्चा में हैं। इस बार मामला है यूएस ओपन 2025 टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल फाइनल का, जहां उनकी मौजूदगी के कारण मैच की शुरुआत में आधे घंटे से ज्यादा की देरी हुई। इस घटना ने दर्शकों को खासा नाराज कर दिया और स्टेडियम में मौजूद कई फैंस ने ट्रंप के खिलाफ जमकर नाराजगी जताई।

मैच के रोमांच और खिलाड़ियों के प्रदर्शन की चर्चा बाद में हुई, लेकिन ट्रंप की मौजूदगी और उससे पैदा हुई देरी पूरे आयोजन पर हावी रही। सोशल मीडिया पर भी फैंस ने इस घटना पर अपने अनुभव साझा किए और कई लोगों ने इसे अनावश्यक ड्रामा करार दिया।

फाइनल मुकाबला आर्थर ऐश स्टेडियम में स्पेन के कार्लोस

अल्कारेज और इटली के यानिक सिनर के बीच खेला जाना था। दर्शक बेसब्री से इस टॉप-लेवल मैच का इंतजार कर रहे थे, लेकिन ट्रंप के आने के कारण सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। इससे ट्रैफिक जाम और पार्किंग की दिक्कतें बढ़ गईं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कई गाड़ियां पार्किंग में समय पर प्रवेश नहीं कर पाईं और लोग पैदल ही लंबी दूरी तय करने को मजबूर हो गए। यहां तक कि सेलिब्रिटी भी आम लोगों की तरह लाइन में खड़े नजर आए।

हालांकि, स्टेडियम में ट्रंप की मौजूदगी का आधिकारिक एलान नहीं किया गया, लेकिन जैसे ही स्क्रीन पर उनका चेहरा दिखा, दर्शकों की तरफ से जोरदार हूटिंग शुरू हो गई। फैंस का कहना था कि वे फाइनल का रोमांचक मैच देखने आए थे, न कि राजनीतिक विवाद। इस देरी ने उनका मूड बिगाड़ दिया। एक दर्शक ने अमेरिकी मीडिया को बताया कि पूरा आयोजन ट्रंप के आने से अराजक हो गया। वहीं, मिशिगन से आईं टेनिस प्रशंसक कैरेन स्टार्क ने राय दी, 'अगर ट्रंप का मन है तो वह कहीं भी जा सकते हैं और मैच देख सकते हैं। लेकिन यह भी सच है कि उनकी मौजूदगी से सुरक्षा कारणों से बड़ी परेशानी खड़ी हो जाती है।'

जो रूट ने शतक ठोक मचाई तबाही : सचिन का 100 शतकों वाला रिकॉर्ड तोड़ने से अब सिर्फ 43 कदम दूर

लंदन, 8 सितंबर (एजेंसियां)। क्रिकेट में कुछ रिकॉर्ड ऐसे हैं, जिनका टूटना असंभव लगता है. बल्लेबाजी में सबसे बड़ा रिकॉर्ड सचिन तेंदुकर के नाम है, जिन्होंने अपने पूरे करियर में 34357 रन किए. इन रनों में 100 इंटरनेशनल शतक भी हैं. यह रिकॉर्ड सबसे खास और सबसे बड़ा है, जिसे तोड़ना किसी 'चमत्कार' से कम नहीं होगा. वैसे तो इतने शतकों तक पहुंचा हर किसी के बस की बात नहीं है, क्योंकि सचिन के इस रिकॉर्ड को तोड़ने का सपना लेकर काफी खिलाड़ियों ने कोशिश की, लेकिन कोई भी इसके आस-पास तक नहीं पहुंच पाया, हालांकि एक खिलाड़ी लगातार बढ़िया प्रदर्शन करके इस रेस में तेजी से आगे बढ़

रहा है. 7 सितंबर 2025 को इस खिलाड़ी ने शतक ठोककर इस तरफ एक कदम और बढ़ा दिया है.

जो रूट ने बढ़ाया एक और कदम

यहां जिस खिलाड़ी की बात हो रही है वो कोई और नहीं बल्कि इंग्लैंड के दिग्गज जो रूट हैं, जिन्होंने साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज के तीसरे मैच में 98 गेंदों पर शतक जड़ा. यह उनके वनडे का 19वां जबकि इंटरनेशनल करियर का 58वां शतक रहा. इस शतक के दम पर उन्होंने बाबर आजम, ब्रायन लारा और महेला जयवर्धने की बराबरी की है, जबकि वेस्टइंडीज के शाई होप, न्यूजीलैंड के मार्टिन गुप्टिल और ऑस्ट्रेलिया के मार्क वॉ को पीछे कर दिया है, इन तीनों ही खिलाड़ी ने वनडे में 18-18 सेंचुरी जमाई हैं.

जो रूट ने अब तक कुल कितने शतक जमाए हैं?

जो रूट इंग्लैंड के लिए तीनों फॉर्मेट में अब तक 373 मैच खेल चुके हैं. 2012 में डेब्यू से लेकर 2025 तक उन्होंने 490 पारियों में 21737 रन बनाए, जिसमें 58 शतक आए हैं. ये खिलाड़ी 34 साल को हो गया है. जिस तरह की रूट के पास फिटनेस है और फॉर्म है, उसे देखते हुए कहना गलत नहीं होगा कि ये स्टार अगले 6 साल और क्रिकेट खेल सकता है. 40 साल तक की उम्र में रूट बल्ले से कमाल दिखाते नजर आ सकते हैं.

सचिन का वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ने के लिए 43 शतकों की जरूरत

सचिन के 100 शतकों का रिकॉर्ड तोड़ने के लिए उन्हें अभी 43 सेंचुरी और लगाना होंगी. यह बेहद मुश्किल है, लेकिन नाममुमकिन नहीं. रूट को हर साल 7-8 सेंचुरी लगानी होंगी तभी सचिन का 100 शतकों वाला वर्ल्ड रिकॉर्ड टूट सकता है. यह कहने में आसान है, लेकिन उसका टूटना किसी चमत्कार से कम नहीं. सचिन के बाद सबसे ज्यादा शतक विराट कोहली के हैं, देखना होगा रूट इस रेस में कहां तक जाते हैं.

बिक नहीं रही भारत-पाकिस्तान के एशिया कप मुकाबले की टिकट आयोजकों की बढ़ी परेशानी, विराट-रोहित हैं वजह?

दुबई, 8 सितंबर (एजेंसियां)। एशिया कप 2025 की शुरुआत में अब सिर्फ एक दिन रह गया है। टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान के मैच पर सभी की नजर है। ये मुकाबला 14 सितंबर 2025 को होगा। हमेशा से दोनों देशों के बीच मैच में स्टेडियम भरा रहता है और टिकट जल्दी बिक जाती है। इस बार ऐसा नहीं है और अभी तक स्टेडियम सोल्ड आउट नहीं हुआ है।

क्यों नहीं बिक रही भारत-पाकिस्तान मैच की टिकट?

भारत और पाकिस्तान के बीच 14 सितंबर 2025 को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में मैच होगा। अभी तक सभी टिकट नहीं बिकी है और इसकी डिमांड भी बेहद कम है। कई लोगों का मानना है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली की गैरमौजूदगी फैंस की मैच में रुचि नहीं होने का

कारण है। हालांकि, ऐसा नहीं है। असली वजह टिकट सिस्टम को लेकर है। दरअसल, आयोजकों ने पैकेज सिस्टम बनाया है।

पहले प्रशंसक सिर्फ भारत और पाकिस्तान के मैच की टिकट खरीद सकते थे लेकिन अब ऐसा नहीं है। अब उन्हें पूरा बंडल खरीदना होगा, जिसमें 7 मैच मौजूद होंगे। ग्रुप स्टेज के मैचों को प्रमोट करने के लिए ऐसा किया गया है लेकिन कीमत काफी ज्यादा है। इसी वजह से उनका ये फैसला गलत साबित हुआ है। सोशल मीडिया पर भी फैंस ने निराशा जाहिर की है।

एशिया कप के लिए टीम इंडिया और पाकिस्तान का स्क्वाड

2025 के एशिया कप के लिए भारत और पाकिस्तान ने अपनी बेस्ट स्क्वाड का ऐलान किया है। पाकिस्तान ने जहां बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान को जगह नहीं दी है, तो वहीं टीम इंडिया में शुभमन गिल उपकप्तान के रूप में शामिल हुए हैं।

टीम इंडिया का स्क्वाडः सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव, संजू सैमसन (विकेटकीपर), हर्षित राणा और रिंकू सिंह

पाकिस्तान का स्क्वाडः सलमान अली (कप्तान), अबरार अहमद, फहीम अशरफ, फखर जमान, हरिस रऊफ, हसन अली, हसन नवाज, हुसैन तलत, खुशदिल शाह, मोहम्मद हारिस (विकेटकीपर), हसन नवाज, वसीम जूनियर, साहिबजादा फरहान, सैम अयूब, सलमान मिर्जा, शाहीन शाह अफरीदी और सुफियान मोकिम

पाकिस्तान ने ट्राई सीरीज जीता

फाइनल में अफगानिस्तान को 75 रन से हराया; नवाज ने लिए पांच विकेट

शारजाह, 8 सितंबर (एजेंसियां)। एशिया कप 2025 से ठीक पहले पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शारजाह में खेले गए त्रिकोणीय सीरीज के फाइनल में अफगानिस्तान को 75 रनों से मात दी। इस जीत की सबसे बड़ी हीरो रहे ऑलराउंडर मोहम्मद नवाज, जिन्होंने अपनी बेहतरीन गेंदबाजी से अफगान टीम को ध्वस्त कर दिया।

पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 141/8 का स्कोर बनाया। अफगानिस्तान की टीम इस लक्ष्य का पीछा करते हुए सिर्फ 66 रन पर सिमट गई। नवाज ने कुल 3.5 ओवर में 19 रन देकर पांच विकेट लिए, जिसमें एक शानदार हैट्रिक भी शामिल रही। नवाज को शानदार गेंदबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया।

उन्होंने पहले दरविश रसूली और अजमतुल्लाह ओमरजई को लगातार गेंदों पर बिना खाता खोले आउट

किया और फिर अपनी अगली ओवर की पहली ही गेंद पर इब्राहिम जादरान (9) को पवेलियन भेज दिया। इसके साथ ही नवाज पाकिस्तान के तीसरे गेंदबाज बने जिन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय में हैट्रिक बनाई। उनसे पहले फहीम अशरफ और मोहम्मद हसनैन यह कारनामा कर चुके हैं।

पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। हालांकि, शुरुआत खराब रही और साहिबजादा फरहान तीसरी गेंद पर ही बिना खाता खोले आउट हो गए। इसके बाद फखर जमां (27) और सैम अयूब (17) ने दूसरे विकेट के लिए 49 रन जोड़े। कप्तान सलमान आगा (24 रन, 27 गेंद) ने संघर्षपूर्ण पारी खेली, जबकि नवाज ने बल्ले से भी योगदान देते हुए 21 गेंदों पर 25 रन बनाए, जिसमें दो शानदार छक्के शामिल थे। अफगान कप्तान राशिद खान ने गेंदबाजी में शानदार प्रदर्शन किया और चार ओवर में 3 विकेट चटकाए। उन्होंने जमां, हसन नवाज (15) और आगा को पवेलियन भेजा।

142 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी अफगानिस्तान की टीम शुरुआत से ही लड़खड़ा गई। नवाज और पाकिस्तानी गेंदबाजों के सामने कोई भी बल्लेबाज टिक नहीं पाया। राशिद खान (17 रन) और सदीकुल्लाह अतल (13 रन) ही दो ऐसे बल्लेबाज़ रहे जो दहाई का आंकड़ा पार कर पाए। अफगानिस्तान का स्कोर 15.5 ओवर में 66 रन पर सिमट गया, जो टी20आई इतिहास में उनका दूसरा सबसे कम स्कोर है। इससे पहले 2024 टी20 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सिर्फ 56 रन बनाए थे।

जीत के बाद पाकिस्तान के कप्तान सलमान आगा ने कहा, 'हम एशिया कप के लिए जिस तरह की तैयारी चाहते थे, वह पूरी हो गई है। टीम संतुलित है और हम बेहतरीन फॉर्म में हैं।

एशिया कप हॉकी में भारतीय महिलाओं का दबदबा

सिंगापुर को 12-0 से रौंदा, मुमताज खान और नवनीत कौर की हैट्रिक

हांगझोउ, 8 सितंबर (एजेंसियां)। नवनीत कौर और मुमताज खान की हैट्रिक की बदौलत भारतीय महिला हॉकी टीम ने चीन के हॉन्ग्झू में सोमवार 8 सितंबर 2025 को एशिया कप के पूल बी मैच में सिंगापुर को 12-0 से हरा दिया। इस जीत के साथ ही भारत ने टूर्नामेंट के सुपर-4 चरण में प्रवेश किया। भारत की ओर से नवनीत (14वें, 18वें और 28वें मिनट) और मुमताज खान (दूसरे, 32वें और 38वें मिनट) के अलावा नेहा, लालरेम्सियामी (13वें मिनट), शर्मिला देवी (45वें मिनट) और ऋतुजा पिसल (52वें मिनट) ने भी भारत के लिए गोल दागे। नेहा ने 11वें और 38वें मिनट में दो गोल दागे।

विश्व में 10वें नंबर की टीम भारत ने पिछले हफ्ते अपने पहले मैच में थाइलैंड को 11-0 से हराया था और गत चैंपियन जापान

के साथ 2-2 से ड्रॉ खेला था। सिंगापुर विश्व रैंकिंग में 34वें स्थान पर है। इस टूर्नामेंट में आठ टीमें हिस्सा ले रही हैं। दोनों पूलों से शीर्ष दो टीमें सुपर 4 चरण के लिए क्वालिफाई करेंगी। भारत सुपर-4 चरण के लिए क्वालिफाई कर चुका है। सुपर 4 में शीर्ष दो टीमें 14 सितंबर को होने वाले फाइनल में खेलेंगी। एशिया कप जीतने वाली टीम बेल्जियम और नीदरलैंड्स में होने वाले 2026 महिला विश्व कप के लिए क्वालिफाई करेंगी।

भारत बनाम सिंगापुर मैच में चौथे क्वार्टर को छोड़ दिया जाए तो सिम वैलेरी की अगुआई वाली टीम सलीमा टेटे ब्रिगेड के सामने संघर्ष करती ही दिखी। भारतीय महिलाओं ने शुरू से ही दबदबा बनाया। भारत ने पहले क्वार्टर में 4 गोल दागे। दूसरे क्वार्टर में स्कोरलाइन को 7-0 कर दिया। हॉफ टाइम के बाद भारत ने 5 गोल दागे। तीसरे क्वार्टर में 4 और आखिरी क्वार्टर में एक गोल किया।

13 चौके 9 छक्के, पाकिस्तान टीम से ड्रॉप होने के बाद रिजवान ने मचाई तबाही

अकेले के दम पर जिताया मैच

बारबाडोस, 8 सितंबर (एजेंसियां)। एशिया कप 2025 से पहले पाकिस्तान के स्टार बल्लेबाज और पूर्व कप्तान मोहम्मद रिजवान ने टी20 मुकाबले में बल्ले से तबाही मचाई और अकेले के दम पर मैच जिता दिया. वो 62 गेंदों पर 85 रन ठोककर टीम की जीत के हीरो बने. ये वही रिजवान हैं, जिन्होंने एशिया कप 2025 के लिए पाकिस्तान की टीम में नहीं चुना गया, इसके बाद वो वेस्टइंडीज की सरजमीं पर पहुंचे और वहां चल रही कैरिबियन प्रीमियर लीग 2025 में बल्ले से तबाही मचा दी.

दाएं हाथ के स्टार विकेटकीपर बैटर मोहम्मद रिजवान CPL 2025 के सीजन सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स टीम का हिस्सा हैं.7 सितंबर को खेले गए सीजन के 25वें मुकाबले में उन्होंने सेंट किट्स और नेविस पैट्रियट के खिलाफ 85 रन कूटे.यह पारी इसलिए खास थी कि क्योंकि

गयाना अमेजन वॉरियर्स के खिलाफ टीम के बनाए टोटल रन में आधे से ज्यादा रिजवान के बल्ले से ही निकले. वो आखिर तक क्रीज पर डटे रहे और नाबाद लौटे.

मैच का लेखा जोखा

दरअल, गयाना अमेजन वॉरियर्स के खिलाफ रिजवान की टीम पहले बल्लेबाजी करने उतरी थी. मोहम्मद रिजवान और आंद्रे फ्लेचर पारी का आगाज करने आए थे. फ्लेचर तो 7 रन बनाकर जल्दी आउट हो गए, लेकिन रिजवान ने क्रीज पर खूंटा गाड़कर बैटिंग की. एक तरफ से विकेट गिरते गए, लेकिन रिजवान डटे रहे और पूरे 20 ओवरों तक बैटिंग की.

62 गेंदों पर 85 रन कूटे

मोहम्मद रिजवान ने गयाना के खिलाफ 137 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट से 62 गेंदों पर 85 रन बनाए, यह पारी मुश्किल पिच पर आई, जहां बॉलर्स को खूब मदद थी. इस पारी में 3 छक्के और 8 चौके शामिल रहे. रिजवान की पारी के दम टीम ने 150 रनों का टारगेट बोर्ड पर लगाया था, जिसकी पीछा करने उतरी गयाना अमेजन वॉरियर्स 144 रन बना पाई और मैच हार गई.सेंट किट्स के लिए पहले बल्ले से रिजवान छाए तो गेंदबाजी में नसीम शाह ने जलवा दिखाया. उन्होंने 4 ओवरों में 29 रन देकर 2 विकेट लिए.

सीपीएल 2025 में कितने रन बना चुके हैं रिजवान?

एशिया कप 2025 के लिए पाकिस्तान टीम से ड्रॉप होने के बाद रिजवान अब तक CPL 2025 में सिर्फ 5 मैच खेले, जिनमें 62.66 की औसत से 188 रन जड़ चुके हैं. 22 छक्के-चौके के साथ उन्होंने यह रन किए. रिजवान 9 छक्के और 13 चौके लगा चुके हैं. अब अगले मैचों में भी वो इसी फॉर्म को आगे बढ़ाना चाहेंगे. गौर करने वाली बात ये है कि सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स ने इस सीजन अब तक सिर्फ 3 मैच जीते, इनमें से 2 जीत रिजवान की एंट्री के बाद आई हैं.

सीएम ने ओलंपिक में पदक जीतने के लिए हर संभव सहायता का आश्वासन दिया

हैदराबाद, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने महिला तीरंदाजी चैंपियन चिकिता तानिपर्ती को अगले ओलंपिक खेलों में पदक जीतने के लिए पूर्ण प्रशिक्षण सहित हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। चिकिता ने कनाडा में आयोजित 2025 युवा विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप में भारत के लिए स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली महिला बनकर विश्व रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने चीन के शंघाई में आयोजित सीनियर विश्व कप टीम स्पर्धा में भी रजत पदक जीता। विश्व तीरंदाजी चैंपियन ने आज मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से शिष्टाचार भेंट की। बातचीत के दौरान, मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार राज्य में खेलों को बढ़ावा देने को प्राथमिकता दे रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इच्छुक खिलाड़ियों को ओलंपिक खेलों में पदक जीतने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इस अवसर पर विधायक विजया रमण राव, एसएटी अध्यक्ष शिवसेना रेड्डी, राजेंद्र राव और अन्य भी उपस्थित थे।

प्रवासी मजदूर की हत्या, शव घर के बाहर फेंका

संगारेड्डी, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार तड़के आईडीए बोल्लाराम नगरपालिका के केबीआर कॉलोनी में अज्ञात हमलावरों ने एक युवक की हत्या कर दी। मृतक की पहचान ओंगोल निवासी 22 वर्षीय जयप्रकाश के रूप में हुई है, जो राजमिस्त्री का काम करता था और आईडीए बोल्लाराम व आसपास के क्षेत्रों में काम करता था। पुलिस के अनुसार, शुरूआती जांच से संकेत मिला है कि हत्या कहीं और की गई और बाद में शव उसके घर के पास फेंक दिया गया। सोमवार सुबह जब परिवार ने दरवाजा खोला तो शव देखकर सनसनी फैल गई। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए पटनचेरु सरकारी अस्पताल भेजा गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

तेलंगाना ने आदिलाबाद सीसीआई सीमेंट संयंत्र के पुनरुद्धार का आग्रह किया

हैदराबाद, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सूचना प्रौद्योगिकी एवं उद्योग मंत्री श्रीधर बाबू ने राज्य सरकार की इस दृढ़ मांग को दोहराया है कि केंद्र सरकार आदिलाबाद स्थित बंद पड़े भारतीय सीमेंट निगम (सीसीआई) संयंत्र के पुनरुद्धार का कार्य अपने हाथ में ले।

मंत्री ने याद दिलाया कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और उन्होंने स्वयं कई मौकों पर केंद्रीय इस्पात एवं भारी उद्योग मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी से इस प्रमुख औद्योगिक इकाई के पुनरुद्धार के लिए व्यक्तिगत रूप से अपील की थी। मुख्य सचिव ए. रामकृष्ण राव, सीसीआई के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक संजय बंगा, आदिलाबाद विधायक पायल शंकर और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सचिवालय में एक उच्च स्तरीय बैठक में संयंत्र के पुनरुद्धार के प्रस्तावों की समीक्षा की गई। सीसीआई प्रबंधन ने संकेत दिया कि उन्नत मशीनों के साथ संयंत्र के आधुनिकीकरण के लिए लगभग 2,000 करोड़ रुपये की आवश्यकता होगी।

चालू होने के बाद, यह इकाई लगभग 3,000 लोगों के लिए रोजगार पैदा कर सकती है। श्रीधर बाबू ने इस बात पर जोर दिया कि पिछड़ा क्षेत्र होने के कारण आदिलाबाद ज़िले को इस संयंत्र के पुनरुद्धार से अत्यधिक लाभ होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस बड़े उद्योग को केंद्र सरकार के नियंत्रण में ही रहना चाहिए और निजीकरण या विनिवेश के किसी भी कदम का कड़ा विरोध किया। उन्होंने यह भी बताया कि सीसीआई ने राज्य सरकार से प्रस्ताव मांगे हैं और ये जल्द ही प्रस्तुत किए जाएंगे। मंत्री ने आगे बताया कि इस क्षेत्र में 2,000 एकड़ से अधिक उच्च गुणवत्ता वाले चूना पत्थर के भंडार उपलब्ध हैं, जो संयंत्र की व्यवहार्यता सुनिश्चित करते हैं। बैठक में खान एवं भूविज्ञान विभाग के प्रमुख सचिव एन. श्रीधर, खान निदेशक वेल्लुरु क्रांति, टीजीआईआईसी के प्रबंध निदेशक शशांक तंदूर, सीसीआई संयंत्र के महाप्रबंधक शरद कुमार, सीसीआई के क्षेत्रीय प्रबंधक उमेश कुमार सिंह और पूर्व केंद्रीय मंत्री वेणुगोपालाचारी ने भी अपने विचार साझा किए।

राजनीतिक दलों को एक व्यापक अंतिम मतदाता सूची तैयार करने में सहयोग करना चाहिए : आर.वी. कर्णन

जीएचएमसी मुख्यालय में राजनीतिक दल के प्रतिनिधियों के साथ बैठक हुई

हैदराबाद, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद जिला निर्वाचन अधिकारी और जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन ने सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से जुबली हिल्स विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र उपचुनाव के लिए एक व्यापक अंतिम मतदाता सूची तैयार करने में पूर्ण सहयोग प्रदान करने का अनुरोध किया है।

विशेष संक्षिप्त संशोधन कार्यक्रम पर सोमवार को जीएचएमसी मुख्यालय में राजनीतिक दल के प्रतिनिधियों के साथ बैठक हुई। उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के कार्यक्रम के अनुसार, एकीकृत प्रारूप मतदाता सूची 2 सितंबर, 2025 को प्रकाशित की जाएगी। प्रारूप सूची के अनुसार, कुल 139 स्थानों और 40 प्रतिशत मतदान केन्द्रों पर 3 लाख 92 हजार 669 मतदाता हैं। उन्होंने

बताया कि यह सूची सभी राजनीतिक दलों को उपलब्ध करा दी गई है तथा तेलंगाना के मुख्य निर्वाचन अधिकारी और जीएचएमसी की वेबसाइटों पर भी उपलब्ध करा दी गई है। पार्टी प्रतिनिधियों से प्रत्येक मतदान केंद्र के लिए बूथ स्तरीय एजेंट (बीएलए) नियुक्त करने और पारदर्शी एवं सटीक सूची पुनरीक्षण में भाग लेने को कहा गया। उन्होंने बताया कि आवेदन और आपत्तियां 17 सितंबर तक स्वीकार की जाएंगी।

1 जुलाई 2025 तक 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले पात्र नागरिकों को 17 सितंबर तक मतदाता के रूप में पंजीकरण कराना होगा।

उन्होंने कहा कि यदि सूची में कोई संशोधन या परिवर्धन आवश्यक हो तो संबंधित आवेदन पत्र 17 सितंबर तक जमा कर दिए जाएं। कर्णन ने बताया कि फार्म 6, 6ए, 7 और 8 के माध्यम से प्राप्त 2,855 आवेदनों और आपत्तियों में से अब तक 8.62 प्रतिशत आवेदनों का निपटारा कर

दिया गया है तथा शेष आवेदनों का भी जल्द से जल्द निपटारा कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र में प्रत्येक पात्र मतदाता को सूची में शामिल करने तथा सटीक मतदाता सूची तैयार करने के लिए राजनीतिक दलों का सहयोग आवश्यक है। बताया गया है कि अंतिम मतदाता सूची 30 सितंबर, 2025 को प्रकाशित की जाएगी। बैठक में एल.बी. नगर जोनल कमिश्नर हेमंत केशव पाटिल, सिकंदराबाद कैंटोनमेंट बोर्ड की संयुक्त सीईओ पल्लवी विजयवंशी और अतिरिक्त आयुक्त (चुनाव) मंगलातैय्यार उपस्थित थे। राजनीतिक दलों की ओर से नंदेश कुमार (बहुजन समाज पार्टी), पी. वेंकटरमण, पवन कुमार (भारतीय जनता पार्टी), विजय मल्लांगी (आम आदमी पार्टी), एम. श्रीनिवास राव (कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया-मार्क्सवादी), राजेश कुमार (भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस), वाई. जयसिम्हा, के. माधव (भारत राष्ट्र समिति), के. जोगेंद्र सिंह, प्रशांत यादव (तेलुगु देशम पार्टी), सैयद मुश्ताक (एआईएमआईएम) और अन्य उपस्थित थे। बैठक से पहले, जीएचएमसी आयुक्त आर वी कर्णन ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ हैदराबाद जिले में जीआईएस आधारित भूदृश्य मानचित्रण की कार्ययोजना पर चर्चा की।

श्रीवारी मंदिर में दर्शन प्रारंभ

तिरुमला, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्रीवारी मंदिर में सोमवार सुबह 6 बजे भक्तों के लिए दर्शन शुरू हो गए।

चूंकि चंद्रग्रहण रविवार रात 9:50 बजे से सोमवार सुबह 1:31 बजे तक रहा, इसलिए परंपरा के अनुसार रविवार को दोपहर 3:30 बजे मंदिर के कपाट बंद कर दिए गए। लगभग 12 घंटे बाद, सोमवार सुबह 3 बजे मंदिर के कपाट फिर से खोल दिए गए। मंदिर शुद्धिकरण अनुष्ठान, पुण्याहवाचन और अन्य कैकार्यम के बाद, भक्तों को दर्शन की अनुमति दी गई। चंद्रग्रहण के कारण, मातृश्री तारिगोंडा वेंगमम्बा अन्नप्रसादम परिसर, जो रविवार दोपहर 3 बजे बंद हो गया था, सोमवार सुबह 7:30 बजे फिर से खोल दिया गया।

रसोई की शुद्धि के बाद, भक्तों को अन्नप्रसादम का वितरण सुबह 8:30 बजे से शुरू हुआ।

आवारा कुत्तों के हमले से बच्ची घायल, अभिभावकों में दहशत

मंचेरियल मॉडल स्कूल हॉस्टल परिसर में घटी घटना, सुरक्षा इंतजाम की मांग

मंचेरियल, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कासिपेट मंडल स्थित तेलंगाना मॉडल स्कूल के छात्रावास परिसर में 5 सितंबर को एक छह वर्षीय बच्ची आवारा कुत्तों के हमले का शिकार हो गई। सोमवार को घटना का सीसीटीवी फुटेज वायरल होने के बाद अभिभावकों में चिंता और आक्रोश फैल गया।

पीड़िता की पहचान चोपारी अक्षिता (6) के रूप में हुई है, जो हॉस्टल में सफाईकर्मी की बेटी है। रिपोर्ट के अनुसार, जब वह परिसर में अकेली घूम रही थी, तभी दो आवारा कुत्तों ने उस पर हमला कर उसके हाथ और पैरों को बुरी तरह नोच डाला। उसकी चीख सुनकर उसकी माँ मौके पर पहुंची और किसी तरह उसे बचाया।

अक्षिता को तुरंत मंचेरियल सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के बाद शनिवार को उसे छुट्टी दे दी गई।

हालांकि, उसके माता-पिता का कहना है कि बच्ची अब भी सदमे में है। घटना से चिंतित अभिभावकों ने अधिकारियों से अपील की है कि परिसर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की जाए और आवारा कुत्तों के खतरे से निपटने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों।

गणेश विसर्जन के बाद 20 हजार टन कचरा साफ

पर्यावरणविदों ने उठाई पर्यावरण-अनुकूल मूर्तियों और बेहतर अपशिष्ट निपटान की मांग

हैदराबाद, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गणेश प्रतिमा विसर्जन के दौरान ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) ने करीब 20,000 टन कचरा साफ किया, जो शहर में रोजाना निकलने वाले औसत कचरे से लगभग आठ गुना अधिक है।

जीएचएमसी की स्वच्छता शाखा ने बताया कि हुसैन सागर, कृत्रिम तालाबों और अन्य जलाशयों से अपशिष्ट एकत्र कर जवाहर नगर डंपिंग यार्ड भेजा गया। 6 और 7 सितंबर को ही विसर्जन स्थलों से 1,500 से 1,600 टन कचरा इकट्ठा किया गया। जीएचएमसी के अधिकारियों

का कहना है कि सफाई कर्मचारियों को भारी मात्रा में अपशिष्ट हटाने में बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ा, जिससे शहर की कचरा प्रबंधन प्रणाली पर दबाव पड़ा।

इस बीच, हैदराबाद में इस साल रिकॉर्ड 3.03 लाख गणेश प्रतिमाएं विसर्जित की गईं, जिनमें सबसे अधिक 79,217 प्रतिमाएं खैरताबाद क्षेत्र में डाली गईं। पर्यावरणविदों ने अपील की है कि मूर्ति निर्माण में पर्यावरण-अनुकूल सामग्री का इस्तेमाल बढ़ाया जाए और अपशिष्ट निपटान की बेहतर व्यवस्था की जाए ताकि जलाशयों पर असर कम हो।

यूरिया संकट से किसानों का फूटा गुस्सा

महबूबनगर, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में ताजा यूरिया स्टॉक आने के कांग्रेस सरकार के दावों के बावजूद, किसानों की परेशानी कम नहीं हो रही है। सोमवार को ज़िलों के विभिन्न पैक्स और सहकारी समितियों पर यूरिया लेने के लिए किसानों की भारी भीड़ और लंबी कतारें देखने को मिलीं। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के कोडंगल विधानसभा क्षेत्र के कोसगी स्थित पीएसीएस कार्यालय पर किसानों की लंबी कतारें लगीं। नारायणपेट ज़िले के मद्दुर पैक्स पर रविवार आधी रात से ही किसान यूरिया की उम्मीद में लाइन में खड़े रहे। पुलिस की मौजूदगी में किसानों को टोकन भी बांटे गए ताकि किसी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

आईएएस अधिकारियों के तबादले के आदेश

अमरावती, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायुडू के नेतृत्व वाली आंध्र प्रदेश सरकार ने कुछ वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों के तबादले और नई नियुक्तियाँ करने के आदेश दिए हैं। आदेश के अनुसार, वरिष्ठ आईएएस अधिकारी जी अनंत रामू को डॉ.एम. हरि जवाहरलाल (सेवानिवृत्त) के स्थान पर राज्यपाल के विशेष मुख्य सचिव के पद पर स्थानांतरित किया गया है। स्थानांतरित किए गए अधिकारियों में पदस्थापना की प्रतीक्षा कर रहे अनिल कुमार सिंघल भी शामिल हैं, जिन्हें जे श्यामला राव के स्थान पर टीटीडी के कार्यकारी अधिकारी के पद पर स्थानांतरित किया गया है। राव को सामान्य प्रशासन विभाग में प्रमुख सचिव (राजनीतिक) के पद पर स्थानांतरित किया गया है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग में विशेष मुख्य सचिव एमटी कृष्ण बाबू को परिवहन, सड़क एवं भवन विभाग में विशेष मुख्य सचिव के पद पर स्थानांतरित किया गया है, जिससे अतिरिक्त एफएसी एन युवराज कार्यभार संभालेंगे। सामान्य प्रशासन विभाग में वर्तमान प्रमुख सचिव (राजनीतिक) मुकेश कुमार मीणा को राजस्व (आबकारी) में प्रमुख सचिव के पद पर स्थानांतरित किया गया है। परिवहन, सड़क एवं भवन विभाग में वर्तमान प्रमुख सचिव कांतिलाल दांडे को जी अनंत रामू के स्थान पर ईएफएस एवं टी में प्रमुख सचिव के पद पर स्थानांतरित किया गया है। नागरिक आपूर्ति आयुक्त सौरभ गौड़ को स्वास्थ्य, चिकित्सा एवं परिवार कल्याण सचिव के पद पर स्थानांतरित किया गया है। आईएएस अधिकारी प्रवीण कुमार, सीएच श्रीधर, एमवी शेषगिरी बाबू और एम हरि जवाहरलाल को क्रमशः आंध्र प्रदेश भवन में रेजिडेंट कमिश्नर, अल्पसंख्यक कल्याण सचिव, श्रम एवं कारखाना सचिव और सरकार (प्रावधान) में राजस्व सचिव के पद पर स्थानांतरित किया गया है।

दमरे के महाप्रबंधक ने सुरक्षा समीक्षा बैठक में दिए कई निर्देश

रेलवे यार्डों में सुरक्षा प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन करने पर जोर

हैदराबाद, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने सोमवार को दक्षिण मध्य रेलवे के अपर महाप्रबंधक सत्य प्रकाश और प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ, पूरे जोन में ट्रेन संचालन की सुरक्षा पर एक विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में सभी छह मंडलों, अर्थात् विजयवाड़ा, गुंतकल, गुंटूर, सिकंदराबाद, हैदराबाद और नांदेड़ मंडलों के मंडल रेल प्रबंधकों (डीआरएम) ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भाग लिया।

संजय कुमार श्रीवास्तव ने रेलवे यार्डों में सुरक्षा प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन करने पर जोर दिया। उन्होंने यार्डों में ट्रेनों की शंटिंग के दौरान पालन किए जाने वाले सुरक्षा निर्देशों पर चर्चा की। महाप्रबंधक ने इंजीनियरिंग, सिग्नल और अन्य विभागों से संबंधित विभिन्न सुरक्षा ऑडिट और विशेष अभियानों की भी समीक्षा की।

दूरसंचार, यांत्रिक, विद्युत आदि। उन्होंने अधिकारियों द्वारा किए जा रहे सुरक्षा निरीक्षणों की समीक्षा की और कहा कि जो भी कमियां पाई जाएं, उन्हें जल्द से जल्द दूर किया जाना चाहिए। महाप्रबंधक ने पूरे जोन में ट्रेन संचालन की सुरक्षा की भी समीक्षा की। उन्होंने दोहराया कि किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए शॉर्टकट तरीकों से पूरी तरह बचना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को सभी सुरक्षा दिशानिर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के लिए लगातार क्षेत्रीय निरीक्षण करने की सलाह दी। बाद में, संजय कुमार श्रीवास्तव ने ज़ोन के छह मंडलों के सभी रेलवे स्टेशनों पर दिव्यांगजन सुविधाओं के प्रावधान की समीक्षा की। उन्होंने रेलवे बोर्ड के निर्देशों के अनुसार स्टेशनवार दिव्यांगजन सुविधाओं की समीक्षा की और अधिकारियों को निर्धारित तिथि तक इन्हें सुनिश्चित करने की सलाह दी। उन्होंने मौजूदा सुविधाओं की भी समीक्षा की और निर्देश दिया कि यदि आवश्यक हो तो किसी भी सुधार को तुरंत किया जाना चाहिए।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.